त्रवीतामांच ठाकृत



বিশ্বকারতী গ্রন্থাসয় ২ বছিম চাটুজে স্ট্রীট : কলিকাতা ्रिक्ष कृतन की जुल्ह्युत सं ३३०%, उलकेत् अवतान की **वेषद** अवदाल सुन्ति

विष्कादकी । ५ अवादकाराच शक्त । तम । कतिकाका

पुरुषर बैशक्तरम शेंप्र

पापने (शाः . ०- कन्द्रवास्ति क्रेडे : क्लिकाडा

श्रीमान ध्रमधनाय (क्षेत्रहो 4900年

घटत्र-वाइटत

विम्लाह जाहरूरा

ক্ষেত্ৰত হতে সংক্ষা লাগকৰ হ'ব বাংলাৰ বিজ্ঞান ক্ষেত্ৰ ক্ষাপ্ত কেবাকে বিজ্ঞানিক ক্ষামাত লাকে বং বিলালসকা, কৰি দীৰ্থি ক্ষিত্ৰতাত কৰে কথা ক্ষাপ্ত কৰাৰ বাংলাৰ

स्रमेद्र प्राप्ति प्राप्त १८०, व १६ तम वस्त्रण नामः वा निर्देश स्तुत्वप्रकाद १८६ विद्यास स्थाप तमा नामः व गाँउ । प्रदेश स्थापति स्रमाण १ एथ्य १६ - महार । य प्राप्त नामः व ११ य स्थापति स्थापता वर्ग भए, १ एथ्य सात्र नामः व विकास रहत्वप्रदेश स्थापताकाः।

भूकती (म. जरे, निवा करात्म काम गान मनीय मेंने नाहे, रमाराव नाइक रमकान रहे ता करेंकून जिलाव मेंच हराय मार्थ ब्राइट्ड बायुद्दाकि (ब्राय (जरक रहा ब्राइट हो है (वृद्ध स्मिक्टिंग, इ. इस्ट्रिक क्रम्बन, इ.स.टीमबी करात करात कराते समान, व्हर्ड हराई रस. निवास (ब.स.ब.स.ब.स.स.स.स.स.स.

् बाबार बाह बाधार सिंग रह । वैगान हाम बाहर बाहर वास्त्राहर

স্থানীকে কেন্দুন, কার সভে ঠিক ,নলে ল একন কি, বঁলি বছ কেন্দুন স্থানারই মধ্যে। নিজে বংগর স্থান বিজে বান বে সাক্ষাড় ছিল সেটা কিছু সুচল বাট, কিছু ,সই সভে তেওা দীর্কনিস্থানত সচল। নিজের সভে লক্ষায় নাগর মধ্যে গ্রেছন, তবু মনে মনে ত রাজপুন্তি। ছিল ছোকে একবার চোলে ,চাতে ,সংগ্রান স্বান্ত্রন তন্ত্রন

কিন্ত বল বলন ভোষের লাগার। পাঁচয়ে পুরুবার অবারে কোন কোন কোন কোন কোন কোন কোন কান কান আনহাত বাং লাভিয়া বাংল প্রায়ন্ত্র করেন আনহাতে বাং লাভিয়া বাংল প্রায়ন্ত্র করেনে আনহাত বাং লাভিয়া বাংলার কোনের আনহাত বাংলার আনহাত বাংলার আনহাত বাংলার আনহাত বাংলার আনহাত করেনে কান আনহাত কানহাত্র আনহাত্র কানহাত্র আনহাত্র আনহ

त्मते विकास स्वाप्ते कि सामान महतन महता हिल जान हिला। सके हा, सारमामहत्त्वन सक विनेत जा, हम इस्तरमाण अन्ति स्वाप्त महत्त्व स्वाप्त स्वाप्त स्वति सीमानितासात महिला-साम्रहत अन्ति स्वाप्तान सहत साहित्व सामान কোনো নাৰ্থকতা থাকে, কৰে দেই প্ৰভাৱেত প্ৰবৃটি থাগনাৰ ভাত <mark>খাবত</mark> কৰেছিল।

बात बाता, रकाताथ रामाध केंद्र विकि माकराज पत्र वावीय माताध दूरम विकृष समय प्रदेश करें, बाधाय मिरपर मिंदरी राज कर्यापाराध बाया बारम केंद्रम : बाध किन किनि करेगा (कार्य रहरा केंद्रम समान्य क की विकृष, करक की । बाधाय रम सकत कृताध माद्रम ज. विकि करराध कार्यम्य, बार्यि मृतिर्द सूना बाया महीर । किन जम, जह, रम बाधाय सूना जय-- रम बाधाय जानीर कार, जगर कार्यापाराम बामजिले सूका कराज क्षेत्र

स्थान पद्म परिवान गायन विद्या रेगा अपू करक कारण विद्या देगा अपू करक कारण विद्या द्याणन गायाव्य कारण गिर्नित प्राप्त विद्या प्राप्त व्याप्त विद्या प्राप्त विद्या प्राप्त विद्या द्याणन गायाव्य कारण कार्या विद्या प्राप्त कार्या कार्या कार्या व्याप्त व्याप्त कार्या व्याप्त व्याप्त

िकिया हम कार्यात पश्चत गांशिक हुई। ११६१% । बांशिक विकि गांशिकि गर्यक कार्यो क्षित्रात कार्यो केन्द्र सामन १९४१ केन्द्र उपक्ष योग उन्हें करकते कार्यात कार्यो कार्यात गांधि कि कार्यात स्थान करहात । विके करको विकि वर्ष्य क्रिम किम्पित्य बांगात अविनी चांधि निक्क तिमुक्त करहात सम्बन्धत वर्ष्य गांधित यह नहरू दिन चांच न्यात क्ष्र निक्क तिमुक्त करहात सम्बन्धत वर्ष्य गांधित हक नकार नहरू ।

क्षेत्रे महरहते विकि कि. क. माम कार १४. ४ मध्यितक । काराहरू

পড়বার আন্তে উচ্চে কনভাতার থাকতে হয় বিভিন্ন প্রাণ্ড বোকট আহাতে কেন্ট করে চিন্তী নিবছেন প্রথম কথা আন্তঃ তার কার্যে নাম্য কার হাজের দেয়া প্রথম কোন্তা পোন কোন্ত অকরক্তি মেন বিভা হয়ে আনোর মুখের বিজে চেয়ে খালাস।

ক্ষেত্ৰ ক্ষান্ত কৰিব বাংলা আমি টাৰ চিউন্তৰ্গ কাষ্ট্ৰ, কাৰ বাংক বাধান থাকে দুল টুলে গেছলি হোকে বিষ্ণা ভাষন আমাৰ সেট অপৰকাৰ ৰাজপুৰ অঞ্চলালোকে উপৰে মাজে মিলিয়ে সেচে। সেটিন আমাৰ সভাগৰ বাহপুত্ৰ প্ৰত্য আমাৰ ভ্ৰম নিৰ্দেশন আমি উপ্ৰান্তি সৰ্বাপ্ত আমাৰ কাৰ্ডা কিন্তু কাৰ চেম্ব আমাৰ — শ্ৰিক বাংলা আমাৰ আমাৰ বাংলা

साम , न्यांकर नार्षेक्ष कृत्या न्यांकान वाहार तर्षे व्यांका विकास स्थापित व्यांका कृत्या स्थापित व्यांका स्थापित व्यांका स्थापित स्थाप स्थापित स्थाप स्थापित स्थापित स्थापित स्थाप स्थापित स्थापित स्थापित स्थाप

निम्न कृत किल्लान नाम नाम पाण नहे लोगाना मानामानि सम्ब स्थान लोगान के लोगान मान नाम नाम नाम हिल्लाहर मान माना हिल्लाहर काम माना हिल्लाहरू काम कामानामान माना माना नाम नाम हिल्लाहरू कामानामान मानामान हिल्लाहरू कामानामान मानामान मानामान हिल्लाहरू है कामानामान मानामान मानामामान मानामामान मानामान मानामामामान मानामान मानामान मानामामान मानामामामान मानामामामान मानामामामा कारणाव रक्षम करन महाका करन सकार विशास रहा रमाहः। जनम कि रक्षमणाव स्थापन अगरावे विश्व कान कानाक विश्व प्रत्यवे वारणा

বৈষ্টেশকাৰে অনু সৰ্বই যে এই ছাত্ৰ চাক, ছে নাম ছাত্ৰ, ছাত্ৰিছ লো কিছ গঢ়ব আনি, আমাৰ ছাত্ৰৰ ছাত্ৰ হাত্ৰ হাত্ৰ ছাত্ৰ ছিলিকী কিক-নাত্ৰই কৰি কৰবাৰ বাত্ৰ লাগতে কি ছাত্ৰ ছাত্ৰ ছাত্ৰ আমাৰকে স্পন্ধ বৃত্তৰে সাজান্ত হাত্ৰ হাত্ৰ হাত্ৰ ছাত্ৰ আমাৰকে স্পন্ধ বৃত্তৰে সাজান্ত হাত্ৰ হাত্ৰ হাত্ৰ ছাত্ৰ ছাত

्यांच कार्यात कारण, याद ए कार्यों याद ए ता के स्थान प्रदेशक निर्म द्वारिका का अब दिल कार्य देनते हैं के स्थानिका, साल स्थान कार्या कार्या के स्थान तमक कार्यों के स्थानिक कार्य निर्मित देनते द्वारा कार्याक

साथ पर सवायार अन्यतः अपूर्ण अपूर्ण अप्राप्तः वादः स्थापः स्यापः स्थापः स्यापः स्थापः स्थापः

আনৰ কৰেব ভিতৰ নিয়ে, বাছিৰ ভিতৰ নিয়ে। নিমেৰ কাভ কেছে,
না মুগ্ৰ, বৰ্ড কৰে চুল কেছে, কণালে নিয়াৰৰ জীল নিয়ে, কোড়ায়েয়া
লাচিত্ৰ পাৰে, শ্ৰুটিয়ে পড়া কেছ মন্ত্ৰে সমন্ত্ৰ সামাৰ কোড়াই কিবিয়ে বনে কেছেনেই কাছে কেই বিলেই সময়েই সোমাৰ কাল্যাই নিবেনে কৰে ভিতুৰ — কেই সময়েই আম, কিছু আন্তৰ মনো কে ক্ষ্যাই।

শ্বিৰ স্থানী বৰাৰৰ বাল গলেছন, ছীপুলাৰৰ প্ৰকল্পন্তৰ প্ৰতি লখন অবিকাৰ, প্ৰছবাশ কালেৰ সমান ,ছামেৰ লগছন। বানিৰে স্থানি ইবি লাভ কোনো কিনাছক কবি নি , কিছু মাজাৰ মন বাল, ছকিয়েম নাজ্যকে লখন কবাৰ বাবং লোনো চাকাল মাজাৰ মাকাৰে জনাৰ জনাৰ কবাৰ বাবং লোনা কালা আকাল মাকাৰে আন্তেখ ছেলে ন্যান কবাৰ চাৰ । 'ভাই সমান হলে আকাৰে আন্তেখ ছেলেই কবাৰৰ আকাৰ মাজাৰ কোনো কিনা আ চাকে লিছে হেলাৰ জিনিল হাৰ কাল আকাল কালাৰ মাজাৰ মাজাৰ কালাৰ ভাকৰ লগা আবালিৰ মাজাৰ মাজাৰ হাৰ আছি আৰু কালাৰ কালাৰ

গিবতৰ, চুকি ভাষাৰ প্ৰা চাৰ নি নে , কামাৰট , বাৰা, ভিন্ত পূঁকা নিগে চালে কৰাত। চুকি আমাৰ সাকিবে চালোবাসম, নিবিধে জালোবাসক, বা চোৰচি ডা লিবে চালোবাসক, বা চাই নি জা লিবে জালোবাসক— আমাৰ জালোবাসক নোমাৰ চোৰে লাভা পঠে নি জা লেবাধি, আমাৰ ডালোবাসক লোকাৰ পুলিতে নিবাস পঠেচত আ লোবাধি— আমাৰ ভালোবাসক কোনাৰ পুলিতে নিবাস পঠেচত আ লোবাধি— আমাৰ কোনাৰ কুৰি এমন কৰে জালোবাসক কো লোকাৰ পাৰিকাত, আমাৰ ক্ষাব্যক কুৰি এমনি কৰে জালোবাসক কো বে एक्साय क्रोक्सा । अरक व्यावाद पटन यह व्यावन, व्यावाद प्रदेन हत्। क व्यावाद नेवाद वाद क्राइक हुनि अपने करत व्यानाद वादन क्राइन्स्क । व्याव वानीय शिवाद्यन दार वादनत रुचि कात, एर प्रांत , दवन व्यावादक वादक प्रवाद व्याव हुनि हत ना ग्रावाद द्या करतात नाक क्रावाद कादक व्याद अर्थ व्याव वादन व्यावहित नातीय क्षण, न प्राप्तक नातीय कमात र विव्यव वादन क्षण क्षण क्षणीय व्याव व्यावहत्त वादन व्याव व्याव वादन विव्यव वादने व्यावादन वादन वादन व्याव व्यावहत्त्व वादन विव्यव करायक कि व्यावादन वादन वादन वादन विव्यव वादन वादन

আৰু মনে পছতে, তে কিন আমাৰ তুৰিবাৰো সভাৱে বাছ জানুকৰ মনে কাই বিশ্ব আন্তন বিভিন্তিক আন্তন্তন উৰা ধনাৰই কো কথা— আমি যে আমনি লোডেডি উনকি বিচে লাটেডি কৈছ উনকি নাম নৰাবহ চলে না— সাম বিচাৰী বাৰ, নইকো নোনাম কা কাৰ্যন ন — বিশ্ব কাৰ্য অনিক্ৰিন লৌকাৰোৰ কা নোনা কৰাৰ কৰা, নাম আছ কৰ বাৰ বাছে ব্যঞ্জ ভাৰতিক আমাৰাক বিচাৰী লাবেন, কিছ ভাতে যে বা নিচেৰ ক্ষাৰ্থ পাৰ্যা ভিনিত্ৰৰ আমাৰাক ভিত্ত মানি আমান্তৰ লাভ কালন

আমাৰ দৌৱাৰে কয় কলাৰ লিচাৰ চীবাৰোদ লাচ্চিদ। আমাৰ কি বেমনি কাৰ চেমনি পুল, আনি কি এই মানে যোগা, বানে কথা লাচায় লাটাৰ মাৰ জাৰ উচ্চেচ। আমাৰ লিচিনাপ্তি লাগাঁ- সনালকট অনামায় কলেৰ আৰ্থি ছিল। আমাৰ চুট বিশ্ব আগ্ৰেচ মাল বান ক্ষমণা ক্ষম আমাৰ বিদিলাপুতি কা বাবে বলাল ইয়াৰে চুক্তনেট কলাল ছালো ক্ষম আমাৰ কিনিলাপুতি কা বাবে বলালে যে ইয়া বলমাত মাণিই লাগিৰ কায়ে জিনি আৰু কাৰ্যীয় খোলা কৰাৰে লা আনি বেশনামান জন্মণেৰ কোনে এই কৰে কাৰেৰ ক্ষম্যে পাৰ্যায়, নাইনে আমাৰ আৰু কোনো অধিকাৰ ছিল কাৰ कावारम्य वर्ष अवे दक्षारम्य भागात पृथ वर्ष प्रति स्थार्थ प्रीव न्यामे दगराहकः किन्न । शहर अपि स्वाप्तमात निम्मः । स्वाप्तमा वर्षः अभित मृत्रामारस्य क्रमण होरम्य कीनाम्य स्थान कान्न । हिराह एमान्य होर्यास हमाद अगोर्य (स्वाप्तमा क्रमणि वाप्ता वर्णा कान्य कृत्रम महदाहार्य हमाद अगोर्य (स्वाप्तमा क्रमणि वाप्ता वर्णा स्वाप्त कृत्रम महदाहार्य हमाद अगोर्य (स्वाप्तमा क्रमणि वाप्ता वर्णा स्वाप्त हमाद स्वाप्ता महिल्ला कार्य वर्षा किर्यासम् । द्रात काम्य वाप्ता कार्य हमाव क्रमण्य स्वाप्त मन्द्रम वर्षा किर्यासम् । द्रात काम्य वर्णा हमाय हिल्ला हमाय दिवास मन्द्रम वर्षा कार्य कार्य किन्न व्याप्त होत्य हार्य हमाय स्वाप्त हमाय हार्य हार्य हार्य वर्षा हम्यास स्वाप्त वर्षा कर्षा किन्न वर्षा हम्यास कार्य हमाय हार्य हम्यास हार्य हमाय स्वाप्तम हम्यास वर्षा वर्षा किन्न क्रमण्य (स्वाप्तम क्रमण्य हमाय क्रमण्य कर्णा हार्य हमाय क्रमण्य क्रमण्य वर्षा क्रमण्य वर्षा हम्यास हार्य हमाय क्रमण्य (स्वाप्तम हमाय क्रमण्य वर्षा क्रमण्य वर्षा हम्यास हम्यास हम्यास हार्य क्रमण्य क्रमण्य हम्यास हम्

स्थान कार्यन जोन्यन रेड एड लोग प्रतक नदाव कार कार्यकाः राज्य प्राणी राजात्व रहीरेएड एकप्रिय व प्रीय व्यक्तिस्थ स्थान पूर्व निष्य प्राणाल । कर्या जान निर्माण कार राज्य (स्थान क्ष्मा) स्थान स्थान स्थान कार्यो निष्यः एक्ष्मा स्थान स्थान स्थान कार्यक क्ष्मि, एक्स्मान कार्यक विवश्यान निष्यक्षा स्थान स्थान स्थान कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक स्थान स्थान स्थान कार्यक कार्यक स्थान स्य

আনাৰ আনী সম্পন্নী অ'লাচন - কিছা মেংকেৰ উপৰ যে টাৰ ক্লছ ৰজনাৰ এবা। নিনি আনাকে বাংবার বনাজন, যাৰ জোৱো নাং হয়ে আছে, আমি একবাৰ টাকে ক্লেছিন্য, মেফেকেৰ মন গাচাই ছোকেই, বজে াজা: জিনি কৰাৰ নিয়েছিলেন, চীনাগেলের চেবেকের আনহান ছেপ্টেছ্ বেছন বৈজ্ঞানিকীয় সমাজ বব চার্লি কিক আন্ত আনাকের অব্যাহন নিয়ে কেনো চোনো করে বিভিন্ন পাল কিছেছে চালা যে নাম্পত্ন নিয়েকীকৈ নিয়ে কয়ে। বেলছিল- লান প্রান্ত ইল্প্টেই সমস্থান ও বিশ্বস্থা করে অধিকার নামে আন্তঃ আনুষ্ঠান

wine wife from these with a wife wellage wife in go . erres arte miss to morre total and toures a derience with the freely well is the two large for the sign enin min fernau enung neren ein befahre gew tie Bunin etras sife finint tit tim to nim nen to I have been fale weare mie area . Tall meere minne while while estima it, bits for blue ore enoted the मामान्यम् द्विति व्यक्ति कार्यक म इत्तर्वकि । तत्व म की जा मान राष्ट्र की निवंद : चारांद काशीपुक कर किन्दु है । द नवाओं किन दुक्काह्मा कोर्डि वर्गंत्र ट्रिंग्ड करोड कराव करता. पुरवे काला कोवल व्यासाह wer tie . winie nie tie ferfen teit ent ein witte- cett refete emen fenn bei mig a minite minin be fimite mit certed, with few ours are arrived une as few on few ষাৰীৰ অধিকাৰে যেনাকে ভাকৰ বাদক গও ভিক্তিৰ কোনচিয়েন wise courses femiliar arm wice an aform 1918 for a fage হল্পে এ অপথান হৈ বাচা বাটন। বহু উলাবেও ভাবার ক্রয়েয়া লাহি কৰাণু মাৰ ক্ষেত্ৰ মাৰাত বৰ্ণনৰ ভিত্ৰে হ'লে ৮০ চালা ৰখ্য বছৰ ৮ মানুনক तांव चार्षि करन बान १७८०कि, चार १४५ वस १८१८ जावा गाउन प्राथात शबीब थाका देकित किए

वाकात (काका का वाक न्द्रान्त विशेषा अने वाक वाक्-विकि

माविकतान कर क्याद्य ना । यक देश करानाहा-नामिक्रीक कि बराव विकास क्रिया । इस मान स्वारी कारी क्रिया बाएक इस्टब्स्ट्रिया क्राइस्ट est yen acouncil offer an in face cold unelle neare त्माक क्रिम ता, रकतना & मार्नित क्रह स्वयह प्रश्वत आदि वृक्षाह्य, भाषांत बाबी दर भक्तम बादाद अहे दिल्ला क्रीकाना कृत कराह NAM : Bif bie cancer ar etertibe wie mit aim aum ben CPC'S STOCKET LES SEL'S MAN MAKE WIRING MY COCK MANS ME मामान समन सामीन कामन मार्च मार्च मामान मान क्रम कामा 50% | Maneie grapite (t jewi- mie fage feit em कितिमान । वक त्राम दव मा निर्माय आका का बार्क आहत दन-६क fen faim lete lete tenete wire ete lete protesia mene wife bim ein, fela tea terra gine atte etea, at mefe corn utes in the to the fire for their miles at the miles. किय कि बादवर्ष प्रथम दिनि कार्किन्त क्रियक वाचाल द्वारक क्राप्तक म्हिन महता दक है दक्षत- है मामान मणहार - किन की कहत, मामान वेंसे वीतां ती--- वीत वीत, यह वीती पुरुषवाधीयत यसके क्रकाश चार्य । ति नवस्त्रीत्व अत्याद अक्ष नदम् काक्ष वाकासन (कार्या दक्षीर क्षात्रा कार्य व्याचात्र त्यांका कारक पात्र निरंद नगड़क । त्याका का त्यान त्यान कारकतः ein ce. Ceibeiffe come .bree miere ente cet cab- acuerce कड़ा भारत । नीत, बाबारमस्य :बा द्रवस्ति द्विम, विस् द्राव कर्य बाबरस grown to fee for .

আনাৰ আনী এ'লেৰ ছাৰটাট চেবাৰেন, কোৰ কেবতে লেৱেন না। আনি বনতুৰ, আন্ধা, নাচৰ বক লোৰ সৰট সমাতেৰ, কিছু বন্ধ বেশি কা কৰবাৰ সৰকাৰ নী দ বাছৰ নামৰ কিছু কটট গোল, ভাই বালট কি—— কিছু ঠাৰ সাক্ষ পাৰবাৰ কো নেই। ভিনি কট না কৰে একটুবানি ভালতের। বোধ বর আবার বনের হবো হে একট্রানি ইটো ভিন্ন নেট্রক উর্থে অঞ্চলে ভিন্ন লা। আলার বার্তের সন্ধিরণার বাংকট্রক সমাজের উপরেক না, আর-বারক উপরেক না, সংক্রম—্স অবর বলর না।

কাষী এক কিন কাষ্ট্ৰে হোৱাকেন— কোষাৰ বা হু সমস্তে নৰা মুক্ত বাহি বাহিনেই এপুলিকে মুক্ত ছান্ত কৈ হাল বাহি নাচৰ বাহু বাহু বাহু বাহু

Bielft and white are faire will a

were and countries to be remarked up to a set with with the countries of the set of the

at for sid him down detes to, where him rails

feetween to became and what here we

কা বঁৰা বা পোৰে চাৰ বা নিৰেই বা পুনি হো বাক্স কহাৰ চাৰ লাং প্ৰকান পাতি কাংকেই পনো কৃত্য হাজ, সামৰ কাছে পাছতে টান কো লোৱা বাবই পাছে, আৰু গৈছেই যাৰ কৰাৰ চান কৃষি জো নিকেশবাৰৰ হাজে আমন লাক্যা কাৰৰ পোৰোতি পাৰ ,কামাৰ এইন ক্ষম আছে

करें कि क्वाबिश- प्रत शक्त के कार हात जिल्ला (संशोध हुन) ...हें .

कार्त दृष्टि (क्यान प्रांकारित कराज १६ ० १६० १६४) भाई जि (स्त्री) श्रव, व्यक्त व्यक्त द्वारी हार्या अस्तरीय कराज यात्र ।

त्य बाह्य परिषय अपनि वाहरे ते वालनात तकतात (कार बहुत क्रस विरोह कार--- कर्र कार्य नायुर्ण ।

याहे का हुति, (प्रारक्ष पाक वाक । का गवित क्षारक क्षत्र क्षत्र क्षत्र हुन

कार बाह्य, क्या १४ (५८४ रॉक्ट ।

্পুৰ জুনি কো, পুৰ জানি সংন কৰভ জানি, কিন্তু জান বিনা চাক জান নাও কোপা, বভাষাৰ এই কাৰ্যনালা সইকে জাৰি নেও ক্ষেত্ৰ জাকট তো বনকে চাই নি ক্ষেত্ৰৰ চুপা কৰে জাকা আৰম্ভ সইকে জাৰি নি

কাৰী তো আমাত ৰাজ্য আন কথান কৰিব নত চুলন কৰে নাল-ছুমি বকৰাৰ বিষয়ে মাধ্যমান বাদ দম্ভ আনানি বৃদ্ধ নাম তাই খব লয়া উপৰিব মধে কৰ্মমান সংকৰ্মানুক কাৰ বানবাত খতে বুখিন ইন্দ্ৰি, আনিন্দ্ৰ কৰি নিত্ৰ সাম্ভৱ আনা আমানেৰ লাব্যত্ত্বান লাকা হয় সেবেই আমানেৰ নালাবালা সাৰ্ভ বাব

প্ৰিচয় , গমার হয়কে লাক ভাকাত পাতে, বিজ্ঞান্ত বিষ্ণুই বাক ,এই

্ৰণ দ, আন টোমান লাভ নাতে সংগু প্ৰণ কৰেই জানানা কেনান

त कर अहम वक्ष काकार र दरार निराह - देशीन दरावनी, उर रक्ष्म आक्षित दर्शन कार्यारात अलाह - व्यक्तियों, तेररण, तिक कार्य, अवस्थ नाद कियान प्राप्त प्राप्त कार्यात द्वार विकार प्राप्त कार्यात अक्षित कार्य कार्याराज्ञ - व का कार्यात्म विकार दर्श कार्याद्व वार्वित कार्य कराव प्राप्त - व का कार्यात वाल प्राप्त प्राप्त कार्य वर्षित कार्य कराव कार्य - व कार्य कार्या दान प्राप्त प्राप्त कार्य कराव प्राप्त प्राप्त कार्य कार्य कार्य कार्यात प्राप्त उपाप्त कार्य प्राप्त प्राप्त प्राप्त कार्य कार्या कार्यात कार

अ-मर्द कथा चाराव अटकवारको छात्रा मामक अर. किन्नु त्यक्ते चटकते

in month con and factions of months followed to be a confidence of the months of the m

witte folderen. I winte a proper an are printed a got াই টে, ইবি বিধাস নাম। কামার স্বামীর মারারত এ ইফার। প্রেছিন্ত THE THE LAKE MINISTE WE SAW MINIST AND ALSO FOR A CASE THE RESERVE HAR BUR PRINCE AND LONG THE MAY LANGUE and ATM Profession AMP OF MEN AMPLIANCE AND AMPLIANCE AND AMP OF MEN AMPLIANCE AND AM tion of the money with a given with a graph of the state Bratta mesteral indicators was beleas in barra and medica. मर्गालुक, वहाँ किल द्वीर शाक्षा । वहाँ व्यानहाँ वांच कावान द्वार द्वार व्याव .दार्विद्वास--वाद्यात १वर्ड क्यूबर १वर्ष १०० १०१ व वर १ वर १३ १ वर्ष कत्री कर्राहर्तत होकोश बहुक एकार र प्रकार राज्य वर्गावर के हैंग्ब remain for a fine fall everal genoletic the manifold वय व्यवस्ति र विकास राम्य, राष्ट्रः वक्तरः वावक्षः । कारक रावस्य करिक्त हैकार भी, जानक के राजि कर्यान करने जा नर्गाह करती नाम মামার নিবিদেশ বটকে হলি ৮ সাজার আন ব টাব সাজায়ের দেৱে। ंडे करवड़े कि बारव दरम कामान काल ,बाइम महून मानक वालट हिर्दिय এটি নিয়ে আন্তাৰ স্থানীকে (৪০০ নাম ১০ট্ট তাও আন্তাস কল্পাক চেত্ৰে ाह रामकात है दन पहलत १६ क्रिकेट व विद्यापत कराएन क्रमान्य

चीव अवन् वना शराहित ८६, नाजवडे चीएक है\विकि वहे एक्टक पत्त ना कारत दीव महा। कोहेच ना।

বিশিশাক্ষরিক মুদ্ধার পর আনার আরীর ইজা হল আরবা কলকাজার বিবে পাকি। কিন্তু কিন্তুরেই আনগর ন্তর উঠল না। এ বে আরবে বিস্তবেদ বর, বিশিশাক্ষরি কর হাব কর কিন্তোহন ভিরব দিবে কর করে একে এক কাল আন্তরে একেরেন। আরি সরায় পার প্রেন্থারে পুরিবে বিবে বিব করা আনার হলে বাই তেনে হর আনার লাভ আনার হলে করি করে করে করাই বার বার আনার হলে হলে নারল। বিশিশাক্ষরিক কুছ আন্তর আনার মুখের বিবে জানিবে বর্তার করে নারল। বিশিশাক্ষরিক কুছ আন্তর আনার মুখের বিবে জানিবে বর্তার হারা লেকেন। ইয়ার করেন বর্তার করে একেরেন, আর উন্তর্ভানিক বর্তার হারা লেকেন। ইয়ার করেন ক্রীক্তর হিলা লা। ভাষা বারা বৃধক একটার পর একটা করে বারা করিছে। এই মুখ্য সামার সেই চোলের আনা ক্রাক্তর ক্রাক্তর আনারল করেন করেন আনার করেন করেন করেন আনার করেন। একেরেন করেন করেন আনার ব্যবেদ করেন। একেরেন করেন করেন আনার ব্যবেদ করেন। একেরেন ক্রিয়ের করিনে করিনে করিনে। একেরেন করেন। করেন।

सावाद यांची जान करवांकालन, हमें श्रातात सावाद यूमें कारहर केमत त्यानकाय मानारटर कहेच जिल्ल (माम कारक श्रीतम करनक मायम करा, साथ सामारक्षक कीरनों नमकाकाय उनके कालमाना स्थानकार साववा त्यात ।

আমাৰ পটবানেট বেশন প্ৰেছিল। উৱা যে এম দিন আমাতে চাকে চাকে আলিকেনে, আমাৰ আমীৰ ভালো উবা কক্ষ্যো কেবতে পাৰেন নি, আচ কি ভাষট পুৰুষাৰ পাৰেন স

আৰু, বাৰস্পাৰ্থ কো এইবানেই। আনাদেৰ সমস্ত প্ৰজা-আৰু-আনিজ-অভাব্নি আনীয় সমস্তই এবানকাৰ এই বাহিকে ভাতি দিকে আক্ষান্ত আনবান্ত আনবান কো কানি নে, আৰু কমন লোকই ব ভাবে দু আনাদেশ বান সমান ইকটো পূৰ্ণ মৃতিই এবানে। এ-সমস্তই উচ্চে কাতে নিবে নীজা বৈশ্বর নিশাসনে গিবেছিলেন কোননি ক'বে চলে আৰু ? আৰ. ওঁবা শিক্তন কোকে কান্যকন্ ? ওঁবা কি আমাও পানীয় এ লাকিব্যের ' মধ্যবা যোগেন, না আৰ যোগা ওঁবা ?

ভীয় পৰে কৰা কৈছেন ধিন ক্ৰছনে কিংব আগতে বংগ জনন আমাৰ আনহাট কি আৰু কিয়ে পাৰ ৮ আহাত আমী বনকেন, ৮৭কাৰ কী কোমাৰ কট আনহাৰ ৮ ক ডাড়াক কো জীবনেৰ আৰক্ষ আন্তৰ্ক বিনিদ আছে— ভায় কাম কামাৰ কৰি :

আমি মান মান বলপুম, পুৰুষ মাছত এ দৰ কৰা ঠিক বেছক না। সাহাৰটা যে কমবানি ভা ওচনৰ সম্পূৰ্ব কানা নেট— সাসাহের বাহিব মাহান যে ওচনৰ বাসা। ব ভাহপুদ্ধ (মাহাসের বৃত্তিসাহট নামৰ চলা উচিত।

अब १६८६ बाहुर करा शाक, अवदेर एक वाका कार्ड एक । वेश्वा क्रिकेंट १४८ लक्ष्मका करव अस्तिक जीएक शाहब क्षमक निर्द पूर्व करन पांका १५ एक्ष्मक । व्याव्य क्षम्यो पनि वा क्षा कार्य करन व्यादि एक बान्यक विश्व प्रथम ना । व्याद्य करून व्याद क्षम्यक, ए व्यादार स्वीतिक स्वित्र ।

आवाद वादी आवादक दकाव करहा तक किन्द त्यांका का श्रामि व्यक्ति दक्ति : चीह दक्षात आरक वाली दक्षात कारक कि जिक्कि आवादक व्यक्ति काम अस्माहत, ची जानते दक्ष चुक्ति आवादक दक्षणती ,कान क्रमान, दक्षणती व्यक्ति आवाद के दुनिवाद्या आवाद किर्मान है को ता । आवि आरमका करत व्यक्ति, आवाद महक विकार दक्षणता दक्षण दक्षा कारणा, चित्र का स्थाम हक्षा विभाव की ।

किया त्यात्र वरण अकी। विश्वित पारक--- तम किन पात्र व वरण वरण वरण वरण वरण वरण वरण पात्र व पात्र वरण पात्र

জ্ঞান খোচাতে হ'ত ভা চলে দে কি কোনো মূল খুচত ? কিছ পূৰ্ব উটো পঢ়েছ, অন্ধকাৰ চুকে বাৰ, জনীয় কালেৰ ডিনাৰ যুকুউকালে কেটে।

বাংলাদেশে এক দিন স্বলেশীয় বুন এসেছিল— কিন্তু সে যে ক্ষেত্ৰনী কৰে তা শৰ্মী বোজা বাছ না। তাৰ আনোকাৰ সংল এ মুন্দের বাজবানকাছ ক্ষম ক্ষেব্ৰ সেই। বোধ কৰি সেই সংলট নৃত্য বুণ একেবাৰে বাজ-ছাছ। ক্ষাৰ মতো আয়াপেৰ ভ্ৰম-ভাষনা গোলেৰ শক্তৰ ভাসিৰে নিবে দিবছিল। কী হল, জী হতে, ডা বোজবাৰ সময় পাই নি।

পাছার বর খানছে, ভার বালি বালছে, ভার খালো দেখা দিছেছে,
আমনি হোবো বেমন ছাতে বারাখায় খানলায় বেছিরে পতে, ভারের
আনবারের দিকে আরু মন থাকে না, তেননি দে দিন সমত কেলের বর
আনবার বালি বেমনি লোনা পেল মেঘেরা কি আরু মরের কাম নিরে

চুপ কয়ে বাম থাকাতে পারে। ওলু দিতে বিজে, লাক বাভাতে বাভাতে,
আরু বেখানে বর্জা জানলা দেয়ালের কাক লোনে সেইবানেক বুল বাভিবে

হিলে।

নে দিন আমাৰত গৃষ্টি এবা চিত্ত, দালা এবা ইক্ষা উন্নত্ত নবকুৰৰ আৰীৰে গাল হয়ে উন্নেছিল। এব দিন মন বৈ অপ্নিটান্তে এডাছু পুঞ্ল জেনেছিল এবা জীবানৰ ধৰ্মকৰ্ম আভাজা ও সাধনা বে নীমাইছৰ মধ্যে বেল অভিনে-নাজিবে ক্ষমত কৰে তোলবাদ কামে প্ৰতিদিন কোনে ছিল সে জিনত আৰু বেড়া ভাঙে নি কটে, জিছ সেই বেডাৰ উপৰে গাছিলে হঠাৎ বে একটি গৃছ দিনভেছ মাত জনন্ম লাই ভাৰ মানে ব্ৰভা গাছসুম না, কিছু মন উন্ধান্ধ কৰে লোল।

আমার ধানী ববন কলেকে গড়ানেন জখন খেকেই জিনি মেশের প্রচ্যোকনের জিনিস দেশেই উৎপত্ত করকেন বলে নানা-বক্তর কৌর কর-ছিলেন। আমানের কেলার বেকুর গাড় অকল— বী কারে অনেক গাছ त्मीबादनहें बाल बिरव महरब दिनि क्या त्या मारब ताहे त्योग किनि READ PAR DISTORT : BEAR BUTE DE DATE BRICA STEINE, PER आएक बरमब कुमनाक है।को अक त्वींन भरम नकरक मानन रव काववाद क्षिक्त जा। हारवर कारक जाजा-वक्क मुरीका करत क्रिकि त्व वर कारत अविद्यार्थितास्य तम व्यक्ति व्याव्यक्ते, विश्व प्रात्यक तम देशका चंत्रक करवर्षिकास तम नाबक व्यक्ति चान्त्रवे । काद यात्र वस, चावारमव (मान वर्षा) माका कादवाव (E APERTE ET A) Bie ebela wien wirten nine (af i erf ner ত্তিনি আমাৰে লোলিটকাল ইকন্দি প্তাতে লাগদেন। ভাতে কোনো कृषि किन मा। किंद्र देख क्या रण, मबल्लदाइ प्रकार शाहर है।का महत्व RENTE WALTH & BON WINITES GUNINISTES BLA POTO C'ES (POS) ! अवकी रकारका रमारकर साम पुन्तकता बाहित होका सकावात है।आह Billes cuites un corn tien, wive were ute ne pui fun i fan cu wiere current Burry attern minn cut attern of cutin with full fete eine cen whice : ad non and cole die gerba wienier स्थास विकास व देशकित शह देशके, न्यानम शही क विकास करते । सामाय usi vi de fea uirice stace stace encea, the feeling after मुक्काम काहे फीटक महत्वप्रध्य, यति भटकव काहरू मवनाव कता यात्र करन अहे THE PROPERTY OF THE PROPERTY O sala Berg seu erre :

সমস্ক পৰিবাধের মনো কেবল আমার বিশিলাক্তরিব নান বিকার ছিল না। জিনি আমাতে কেবে করবার জংগনা করেছন, বংলারেন, কেন ভোৱা করে প্রাই মিলে বিরক্ত করছিন। বিষয়পশান্তির করা জাবভিগ দু নামার বহসে আমি জিনবার এ শশান্তি বিশীক্তরের হাতে বেজে সোর্বারি। শুরুরুরা কি ব্যেহমারুরের মাজাদু করা বে উচ্চনারতী, করা করাবেট ক্ষানে। নাড়বট, ভোগ কণাৰ জাবো বে সকে সকে ও নিকেও উড়ছে না। হুঃগ পাস নি কৰেই সে কথা মনে থাকে না।-

খাষার খানীর সানের লিও চিল বুব লছা। উাজের ধল বিখা ধান স্থানার ধর্ম জিয়া এই-বক্তম একটা-বিজু খে-কেউ তৈবি ক্ষণার চেই। ক্ষেত্র ভাকে তার লেব নিজনতা প্রভ চিনি স্থানা ক্ষতেজন। বিলাভি ক্যোপানির সঙ্গে টক্তম দিরে পুরী-যারার জালাক চাগাবাধ খনেক ক্যোপানি উলো, তার একখানা জালাক ভাসে নি, কিছ স্থানার খানীর অনেকগুলি কোম্পানির কাম্ভ ভূবেছে।

শব চেবের আমার বিরক্ত কার্যক্ত সন্দীলবার করন স্থেলের নানা ইলকারের ছুলের তার টাকা শুরে নিচেন। বির্নি কর্মের কাল্যক চালাবেন,
আরেলিকার, প্রচার করতে বাবেন, চাক্রারের পরাম্বনিমার তাঁকে বিছু
দিনের করে উটকামন্দে বেতে হবে— নিবিচারে আমার আমী তার বর্ম
জ্বনিয়েছন। এ ছাড়া সাপার গরচের কল নিব্নির তার মানিক ব্যাষ্
আছে। মধ্য, মাল্ডর এর বে, আমার আমীর সলে তার যে মানের বিস্
আছে জাও নই। আমার আমী বক্ষাতন, লেবের বনিতে যে প্রাক্তরা আছে
ভাকে উন্ধার কর্মেন না পাবলে বেনন পেবের বনিতে যে প্রাক্তরা আছে
ভাকে ব্যায়ের ব্যায়ার আমার আমার আরু তাকে বলি আবিজ্ঞার এবং জীকার
না করা বায় ভাবে সে লাবিলা আরণ গুক্তর । আমি উচ্চে কে বিন
লাল করে ব্যাহিল্যুম এবা ভোমাকে স্বার্ট কালি দিন্তে। ভিনি বের্ম
বল্লেনা, আমার গুব নেই, মধ্যে ব্যবস্থান ইব্যা কিরে গুবের আনীলার
ক্ষিত্র— আমিই জ্যে কান্যি ভিয়ে লান্ত করে নিশ্রম।

এটা প্ৰযুদ্ধত পবিচৰ কিছু বলে তাখা গোল, নইলে নৰজুপেৰ নাটাট। শ্লেই গোৰা যাবে না ।

ाई मृत्याव कृषात रहे आयात अस्क मानन आवि श्रास्त्रके शामीरक स्थानुम, विनिधि जिन्तिन रेखदि आयात नमण शामाक शुक्तिक स्थलव । चार्यो कारका, स्थानस्य स्थत ? यह किंद्र पृति वाकाव ता कारकोर सरव।

की कृषि तम्ह 'वर्षान्य वृष्ति' ! हेरकीरात कांच कराता-

रिना एकः वेक्कीयत्व कृति जनक सारकात कडार जा। को। काक जाते रमाकारमः

रक्त बरक पुरि मानः विकार

al Bravarret urs comere ofere es :

আই বহি বল হৈছে কাছে হয়, বহু আপুন না লাগালে বহু আলো করা বাহু মা। আহি প্রতীপ কালবাহ হাজার বহুণ্য গোলাই বাহি আহি, বিশ্ব আনহাত্তিই ভূমিনের বাস্তু হার অংশুন লাগালে হাছি এই। এই কেইব্রেই বাহুছেরি, কিন্তু আনহাল হুইলাহার প্রেক্তাহিনেন।

सामान काही करतान, त्राचा, तृष्ठि सामाद करा साम द्वामान महन निरम्भ मा प्रमु सामि द कराति (सामादक नार्गक— एक्टम द्वामा का द्वामा निरम्भ महना निरम साम करणान (माराक मानिव्ह त्राम साम द्वामा निरम मानिव्ह किल्क साम स्थापन वालकानका क्रमादका सामा निरम मानिव्ह किल्क साम सामादका वालकानका क्रमादका सामानिव्हा मानुके महत्त्व पुरिद्धि (बाइम : सामि साम सामादक स्वीतान समा सामाव्ह काविव्ह द्वामादनाव कृत— उन्ने द्वामादक स्वीतान समा विक्रम सामा

ভার পরে ভার-এক লাখা। বিদ নিপ্রতি ধরে পারামের অক্টাপুরে বার্মেরিল ভবন ভার নিয়ে কিছু দিন বুব বোলমাল চালচিক। ভার পরে অক্টাপুরুরে সেটা ভাষা পরে বেক্টে। ভাষার সময় বুলিরে উঠা। বিদ শিশ্বি ইংকে কি বাঞালি অনেক জিন সে কৰা আয়াকও অনে হৰ নি— কিবা মনে হতে ওক হল। আমি বানীকে বলস্ম, মিল নিল্ডিকে ভাজিৰে নিডে হবে। বামী চুল কৰে বইজেন। আমি সে চিন উাকে বা মুখে এল ভাল- বলেছিল্য, জিনি মান মুখ কৰে চলে পেলেন। আমি পুৰ বানিকটা কালসুৰ। কেবল বলন আয়ার মনটা একটু নৱৰ হল ভিনি বাবে এলে কলকেন, মেলো, মিল নিল্ডিকে কেবলমান ইংকে কলে আললা কৰে কেবজে আমি পাৰি নে। এত দিনের প্রিচরেও কি এই নাবেৰ বেচাটা মুচ্বে না ল ও বে জোমাকে আলোবালে।

व्यक्ति अक्ट्रेनानि जन्मिक हरह व्यक्ति निरुष्ट व्यक्तियात्मय व्यक्त अकट्टे बीच बचाय त्यस्य स्थानुम, व्यक्ति, याकान्य, करण त्य त्यस्य स्थान

(महिनकात निज्न भाषाव-पाषीत और वावहात (कड़े कहा कहाड़

भारतम मा। भाषि स्ता। भाषि प्रत्न प्रत्न कीएक विकार क्षमपूर्व। अहैनाव सिन निभृति भागतिक प्रतन एनकः पानाव नप्रत च्यान एका सिर्य कन गड़न — किन्न भाषाह प्रत नगम मा। भाषा, विचा करत (प्रत्नकीत अपन नर्गनाम स्वाद एका एका। भाषा, भाषा (प्रत्नक। परम्पेत कैंग्लाएक कात नात्का-नात्का हिमाना। भाषाह पानी निर्वाध गांवि करत किन निमृत्विक एकेन्द्रन निर्व निर्वा नाहित्यक पूरण निर्व अस्ता। एन्हें। भाषान स्वाह गांकानांकि एका स्मा। अहै क्यांके निरंद माना क्षेत्रपाना शिर्द कावरक रचन गांग शिरण खाबाद दरन इस. को गांचि के पाच्या क्षित्र ।

क्ष्म काहे तर, भाषाव स्व ८०१व स्टब्स रिएफिन १५, भाषाध्य वाच प्रात्मक इरहरू । भाषाव १५ क १०वन भाषाहरू वेद कहरून, किन्नु भाषाव स्वीरक केन्क्ष्म कहरून ता। यह एक भाषाव सहीरक भाषात ।

অবচ খনেক কাতৰ কৰে যে আমাৰ খানীৰ গোপ ছিল না বা ছিনি বহু বিশ্বৰ বিশ্বৰ ছিলেন হো নহ। কিছি বৈশ্বে আহবৰ মানত ডিনি চুডাৰ কৰে অবপ কৰাতে পাছেন নি। ডিনি বলাকেন, দেশকে আমি দেবা কৰাতে বাকি আছি, কিছু বন্ধনা কৰাৰ বাকে ডিনি প্ৰৱ (চাৰে আনেক উপায়ে। কেলাভ বহি কন্ধনা কৰি অবন দেশেৰ দৰ্শনাশ কৰা চাব।

কান সমতে স্থীপনাৰ কলেই প্ৰচাৰ কৰবাৰ আৰু উাৰ সপ্ৰশানিকে আন্তাৰে কৰোন কৰে উপৰিক হলেন। বিকেশনেলাই আন্তাৰের নাইমনিকে স্থান হৰে। আন্তান কেবেৰা সালানের এক নিকে জিক কেনে কলে আন্তি। 'বলে মাক্তবন্ধ' পৰের বিকেশনে কনে কৰে কাকে আলতে, আনার বৃত্তের বিক্তবালী কর্তবন্ধ কৰে কোনে চাক্তি-বাদা কেবলা-পরা বৃত্ত

ও বালকেও ধন বালি পাৰে আআবেৰ প্ৰকাশু আভিনাৰ মধ্যে, মৰা নৰীক্ষে
প্ৰথম বৰীৰ প্ৰকাশ বজাৰ ধাৰাৰ মধ্যে, ১৯ ৪০, কৰে চুকে পাচল। পোকে লোকে ধবে পোল। সেই ভিডেৰ মধ্যে দিয়ে একটা আছে। টোজিৰ উপত ৰলিকে ধন-বাজান্ধন ভেলে সন্ধীপনাবুকে কাৰ্বি কৰে নিৰে এক।" লাম মাজবন্ধ বলে মাজবন্ধ। বলে মাজবন্ধ। আকাশ্টা মেন কেটে টুকবো টুকবে। কম্মে মিন্টে প্ৰথম বলা কা।

विश्व (त किन त्रभीमनान् गमन नक्का शिक लाग्नान मात कहे नृष्ट त्रकात क्षत्र प्रत्न करन प्रत्न प्रत्न प्रत्न के कामित काग्नान मात क्षत्र कर कर्म प्रत्न के कामित क्षत्र कर क्षत्र प्रत्न के क्षत्र क्षत्र के क्षत्र के क्षत्र क्षत्र क्षत्र क्षत्र क्षत्र के क्षत्र

नाविस्तृत्व मा । क्यम् निरक्षक करमाञ्चरत क्रिक नानिकार मिन्दि रक्षण धृत दिव करण क्षेत्र पूर्वत क्रिक रहरहिस्त्र कामान प्रधान प्रधान करण नाम मिन्द्र रक्षण क्षित्र र स्वत्र क्षेत्र कामान प्रधान क्षेत्र र स्वत्र क्षेत्र कामान क्षित्र र रक्षण क्षेत्र र स्वत्र कामान क्षेत्र र रक्षण क्षेत्र र स्वत्र कामान क्षेत्र कामान क्षेत्र कामान क्षेत्र क्षेत्र कामान कामान कामान कामान क्षेत्र कामान कामा

শানি শাইট মহাত্র করতে পালের, আমার মুখের লিকে চাওছার পর থেকে করে ভাষার আন্তন আবদ জালে উ)লা। ইংশের উইজাল্লার তথন আর বাপ আনাত্র চাইল না— গল্পের উপর গাসের গর্মন, বিচারের উপর বিভারতের চম্কানি। আমার অন নগলে, আমারেই চোরের পিবাধ এই আন্তন বলিরে লিকে। আমার কি,কেবল লক্ষ্যী, আমারাই তো ভারারী।

(म जिम इन्देर) अल्ड आस्था हरा स्वावादय मेल्ड निरंद रावि किटब उन्देश। सिल्ट्य अक्टो आस्ट्राट कर्डड उन्हें आम उन्देश सिल्ट्य अक्टो आस्ट्राट कर्डड उन्हें आम उन्हें एएक आवाज जात अव्याद क्रिक्ट क्रिक्ट में स्वावाद मामन हीएमंद मैतिस्माह कर्डा आधाव हुन उन्हों जिमें नहें मेर्ड राउंड राउंड राउंड राउंड क्रिक्ट क्रिक्ट मैतिस्मा कर्डा मामन अहें आकाचनित्र हुन। यहि जिल्ह्य क्रावाद क्रिक्ट माम वाहें उन्होंद स्वावाद क्रिक्ट माम वाहें उन्होंद स्वावाद क्रिक्ट मामन वाहेंद क्रावाद स्वावाद क्रिक्ट मामन क्रावाद क्रिक्ट आधाव मामन क्रावाद क्रिक्ट आधाव मामन क्रावाद क्रिक्ट आधाव स्वावाद क्रिक्ट आधाव क्रिक्ट आधाव स्वावाद क्रिक्ट आधाव क्रिक्ट आधाव आधाव क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक

সন্মানেলার সামার সামী যদন যার এনেন সামার কর হতে লালন সমূত তিনি নেলিনভার যক্ষরাত লীপক বালিনীয় মাস ভাল না মিলিয়ে কোনো কৰা কলন, পাছে ঠাৰ নতাপ্ৰিৰভাৰ কোনো লাহৰাৰ বা বাৰাতে তিনি একটুও অসমতি প্ৰকাশ কৰেন— তা হলে সে চিন আমিউচকে স্পষ্ট সৰজা কলছে পাৰতুম।

কিছ জিনি আমাকে কোনো কথাই কললেন না। সেটাও আঁহাকে জালো লাপন না। তাঁব ইচিক ছিল কলা, আৰু দকীশের কথা তনে আমার চৈতন্ত হল, এ-সন বিদৰে আমার কনেক দিনের বুল কেন্তে দেল। আমার কেনন মনে হল, তিনি কেবল কেন করে চুল করে আছেন, জার করেই উৎসাহ প্রধাশ করছেন না।

আমি বিজ্ঞান। ক্ষণুৰ, সনীপৰাৰ আৰু ক্ষাত দিন ক্ৰয়নে আছেন চু আমী বনলেন, ভিনি কাল সকালেই বংপুৰে বঙনা ছবেন। কাল সকালেই চু

\$1. CHUTCH BIG HATBIE HAR FER SIE CHIE !

আমি একটুকণ চুণ করে বইপুম। ভার লবে কালুম, কোনোময়ে কালকের দিনটা থেকে গেলে হব নঃ ?

रम दखा मध्य सह। किछ, रकत बरमा रहित र

भाषात हैका भाषि नित्य हैनविक त्यान कीटन वाक्यात।

গুনে আমাৰ আমী আগুৰ্দ হ'বে গেলেন। তৰ পূৰে অনেক বিন অনেক-বাব জিনি জীৱ বস্তুদের কাছে আমাকে বের হবার কল্পে অন্ধ্রেছ করেছেন। আমি কিছুকেই বাজি হট নি।

আষাৰ খামী আমাৰ মুখেৰ দিকে বিধকাৰে এক বকৰ কৰে চাইফোন
— আমি ভাৰ মানেটা ঠিক ব্ৰুপ্য না। জিবৰে হঠাং একটু কোনে সক্ষা বোদ হণ। কালুম, না না, সে কাঞ্চ নেট।

তিনি ৰদদেন, কেনই বা কাম নেই। আহি স্বাধীপাকে ব্যব— বহি কোনো বৰুৰে সমূৰ হয় তা বুলে কাল লৈ বেকে বাবে।

रम्बन्द गण्य स्म् । 🖔

ক্ষাৰি শক্তা কথা বনৰ। সে বিন আখার মনে ছক্তিল, উপর কেন আনায়কে আক্ষাৰ ক্ষাৰ করে করে করে কে যে বা নাছ। কিছু কপ যেনকেটা পৌরব: আত এই মহালিনে দেশের পুরুরের। দেশের মারীর মারা হৈছুকা একবার কপ্তাহীকে: কিছু বাইবের ছপ না বান আন্দেশ চোন যে দেশাক ক্ষেত্র ক্ষাৰ ক্ষাৰ হাল ক্ষাৰ হাল বা দেশের প্রায়র প্রায়র প্রায়র প্রায়র প্রায়র প্রায়র প্রায়র স্থান স্থানার মারা দেশের সেই কায়ত প্রিকের দেশাক গ্রের স্থানিয়ার স

দে দিন দ্ৰালে মাধা ঘৰে আমাত জনীয় এলে চুল একটি লাল বেলমের লিকে কিছে নিপুত কারে অভিযেতিশ্য চুলুবাবলার ধানার নিম্পুত, নাই ভিজে চুল ভেনন খোগা, করে বাঁংবার সময় জিল না। গাছে জিল ভারিব গাভের একটি সালা মাত্রমি লাচি, আরে ভবির একটুগানি গাড় কেওছা হলে-কাটা ভাতেকট।

শামি ট্রিক করেছিলুম ত বুব সাধার সাক্ষ্য, বর চেয়ে সাকারিদা পার কিছু বাজ পারে না। বেনন সাম্যা আমার মোজা মা বাল আমার মাধা থেকে পা পরস্থা একরার ভোগে বুলিয়ে নিজেন। ভারে পার যোগিয়ানী পুর টিপে একটু রাজনেন মামি ফিক্সাপ, করপুম, বিশি, ভুমি হাসলে ধ্যা স

ডিনি কলকেন, তেওঁ সাক দেখাঃ -

कादि मान मान रिक्का हाह स्टल्म, उम्मिक की राज (महारा र

ভিনি আৰ একবাত একট্ৰানি বাকা চাহি চোন বদানন, মন্দ চয় নি ছোটোৱানী, কেল হংগছে । ফেবিল ভাৰতি, দেই ভোমাৰ বিলিভি লোকানের ক্রুন্টাটো ক্রোটা প্রদেই সাহতা প্রোপ্তি হাত

এই মলে ডিনি কেবল উংগ্নেক ভোগ না, উংগ্নামা থেকে শা শইক সমস্থ কেন্তের ভবি ভাগিতে ভাগে দ্বংগ্রেক ভাগে গোলেন ৷ পুর বাল কল এবং মনে কল, সমাজ ভোড়েছুডে কাউপোধে মোটা গোড়েক একটা শাস্তি পরি ৷ কিছু দে ইন্দ্রা শেষ শইক কেন যে শাসন করতে শাস্ত্রমূম না স্বা ঠিক কানি ता । सत्य काम कामूब, कावि विवे तक उद्य-वक्त माथ मा करवेदे सकीनवाद्य मास्त्र (क्षेत्रावे का करन कामाव कावी तान इक्टन्म--- (सहबा दि नवास्थन कै।

জেৰেছিল্ম, সনীপনাৰ একেবাৰে থেকে বন্ধন কলনে ছব্ম ঠাব সামনে বেৰোৰ। সেই বাক্যানো-কমটাৰ আড়ালে প্ৰথম দেখাৰ সংকাচ অনেকটা কেটে বাবে। কিছু পানাৰ কৈবি হল্কে আজ গেৰি হচ্ছে, প্ৰাচ একটা বেকে পেছে। তাই আমাৰ বামী আলাপ কৰ্মাৰ ক্ষ্মে আমাকে ভেকে পাটিজেজন। বাব চুকে প্ৰথমটা ঠাব মুগেৰ দিকে চাইজে কাৰি দক্ষা মেকছিল। ক্যোনোমতে সেটা কাটিছে জোব কৰে বলে ক্ষেক্ষ্ম, মাজ প্ৰথমে আপনাৰ দেবি হবে সেল।

ভিনি অসাবোচে আমার গালের চৌরিয়ের বনে সমাসন, দেবুন, আছ ডোবোজাই এক-রকম জোটে, বিশ্ব আরপ্র গালেন আচালে। আক আর পুরী একেন, আর নায়র আচালেই বইল।

বেমন জোর তার বঞ্জাতার তেমনি ধাবচাতে । একটুক ছিলা নেই ৮ সব জারসায়েই আলম আসনটি অবিসাধে ভিতে নেওমাই খেন তার অস্তাসে। থেউ কিছু মধন করতে পাবে এ সব কেই তার নহ। খুব কাছে একে বসবাব আন্তাবিক লাবি খেন তার আছে, আভ্নাব একে যে খোৰ দিতে পাবে লোক আছেই।

त्याद्या प्रथम करव वांक्याद्याचे। प्रतः त्यातमे चामि चाकावाकि प्रदन

বাজিনুৰ। জিনি আনাৰ জেবনি নিল্যকাড়ে দৰভাৰ কাছে এলে আবাড় পৰ আনলে বললেন, সামাৰে পেটুক টাকবাড়েন না, আমি বাছাৰ লোভে এবানে আনি নি। আবাৰ লোভ কেবল আপনি ডেকেছেন বলে। যদি বাজাৰ পৰে অমনি পালান ভা হলে অভিবিত্ত কাকি কেওছা হবে।

আমন্ত্ৰ কৰা অক্সৰ সহতে অভাৰ জোৰে না বনলে ভাবি বন ক্ষ্ম লালত ং আমাৰ বামী যে ওঁৰ প্ৰমণ্ড, আমি যে ওঁৰ ভাতেৰ মডো। আমি ধ্যন নিজেৰ মতে লচাট কৰে স্পীপৰাৰ্থ প্ৰাস্থ আছি আৰাও সমোও কেছে। ধ্যবাৰ চেটা ক্ৰড়ি আমাৰ আমী আমাৰ বিৰাম দেশে আৰাকে বললেন, আন্তঃ, ক্ষমি ভা হলে কোবাৰ বাজা লেবে চলে এলো।

দ্বীপৰাৰ বল্লানে, কিন্তু কথা লিছে যাত্ৰ, কাৰি লেখেত তাও আমি একত ছেলে বল্লায়, আমি এখনই আদ্ভিত।

জিনি বললেন, আলনাকে কেন বিয়াদ কৰি নে ছা বলি। আছা ন বছৰ হল নিবিলেন্দ্ৰ বিয়ে চড়েছে। এই নাট বছৰ আলনি আছাকে কাঁকি কিছে বল্টজেন। আবাত কেব যদি ন বছৰ কবেন তা হলে আৰু দেখা চৰে না।

স্থাবিত সাধীয়তা শুক করে সিয়ে মৃত্যু মতে বসসুম, কেন্, ভাতলেই বাজেবাতরে না কেন্দ্র

বিনি কানেন, আমার কুরীতে আছে আমি আন বহাস মন্ত্র । আমার বাল লালা কোটা নিলের কোটা লোবোডে আবেন নি। আমার কো এট নাজাল লগ।

विक्री पुरबाहितमा क्यांके भाषां प्राप्त प्रदान राक्षातः ताक्षातः करके । अवाव भाषां अक्ष करके त्यात १४ करून करतर अक्षेत्रके करितः कात्रतः भाषि नात्रत्य. त्याव स्वरुपत्व भाषितीस्य भाषानां काक्षा त्यातः वात्रः।

ভিনি কালেন, কেশের আনিবাদ দেশনভীবের কর বেকেট জো পান। সেই অভেই জো এও ব্যাধুন বহে আপনাকে আপতে কাভি, ভা চলে আছ কেকেট আয়ার কল্লানে আবল্ল হবে। त्वादकृष का त्यांना करण व्यवसारम काव वाकाय करणे निवासम्बद्धः भवत्रके अवित क्रक त्यांन मध्य त्य, व्याव-अक्षयत्वर पूर्व या महेक जा कीव मूर्य कारक व्यापिक करवाद केश्व भारतः याह का १ कामाक कामाक क्ष्यांन्यः त्यांन्य, व्यापनाव अके वाबीरक काविन त्यांन क्षित्रंवः, व्यापनि यकि जा वारतन्त्रः या करण केनिक वानाम भारतन्त्रः नः।

श्वादि स्था ५:० श्वादि दिनि शाराह राज देशका, श्वादि शास-१४५) भाषाम मनवाद शारु ।

আহি বছৰে বিবৰ সাচাপুত্ৰ। তিনি বাংলেন, তত্ত্ব পাৰেন না, এক সাদ ক্ষম। আননি ,গণেডেন, আহি বাংশং সময়ে ক্ষম কট নে— বাংশত কনিক পৰে পাই।

भागाव बाधी अब कर गरद नगामतः बाद दिएको स्मृतक निर्मितकामान १६ ५६ १९ (ज़ादाद मार्चड ११५८४ ५८ तथ्य । रायाद वादाद वरदद विकास रममृत् १६ ८१वराय---

নপ্রলো কী কান দু পুর্নিটির পুনিশের মতে। প্রয়োজন আছে কান বে এন্দেরে ভূগ নার, আধুনিক কালের পালনে পরা আন্তের উপরে কানে পর। — কোনা স্থানী চিত্রে বে, প্রতিয়াক কান আই লো।

श्रावात पानी श्रश्नाकि महेटड पाटन ना । किन्न संग्रहणाध्या हरे ए श्रश्नाकि , ट्राटका क्लिकार देवति ना, मानस्वर धानाना । श्रावि सम्पा भाषां विरक्ष रकामं अको विवाद कराविति इस भाषां पानिक व्यक्तिया, वाक्रमाम पक्तमित्वाह भाषांत्वाक रका दान, रेकावासक विद्या कावाव निक स्वते । भक्त स्वतं वाक्रस्य ।वेषास्य स्वरूपः भाषांव प्रश्रावे स्वतं स्वतंत्रम् स्वतं ११६ द्वेषास्य - स्वतार्थ्य विषय प्रशासाव रूपक वस विवय स्वितंत्र वाक्षस्य ।

য়ৰ বেকে বাইছে এয়ে কৈবি, যোৱা জা ২৩টাকালেৰ সমূচতি চকটুৰ বানি উচ্চ কাছ বৰে বাৰাকাৰ কাছিছে। আমি কিলানা কৰণুত, এযানে মূল

विकि किए किए करने देखन करायन, कार्य भागीहरूप।

यस्य स्टिट्ड स्तृष्ट अभीनानान् करून यात्र उत्तरान्त्र, जानानाव आक स्वाय एक विकृष्टि यांच्या राज ता ।

িছিলে আমাৰ কাৰি লক্ষ্য বল । আমি একটু বেলি শীম নিংব একেছিল।
ছল বৰ্ষম বাবাৰ কান্তে মন্ত্ৰটা সমৰ (দেবা উচি ব ছিল কা কেইটাৰ মি ।
আৰক্ষয়ৰ আমাৰ বানবাৰে মন্ত্ৰে না লাগবাৰ আলাইটো না বেলি, কমছেৰ
আৰু ছিলাৰ কবলে কেইটাৰুমান বাৰি আৰু না । কিন্তু কেটা যে কেটা হিলাৰ
কবছিল কা আমাৰ মানক কয় নি ।

विक्रियांत्र (काम दश कामात स्कार्त्त (कामा (पास्त्र) (महर्कि कामात स्वार्त्तिक विक्राल, नद्भव प्रतिक कामा कामान्य (कामान्याव निक्कि (क्षेत्र क्षित्र) प्रतृष्ट (पास्त्र महामात प्रशास कामान ६ कामान कम्मान्याय तम् ।

আৰি ভালে কৰে কৰাৰ নিজে পাৰি নি , হব লাল বাব খোৰ একটা সোকাৰ কোৰে কলে পঞ্জুৰ । কেলেৰ বৃতিমানী নাৰীপজিৰ মধ্যে যে কৰাৰ নিল্যাক্তমন্ত এবা সংঘীৰৰে সকীপৰাপুৰ আছে পেৰিছে বেৰলমাই বৰ্ণনালয়ে কাৰিছ লাজেৰ কাৰা বীয়ে লক্ষ্যেই ব্যৱহানা প্ৰাৰ ব্যৱহা সংগতিসুৰ এ-পৃথিৱ বাব বিশ্বাই ক্ষা হা । নবীপৰাৰ উল্লাখনেই আবাৰ আমীৰ সম্বোধৰ বাৰিয়ে বিলেব। তিনি থানেন, ধৰ্ণে ভাৰ ভীত্বধাৰ মনেৰ সময় উল্লোখন কৰ্ বৰ্ণ কৰে উঠাত বাবে। এব পৰেও আমি বাৰবাৰ থেপেতি, আমি উপস্থিত বাৰনেই ডিনি কৰ্ম কৰবাৰ সামান্ত উপন্যকাঠক ভাতবেন না।

'কম্ম বাববৰ্' বয় গছতে আবাৰ স্বাধীৰ বত কী ভিনি আনভেন, সেটটের উল্লেখ করে কালেন, সেশের কালে বাছনের কল্পনাবৃদ্ধির বে একটা আবাৰ আছে সেটা কি ছবি বান না, নিনিল ?

একটা ভাষণা থাতে মানি, কিছ দৰ ওাষণাই হায় জা মানি নে। কেশ-বিনিদকে আমি পুৰ সভাজনে নিজেৰ কনে ভানতে চাট একং সকল লোককে ভানাতে চাট— এই বড়ে। ভিনিদের সকতে কোনো কন-জোলাবার কাইবাই বাবং যে করেও আমি ভারত পাই, কজাও বোধ কবি।

ভূমি বাবে মাবাম্য বন্ধ আমি ভাকেট বনি সভা। আমি কেশকে সভাট দেবভা বনে মানি। আমি নকনাৰক্ষেত্ৰ উপাসক— মান্তবের কংগট কাৰানের সভাকার প্রকাশ, কেমনি কেশের মধ্যে।

अ क्या विकेशकारे विद्याल कर १८२ (१४)आई गएक ४७ आहरात शरक वहां सहरात, सकता ४७ (१८८५ शरक वहां १८८५ (वह १८६)।

লে কৰা সন্ধা, কিন্তু আমাৰ শক্তি আৰু, আক্তৰে নিজেৰ কেলেৰ পূচাৰ বাবাই আমি কেশ্যাবাজনৰ পূচা কৰি :

পৃথা কছতে নিবেৰ কৰি নে, কিছু কছ কেলে যে নাছালা আহ্বেন উৰে প্ৰান্তি বিবেৰ কৰে যে পূজা কেন্তন ক'ছে সমাধা হবে ?

विरवर्ग शृक्षात्र वाक । विश्वाबर्धनी वहराज्यस्य अस्य वकारी कर्यात्र वाक । वस्तात्र करविराज्य । वाजवा अक क्षित्र क्षित्रवाहरक वाक्ष्य, अक क्षित्र वारको किनि अस्य स्टब्स ।

कारे परि हा, करन गांवा त्यरनर कवि कवतः चान गांवा त्यरनव तस कवत् केवतरे क्षेत्र केनामता कवतः— या हता विराय करा तानक्रक श्रीक करवाच करकाच दिने ।

जित्यन राज मण्डलं चारामा करां— स्थातः तर इश्रहन वाला भृतात लो केमराम्य चारक्। ः

ভা ৰলৈ অৰু নিজেৱ দেশ কৈন, জাব চেবে আৰক চেব শাই উপচেশ আছে নিজেবই সক্ষে । নিজেব মধ্যে বে নবনাবাহন আছেন জাব পুজাছ মহাটাই যে কেশ বিজেশ সৰ চেবে বাছা কৰে কানে বাছছে।

নিশিল, কৃষি থে এই সৰ ভাক কৰছ এ কেবল বৃদ্ধিৰ শুক্ষাে ছক। হলছ বাস একটা শাসাই স্থান্ত, ছোকে কি একেবাবে মান্তাং না চ

আৰি জোমাকে সভা বলছি সমীপ, দেশকে দেবজা বলিছে ধৰন কোমবা সন্ধাহকে কাৰ্যা, অধনকৈ পুনা ব'লে চালাকে চাল জনন আমাৰ কলবে কালে বজাই আনি পিন ধাৰতে পাতি নে। আনি বলি নিজেন আইলাকনের ভয়ে চুবি কবি ভাঙলে নিজেব বালি আমাৰ যে সভা প্রেম ভাবেই মি মুগে যা বিহী নে ৮ চুবি কহাতে পাবি নে যে সাই— দে কি বৃদ্ধি আছে ব'লে ৮ না নিজেব বালি প্রভা আছে ব'লে।

ক্তিবৰে ক্তিতৰে আমৰে বাপ চক্তিল। আমি আৰু থাকাৰে পাৰপুৰ লা: আমি বলে ক্টাপুথ, টাবেজ কথাদি অমান কল এমন কোন্ লভাৱেশ আছে যাত্ত ইন্তিকাস নিজেব কেলেব কলে চুবিব টকিয়াদ নত্ত্

দে মুখির জনাবলিরি ভাগদের করছে হবে, বেমাক করছে হজে। ইফি-হফ একমার দেব হয়ে বাছ নি :

দকীপৰাৰ কল্পেন, বেল তে, আনৱাধ দাই কৰব। চোৰাই যালে আলে ঘটটা বোৰাই কৰে আৰু পতে নীৰে প্ৰস্থ নীৰ্মাল কৰে আন্তৰাও কৰাৰ্যনিতি কৰব। কিন্তু কিন্তালা কৰি, ভূমি গে বললে একনো স্বাধা ক্ৰাক্ষিতি কল্পে, দেউং কোৰায় ?

বোৰ বৰন নিজেৰ পাপেৰ কগৰেনিকি কথছিল ক্ৰমন জা কেই কেবাছ গাচ বি । ক্ৰমে জাব নিজ্ঞৰ নীমা চিল না । আচা কাচা ভাষাৰ-সজাভাষক ক্ষরাবাদিতির দিন ক্ষমন ক্ষানে তা বাইবে কোকে কেবা বাছ না। কিছ ক্ষমটা ক্ষিনিস কি কেবাকে পাক্ষ না— ওলের পাক্ষিকের কুলি-ক্ষরা বিবাদেশা, ক্রমকনা, বিবাদেশান্তকভা, ওলচবপুরি, ক্রেমীক্ষা-বক্ষার পোক্ষে ক্ষায় ক সভাবে বালিলান, এই বেংসা পাপের বোকা নির চলেছে এর ভার কি ক্ষমান্তর, এ কি প্রতিধিন ওলের সভাবার ব্যক্ষর ব্যক্ষ ক্ষেত্র বালেজ না সংখ্যের উপরেও ঘারা সম্প্রে মান্তর না, আমি বল্ডি, ভারা কেবাক্ড মান্তর না, আমি বল্ডি, ভারা কেবাক্ড মান্তর না।

আমার স্থামীকে আমি কোনো দিন বাইবের লোকের হজে তাক করচে শুনি নি— আমার সকে হিনি তেওঁ করেছেন, কিন্তু আমার প্রতি জীর এমন পান্তীর করুণা যে আমাকে চার মানাত্ত জীর কটা হাত আজ কেবলুম টার অস্তালন)।

আমার খানীর কথা গুলোলে কোনোমারেই আমার মন পাছ বিজিপ্না। কেবলাই মনে হাজিপ, এব উপায়ুক উচ্ব আছে, উপাছিতমানে কেআমার মনে জোগাজিল না। স্প্রিল এই দে, ধ্যের দেশ্যেই দিলে চুপ্তরে হেছে হয়— এ কথা বলা পান, ধনকে আক্রান্তর পাইছ মানকে বাজি নাই। এই কেই স্থাছে প্রেলাবেক্স গুলাব বিছে আমি একটা বিশ্ব এবা দেউ। স্থাপিবার্ব হাতে ব্যব, আমার মনে কৌ সাক্ষা ছিল। ভাই আহমেক আধারাই।প্রেলা খবে কিবল গ্লেই আমি নাই করে নিষ্টিছ।

এক সমরে সালীসবার আমার দিকে তেবে বললেন, আলনি কী কলেন আমি বাবসুম, আমি বেলি সাছে গেন্তে চাই নে, আমি মেডি। কথা। বলব। আমি মাড়ব, আমার লোভ আতে, আমি দেলের বলে লোভ করন আমি কিছু চাই বা আমি কাউকে চাই বাকে কাউব কুটব, যার ইপরে আমি আমার এক থিনের অপনানের পোন পুলন। আমার মেডি আছে, আমি কোকে নিবে মুখ্য হব। আমি কেশের এমন একটি প্রভাক হল চাই বাং আমি বা কাব, দেশী কাব, ছগা কাব, বার কাছে আমি বলিবানের পাত।

दक्षि-न्दिर स्टक्त कान्द्रित (सर । चार्षि शहर, चारि (स्वतः) अहे ।

समीनवाद रोजिक रणाका है हैं। व्याकारण अविन राज व्याकारण करक राम हैकेरणन, क्या प्रमार नरकारण्ये मारणाचन करत रणालन, राक्ष प्राचना । राम बाजना

আমাৰ স্থানীৰ অস্তত্ত্ব একটি প্ৰীত বেংনা ইংব নৃত্যুব ওলব ছাছ। কেলে কলে পোল । জিনি যুব মৃদ্ধু স্বের বললেন, স্থানিক দেব ল না, আছি নাম্মৰ, স্থানি লেট চন্তেই বলচি, স্থান্ত্ৰ থা কিছু মন্দ্ৰ কিছুব্ৰেই লে স্থানি স্থান্ত্ৰ কেলকে কেন্দ্ৰ না, দেব না, দেব না।

क्षणः गाम्, क्षाम यक्तो ।

্ৰান সুখন-মধি মদিবা

হকে বিকল স্কৃতি :

ন্দ্ৰভাগে বাবুত াক। ললাটে লেশিয়া লাও ফল্ফ নিৰ্মাক কালো কল্মণক বাক লাও প্ৰান্তবাধী।

भाक निक् भाक् (सर्वे भवेदक या कारत्व कारतक सर्वेनान कवाक कारन ना र

এই বলে তিনি মেৰের উপন্ধ ছবান্ধ জোনে লাখি মারলেন— কার্পেট থেকে অনেকগানি নিশ্রিত গুলো চমকে উপতে উঠে পড়ক। দেশে দেশে মুনে মুগে নাম্বৰ খা-কিছুকে ৰাচা বলে খেনেছে এক মুনুটে ভিনি ভাকে অপমান কৰে এমন পৌৰাৰ মাখা বীকিংগ গাঁচিয়ে উঠালন যে তীয়ে মুখের নিকে চেকে খামাব সময় পরীকে কটে। দিকে উঠাল।

আবার ইঠাং গর্কে উঠনেন, বে আন্তর্ন হয়কে পোড়াই, বে আন্তর্ন বাহিবকে আগাহ, আমি পাই দেশতে পাজি তুমি সেই আন্তরের প্রকরী দেশতা! তুমি আক আমানের সকলকে নই হবার চুক্তর ভেজভান, আমানের অক্সাধকে ক্ষরত করে।

এই নেষ কটি কথা বিনি যে বাকে বলনেন জা টেক বোঝা লেখ না। যনৈ কথা থৈকৈ পাৰত, তিনি থাকে লংক মাত্ৰবা বলে বকনা কৰেন স্তাৰে, কিখা কেনেব যে নাথী নেই কেন্দুখনি প্ৰতিনিধিকলে তখন সেখানে বক-মান ছিল ডাকে। মনে কথা খেকে পাৰত, কৰি ব্যক্তীকি ধেমন পাপুৰুদ্ধি

বিকাৰ কৰবাৰ আখাতে এক নিমেৰ হুনাং প্ৰথম অন্তই প উজ্ঞাৱৰ কৰে-ভিন্দেন তেমনি স্পীপবাৰত গমবৃত্তিৰ বিকাতে নিজাকবোৰ আঁথাতে এই কথাওলি হুনাং অলে উইসেন— কিছা কনসাধাত্ত্ত্তৰ অনোহত্ত্ৰ-ব্যবসাহত্ত্ ভিনাতাত্ত্ব অভিনয়-স্কুলকভাত এই একটি আক্তৰ প্ৰিচ্ছ ছিলেন।

আৰও কিছু বোধ বৰ ক্ষতেন, এমন সময় আমাৰ আমী উঠে উচৰ গাবে হাজ দিয়ে আজে বাজে ক্যমেন, স্কীণ, চক্ৰনাখবাৰু একেছেন। কল্য দেক চেন্দ্ৰ ক্ৰেছে কোৰ কোনাব্যক্ত বৃদ্ধ কৰকাৰ কাছে ব্যক্তিৰ আৰু চুক্তবন কিনা আবেছেনৰ অংকাপ্তৰ ক্ৰয়াঞ্চাক্তৰে কৰে। জাৰ মুব্ৰত্ব বোটি নমজাৰ পৰিপূৰ্ব আহাকে আমাৰ আমী এনে কৰকেন, টানি আআৰি আন্টাৰ্ভকবাৰ কেই কৰা অনেক্ষাৰ জোমাকে বংগতি, একৈ প্ৰধান কলোঁ।

আৰি তাঁৰ শাৰেৰ মূলো নিৰে তাঁকে প্ৰধান কৰ্ম্ম। তিনি আশীবাদ কল্পেন, মা, ফুগৰান চিবদিন ফোনাকে বন্ধা কল্প।

Bu cel nuce winte ent wifteren mertwa fun :

विविद्यालय चार्चक्या

এক কিন আমাৰ মনে বিধান চিন্দ, উপৰ আমাকে মা দেকে আমি জঃ নিয়ে পাৰৰ। এ-পৰস্থ ভাষ পৰীক) বহু নি। এবাৰ পুৰি সময় এক।

মনকে বৰন মনে যানে বাচাই কৰ্তুৰ অংনক ছাৰ কলনা কৰেছি। কৰানা বেহৰতি থাবিখা, কৰানা কেলমানা, কৰানা কৰানা কৰানা কৰা হয়। এয়া বি, কৰানা বিষয়েৰ মৃত্যুৰ কৰাৰ ভাষাত চেইং কৰেছি। এ-মহন্তই নমবাৰ কৰে মাধ্যম কৰে নেব, ১ কৰা বনন বালতি বোন হয় মিখা। কৰি নি।

বেষক কেটা কথা কোনে দিন খনে কলনাত কৰাছ পাৰি নি ৮ আছ ্যাই কথাটো নিয়ে সমগ্ৰ দিন গগে বংগ ভাগতি, এও কি সইবে চ

बर्तन क्रियान रकान कारणाह । क्यो क्रिया विर्ण क्राइड । क्राइक्य क्रिया क्रियान क्रियान क्रियान , जो । , याथ यह व्यक्त पृथ्वित व्यक्ति क्रिया राजि इक्यों माना व्यक्ति क्रिया व्यक्ति । क्रियान रक्षा क्रिया राजिस क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्र

व्यावाद महत्रद (वादणीक करेश प्रश्न क्यांतक इवाह केरहेरह एक हि व्याव क्यांवर क्यांत क्यांत व्याव क्यांवर क्यां

चानि क्रिक्ति केन्द्रस्य केक्टिन स्टा अत नाम काशन स्टब सम्बद्धिन्य

(वर्षि केटि, वर्षिकार कार की करता आहा प्राप्त) होते करता तरन्यू व्याप्त करता कार वर्षिकार वर्षेकार वर्षिकार वर्षेकार वर

अकरिन विकास करनिकृत. एकांगारक नाकेरव कानास्क करन । विका किन मामाव करनव मरमा— रुन किन कर-नका विकास कारों कारानी अक एकारों। कार्यराव करावक्षाना नीमा निकास रेकवि । खाव काक रूपरक रा कारमाचानावृत्व निक्षित्व मास्किन्य रुन कि कर्नरव कर्कीव केंग्यरम्य नीमजी. या रुन नामाजिक मानिश्मितिक वार्य्यक कार्यन क्रांतिक रेमिक करमार करमार वीमा नवारका मरक। १

আমি গোলী ? বা পেরেজিশুম তার চেবে আকাল্লা জিল আমাব আনক বেলি ? না, আমি লোলী নই, আমি প্রেমিক : সেই ভব্তেই আমি আলা-দেশবা লোকায় নিশুকের কিনিল চাই নি— আমি ভাবেই চেয়েছ জিলুন আপনি ধরা না নিগে বাবে কোনোমতেই ধরা বাব না। বৃত্তি সাহিত্যার প্রথিত কাগজের কাটা ছলে আমি খব সাভাবের চাই নি, বিশেষ মধ্যে আনে প্রিয়ের প্রয়েম পূর্বিক্লিড বিষ্ণান্ত দেখবার করে। ইন্দ্র জিল।

একটা কথা জগন ভাবি নি, মাছণকে যদি তথে পূৰ্ব মুক্তজনে সভা জনেই ক্ষেত্ৰতে চাই তা চলে ভাব উপাত একেবাৰে নিশ্চিত চাৰি ভাগৰাই আলা ভেছে নিমে ১৯ ৮ এ কথা কেন ভাবি নি ৮ খাব উপাৰ আমীৰ নিজা চন্দ্ৰকে মাহণকাৰে ৮ না, তা নহ ৷ ভালোবানাৰ উপাব একাল ভাৱনা ভিন্ন মন্ত্ৰী ৷

মৃত্যের সৃষ্ধ ক্ষমানুত রূপ সন্ধ করবার পঞ্জি সামার স্থান্তে, এই সংক্ষার সামার মনে ভিগ। স্থান্ত ভার পরীক্ষা হক্ষে। মরি স্থার বাভি পরীক্ষার উত্তীর্ণ চব, এই স্থাংকার এবনের মনে কেবে নিশুর।

আন্ত পৰ্যন্ত বিষ্ণৰ এক ভাষকাৰ আন্তাহক কোনোছতেই কুক্ততে পাৰে নি। ভাষক্ষিত্ৰক আমি বৰাবৰ ছবলতা বলেই আমি। বে ছুবল সে ছবিয়াৰ কবাতে পাছৰ কৰে না— ভাষপ্ৰভাষ গাহিত এডিছে অভাৱেত যায়। সে ভাষাভাতি কৰা শেতে চাৰ। হৈছে 'গাহে বিশ্বসেষ হৈওঁ সেই। পুৰুষো वता त्र ह्म्ंब, क्र्य, ध्यम कि, व्यक्तावादित्य त्रवत्त्व कारमानात्र। व्यक्तव मान क्ष्मी वताव व्यक्तिका त्यम काव वता वताव ।

े साम नवत (करने देव्योऽदक घरन भाव जिए वापि त सम शहें नि. उटक नकरमको स्वतिक स्वतिक रूपकि है उन्तिन उनाम कान्यक, स्वामित रक्षणा कार्य निया प्रिमित्रको कर कवि । पृतिम कार्यक, किस्ति स्वामित कृषकृतिक सारक वर्षमाई वार्वेदक स्वामि उत्यम कारमामाध्या । कन् स्वामि उत्ते स्वतिकार्य । स्वामादास नवको उदमक्षि ।

रक्तनः वाधि उने बाँग, तमारक माशासातः महासातः तमा बाँगाहे करनः, मास्वाकः, मास्व बाँगाहे साधा कांद्र, शाहा जाव तमा करायः नेप्पास् गाव ना— कीरकाव कांद्रव मास्वागः, तमी बाँगा, यह तांद्रव बाँगाहे क्यान् महामास्वागः शाकाव श्रमा कांद्रव ताहे कांग्यानामा तम्यक व्यक्ति তেবন নৰ বেবন নেশাৰ প্ৰতিঃ সংখ্যায়ণ্ড উপৰে কোনো একটা নোহকে প্ৰকা কৰে বাগবাৰ চেইছ, এ আমাজেৰ মঞ্চাল্ড বাসক্ষে লকণঃ চিন্তকে মুক্ত কাৰে নিগেই আমৰা আৰু বন পাই নে । হৰ কোনো কলনাকে নৱ কোনো যাহানকে, নম ভাইপান্তাৰ ব্যবহাকে আমাজেৰ আনাক্ত হৈতক্ষেত্ৰ পিটেৰ উপৰ সংখ্যায় কৰে না বনাগে সে নহতে চাম নঃ। বজ কল সম্ভ সংগ্ৰে আমনা পাৰ পাই নে, বত কল এই বকম মোহে আমাজেৰ প্ৰবিদ্ধান আছে, তেত কল বৃধ্যতে হৰে আধীনভাবে নিজেৰ দেশকে পাৰাৰ প্ৰক্ৰি আমাজেৰ ব্য নি । তেও ক্ষম আমাজেৰ অবছা স্বেমনি হোক, হয় কোনো কামনিক ভুত নয় কোনো সভাকাৰ ক্ষমে নয় একস্থে উইবে নিজে, আমাজেৰ উপৰ উংশাত কৰবেই।

সে দিন সক্ষীপ আমাকে বললে তোনাব আৰু নানা গ্ৰণ পাকাৰে পাৰে, কিব ভালাৰ কমনাবুলি নেই— এপইছালাই বাংশেব এই নিবা মৃতিকে ভুমি সভা কৰে লেখাতে পাব'না। বেগকুম, বিমলন্ত ভাতে সাম দিলে। আমি আব ভালৰ কৰপুম না। দকে ভিতে প্ৰা নেই। কেননা, ত ভো বুলিব অবৈকা নহ, এ যে সভাবেব ভোল। ভোটো স্বক্ষাৰ শীমাইকঃ মধ্যে টে কেন ভোটো আকাকেই হোলা নেই, মেই আছে সেইকুমেই মিলন্ পানের ভালা কেইই যায় না। বড়ো সংসাবে এই ভোলেব ভালা কেইই।

কল্পনানুত্তি নেই। অগাং, আমার মনের প্রদীপে চেকাবাতি থাকার পাছে, কেবল নিখার অভাব। আনি (৪) বলি, বে অভাব ভোমানেরই ভোমবা চক্মিক লাখবের মাতা আবোক্তীন, আই এক ইক্ষেক হয়, এন ক্ষা করতে হয়, তেবে একটু একটু ক্লিক বোরাছ। সেই বিশ্বিত্ব ক্লিতে ক্ষেক অহংকার বাড়ে, পুঞ্জী বাড়ে না।

चारि चटनक रिन १९१४ है कथा बराहि नवीरना अवस्थित परश वका

নাগৰাৰ মুখ্যতা আছে। ভাৰ দেই বাংলক্ষম আন্তবিকী ভাকে বৰ্ব। নতায ्यात्र बहुमा क्यांव अने द्वारंत्र कारण द्वीवारकाव निर्देश पात्रमा करवे । कार श्रामुख्य क्रम स्थवतं निक्ष क्षीक बंदमहे हम ब्यानजाद श्रामुख्य बाका बाव fore stiffere dutten : cattene uffere unbif ferunes une pfereiden अर्थ नाम क्रेजियान क्षेत्रमाति । द्वाका मक्टक मबीरनव अक्टी (मानुनका মান্তে, সে কথা বিষদ্ৰ এব পূৰ্বে আখাকে আনকৰাৰ থালছে। আছি বে ছা ধৃতি নি ভা নহ বিশ্ব সন্ধীশের সূত্রে ডাঙা দ্বত্তে ভদনতা ভরতে আরি প্ৰেয়ৰ না। ও যে আয়াকে কাৰি নিজে এ কথা মনে কংগ্ৰেভ আয়ায अक्षा कक । चावि ता नतक देवकात माधारा कर्नाक (महै। भारक कर्ती हार traticus all unu airunu utfa cuttat eun unutu untu utfun ता । काक किस विश्वास के करा (शोबारता नक शरू रूप रहे, स्टूबर नशरू म्बोरमक बद्भव कारतव करमकवानिके त्मरे कम शामनावाद क्याविक। দৰ্শীশকে বিহল হতে হতে প্ৰাঃ ক্ষতে, ভাই আৰু দ্বীপেৰ সক্ষত বিহলেও कराइ किছ सम्बद्ध चामांत यन (कार्या करत राव : की कार्नि स्वराका कार्य ঘলে আমাৰ মনেৰ টুবা প্ৰান বেবে, চহাৰে। অভাব্যি এনে পাৰে। স্বাধীপেৰ en affe meinen und memer wie enn entret minie connin win mite ्रांक्षिक्रम विरक्षक । कन् महत्र शाशन ८५८४ नित्य रकना कारना ।

মানাৰ ব্যান্টাৰ-কৰাৰ চন্দ্ৰনাথখাবৃধ্যে আৰু আনাৰ এই জীবনেৰ আৰু বিশ ক্ষমে পৰিছ কেবলুৰ ; জিনি না কৰ কৰেন নিজাকে, না কৰিকে, মা বহুলকে । আমি যে বাজিকে ক্ষমে কালন কোনো উপালন আমাকে কৰা কৰাৰ পাৰত বা । কিছু এই বাছৰট কাৰ পাছি, কাৰ নজা, কাৰ পথিন ক্ষমেনি নিজে আনাৰ জীবনেৰ মাৰখানানৈকে কাৰ জীবনেৰ আন্তিন্ত কৰেনাৰ জীবনেৰ আনাৰ ক্ষমেনাৰ ; ভাই আমি ক্ষমেন্তিত প্ৰমন সভা ক'লে, এইন প্ৰজ্ঞাক ক'লে,

সেই চন্দ্ৰনাথবাৰ দৈ দিন আমাৰ কাছে এসে বলকেন, সলীক্ষক কি এখানে আৰু চৰকাৰ আছে ?

কোথাও অয়স্থানের একটু হা 6বা দিনেই ঠোর ভিত্তে দিছে যা ছেছ , তিনি কেমন করে ব্যাতে পারেন। সহজে তিনি চক্তা হন না, কিছু সেঁ দিন সামনে হিনি মন্ত বিপলের একটা ছারা দেখাত পোরেছিলেন। তিনি আমাকে কতে ভালোবাসেন সে তো আনি কানি।

চায়ের টোবিলে স্থীপথে বলপুম, তুমি বা পুরে বাবে না গ সেবান বেকে চিট্টি পেরেছি, ভারা ভেবেছে আমিই ভোমাকে ছোর করে বরে বেবেছি।

বিমল চালানি থেকে চা চালছিল। এক মুব্যুত ভাব মুখ গুকিছে গেল। সে সম্পীলের মুখের বিকে একবার কটাক্ষমাত্রে চাইলে।

সন্ধীপ ৰকলে, আমনা এই বে চাব দিকে খুবে খুবে খংগ্ৰী প্ৰচাৰ কবে বেডান্ধি, ভোৱে কেবলুম, এটা কেবল পৰিব বাড়ে প্ৰচ চন্দ্ৰ। আমাৰ খনে হয়, এক-একটা ভালসাকে কেন্দ্ৰ ক'বে যদি আমনা কাক কৰি আ হলে চেন্ত বেশি ভাষী কাক বচ্চ পাবে।

্রেট্ট ব'লে বিষ্ণোর মূলের দিকে চেবে বলকে, আপনার কি আট ক্ষমে বয় নাগ

বিষয় কী উত্তৰ কোৰে প্ৰবিষয়ী কোনে পোলে না। একটু পাৰে বলালে ই ব্ৰহমেই নোপৰ কাম বাতে পাৰে। চাব নিকে ভূৱে কাম করা কিয়া এক ভাৱসায় বাস কাম করা, সেটা নিকের ইন্দ্রা কিয়া আছাৰ অঞ্চলারে আছে নিজে বাবে। এর মধ্যে যে ভাবে কাম করা আলনার মন চার সেইটেই আলনার প্রব।

স্থীপ বন্ধে, তবে সভা কথা বনি। এত দিন বিখাস ছিল, খুবে খুবে সমস্ত বেলকে মাতিছে বেড়ানোট আমাব কাছ। কিছু নিজেকে ভুল ব্ৰে ছিলুম। তুল বোৰবার একটা কাজা ছিল এই বে, আমাধ অভয়কে সং সময়ে পূৰ্ব বাধ্যত্ত পাৱে এমন শক্তির উৎস আমি কোনো এক ভালগার পাট भि । काहे एकका स्थल एटल सकूत सहस एकाएक कराक केरहाकिक करते । काहे केरहाकसा एक्सके कारारक केरहास एक्स मध्यक कराक करा । काह्य वालाई कारारक एक्स मध्यक मध्यक कराक करा । काह्य वालाई कारारक कारारक एक्स मध्यक एक्स काह्य कारारक एक्स काह्य । काह्य कराई हि । तिक, उस्क हिन कालन लिख काह्यमा वराई कारारक हिन्दू । एक्स सामा काह्य वराई स्था कारार काह्य (नगरक काह्य काह्य काह्य काह्य काह्य काह्य । काह्य काह्य अववाद काह्य काह्य काह्य (नगरक काह्य काह्य अववाद काह्य (नगरक काह्य क

লক্ষাৰ একা সেীবৰে বিদলের মুখ লাল হবে উঠল বেং চায়ের পেছলোছ নাচালতে ক্ষার হাজে কালতে লাগল :

চন্দ্ৰনাৰবাৰে আন্ত-এক কিন ৩০০ বলালন, , কামবা চনতন কিছু দিনেক আন্ত-একৰাৰ কাজিলিং কেডাজে আন---- কোমাৰ মূৰ পেৰে আমাৰ বোধ কি ভোমাৰ লভীৰ ভালো নেই। ভালো খুম হয় না বৃদ্ধি ৮

বিষয়কে সন্ধান্ত সময় কলকুম, বিমল, লাভিলিতে বেডাঙে বাবে দ আমি স্বানি, লাভিলিতে সিহে তিমালয় প্ৰত্ন দেশবাত করে বিমলেয় বৈ শ্ব দ্বিল। সে দিন দে কলনে, না, ত্বন ধাক।

म्हिन्द क्षि इसार जानका हिले

স্থানি বিশ্বাস হায়াৰ না, আমি অংশকা কৰৰ দে ছোটো স্বাহৰ।
সংক্ষা স্বাহৰায় হাৰাৰ যাজবানকাৰ হাতা কোচো বাতা। সংক্ষ

চকুনীমান্য বে ব্যবহাটুক্ত হয়ে। বিহলের জীবন বাদা কেঁবে কলে ভিগ্ ব্যবহার বাইবে এনে হঠাও লে ব্যবহার কুলোছে না। অক্টেনা বাইবের কলে চেনাজনো সংস্কৃতির কথন একটা বোজাপছা পাঞা হতে বাবে জবন দেশন আমার স্থান কোথার। বিদি দেখি, এই বৃহৎ জীবনের ব্যবহার হয়ে। কোথাও আমি আম বাপ পাই নে, তা বলে বৃহত্ত, এক দিন বা নিত্তে ভিনুত্ত দে কোক কাৰি। লে কাৰিতে কোনো ব্যবহার নেই। লে দিন বহি আনে কো কার্যা কর্মন না, আল্লে আল্লে বিদার ববে বান। জোব ক্যাইতি প্রতিশেষ কর্ময়। মুজোব সালে বি জোব বাটে।

সন্দালের আন্তরণা

প্ৰতিক আমাৰ ভাগে এনে শংকাছ দেউটাকট আমাৰ, এ কথা অক্ষরতা লগে আয় ছবলেয়া লোনে। বা আনি ক্ষেত্ৰে নিজে পাৰি দেউটেট বৰাৰ , আমাৰ, এই চল নম্বত্ৰ কৰ্মেৰ শিকা।

নেশে আগনা-আগনি করেছি কলেই বেল আহাধ নয়— চেলচ্ছ ং দিন সৃষ্ট করে নিয়ে জোর করে আহার করতে পাধ্য দেই নিয়াই কেশ আহার হবে।

নাক কৰবাৰ আভাবিক অধিকায় আছে বানেই লোভ কয়া আছাবিক।
কানো কাৰবাৰই কিছু খেকে বাকিছে বৰ প্ৰকৃতিৰ মধ্যে এজন বাবী নেই।
নেব বিক কোকে কেটা চাজে বাইবেৰ বিক কেকে দেউন কোনেই কুছে,
নক্তিকে কিছবে বাইবে এই বজাটাই সভা। এই সভাকে বে শিক্ষা
ানতে কোন না ভাকেই আছবা বনি নীজি, এই কাজাই নীবিকে আছ

বাধা কাছতে ভানে না, গহাত পাৰে না, একটা কালে দুয়ো
াপদা হবে বাধ, পৃথিবীতে দেই আনমনা এক লগ পোক আছে, নীজি
াই বেচাবাছের সাজনা দিক। কিছ বাবা সমস্ত মন কিবে চাইজে পাছে,
মন্ত প্রাণ কিবে জোল করতে ভানে, বাদের বিবা নেই, সংকাচ নেই,
ভাই প্রাক্তির ববপুম। ভালের করেই প্রকৃতি মা কিছু প্রকর্ থা-কিছু
বি সাজিবে জেবেছে। ভালাই নদী সাংহে আনম, পালিন হিনিয়ে
লবে, ব্যক্তা আছিছে ভারতে, পাষার বোলা জিনিন হিনিয়ে কেছে নিয়ে
ল বাবে। একেই কবার আনক, একেই বানি জিনিসের লাম। প্রাকৃতি
ভানাক্তির করতে, কিছু দে বস্তার কাছে। ব্যক্তা, চার্নার জোর,
ভারার জোর, পারনার জোর সে জোর কাতে ভারনোবাসে—ভাই

আগমরা ফ্লাবীর হাড়-বের-করা গলার সে আগমার বস্বকৃষ্ণের ব্যবহারত মালা পরাতে চার মা। মরবংগামার রোপনাঠাকি ব্যবহার— লর ব্যবহার যে, মন উলাস হয়ে গেল। বর কে দু আনিই বর। যে মণাল আলিছে এং পাছারে পাবে ধ্বের আসম ভারই। প্রকৃতির বর আশম অমাহত।

मामा १ मा, मामि मामा मित द्वा दा पा मानकाव मामि छ। दहरह निर्वे मा दहरह कि । मामा मेरद दादा द्वा द्वा द्वा कि मिन निर्म मा छात दम् मा मा द्वा दम् मा दिन कि मा देव देव देव प्राप्त कि मा दिन मा द्वा दम् मा दिन मा द्वा दम् मा द्वा द्वा मा दा मा द्वा दम् मा दा मा मा दा मा मा दा मा मा दा मा दा मा दा मा दा मा दा मा मा दा मा मा दा मा मा दा मा मा दा मा मा दा मा मा दा मा मा दा मा मा दा मा मा दा म

নুষ্টোচুবি করতে আনি চার নে, খেননা তাতে কাপুকবার আচে কিছ লয়কার হলে ঘলি করতে না পাবি তবে দেও কাপুকবার। পূর্ব যা চাও ডা ডুবি দেবাল গোঁথে বাবতে চাও, কর্মরা আমি যা চার ব আমি দিব কেটে নিজে চাই। জোমার লোভ আছে, ডার ছমি দেবাল বাবি যায়ার লোভ আছে, ডার আমি দিব কারি। ভূমি ঘদি কর্ম বাবি কৌনল কর্ম। এই কর্ম প্রাক্তির বাবের করা। এই কর্ম

আমি কলবুম, কর্মাং লোকসংদের নেলার দ্বুমি। একেবারে মরিছা রাম উটায়ে।

নিখিলেশ কললে, ইং, ভিনেত ভিডেকণাত পাখি দেমন ভাব ভিনেত্র খোলাটাকে লোকসান করণার ভালে মহিলা হ'বে পান । খোলাটা পুর বাহ্মব ভিনিস বাট, ভার ফালে সে পাছ ভাওমা, পাছ খালো— জোমানের নার সে বাহে কর হৈছে।

विकित्सन अहै-सक्य क्षणक निरंह कथा तह , छाद गर्छ काह काहक

বোজানো শক্ত যে, কথ্যতেও লেকলো কেবলয়ত্ব কথা, লৈ সভা নই। কঃ
বেশ, ও এই-বৰ্ষ স্থাপ নিষ্টে হুবে থাকে তো থাক। আমরা পৃথিবীর
মানেরেই জীব। আমারের বাত আছে, নব আছে। আমরা রৌক্তরে পাতি,
ধবতে পারি, ডিঁকতে পারি। আমরা সভাবতেবাত থাস কেরে সভাগ পর্বন্ধ
ভাবই বোমহনে দিন কাটাতে পারি নে। অভএব, এ পৃথিবীতে আমারেও
বাজের যে ব্যবস্থা আরে ভোমধা বন্ধ ধ্যালার কণ ভার বরজা আর্থনে
বাজের যে ব্যবস্থা আরে গোমধা বন্ধ ধ্যালার কণ ভার বরজা আর্থনে
বাজনে আমরা মানতে পারব না। হব চুবি করণ, নব ভাকাতি করব।
নাইনে যে আমারের প্রাণ বাচবে না। আমরা ভো মৃত্যুর প্রেবে মৃত্যু বংব
পরশাভারে উপর প্রয়ে প্রবে বন্ধ প্রাণ কার্যার বর্ষ বর্ষে
ব্যব্দের ব্যব্দ ব্যবহা করে বন্ধ হর্ষ করে আমারের ব্যবহা ব্যবহার ব্

सावाय अहें स्थान्नतार नाहें नगरन, य तहावाय अस्की वाछ। कार नाहन, पुनिवेदण याहा उनरफ छाता उहें निहायों उनरफ, स्थान नगर नगर स्थान क्या असे सरक हाता। असे निहायों उनरफ, स्थान क्या असे सरक हाता। असे निहायों निहाय मिनि सामि हिंदी सामि हिंदी स्थानि हिंदी सामि हिंदी स्थानि असे स्थानि हिंदी सामि हिंदी है सिद्धा सिद्धा है सि

পা ধৰা বাব কেইটেট হকে বীৰের পঞ্জি— কর্বাং, বাজৰ ক্ষাধ্যক পাধাৰ পঞ্জি। বাবা আৰু-ক্ষোহ্যা কৰ্ম পাবার আছে ক্ষেত্র ক্ষানা করে জাব। ভগৰের ইক্ষার বাবাকে স্বান্তির ক্ষিত্র হৈছে স্বান্ত্রিক ক্ষাধ্যকের ক্ষিকেই নিম্নে নাক— বেশি, ভালের চুনই ক্ষোহার। ক্ষান্ত কৃষ্ঠ করে আরু ক্ষান্ত ক্ষিত্র হলে। এই আইবিহাবিহারী পুঞ্জ প্রান্ত্রিকর ক্ষান্ত ক্ষেত্রেক ক্ষান্ত হব নি।

আফিনিটি । জোড়া মিদিছে মিদিছে বিবাজা বিশেষভাবে এক একটি, মহে এক-একটি পুৰুষ পৃথিবীতে পাঠিছেছেএ, বাংলা মিদাই মান্তব মিনেব চাই কাইটি, এনেন কথা সময়হাতো ব্যক্তান্তম্বা আনক কাইবাই নামিত চাই বাক্তান্তম্বা আনক কাইবাই নামিত চাই বাক্তান্তম্বা কথাই কথাই কথাই আছাল নালি আন কুল কছা না এই কাক হিছো কথাই কথাই কথাই আছাল নালিটি একটা কোন কুল আফিনিটির বাজিছে, আন-সম্প্র আফিনিটির সংগলিনিটি হাজান্তা। একটা আফিনিটির বাজিছে আন-সম্প্র আফিনিটির সংগলিনিটি হাজান্তা। একটা আফিনিটির বাজিছে আন-সম্প্র আফিনিটির সংগলিনিটি হাজান্তমিন আনক আফিনিটি পোছেছি, আছে বাল আফিনিটি পোছেছি, আছে বাল আফিনিটি পোছাল প্র ব্যক্তান আনক আফিনিটি পোছাল প্র ব্যক্তান আফিনিটির জালিক আফিনিটির সাম্বাক্তান আফিনিটির সংগলিনিটির সাম্বাক্তান আফিনিটির সাম্বাক্তান আফিনিটির সাম্বাক্তান আফিনিটির সাম্বাক্তান আফিলিটির সাম্বাক্তান সাম্বাক্তান সাম্বাক্তান আফিলিটির সাম্বাক্তান আফিলিটির সাম্বাক্তান সাম্বাক্তান

वियमात्र काष्ट्रकवा

আমাৰ লক্ষ্য যে কোখাৰ বিষেত্রিল ছোই স্কাৰি। নিজেকে কেববাৰ আহি একটুও সময় পাই নি— আমাৰ দিনগুলো বাজগুলো আমাকে নিবে ংকেবাৰে গুণাৰ মন্তো খুবড়িল। জাই সে দিন লক্ষ্য আমাৰ মনেৰ মথে প্রবেশ ক্ষবাৰ একটুণ কাৰ পায় নি।

এক দিন আমার সামনেই আমার মেছো জা চালতে চালতে আমার আমীরে ধনলেন, ভার সংক্রণে, জোমানের ও বাভিতে এক দিন বরারত মেরেরাই কোনে এনেজে, এইবার পুরুষদের পালা এব। এখন থেকে আমরাই উল্লাব। কী বলো, ভাই ছোটোখানী দু বণাবল তো পরেছ, বদবজিনী, এবার পুরুষের বৃত্তে করে গানো পেব।

াই বলে আমার পা খেকে মাখা প্রথ তিনি একবার তীব চোণ বুলিয়ে নিলেন। আমার বাজে-সক্ষার ভাবে প্রতিকে ভিডবের বিক থেকে কেটা কেমন বড়ের ছটা ফুটে উইছিল, ভার কেলমার মেকে: ভারের চোধ এছাতে পারে নি : আফ আমার ও কথা লিবজে লক্ষা কক্ষে, কিছু দে দিন আমার কিছুই কক্ষা ভিল না : কেন্দা, সে দিন আমার সম্প্রতারি আপনার ভিছর থেকে কাফ কর্যছিল, কিছুই বুক্ষে-ভাবে করি নি ।

আনি আনি, সে দিন আনি একটু বিশেষ সাজসোক করনুম। কিছা সে বেন অন্তমনে। আমার কোন সাজ সকীপবাবৃর বিশেষ ভালো লাগত হৈ আনি লাই বৃষ্ঠের পাবতুম। তা ভালা আনাকে যোজবার সম্বভার ভিদ না। স্বাধীপবাবৃ স্ববল্ড সামনেই তার আলোচনা করতেন। তিনি আমার সামনে আমার আমীকে এক দিন স্বাধনে, নিভিন্ন, যে দিন আনাক্ষেত্র মন্ত্রীকৈ আমি রেখন কেবলুম— বিট করিছ-পাল-কেবলা ভাগত পাবে চুপ কারে বাসে, ভাগত বুটো মনে প্র-ভারানো ভারার মতো অনীক্ষেত্র বিশেষ

ব্যক্তিয়ে, বেন কিনেৰ ক্ষানে কাৰ অপেকায় অন্তল্পনা অন্ধন্ধ কীৰে হাজাৰ হাজাৰ বংগৱ কৰে এই-প্ৰথম কৰে ন্যাকিছে, অন্ন অন্ধিৰ বুকেব ভিন্তবন্ধী কৈনে ক্ষান্ত কৰে কৰিছে আন্ধাৰৰ অন্ধিনিদা ক্ষেত্ৰাইয়ে কাপান্তৰ লগতে পাছে কৰে কহিছে অভিনয় ব্যক্তি এই আন্ধাৰ ক্ষান্তন কৰি কৰিছে ক্ষান্তন কৰি কৰিছে ক্ষান্তন কৰি কৰিছে ব্যক্তি কৰিছে ক্ষান্তন কৰি কৰিছে ক্ষান্তন কৰি কৰিছে ক্ষান্তন ক্ষান্তন কৰিছে ক্ষান্তন ক্ষান্তন কৰিছে ক্ষান্ত

साम्राज कि विस्ताता साम टाननां व महून कर निष्ठ के कारना न ने हैं व उन्होंनिस्मान समान्यत (माप लिए निष्यंत मान ने एवं स्पर्धी दिन में) एन सम्बद्धी बाद केंद्रेश । एवं दिन नामान्य एन निष्यंत माना नामान्य नानारानां व प्रोत्याद प्रश्लेष सम्बद्धन करान : नमीनां ने एक एक दिन्यंत द्वारियां मान्य ने ने नामान्य विभिन्न एक अकार्य रम्पान सम्बद्धन प्रश्लेष्ट्यां मानां स्वाप्तात् कार्यंत सम्बद्धन सम्बद्ध रम्बरम्बर्थन स्वत्वक्षामान्यिएक स्वाप्तंत्र स्वाप्तंत्र मानां स्वाप्तंत्र कर्यं रम्बर्थ । यह नार्यं সামানের ভরের কোলে সামার বড়ো ভারের নিলের সম্রাচ্চ আর আমার থেকো কারের দশক পরিবাদ আমানে স্পর্ক করভেট পারবে না। সময় কারভের দকে আমার দক্ষের পরিবর্তন বরে সেড়ে।

সঞ্জীপৰাৰ দেশেৰ সগতে প্ৰভোগ ভোটো বিজৰে আমাৰ পৰামৰ্থ নিকেন। প্ৰথমটা আমাৰ ভাবি সংকাচ বোধ চন্ত, কিছু দেউা আছু বিনেট কোট সেৱা। আমি বা বলতুম ভাতেট সঞ্জীপৰাৰ আন্তৰ বাবে জ্যেত্ৰন। জিনি কেবলট বলতেন, আমহা প্ৰবা কেবলমাৰ ভাবতেট পাবি, কিছু আপনাবা বৃহতে পাবেন, আপনাগেব আৰু ভাবতে বাব না। তেন্তেলেট বিবাজা মানস থেকে পাই কালেনে, আৰু প্ৰথমেৰ ভিনি ভাতে কবে ভাতৃতি পিটিছে সংকাচন। জনতে জনতে আমাৰ বিভাগ ভাবতিক, আমাহ মধ্যে সহজু বৃদ্ধি, সহজু পজি একেই সহজু যে আমি নিজেই এক মিন জাতে কেবলে পাই নি।

কেশের চারি দিক থেকে নানা কথা নিবে সন্দীপবাবুর কাছে ভিটি আনত। সে-স্থাতই আমি পড়পুন এবং আমার মন্ত না নিবে ভার কোনোটার কথাব বেত না। মাকে মাকে এক-এক দিন সন্দীপবাবু আমার মতে মতে বিশক্তেন না। আমি ভার সঙ্গে তেওঁ কর্তুন না। কিন্তু ভার তু বিশ পরেই त्याति स्मा पृथ त्यान केटांके विभि अवकी भारता त्यात्व त्यात्वम अवः । इनमारी भाषात्म कान्तिस अध्यानमात्मन, त्यान्य, त्या भागानि या स्वाहितम्ब अधि मका, भाषाय मास्य एकं कृतः। अव-अव विभ नगरकन, भागमाथ त्य नवार्षाकी निके नि त्याहित्यको भाषि श्रेत्वकिः। भाष्याः এव व्यवकी की भाषात्म वृक्तित विराव भारतम १

ক্ষেক আমাৰ বিবাস পাকা হয়ে পাসন হয়, সে কিন সময় দেপে বা-কিছু কাছ চলছিল ভাৰ দুলে ছিলেন স্বাধীপৰাৰ, আৰু ভাৰত দুলে ছিল একজন সামাজ শ্ৰীপোকেৰ সৰজ বৃদ্ধি। প্ৰকাশ্ৰ একটা সাহিছের গৌৱবে আমাৰ মন ভবে বহুল।

सामारम्य अहे-सम्भ नहामर्गन महा भागाव नामीत हमारा नाम किम माना रममा सामान्य मानामक नानेतिय पुत्रते कारणावारम्, सम्य कारण नाम त्रांच तृष्यि केम्ब दमाराम कहाना नारण मा, नम्मीनवाद सामाव सामीव मगर्य दाने-सम्भ नामी तामान कहाना । सामाव सामी १४ -०-मन विराध राजनारम दम्भामान् रमा पुत्र मानीत दमान्य नामा वास्त्राव नामान सामान्य । सामाव सामीत हमे-सम्भ स्थान महान के तृष्यितम्पापत माना जमान अस्त्री मानाव सम्भारक, रमा दाने करनेति मानाव द्याव मानते सामान द्यान करव नामानामराक्रम । सामे जिल्ला निर्माणनात् दमान मानते सामाय सामीरक मानाव सम्भाव साम दमान अरमावाद दमाने निराधितम्य ।

গ্রাকৃতির ছাফারিছে বাধা অসাড় করবার অনেক প্রাণ্ড আইছে। করন কেনো একটা গাড়ীর সক্ষেত্র নাড়ী কটো পড়ারে থাকে জবন জিন্তার ভিত্তরে করন থৈ সেই কর্মের জোবান গটে বা কেট আনকে পারে মা— দবলেরে এক কিন জেলে উটে সেবা বার মন্ত একটা বাধ্যক্ষক বাট বিজের। ভাষার বীধ্যনের সন্ব ভোগে বড়ো সবাছের করে। ধর্মন ছুবি চলচ্চিত্র ক্ষর্মন ভাষার হল একন একটা ভীত্র আবোর্যর বাচাসে আবাল্যন্ত। আক্ষর বাচে বইল যে জামি টেবই পেলুম না কত বড়ো নিবুৰ একটা কান্ত ছটছে। এই
বৃদ্ধি মেবেবেট ছতাৰ— ভাগেও হনথাবেল বনন এক লিকে প্রকল হয়ে
কোনে পঠে তখন মন্ত নিকে ভাবেত আন বিভূই সাচ থাকে না। এই জন্তেই
আনখা প্রলমাকরী। আমবা আমানেই ক্ষম প্রকৃতি নিয়ে প্রকল করি, কেবল
নাম বৃদ্ধি দিয়ে না। আমবা ননীও মতো, কুলের মধ্যে দিয়ে হবন ব্যব হাই
বেশন আমানের সমত দিয়ে আমবা পালন কবি, বলন কুল ভালিয়ে মইয়ে
বাকি তখন আমানের সমত দিয়ে আমবা বিনাক বিব

मचीरंभव चाख्यका

শীমি বুৰতে শাৰ্ষী একটা লোলয়ান বোৰছে। সে দিন ভাত একটু প্ৰস্থ শাৰ্ষা দেন।

নিবিদেশের বৈয়েকবালার ধরটা আমি আলার পর থেকে সদর ও কব্দরে মিলিকে একটা উচ্চত্রকান্তীর পদার্থ হয়ে কাড়িছেছিল। দেখানে ব বিষয়ে আমের অধিকার ছিল, ভিত্তাহর থেকে মুক্তীর বাধা ছিল

শামানের এই অধিকার যদি পামবা কিছু কিছু হাটো রেখে বাছ বলে গোল পরভূম ডা হলে ছয়ডো লোকের এক-চকম সার বেছ । কিছু বাছ দখন গাম ভাতে কেনাই জালের ভোড়োই হয় বেলি । বৈএকখানা খবে আয়ানের ৪৮টো এমনি ভোরে চলাতে লাগুল বে আর বেলনো কথা মনেই বইল না।

বৈঠকখনো থবে ৰখন মঞ্চী খালে আনেও থব থেকে আমি এক বন্ধর বাব টেব পাট। বানিকটা বালা-চুটির গানিকটা এটা নটার শক্ষ পাকরা তি নাকের পাটা বাবে কবি সে একটু আনাবন্ধক জোবে থা লিছেই গোলা। তার পরে নইছের খালমারির কাচের পাটাটা একটু আট আছে, সেটা টেনে খুলতে পোলা যথেই শক্ষ হয়ে এটে। বৈকেখানায় এনে নি, ব্যক্তার পাটাল করে আলী পোলাক করে মনের মানে বই টারেই ক্ষান্তর আলাহায় বেশি মানায়েনি। বাবন বাবে এই চ্চন্তর কাজে বিজ্ঞানীয়া ক্ষান্তর আলাহায় বেশি মানায়েনি। বাবন বাবে এই চ্চন্তর কাজে বিজ্ঞান ক্ষান্তর আলাহায় বেশি মানায়েনি। বাবন কালে এই চ্চন্তর কাজে বিজ্ঞান ক্ষান্তর আলাহায় বেশি মানায়েনি ইয়াক উটে আলাহি করে— জার বিজ্ঞান আলাহায় বাবের।

সৈ যিন বৃহস্পত্তিবাধের বাবনেলার পুরেশক তক্তমের পথ লক্ষা কংগ্রে ব থেকে বজনা হতেভিসুম। পরের মার্যবানে বারাজার যেগি এক বিবাহনে বারাও ভার প্রতি জনেক না করেই আমি চলেছিল্যা, এমন गवर ता पथ भागतम कातम, वाबू, क शिरक शास्त्र मा।

शव मा ! दक्य !

रेरहेक्याना-परव बानीया आह्वन ।

আছে। ভোষাৰ ধানীয়াকে ধনৰ গাও কৈ স্থীপনাৰ কোনা করতে। চান।

मा, तम करने मा, कश्म दनहैं।

ক্ষারি রাগ এল। প্রশা একটু চটিতে ব্যস্থ, আমি বকুম করছি ভূমি ক্ষিকাসা করে এসো।

গতিক দেশে ব্যৱহান একটু শ্বকে পেল। তখন আমি ভাকে পালে টোল দ্বেৰ লিকে এনোপুম। বখন প্ৰায় ক্ষমান কাছ-ব্যাবহু শৌঠেছি এমন সময় ভাজাভাতি লৈ কউনা পালন কৰবাৰ ক্ষতে ছুটে এলে আমান কাম চেশে ধনে কালে, বাবু, বাকেন না।

কী। আমাৰ নাবে চাড। আমি চাড ছিনিতে নিছে ভাৰ সালে এব চাচ কৰিছে দিপুম। এমন সমূহে মন্দী ঘৰ খেকে বেজিৰে এনেট দেশে দৰোৱান আমাকে লগমান কৰবাৰ উপক্ৰম করাছ।

जाव तमें वृद्धि जानि कनाता कुलव ता। यकी ता कुलवी तिथी जामार जानिकात। जामात्मत त्यान जानिकात त्यान कह नित्य कामात्म ता नवा किए कित्य नकत, यात्म जामात्मत कपरायक त्यात्मत्र नित्य करत वार 'गावि!'। कह कहें सथा महत्राविहें जामात्म मृह्य करत, त्या त्यात्मत्र त्यादावाः यादा--- मृह्यक्षत्रात स्वयंक्षता त्यात्म वेणात्मत्र वित्य केल्कृतिक शा केलेल्य। क्ष यह पाम्ला। किस ता त्य हेन्यात्मत्र करणांवात्मत्र महत्म पाम्ला--- की त्यात जात की यात। तमें त्यात तम क्ष नमक मान् कात्मत्म क्षणांवा करत केलेल। कोन्यात्मत्र केलत कावित्य कर्मनी कृत्य वारो क्षात्म, मनष्ट, क्षणा यातः।

मावि कल्प, भागित तात कडरका ना। निरम्भ पदन भारक छन्छ

शासि छा शक्ति ।

क्ष्णी किन्तिक सार कारात, भा, भागानि शासन मान्न शास भागन ।

এ টো স্মানেৰ নত, এ ছতুম: আমি ধৰে এলে চৌকিছে বলে একটা লাচপানা নিৰে বাওছা স্থেতি লাগপুম: মন্ত্ৰী একটা কাপ্তের টুক্তোর প্ৰেণিক বিষে কী নিৰে কোলাকাকে চেক্তক বলনে, নাবকে নিকে এনে।

সামি কাপুন, সামাকে লাগ কলকে, থৈক লাকডে নাতি ভি---

भक्ती सम्पर्ण (एन करशहरू ।

কিন্তু ও বৈচারার তো কোনো লোগ নেই। ন ভো কর্মর প্রধান করেছে।

এমন সময় নিৰিধ মাৰ চুক্স ৷ আমি ফ্লান্স চৌকি খোক ক্ৰিচে ছাত্ৰ নিকে নিক্ত ক্ষান্ত্ৰাৰ কাচে পিতে গাড়ালুম ৷

मकी निवित्रतक वनरान, काक नन्तृ शरदायान शकीनशाहरक कन्यान काराकः

নিশিল এমনি জালোমান্তবের মাতো আশুর বার বললে হৈনলা হৈ আমি আর আকান্ত পারলুখ নাঃ মুখ নিবিখে ভাব মৃথের নিকে একল্টিজে র'কাপুম। ভারলুখ, সার্লোকের সাহার বড়াই স্থীর কাছে টেভি না, ধনি বিষন স্থী হয়:

मकी समरम, रामीनारान् रेफोनमानाद भागक्तिसम् (१ देव स्थ आहेक राद समरम (समय ट्रावें)।

নিখিল জিলালা কথনে, কাৰ চকুম নেই গ মুকী কৰলে, ভা কেমন কৰে কাৰ গ

বাসে ক্ষেত্ৰ মন্ধীৰ চোৰ দিনে জন পচে-পচে আৰ-বী।
প্ৰোৱানকে নিখিল ছেকে পটোলে। পে ফলনে, চন্তুৰ, আমাৰ জো অব নেই। বসুৰ আমিন কৰেছি। कार हरूब ह

स्रकातानीया स्म्राज्ञातानीया आधारण रक्षण स्थान विकासन । स्थानात्मक स्थान भवाने आधारा हुए करन दहेगूम । सरवादान हरण रक्षण क्षण नज्ञाल, नज्ञाले द्वाहित्द विरक्ष दृष्य । निर्मित्र हुए स्थान दहेग । आधि प्रमुख, अत कावत्त्वरक पहेंगा गामन । अत्र पहेंगान आद आह रहेंगे ।

কিন্ধ বড়ো শব্দ সমক্ষা। সোজা বেবে তো নহ। তন্তুকে ছাভালোহ উপলকে ছায়েকের উপর অপনানের পোধ ভোগোচাই।

নিৰ্দিশ চুপ কৰেই এইস। জখন মন্দীৰ চোধ বিধে আঞ্চন ঠিকতে পক্তভে লাগল। নিৰিলেও ভালোমাছৰিও পাৰে ভাৰ ছবাছ আৰু আছ ভটন না।

निवित ब्यादमा क्या मा नहन फेटो यह त्यदक इटन दनन ।

প্রধিন দেই করোয়ানকে কেবা বেদ না। ববর নিয়ে জনপুথ, জাকে নিবিদ সক্ষণের কোন্ কাতে নিযুক্ত করে গাঠিয়েছে—করোয়ানকিছ জাতে নাজ বৈ ক্ষমি হয় নি।

এইটুকুৰ ভিতৰে নেশনো কত কচ ধৰে পেছে দে তো আছাত বৃহত্যে পাৰছি। বাবে বাবে কেবল এট কথাই মনে চৰ— নিবিদ অধুত মাছৰ, একেবাৰে কটীছাডা।

এর কণ হল এই বে, এর পরে কিছুদিন মন্দী রোজই কৈচকানার এচে কেহারাকে বিয়ে আহাকে ভাকিরে এচে আলাপ করডে আরম্ভ করচে— কোনো-বক্স প্রযোজনের কিয়া আক্ষিকভাষ স্থাতাটুকু পর্যন্ত রাজনে না

अवनि करवर्षे कावकवि करव भाकाव-वैक्तिस, भाषाक्षे करव श्राहेकार करम केरेस्स वास्त्र । अ एव करवत वर्षे, वाहेस्वय श्राहक श्राहक अस्त्रवार नकस्त्रशासक बाहुक । अवास्त्र स्थास्त्र रोक्षा गर स्वर्षे ।

वर्षे भवरीत मुख्य किया क्टिंड कटर कटर होनाहें।वि. सामासारि

क्ष्म शक्ताव शक्ताव के बादस्य गण अकोव गर बात-अक्षेत्र केविया क्षित क्षात्-अक मकत अक्षेत्राच केवल अवस्थित शक्ताव्य अत्य श्रीकृत्यः महाराज अ अक बाक्स क्षमात्राः।

भावता तथ एका की ! वीर्ण्यनक नवन्नात्वक एवं विराध केल एकता कल देवते वाक्य किलिन : बूर्रमाव कथा एक्ट मावक्य करक मावनात्वक कावा नाम करक मावक्य काव्य वाक्य काव्य मावक्य काव्य वाक्य काव्य करक करक करना रहन किलिन करक वालाएक काव्य काव्य प्राप्त वाव्यका विविद्याल निर्मा करक करना करमाव करमाव क्ष्य एका नाम वाव्यक एक मिल वाक्य काव्य करमाव क्ष्य करक वालाव करमाव क्ष्य करक वालाव एका नाम करक वालाव करमाव करमाव काव्य काव्य करक वालाव करमाव करमाव

उन्नि द्वारावा मान्यत महाना अहे व्यक्ताण प्राचाण राज्यत आहात कार्ति इम्बरणाव मान्यत निर्मण मान्यत प्राच कार्ति इम्बरणाव मान्यत निर्मण मान्यत प्राच कार्ति कार्ति कार्ति व्यक्ति मान्यत प्राच कार्ति कार्ति व्यक्ति कार्ति कार्ति

कार गरंद है। देहिक बाब है। प्रकर ।

আনি সময়েই সেবতে পাজি। এই-বে প্রণ উতে উতে প্রচার। এই-বে বেন্দরে পাজি প্রস্তারে রাজার বাজার সাজস্ক্রা চলচ্ছ। এই-বে বাল কিতেইক, জাই এতেইক, রাশি রাশি মনা চুলের জিতর থেকে এবইবানি মেনা বাজে, ও বে কালবৈশাধীর লোপুশ কিবল, কামনার সোপন উদীপনার বাজা। এই-বে পাছের এতেইক ভজি, এই-বে জাকেটের এতেইক ইজিঅ, আরি বে প্রার্থ অন্তর্ভাক বিভি ভার উভাগ। খবচ, এ-বর সামোজন বনেকটা অনোচরের হজে এবা অবলাচরে ধাকডে, বে করছে সেও সাপুর্ব জানে না।

रबम कारम मा १ छात्र कार्यन, प्राप्त वरात्य वाष्ट्रवर्ग प्राक्त कार्य विश्व कार्यम् मा १ छात्र कार्यम् वर्गम् वर्गम्य

भावि शक्षक्ष । केंग्रस नावार भाव कार्यकार एक्पाना एकः भागातिक माना एकिए भागातिक माना प्रतिष्ठ भागातिक एक गए भावक भागाति कार्यक भागातिक प्रतिष्ठ । मा ठावे एम प्रति कारक भागाति, फाएक एवाकि भारत भागाति कारक भागातिक भागातिक प्रतिष्ठ भागातिक स्थानिक भागातिक प्रतिष्ठ भागातिक स्थानिक भागातिक प्रतिष्ठ भागातिक स्थानिक प्रतिष्ठ भागातिक स्थानिक स्थान

क्ष्रशान्त्रम् सूच-इत्त सम्बद्धः सम्बद्धः । सम्बद्धः ।

णायात मणीवानी चलंबन एवादन क्रमाकः एन कार्य मा दकाम् गर्थ अगरकः। नवत मानवान महेल खारक बहेर कामित्र एवन पूर काहित एकका निराणित सनः। मामि एवं किंकूरे लका कवि एम उत्तरे कामारमारे कारमाः। अ किंग मानि वनम वाकित्म्य सणीवानी मामान मुस्तर निर्क उक्त क्ष्मा कान वाकित्य क्रिम, उर्द्यकारम कृत्य निरविक्त उत्तरे एकत्व वाक्षा मर्थका कीः मानि क्षेत्रेर उक्त ममान एवन (क्रायन क्रिक एका क्रमाक्षके कान पून नाम व्यव क्रिम, एकाच कक्ष किंग विविद्य निर्मा मामि मनुम्य, मामि भागान वाक्षा उन्तर उद्यक्तात मनाक हत्व एकाक्ष्मा भागान क्षायन क्रिक मृत्यान वाक्षाक गानि, क्षित्र मामान करें एकाक्ष्मा भागान मामान स्वास्तर करव नामा क्ष्मान मामि प्रमान निर्वक वाल क्षमा किंग एक मामि मामान क्षायन करव नामा क्ष्मान मा

ে বাড় বেঁকিৰে আৰণ লগে হবে উঠে কলতে লালল, না, না, আন্তি

আৰি কাল্যু বিধি কানি লোডী যাত্ৰকে যেবেরা ভালোবালে— এট লোভের উপর লিকেই কো মেবেরা ভাগের কা ববে বিধানি লোডী, ভাই ব্যাবৰ কোনেকে কাছু থেকে আহব লোডে লোড আছা আমার এমন ধলা চানতে যে আর কালার কেলায়ত নেই : আকত্র আলানি তাক্ত্র আনাক চাই আমার বারেয়া কেল্যুন্ন, আনি কিন্তু কেয়ার কবি নে। এট ইট্যান্তলির মানাক্তিকে চিনিয়ে একেয়ারে নিসের করে কেলে কের ভারে ভারক— এট লাবার করার।

শাৰি কিছু কিন শানে আক্ৰবানকাত ভিনেত একবানি ইংহেজি বই "ইডিস্থ, ভাতে শ্বীপুৰুষেৰ বিলন-নীতি সকতে ব্য স্পট-স্পট বাহাৰ কথা আছে। সেইটো আৰি ভাতে বৈটকবানাত কেলে পিতেভিস্থ। এক ভিন ইপ্ৰ-ক্ষেত্ৰ আৰি কী কৰে কেই কৰে চুকেট ধেৰি ফ্ৰটানানী সেট বাইটা হাতে করে নিবে পক্ষে— গাহের পৰ পেরেই আয়াজার্ডি স্টোম উপন আর-একটা বই চাপা কিয়ে উঠে পড়পা বে বইটা চাপা বিশ সেট। কংকেলোর কবিবা।

আহি কাল্য, দেখুন, আপনাধা কবিতাৰ বই পড়তে ককা পান কেন আহি কিছুই বুকতে পাধি নে। ককা পাধাৰ কৰা পূক্তেৰ। কেননা, আহক কেই বা আটেনি, কেই বা এতিনিয়াল— আহাকেৰ বহি কবিতা পঞ্চতেই হয় ভাকলে অপেক-বাতে ব্যক্তা বছ কৰে পতা উচিত। কবিতাৰ সংকঠ জো আপনাধেৰ আগাপোড়া বিধা। যে বিপাতা আপনাধের স্কট করেছেন ভিত্তি বৈ ইতিকবি। ধবকেৰ ঠাবই পাতেৰ কাছে বলে 'কনিজনবৰ্ষকাৰ'। ভাত পাধিবেজনা।

মন্টারানী কোনো কবাব না নিছে কেবে লাল বাহ চলে বাবার উন্ধোদ করতেই আহি কলমুখ, না, সে হবে না— আপনি বাদ বলে পত্নন। আহি একবানা বই কেবে বিয়েছিলুখ, সেটা নিয়েই কৌড় নিজি।

আমাত বইখানি টেবিল খেকে তুলে নিলুম। বলদুম, ভাগো এ বই আলমাত হাতে পতে নি— ভাতলে আপনি চহতো আমাতে মাত্রি । আলতেন।

बकी कारण, रक्त ?

चाधि कान्य, रकसमः, व कविकाद वहें स्वः व्हरू स चारक र व्हरूपारक प्राक्षस्य (वाठी कथा, यूव (याठी करवहें का, रकारमावकत काकूरें (सहे। चात्रात यूव हेर्स्क दिन, व वहेंडे। निषित्र नरकः

क्रकेवानि अ वृक्तिक करह क्यी कारण, त्यन क्यून त्यवि।

चाति कान्य, ७ (१ मृज्यसाहर, चातारत्यहे स्टम्ह त्याव । अहे १० कार्यहारक ७ (क्वावे वापमा करत टान्यक हार, टाने नटकरे का मार चायात वनदा चारत । चामनि त्या त्यवहन टाने वरवारे चातारत्व चटने वापातहारक ७ मरदासाहरू कविवाद स्टब्स देखेटस्टक- त्या कि करण व्युत क्षण नाक्षित क्रमास्य करन, अहे-तकम् क्षा प्रश्नननः चाप्रका शृहस्य नरा व्यक्त त्यक्राहे, चाप्रका क्षण-स्वाहात स्था।

मकी बनात, करल्डिव नेत्रक अ बहेडीक स्थान की र

आंवि बन्नमुद्ध, भागनिं गरिष्ठ (तथानहे बुकाफ गावाबन) की शरवन की भक्त नव विवाहों निवित्त बानाटना कथा निरंग हनाय हाइ, काहे गरंग गरंग भागरवर (वहां प्रकार कावहें नरम क्षत ट्राकाइंकि वार्थ), क्षत्र क प्रकारक गर्ग निरंग वार्थ किंकुरकहे ज क्षत्राहा न मानाच हाह ना रूप, क्या रेपवि हगाव तक भारताहें भाषाटम्ब प्रकार रेपवि करव रनाह--- क्या रचाव वार्याव रव गरवक भारताह प्रकार रवेटन साकरव। भा

মন্দী বানিক কৰ চুপ কৰে বইগ, জাব পৰে পত্নীৰভাৱে কথনে, বস্তাবের চেয়ে বড়ে। হতে চাক্রটোট কি ভাষাদের বজাব নয় দ

মানি কনে বনৈ বানস্থ : কলো ক খানী, এ কোষাৰ আগন বৃদ্ধি
নং এ নিবিসেশের কাছে লেকা। তৃত্তি সম্পূর্ণ করা প্রকৃতিক মান্তব,
কলাবের বনে বিবিচ উন্টেল্ করাছ , যেনি কলাবের কাক জনেত আর্থি
কোনার সমান বজনান সাভা দিকে গুলু করেছে— এক কিন এবা ছোমার
কানে বে যার নিবেছে সেই বাবামন্তবানে কোমানে বনে বাবাহে পার্থে
কেন গ কৃষি যে জীবনের আঞ্জনের ক্রেকে নিবাহ নিবাহ জনার আর্থি কি
কানি নে গুলোবাকে সাকুলবার ভিন্তে গায়ছা জভিতে ইংগ্রা বাবাহে আর
কর কিন গ্রু

শাৰি বন্ধুত্ব, পৃথিবীতে চুকা লোকের সাধানি বেলি। দ্বারা নিজের মাদ বাচাবার করে এই বক্তনের মহ নিন্দান পৃথিবীর কানে আউকে মাউকৈ নকা লোকের কান বাধান করে নিজে। বভাব বাদের ব্যক্তিত নাহে, আছিল কারে কেকেছে জারাই অক্তেম বভাবতে কারিণ করবায় শংসাকৈ চার

मनी भारत, मानवा (बारवान (का इस्त, इन्ट्रंट मक्स) मानाइसक

एका रवान निरक करन ।

सामि दहान कलमूम, तक वलता हुनेल ह "मूक्यवाहाव द्यावादाव स्वका वर्ग हाजियात के दि के दि दाजायात्रव सक्का हिए सुनेत कर द उद्यावह : स्वायात विचान, रकायता है नतल : दाजाया मूक्तिय प्रदा-नका सुने द्याद त्याता व्यावती हर पृक्षि लाख करदा, क सामि लिएवगर विकि : माहेरतहे मुक्यवा काव्यात करत दरहार, किस छारक किछतहे एका दल्यक स्वाया स्वाया तम कीत । साम गृहस छाताहे एका निर्माव हारम गाह गर्फ निरम्भ देशभाव, निरम्भ मृद्ध क्याता प्रक्रिय । क्यान करव निरम्भ कार्फ निरम्भ देशभाव स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया कि मुक्यव ना शास्त्र छा हरन मुक्यव साम परस ताम्या एक निरम्भ नाना तरह वाहित्यह, नाना नारम मानियहक, नाना नारम भूगक। स्वाया ह क्या नाना तरह वाहित्यहक, नाना नारम मानियहक, माना नारम भूगक। स्वाया ह किस दम्यवता र राजाप्रताह क्या निरम्भ, राखनर भागन स्वयह । ५८०

মন্দী লিক্ষিত মেৰে, সহক্ষেত্তক কণ্ডতে ছাতে না। সে বৰ্ণবৰ্ণ, জাই বৃদ্ধি মাজি হাত জা হলে পুৰুষ কি যেহেকে পদ্ধন্য কৰাতে পায়ন্ত স

स्वासि नन्त्रम् , त्यातवा त्यवे तिभावन कथा साध्य, जावा साध्य भूकन साविते चढावढ केकि आतावारित , ति साझ खावा मृत्यत्व काइ त्याववे कथा धाव स्वत्व केकि त्यास भूक्यत्व त्कामावाद तिवे करह। सावा साध्य साध्य तिव्य स्वत्य किन्द्रमें चढाव-माखान भूक्य-सावित्य व्याव त्यांन विक्रे सत्यवे मामा त्योभावन सावा त्याव तिव्या खावा मिट्याच यत्र वार्य-हामायक काछ। सामायन सावा त्य वाच त्यो व्यावाया त्यांच्य करव वार्य-भूकरवय सरक्षेत्र त्यांच्य क्ष्यक-त्यक्य त्याद्यक साध्यासम् । त्याव्या त्यांकि FORE CARTE FILE POST :

बकी कारण, फान व त्यार का दास कान त्या ?

আৰি বলনুত্ব, হাৰীবভা চাই গলে। বেশেও হাৰীবভা চাই, আছাৰে সংক নিবছৰ হাৰীবভা চাই। বেশ আমাৰ কামে অভাৱ বাতত নেইজকে আহি কোনো নীজিকবাৰ নোৱাৰ ভাকে একটুৰ আভান হ'ব দেখাত লাকে না। আমি আমাৰ কামে অভাৱ বাতত, ভূমি আমাৰ কামে লাভে অভাৱ গোৰু, নেই হুৱে বাক্তবানে কেবল কামকভালো কৰা ইডিছে মাছাৰে কামে প্ৰায়ন্ত্ৰক চুবৰ চুবলৈ কৰে ভোলাভ বাসনায় আমি একটুৰ লাভক কৰি নে।

আমার মনে হিলা বে লোক প্রনামে প্রণাতে চলছে স্থাকে বঠাও চানিয়ে দেবছা বিষ্ণু নার। বিশ্ব আমার প্রভাবটা বে ছলাব, বীবে প্রয়ে চল আমার চাল নার। কানি, বে কথা দে দিন বলসুর ভার অধিটা আর প্রথা বছো সাহদিক। আনি, কার্যায় কথার রাগ্য আঘাক বিষ্ণু ছালে। বিশ্ব বেছেকে কাচে সাহদিকেরট কর। পুলবরা কালোনানে বৌহাকে, মার বেছেরা ভালোয়াদে বছকে। দেই লাভাই পুলব প্রায়ো করাত্ত ভোটে। সাম বিভেন্ন আইছিরার ক্ষায়োকে, আর সোহার। ভালের সম্প্র করা করে হাতির করে প্রয়াকের পাছের ক্ষার।

আমানের করাটা ঠিক বলন করম হবে ইঠাক চলোচ এমন সম্ব আমানের করের অংশ নিবিলের ছেলেকেনাকার মান্যার চলনাম্বার এনে উপস্থিত। স্বোটের উপরে পৃথিবী ভারস্বাটা কেন ভালোই ছিল। বিশ্ব এই-স্ব মান্যার ক্ষণার্থকে উন্পাতে এখান থেকে নাল এটাতে ইংক করে। নিবিলেনের হয়ের মারুর মৃত্যুকান প্রত কাল এটাতে ইক্ষণ বানিকে করের ক্ষিত্রে চায়। বর্ষ কর, তের ইক্ষণ পিছন-পিছন চনল। সালাবে একেন কর্মে, দেবানের ইক্ষণ এনে চুক্ষণ। উভিত্র, মহনার সমতে ইক্ষণ-মান্যার্থকৈ সম্বাচন টেনে নিয়ে যাওবা। যে মিন আবাদের আল্যানের মান্যানের অস্ত্রের দেই মৃত্যিয়ার ইক্ষণ এনে চাজির। আয়ানের সকলেরই ব্যাক্তর सर्था जन ब्रावनाव जनमें। हाज नामां करत चाहि (ताथ विविः चानि (व ज-राम हर्वृत्त चानिक हरमा वक्टन (भन्न । चात, चानाहतत कर्यो— चात मूच हर्विहें स्टान स्मार्टम जन्य मृह्दर्व है झारमत मृच हरात खाला हाजी वरत जर्मनाहत जावत माहत नचीन क्टा बरम हमा , चात हजार हमा बरम महरू हमा मृचिनीहरू महीनाव खेळीचे हनात जनमें। मात चाहत ।— जन्य-जनमें। महिल कारम महरू स्वारंटम कारम जनमें। महिल हाहमत महरू मृजाहत हहाजा महरू धाहत करा वाहत, खाता जानमात माहिल्स नामका जन माहेंग (परक चात-जन माहेट्य हामान करत हमा

क्यानाववान् परव पृत्यवे ना कृष्टिक वरव किरव वावाव तावी क्याबित्यान ।

प्राण करहका— व्यावि!— कवाड़ि। त्या करहर ना-करहरू ने वीच देख भारत्य कारक नाम करत व्यापाम करहा व्याव करहर, मान्नेव-वनाइ, वारतन मा, व्यापान नाम । ता हम-करण गरफ हमाइ, मान्नेव-वनाइत व्यावि कार । वीक । किया व्यापान क्या । यून न्यावि । इन विकास करहा क्यावि क्या व्यापान । तिरुक्त वाम वाकावाव क्या । यूनी व्याप्त व्यावक्रक करव व्यावक्ष करव बानाइक कार द्या कृषि कारक कृषि व्यापास वाक्षिक करव निरुद्ध । क्या । यान्याव हमाव हमावाव हमाव व्यावक्ष करवाव हमाव । व्यावक्ष करवाव क्या करवाव करवाव करवाव । व्यावक्ष व्यावक्ष क

क्ष्याचनाव् चर्म्येष क्या कृतरात्म । जाताथ देरक्ष द्विन खेरक अक्कामा राज त्याद द्वार क्यात्म क्याय क्याय मा इरका माइकाल क्या क्येरक इरका खाला। खारक खाराय करत वर, खातावे वृत्ति गरनारवय करण वर्म विराह: त्यायाथा खानरक गारव ता खाराय क्यात त्यादा झाराव मानार खाव त्याय चरनक वृत्त क्ष्याक। तायाय यानिकको हुण वरववे विमृत— विष्क, मधीनकाराय देशी चारक ता क्षयाय खाव व्यव व्यवचान विराह

नास्त् मा ।

क्रमानवान् क्यंन क्षेत्रस्य, राज्य, चाववा राग्या किन्हे क्षेत्र वृत्ति है। बाक अवस्त्री कारक कारक क्ष्मा भाग अवस्त्र चाना वृत्ति कृति करव----

আমি বাকডে পাছবুম না— আমি কল্ম, আনবা কো কলল চাই।

ে আম্বা কমি যা কলে কলচন।

চল্লমাৰবাৰ আন্দৰ্গ ইয়ে বেজেন। বলচেন, কৰে আন্দান। কী চান। আহি কংশুম, কাটালাভ, বাহ আবাহে কোনো বৰচ নেট।

র্শ্বীক্ষার-মধ্যর বলকেন, উটোরাছ পারের বাজা কেবল বছ করে না, নিমের বাজান্তেও লে জভাল।

শাবি বন্ধুয় কটা বল ইকুলে প্রায়খ নীবিন্দন । আম্বা ছো থতিহ'ল্ডে বোর্টে বচন দিবজি নে । আমানেষ বৃক কলকে, এখন দেইটেই বড়ো
কলা । এখন আম্বা পরের পাছের ভোগার কলা কনে ভোগাই পালে কটি।
কেন— ভার পরে বলন নিকের পাছে বিবাবে জনন নারর খীরে-জন্ম আচহাল করা বাবে । সেটা এমনিই কী খেলি । মহনার বচন কনন কলে জনন
নারা হ্যার সময় হল্মে যান্ত কলুনির বহন জনন ছাইকট্ ভবাটাই শোভা
পার ।

চন্দ্ৰনাথবাৰ একটু বেনে নগলেন, চটকট কবলে চান ককন, কিছু সেই-টেকেই বীৰৰ কিছা কৃষ্ণিৰ মনে কৰে নিকেকে বাচবা লেকন না। পৃথিবীকে বৈ কাজ আপানাৰ বাজকে বাচিকেচে ভাষা কৃষ্ণট কৰে নি, স্বাৰা কাজ করেছে। আজটাকে বাবা বহাৰৰ বাগের মতো কেবে এলেছে ভাষাই নাচমকা বুৰ কেকে কেবে উঠেই মনে কবে, অন্যাক্তর অপথ বিবেই ভাষা ভাজাকাতি সান্যান্ত কৰে বাবে।

পুৰ একটা কয়া কৰাৰ দেখাৰ কয়াই বখন কোমখ কেনে নায়াক্তি এখন কমা নিখিল এল। চন্তানাৰবাৰ উঠে মন্বীৰ দিকে ক্ৰেমে কৰসেন, স্বামি এখন কাই মহ স্বামাধ কাল স্বাস্তে। তিনি চুলে কেন্তেই আমি আমার দেই ইংরিজি কটটা চেকিছে নিকিছক কালুম, মন্দীরানীকে এই কটটার কথা কাছিলুম।

पृथिनीय मारक भरमारक्षा भामा याक्षश्यक विरक्षात काला केलि किएक वर, भाव अहे वेक्क-माम्छे।रदक हिन्दाकरण कालकिरक मराजान काला केलि रक्कवाहे मकत्र । निविकरण रक्षरमञ्जरम हेकरफ किरलहे करन छ छारमा करन हेरक । काहे करा महत्र राम्या-निविध रक्षणाई छारमा रचना ।

নিশিল বইটার নাম পটে পেলে চুপ করে এইল। আমি কল্ম, মাছম নিজের এই বাসের পৃথিবীটাকে নানান কথা দিছে তারি অপ্তাই করে কুলেছে। এই সব গোগদেরা ফ'টো হাতে করে উপরকার বৃল্যে উদ্ভিছে দিছে ভিজয়কার বছটাকে পাই করে তোলবার কালে লেগেছে। তাই আমি কল্ছিশ্ম, এ বইটা তোমার পটে পেরা ভালো।

निधिम नगरम, नामि गरङ्कि ।

चामि कानुम, एकामाव की त्याप इस ह

নিশিল নলনে, এ-বৰুষ ৰই নিয়ে সংবা সন্তা-সভা স্থাৰতে চাছ ভাছেও পক্ষে স্থানো, যাবা গাঁকি কিন্তে চাছ ভাৰেন্দ্ৰ পক্ষে বিষঃ

चानि तकम्म, छाद अर्थ है। की व

ুলিখিল বললে, দেখো, আজকের লিনের স্বাংশ বে লোক এয়ন কথা বলে বে নিজের সম্পর্কিতে কোনো মায়বের একান্ত অধিকান্ত নেই, সে যদি নির্গোড বর অবেই ভার মূবে এ কথা সাজে। আর, সে বদি অভারতট চোর হয় তবে কথাটা ভার মূবে ঘোর নিরো। প্রকৃতি বদি প্রকৃত বাকে ভার এ-সর মইয়ের কিছু মানে পাওলা বাবে না।

ुषानि स्मम्भ, अनुविदे का अवस्थित तमें भाग्तभाग्धे नाव बात्मातः बादना ४-मन नावान त्याम भारे। अनुविदक नाना मिटना कल खाना कार केमक क्यान्टे विनामृति भागान कृताना करतः। अ

निवित्त समाम, अनुविदय चाहि उपनडे गढा सम मान मानि स्थन सार

সংখ সংকট নিবৃত্তিকেও বৃত্তা থলি। জোখের ভিত্ততে কোনো ভিনিস্ ক্রাইজ খেলাত পেলে ভোজকেই নাই করি, কেবাকেও পাই নে। প্রাকৃত্তির সংকট একার অভিয়ে বারা সব ভিনিস কেবাতে চাম ভাবা প্রকৃতিকেও বিভ্নান্ত করে, সভাকেও কেবার পায় না।

শ্ৰীন কৰ্ম, কেৰে। নিবিল, ধৰ্মনীজিৱ সোনা-বাধানো চলহাও জিজৰ গিং জীবনটাকে বেখা ডোনাৰ একটা যানসিক বাবুলিভি: এই জল্পই লাক্ষৰ সময় ছুমি বাজবাদ কাপ্যা বেখা, কোনো ভাভ ভূমি ভোৱেব সংক কাজে পাৰ না। তী

निवित्र करात, त्यारदय गरम काळ कंदाग्रेशको आधि नाम कंदा देनि ...

TOTA !

विचा क्षत करत की हरत है अन्तर कहा निष्य निष्यत नकरण (नाम उत्त सारता नहें हत्।

মাধার ইচ্ছে ডিল, ফল্টী কাষাদের ডেকে ধোল থেছ। সে এ-শর্ম্ব একটি করা না বলে চুশ করে বলে ডিল। খাক রহাতো আমি ভার মন্টাকে কিছু বেশি নাজা দিছেডি, ভাই মনের মধ্যে বিধালেলে গেডে— উল্লোক্ত মান্টাধের কাছে পার ব্যব নেবার ইচ্ছে বজে।

কী জানি, আজকের মাত্রাটা অভিবিক্ত বেলি চাচতের কিনা। কিন্ধ, বেল করে নাড়া কেওবাটা বরণাত। চিত্তনাল বেটাকে অনড বলে মন নিশ্চিম্ব আছে সেটা বে নড়ে এইটিই বোডার জানা চাই।

নিবিদ্যকে কলমুদ্ধ ছোমার সংক কথা লগা ভাগোট ওল ৷ স্থামি স্বায় ওকটু বলেই এ বইটা মন্দ্রীবানীকে শহুতে চিঞ্চিদ্ম ৷

নিবিদ কালে, ভাতে কভি কী ; ৫ বা ক্ষম আহি প্রেছি ক্ষম বিষ্ণাই বা প্রথম না কেন ; আমার ক্ষেত্রত কর্মী করা বৃত্তিয়ে বনবার আহে। আরক্ষান স্করাশ মার্কবের সং জিনিস্তানট বিষ্ণানের ভয়ক তেকে ষাচাই করছে: এবনিভাবে আলোচনা চলছে বেন বাছৰ-পৰাৰ্থই। কেবল কেন্ডের, কিবা কীবডর, কিবা কনজন, কিবা কটো-জোর নবাকতর। কিব মায়ব বে জন্ম নয়র বে সব জনকে নিয়ে নব জনকে ছান্ডিবে জনীবের বিকে আপনাকে মেলে বিজে, সোচাই ভোষাকের, সে কবা কুলো নাঃ ভোষরা আয়াকে কল, আমি ইন্ডল-বান্টাবের হাম। আমি নই, সে জোমবা — মায়বকে ভোষরা সায়াকের বাস্টাবের কাছ পেকে ভিনকে চাও, জোমারের ক্ষমবারার কাছ পেকে নর।

আমি বলপুত্র, নিবিল, আঞ্চকাল তুমি এমন উব্রেজিত হতে, আছা ক্ষেন ? সে বলগে, আমি বে স্পর্ট দেশন্তি, ভোমবা বাছককে ছোটো করছ, অশ্যান করছ।

CHIMIT CHIE ?

ছাওয়ার মধ্যে, আমার বেদনার মধ্যে। মাছবের মধ্যে বিনি দব চেত্রে অন্তঃ, বিনি জাশন, বিনি জন্মর, ঠাকে তোমবা কাশিরে মারকে চাও।

अ की द्वाबाद भाननावित्र क्या।

নিবিদ চঠাৎ গাড়িতে উঠে কালে, দেখো দলীপ, যান্তৰ মধবাজিক ক্লব পালে কিন্তু তাৰু মধনে না এই বিবাস আমাৰ গৃচ আছে, ভাই আৰি সম স্টান্তে প্ৰায়ত হাটে— ক্লেনেডনে, ব্যৱহাৰে।

এই কৰা বলেই লে গৰেৰ খেকে কেবিৰে চলে গোল। আমি আনাৰ চৰে স্বায় এই কাণ্ড বেপছি, এমন সমৰ হয়। একটা শব্দ স্কনে সেধি টেখিলের উপৰ থেকে হুটো-বিনাটে বট মেৰেৰ উপৰ শন্তৰ, আৰু মকীয়ানী মন্তপ্ৰে আমাৰ খেকে কম একটু ব্য দিকে চলে গোল।

चड्ड बाहर को विनिरम ! १ तम द्राया, का घरन मारा वकते। विमान पवित्य व्यापक्ष । किन्न कर्म चारात्म पान चरन किनाव चरन तम सा तमा ! चानि वानि, क चरनका करन चारक विमान की चरन । विमान पनि कार नात वर्षी-- तन त्याव हता. भाकता कर त्याव तहता तात । १६ काम त्यारक कामत्व क्षेत्रर मान लोगे नुकाक लाखाक। जनम न्द्रक ट्राइट्सकट्स इव क्रिक्टफ इटन सब आसाटक इटन। का सब, अलस prim e gente agente avente ferrette i untre untre eten-्यह । भ्यानारक रचन माक्त नारम खद्दत करत रकते क्रुटीकृति करत with wat the the the self with their states of some ्रण चावन त्वनि करव त्वरक केंद्रत। चावन त्या क्षात हमस्वक्षिः। cel cui ferei pur merce bincu bincub minie min ace ert fereibm : min, miniten berbene wird es felnfe ente fen P winie Brice vin water an-an fea uta bie, en minite ्याम एका क्षिटक एकाम एकाव क्रिक्सकाव कवा बामाव एका बास महाक ता किन ता क्रीरकात करत माठ माठ' गरन माबारक पत रक्षक ्कार करत जाकित किरम- जाद गाउ (वस्ति जाति colकार्ट्स शहेरत ना शाकिरवृद्धि सम्बद्धि तम पूर्व जाता सामाध ना स्वृद्धित पर कामरक tinco cacaca and baca baca ulbra ece men : More with the कानि । बाज का, का का, नका का, इना का, अ-नवको जानानि काुर्छनु राका कारत कारत माकार गाकिल पूरण पूरत कारे रहा पार्टि हर विभिन्न नक चारकारक मामनारक भारत है। इसके चार्वे विश्वान । स्थानार है। বালাই নেই। করা পুন্তি করে, তীর্থ করে, গুলঠাকুরের পারের কাছে গছ হরে পচে প্রবাম করে, আমরা বেমন করে অর্থনিস করি— কিন্তু আইজিয়ার ধার দিয়ে হার না।

আমি নিজের মূখে একে বেলি কিছু কাঁক না— এইনকার কালেও কালকগুলো ইংরেজি বই ওকে পঢ়তে দেব। ও কানে কানে কান কৰাই কাজে বৃদ্ধতে পালক হে, প্রবৃদ্ধিকে বাখন ধলে বীকার করা ও আনা করাই কাজে নজার্ম। প্রবৃদ্ধিকে পালা করা, সংবাহন করে। জানাটা মভার্ম্ নর। মিছা-বৃদ্ধি এই কথাটার যদি আল্লার পার ডা ইংলাই ও জোর পারে। কেননা, একের জীর্ব চাই, গুকুমাকুর চাই, বাবা সাভার চাই— শুকু আইডিয়া ওলের কাজে কাজ।

যাই জোক, এ মাউটো পক্ষ ছব প্ৰয় কেবা বাক। এ কথা জাক কৰে বন্ধতে পাৰন না, আমি কেবলমান দৰ্শক, উপৰেব তেলাহ বহাল শীটে কলে হাবে হাবে বাবে কোনে হাতেটোলি দিন্ধি। বুলেব ভিতৰে টান পছতে, থেকে থেকে পিবন্ধনো বাখিৰে উঠছে। যাবে বাভি নিবিধে বিহানাহ থকন তেলি জবন এতেইকু ছোল্ডা, এতেইকু চাল্ডা, এতেইকু কথা সম্ভব্যৰ ছতি কৰে কেবলই যুৱে খ্যেতা। স্কালে খুম খেকে উঠে মনেব ভিতৰটায় একটা প্ৰয় বিস্মিল্ করাতে থাকে, মনে হয় যেন বাজেব সাক্ষ স্থাতে একটা তারেব খাবা বইছে।

এই টেবিলের উপরকার কোটো-প্টাাতে নিবিলের ছবির পাবে স্বাকীর ছবি ছিল। আহি সে ছবিটি বুলে নিরেছিপুম। কাল মকীকে সেই কাকটা কেবিয়ে বললুম, ক্রিলবের স্থানভার বোবেই চুবি হয়, আক্তর্যর এই চুবির প্রাকটা স্থান্যর চোবে ভাগান্তানি করে নেগুৱাই উচিত। কী কলেন চু 🍑

ষকী একটু হাসলে ; কালে, ও ছবিটা জো ডেমন তালো ছিল না।
আমি কাল্যু, কী করা যাবে গুছবি তো ফোনোমতেই ছবিব কেংছ আমে কয় না। ও যা আই নিজেই সমুদ্রী থাকন। মণী একশানা বই পুলে ভার পাতা ওন্টাছে পাবন। সাহি কলসুত্র, আপনি বলি রাপ করেন স্মামি ওর কাকটা কোনো রক্তম করে জরিরে। (সব।

चाक केरजेंगे कविराधि । चावार च क्षियों चन्न परमान— फचमकार इरों। केशा-केशा, ममझेन्छ एके नक्ष क्षिण । छण्यन केशकाल लश्कारण चटन किनिम निवास कन्नकृत्र । शिवारत हेकाह नहीं, किन्नु कृत चुकशे हुन्न कर्न हों — करक महिन केशा करों। वारता रहा ॥

तिबिरमब छविद भारत आधार छवि दहेन — भारता हुहै वह ।

নিবিলেশের আত্মকবা

আলে কোনো দিন নিজের কথা ভাবি নি। এখন প্রায় হাকে-ছাতে নিজেকে বাইছে থেকে দেখি। বিহল আমাকে কেছন চোকে মেকে সেইটে আমি কেবার চেটা কবি। বড়ো গুলীর— স্ব জিনিসকে বড়ো বেশি গুল-ভব কচে কেবা আমার প্রভাব।

প্ৰাৰ কিছু না, বীৰনটাবে কেনে ভানিতে কেনাৰ চেবে বেনে উলিবে কেনাই ভালোপ ভাই কৰেই কো চনকে। সৰক কানতে আৰু মন্ত ছান ব্যৱ-নাইৰে ভভিত্ৰ আছে ভাকে তো আৰক্ষ মনে-মনে ভাষাৰ মতে মাধাৰ মতো উভিত্ৰ নিয়ে কৰেই মনাবাদে নাজি বাজি । আকে বহি এক মুহুত সভা বলে পৰে বেনে কেনতে পাৰত্ব তা হলে কি বুলে আৰু কচক । না, ভোগে মুহু বাজিত ?

কেবল নিজেকেট সেই-সময় উচ্চ-দাশ্যা জেলে-বাগ্যাব দলে দেকতে পারি নে। মনে করি, কেবল আমারই দুখে কর্মের বৃত্তে আন্তুলালের খোলা বহে বহম কমে উন্তেচ। ভাই এড পারীব— ভাই নিজের বিশ্ব ফাকালে মুট্ট চন্দের কলে বক্ত টেনে বার।

करत इक्षणामा, जनवान कमरका मनर मेहिस भगाव मरक जामनार-विभिन्न रक्ष्याः रम्पान मुम्पूमार्थय स्वास्माव सक-रकान सामनार-विरक्ष विभाग खाबाव रक १ रम रक्षायाव श्री । कारक कम खाबाव श्री १ मन्न स्वकारक निरक्ष कृष्य कृतिर ज्ञान निम्यानि मासक रक्षणास— कार-वाहेरव रक्षण ज्वाही मिन कृतिराहे जक सृष्ट्रकं वा स्वा स्वविरह निरव मसका कुमरम वारव।

भाषां हो, भक्तम व भाषां है। व यह समस्य हाइ, ता, भाषि भारिहे, स्वयहे भाषि समस-- (म स्वयन करत हरद, हृति हा भाषां हो। ो र की कि अवती वृक्ति १ की कि अवती गया १ की क्याप्रेश गरश ४की बाख बाइकर बाह्मारनीता शूर रकरन कि बाना वस करन शरा १९४७

হী । এই কৰাটিকে বে আয়াৰ কীৰনেৰ বা-কিছু সমুখ, খা কিছু পৰিছ, লং কিছে বুক্তেৰ মধ্যে ৰাজ্য কৰেছি । এফ বিন্ত ওকে বুলোও উপৰ নামাই 'ন । এই নামে কান্ত পূজাৰ মুগ, কান্ত লাজানাৰ বালি, কান্ত মন্ত্ৰেৰ বহুল, এত পৰক্ষেত্ৰ পোনালি । ও বহি আগজেৰ বেলাৰ নৌকাৰ মধ্যে আন্ত হয়। নদ্যাৰ বোলা কৰে তুবে যাৰ যা হলে দেই সংক্ষ আয়াৱ---

for suites fer cute-

দে-সৰ কথা সমাজ ভানুক লে, বা করাতে এথ ককক। আহি কীকছি শাষাৰ সাপন ভাগ্ৰ, সমাজেৰ ভাগ্ৰ। নয়। বিষদ গদি বলৈ দে আমাৰ স্ত্ৰী না, ডা বলৈ আমাৰ সামাজিক স্থা বেখানে লাকে ল'ক, আমি বিনায় চল্গ্ৰ।

হাৰ জো আছেই। কিছা, একটা হাৰ বানে। যিখো বানে, সেটা বাকে নিজেকে বে ক'বে পাৰি বাঁচাবেই। কাপুক্ষের মাতা এ কবা মান করছে শাক্ষ বা বে, অনালয়ে আমান কীখনেক লাম কয়ে গোল। আমান জীখনেক লা আছে— সেই বৃদ্যা নিয়ে আমি কেবল আমান বাবের অক্যপুর্বুকু ভিত্রে নাক্ষাব ভব্তে আমি নি। আমান বা বাছে আমান সে ভিত্রুকেই সেইসে शर्व मा, भाक अहे कथाकी पूर्व गढ़ा करन कारतान किन अरमाई।

শাৰ দেবন নিজেকে তেবনি বিষয়কেঁও সংশূৰ্ণ বাউৰে থেকে কেকৰে কৰে। এক দিন শামি আমানেই মনেৰ কাচক এলি কামি আইছিবাল কিছে বিষয়কে সাজিকেছিলুম। আমাৰ সেই মাননী মৃতিৰ সংক সংসাৰে বিষয়েগৰ সাম আহলায় যে মিল জিল ভা নহ, কিছে ভানুও আমি ভাকে পূঞা কৰে ক্ষেত্ৰিক আমাৰ মাননীৰ মনো।

শ্রেটা সামার গুল নয়, দেইটেই সামার মছদলোর। স্থামি লোডী— স্থামি সামার দেই মানদী বিলোডমানে মনে ফনে জোল করছে চেত্রে ভিলুম, নাইবের বিমল ভাব উপলক্ষা হয়ে পছেছিল। বিমল যা দে আইই — জাকে যে সামার পারিবে বিলোডমা হয়েটে হবে এমন কোনো কথা নেই। বিশ্বকান সামারই ক্যাল গাওছেন না কি স

ভাগদে আৰু একবাৰ আমাকে সমন্ত পৰিকাৰ কৰে কেখে নিজে ছবে। মাঘাৰ কৰে যে-সৰ ভিন্নবিভিন্ন কৰেছি, সে আৰু খুম লক্ষ্য কৰে কুছে কেবাৰ। এক দিন অনেক বিনিস্ন আনি কোম্বন কেথি নি। আৰু এ ক্ষয় পাই বুক্ষেভি, বিম্নোৰ কীবনে আনি আক্ষিক মান্ত, বিম্নোৰ সমন্ত প্ৰকৃতি মাৰ প্ৰক্ষেত্ৰ কিবাৰে পাৰে সে হচ্ছে সন্তীপ। এইটুফু কানাই আন্তঃ প্ৰেক্ষ যথেই।

 करव ना कानि से ना घोकाव कवि, घाकरककाव अहे व्याधाकाक देवि धाधाव अहे यानवकरण्य छवन व्याधान सरमहे र्यटन निर्ध हते, का हरण धाबि व्यावकनाव सरस्को भागरत्व वीक्षाकृत्य निर्ध भएन, धाधाव बाबा धाक्किक्टाना कालके हर्ष्य नी ।

এইছাত্ৰ মধ্যেৰ-মূল্যছ আমাৰ কাছে। এলে আমাৰ কীণ্ডৰ বাচ কোৰ আমাৰে কলনেন, নিধিল ডকে যান্ত, বাত একটা বাবে লেছে।

ক্ষমেৰ বাবে বিষদ খুব ৰাজীৰ খুমে খুনিকে না শহরে আমাৰ পাক ক্ষয়ে থানায় ভাবি কারীন ধ্ব । নিনেব বেলা ভাব সাক্ষ দেশলাকাথ ধ্বাধ্ব কথাবাহিকে চলেন কিন্তু বিভানার মধ্যে ক্রমণা বাবের নিজনভাগ ভাবি শক্ষাকী করা বলম দ ক্ষয়ের সম্মন্ত দেহদন ক্ষিত্র বাবে কাম।

স্থামি মাস্টার-মলায়কে কিক্সালা করনুম, স্থাপনি এবনো স্থামনে নি কেন্ত্

ভিনি একটু হোস কলদেন, আমার এখন দুমোবার বছস গেছে, এবন কেলে ৰংক্ষার বংস।

এই পৰ্যন্ত কোনা চাৰ প্ৰয়ে যাক-যাৰ কৰচি এজন সমায় আমাৰ জানদাৰ সামনেৰ আকালে আবাদেৰ যোৰ চঠাৰ একটা কাৰণাৰ ভিত্ত হাৰ সোল— মাৰ আৰুই মধ্যে থেকে একটি কচে। ভাবা জনজন কৰে উঠন ৷ আমাৰ ৰনে হল আহাকে সে নদলে, কড সংখ ছাঙ্জে পড়ছে খণ্ডাৰ কড়ো, কিছ আহি টক আছি। স্মানি বাসৰ-ফাৰে চিবপ্ৰাৰীশেৰ বিবা, <u>আৰি বিশ্</u>নবাতিং চিবচুছন।

ति मुहूरके भाषाव मनक तृत करत केंद्रे बंद्रन कर, धवे निवस्क भवे। इ भाकारक भाषाव मनककारनय (श्रावती विश्व करत वरन भारक। कक करत कांद्र भाषावाध भरन करन छात्र कृति रूप्यमूक्ष— कछ छाडा भाषावा, वीका भाषावा, बूरमाव-भाभावे भाषावा। प्रवाद वित्व, भाषावाँ। भाषावाँ करत नित्वे, भाषाव किछाद वाचि, प्रधान कृति मरव वाष। धाक ना। भाषाव भाषावादक वा की. भाव बनिएक वा की, उन्नवनी। रक्षावाद विभाग भट्टेंड व्यक्ति, रक्षावाद छानि प्रात करन ना, कृषि भाषाव भरक नीयरक रूप निश्च व्यव रक्षा अंद्रक व्यक्ति विरात भावरताक छानि क्षावाद करना करिया व्यक्ति व्यक्ति ।

क्षणी नशकान अक्षणात्य क्षाल नेतिक्ष नन्तक, बन्नन रकामात्र स्वरंग रक्षणात्म क्षाल क्

और पार पानि पामा दिमारक- ता विद्याना अभिन्य गर

पूजित माह्य । आह्म नी मामित पाड समाहि दम्हे ह्यन दाह्य विषे ।

के ह्यन मात्राव भूमाव निराम । माह्याव विष्याम वृद्धाव स्टब माव मनदे

क्रिन मेर क्रि, मेर कार्या क्रिक उद्दे ह्यामा पुछित स्टब्स (कार्या उक्की)

क्षाव्याव त्याम त्याम (क्रिक व्यक्ती) क्रिक स्टब्स व्यक्ति उद्दे ह्यामा त्य

এমন সমতে আমার থাবের মধ্যে আমার থেকে। ভাক এনে চুক্তদেন । তথ্য আমানের পাচারার বভিত্তে চা চা করে চটো রাজন।

নাত্ৰশেয় কৃষি কৰছ কী । সন্ধী ভাই, ভাকে যাও। কৃষি নিভেকে ।মন কৰে ভাৰ কিয়োনা। জোমাৰ ছেছাৰা যাৰকে পেঙে দে আমি ছোকে নবাৰ পাৰি নে।

এই বদক্ষে বদকে জীৱ চোৰ দিছে টণ্ টণ্ কৰে জন পঢ়াতে নাজন। আমি একটি কথাও না কলে জীকে প্ৰদান কৰে জীৱ পাছের বুলো নিছে সাক সেনুষ।

वियमात्र जान्यका

গোড়ায় কিছুই সক্ষেত্ৰ কৰি নি, ডত কৰি নি। আমি জানাচুম, দেশেও কাছে আজসমৰ্পন কৰচি। পৰিপূৰ্ব আজসম্পন্তি কী প্ৰচণ্ড উন্নাসং নিজেও সংনাপ কৰাই নিজেও সৰ চোচে আনক্ষ, এই কথা সে নিন প্ৰথম আধিকাং কৰেছিলুম।

কানি নে, চবতে। এমনি করেই নকেই। আলাই আবেংগাৰ ভিতৰ দিবে এই নেলাই। এক দিন আগনিই কোটে খোড । কিছু সন্দীপৰাৰ যে থাকাৰে পাৰলেন না, ভিনি যে নিজেকে লাই কৰে হুললেন । উবে কথাৰ প্ৰৱ দেন লাই হয়ে আমাৰে ছুবি যাই তিবি চোমেৰ চাহনি বেন ভিজা হয়ে আমাৰ পাৰে পৰেধি অবচ ভাব মধ্যে এমন একটা ভয়াকৰ ইচ্ছাৰ জোৱা, কেন সে নিছব ভাকাজেৰ মজো আমাৰ ভূলেৰ মৃত্তি গৰে টোনে ভিট্ড নিবে যেতে চাহ।

আমি সভা কথা বলগ, এই গুলাক ইঞ্জাব, প্রদেষমূচি নিনবার আমোধ মনকে Gents । মান হতে লাগল, বড়ো মনোধে নিজেকে একেবারে ছাব লাব করে দেশুলা। ভাজে করে লক্ষা, করে ভয়, কিছু বড়ো তীরে মধুর সে

আবে, কৌতুরলের অন্ধ নেই শীনে মাল্লমাক ভালো করে জানি নে, বে মান্তবাক নিশ্চর করে পাব না, যে মাল্লারর কমতা প্রাক্তন, বে মান্তবের বৌদন প্রথম লিখায় জনত্ত্ব, ভার কৃত্ত কামনার রহগু— সে কী প্রতেশ্ব। কী বিশ্বরণ কাজো কখনো কয়নাও করতে পারি নি। বেসমূত কর ক্ষে ছিল, পড়া বইবের পাতার বার নাম গুনেছি মাত্র—এক কৃত্তি বন্ধার মান্তবানের মন্তব্য বাধা ভিতিয়ে, মেখানে বিভবিত্ত খাতে আমি বাসন মান্তি, ভক্ত কৃত্তি, সেই খানে আমার পাবের কাছে কেনা এলিকে নিজে ভার ক্ষণীয়ন্তা নিজে সে কৃত্তিরে পড়কা। আৰি পোকাৰ ক্লীগ্ৰাবৃত্যে ছব্জি করতে আবন্ধ করেছিন্তু, কিছ দে চক্তি দেশ কেনে। উপৰে প্রভাগ কৰি নে, এমন দি, বাকে আল্লাই ববি: আমি পুৰ শৰ্মই করেই বুকেছি, আমার আমীর চলে ইয়ে তুলনাই হয় নাং এক আমি প্রথমে না হোক ক্ষমে ক্ষমে কান্যত প্রেছি থে, দ্বশাশৰ মধ্যে বে ভিনিস্টাকে পৌচৰ বলে গ্রাহৰ সেটা চাকনা মাত্র।

ত্ব আমাৰ এই হজে-মাতে এই ভাবে-ভাবনাৰ গৃতঃ বীবাটা প্ৰই তেবে বামতে লাগল। সেই হাওটাকে আমি গুবা কহছে চাই এবা এই বীবাটাকে— কিন্তু বীবা ডো বাজল। আহু এই প্ৰৱে চাইন আমাৰ দিন বাহি কৰে উঠল দখন আমাৰ আৰু সহামাখা বইল না। এই প্ৰৱেশ বলাজলৈ বৃমিও মানে, আৰু জোমাৰ বা কিন্তু আছে পৰ মজিতে চাও, এই কথা আমাৰ লিব্যুৰ প্ৰায়োক কল্পন, আমাৰ বাজৰ প্ৰভোক টেই আমাৰে ব্যায়িক সামান।

ह क्या काद द्वार नाकि ८३ई (ह कामाद घरणा ४क्गा किছू कारह २०५५ की क्षकम्म पाद करण मद्रत हुए कामाद मरह पारहाई छारणा।

মান্টার-মান্ত হথন একটু টাক লান আমার কাছে। বলে বলেন। টার কেটা পজি আছে, তিনি মন্টাকে বমন কেটা বিশ্ববেষ উপর ইংজ করিছে। বিত্তি পার্কেন মেখনে বেংকে নিজের ফীবনের পরিবিটাকে এক মুকার্কট বড়ো কার লোকারে পার্ক। বরাবর বেটাকে সীমা বলে মনে করে। সেটি স্পান বিশি নেটা স্ট্রীয়া মার।

কিছ, কী হবে। কামি কামন কৰে কেবাকেট চাট নে। বে নেশাই মামাকে পেহেছে কেট নেলাটা চেন্ডে মাক, গমন ইক্ষাৰ বে কামি প্ৰায় বাব ককাছে পাতি নে। সাপাৰেত হাৰ ঘটুক, আমাত মাতা আমাত নতা পকে-পানে কালো চাত মকৰ, কিছ আমাত নট নেশা চিত্তকাল উক্তি বাৰ্ড, এট ইক্ষা বে কিছুছেট ছাত্তকে পাত্তি নে। আমাত নাল উক্তি বাৰ্ড, এট ইক্ষা বে কিছুছেট ছাত্তকে পাত্তি নে। আমাত নাল हाके करत, केश्वक, नगम करत काक 'बाद कवान पर दिश्व ता', आवाद आव गर्वास महाग्रदमारको कर सिर्द काळ— त्राच आवाद नर्गाम गर्म प्रमात क्षणक । आवरक स्थित आवाद वर गांन्या रा काव कार क्षालक । अ घर किरत आनरक वस ना, श्रास क्षणक वत ना— करकर क्षित्रम स्थान आग्रान्यागिन देखि करत केश्वक । की वित । अवनि करवरे कि कीयन कार्यस

এক-একবার চনকে উত্তে আগনার জিকে ডাকাই লাব ছাবি আহি আগালেগায়। একটা ছাবছা , এক সময়ে চঠাং কেবলে পাব এ আমি সভা নৱ। औর্ত্ব ছবানক অসলের, এর বে আগার সভে গোড়ার মিল নেই. এ বে নাবাভান্তকরের হতো লাগো কলককে ইন্তবছর বঙে বঙে বঙি কবে ছবলেছে। এই বে কী হল, কেবল কবে হল, কিছুই বুৰতে পাবছি নে।

अक जिल स्थापाव (प्रश्ना का अरम रकरम नमारमल, स्थापाटन एकाडों वालीन सम स्थारक । स्वित्तिरक अक पत्र, रम रम पत्र एका अम जिल्म नकरण कार लो। स्थापाटन ममारमण स्थितियाला क्रिम, क्विस स्वितिष्य अस रमित स्थापाट क्विम ला। एक्स अस्कों क्विस क्विस, स्वामीरमयण प्रकृत्वरण क्विस एक्सि । एक्सि केविन क्विस स्थापा अस्वाम रमेरम स्वास्तिक सामके केविना पत्र रमारक। एक्स स्विति । एक्स स्विति । एक्स स्विति । एक्सि स्वास स्

এ-সৰ কথা এক দিন আয়াৰ মনে বাস্তৱ না। তথ্য ভাৰত্য, আনি বৈ মন্ত নিৰেছি এবা ভাৰ বানেই ধুবজে পাৰে না। তথ্য আয়াৰ চাবি বিত্তে একটা ভাবেত্ব আয়াক ছিল। তথ্য তেৰেছিল্য, আমি কেশের কল প্রাণ দিন্দি, আয়ান্ত ক্ষণাশক্ষেত্র ক্ষণার নেই।

কিছু দিন থেকে হেলের কথা বন্ধ হয়ে গেছে। একনকার আলোচনা— বভার্ন কালের শ্রীপুক্তবের সক্ষা এবং করা হাজার বক্ষবের করা। জারট ভিতৰ-ক্ষিত্ৰৰে ইংবেজি কৰিছা এবং বৈক্ষৰ কৰিছাৰ স্বাধ্বানি— সেই-দৰ্ম কৰিছাৰ কৰে। এবন থেকটা ছব গাগানে: চলতে খেটা কক্ষে মুখ মেটা ভাবেৰ ছব। এই কুবেৰ মাহ স্বাধাৰ কৰে স্বাধি এক দিন শাই নি। দৰ্মান ক্ষেত্ৰ কৃষ্ণে পাগন, এইটেই পৌক্ষেত্ৰ ছব, প্ৰাথানৰ ছব।

কিন্ধ, আৰু আৰু কোনো আছাল বটল না। বেন বে নদ্দীশ্বাধ্ শিনৰ পৰ দিন বিনা কাজন এমন কৰে কাটাক্ষেন, কেনট বে আহি বখন-চখন বাৰ সাম বিনা প্ৰযোজনেৰ আগাশ-আলোচনা কবছি, আৰু ভাৰ কিন্তুই কবাৰ সোধাৰ নেই।

ভাই আৰি সে দিন নিজের উপর, আমার সেকে। কারের উপর, দহত নগরের বারভার উপর পুর বাস করে বলস্ম, না, আমি আর বাইছেছ ধরে শব না, ইয়ে সেলের না।

ছ জিন বাইবে গেলুৰ না। সেই বু দিন কথেয় পৰিবাৰ কৰে গুৰুষ্থ কছ বৰে পিছে পৌছেছি। মনে হল, যেন একেবাৰে ছীবনের আদ চলে লেছে। এন সময়েই ছুবে ছুবে তেনে তেনে কেনে দিবে ইয়েছ কৰে। আনে হল, কৰে করে যেন আমার মাধ্যৰ চুল খেকে পারের নথ পর্বক্ত আপেকা। করে আছে--- যেন সমস্ক বাবের বন্ধ বাইবের দিকে কান পোরে ব্যবহার।

पूर दिन करत काक करताब एको करनुष । कामाव एनाताव वर्णव प्रत्य वर्णवे निविद्यात क्रिम, जन् निर्ण निविद्य एपटक नकान्यका कल शिल्द माक करानुष । कामपादित किएत क्रिनिमल्ड ४० कादा माकान्य किन, एम-मक्क दिव केट्ड, (क्रिक्-कृटक क्रिन श्राद्याक्त क्रिक-वर्णव करत श्राप्तानुष । एम किन नावेटक कामर्थ रामा क्रिकेट वर्णव एम कि विकास इन नेमा क्रम ना, एकाइनावरक ब्रह्मा इनके नाविद्य कर्णव निव्य केट्ड क्रिकेट्ड केड्डिक्ट क्रिकेट क्रिक क्रिक क्रिक क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट्ड केड्डिक्ट क्रिकेट क्रि कार करें। दिन क्यार

শৈ দিন ভূচে পাওবার হতে। এই বন্ধয়া গোলয়াল করে কাইল। তাও
প্রতিনে বই পঢ়বার চেরা করপুর। কী পড়পুর বিছুই মনে নেই, কিছু এক
একবার সেপি, জুলে অল্লমন্ত হয়ে বই-হাতে খুবাতে খুবাতে অল্লপুর থেকে
বাইবে মাবার রাজার জানগার একটা বছ দৃছি পুলে চুপ করে বাহিছে
আছি। সেইপান গেকে আছিনার উত্তর বিকে আলাকের বাইবের এক-শার
পর কেপা বাহাি চিবে মধ্যে একটা গর মনে হল আমার জীবনসমূলের ও পারে
চলে গিছেছে। সেলগান আর বেয়া বইবে না। চেবে আছি লো চেবের
আছি। নিজেকে মনে হল, আরি বেন প্রভানিকার আরির ভূতের হতে
— সেই-স্ব জারগাতেই আছি ভেবও নেই।

अक मध्य रमयाक रममूब, मन्त्रीम अक्षणामा चन्द्रव कानक हाएक करा घर रमरक गावालाय राजिए अस्मा मन्द्र रमराव रममूब, देव कुर्यक कारा निषय अक्षणा। अक अक्षणांव प्रता अरम अरक भागम, रमा केर्यमानीक केमर वायालाय राजिन करनांव प्रता रवरण स्वरूप केश्वमा नरवंवत कानका बूरिष्ठ रक्षणा निर्मा । गाँव भागवर्यका राज्य वालिकी काल्या रमा किरिय स्वरूप निर्माण । वालिका कांव बारक मा राष्ट्री कार्या रेज्यक्षणाव किर्या गाव मरान क्वकि अमा मध्य कार्य रम्भा लिक्टन काम्याव रमाक का काक्षिय

'কলো, অবাক কবলি যে ' এই কথা বলেই ছিনি চলে পেলেন আমার বাইবে যাওয়া হল না।

শংগর দিন স্কানে সোবিন্দর মা এসে বকালে স্থোটোরানীমা, স্কান্ধার দেবার বেলা হল।

আৰি বললুৰ, ছবিমভিকে বের করে নিচেছ বল্। এই ব'লে চানিং গোছা কেনে দিয়ে জানলার কাছে বলে ছিনিভি কেনাইয়ের কাজ জগতে লাগপুম। এমন সময় বেয়ারা এগে একখানা চিট্টি আমার হাজে লিয়ে জালে, স্পীপবার্ বিজন

গাংসের আর অস্ত নেই। বেয়ারাটা কী মনে করকে। रामत्र माना मैगनाम नानाम । विक्रि पान त्यांच, फाइक त्याहाम मानूबन त्याहे, वयन करे मानि माना माहक : निरमण नाहामान । एमानव वाक । मानीम ।

বইন আমাৰ নেলাই পড়ে। জান্তানাচি আচনাব লাহনে লাভিছে এক্টানি চুল টিক কৰে নিৰ্দ্ধ। পাড়িটা খেনন ভিল ভাৱ বইন, ভাগুকেট বহা বহন কৰ্ম। আমি আনি, তাব চোলে এই আংকেটটিও ন্তুভ মামাব একটি বিশেষ পৰিচয় জড়িত আছে।

আমাদে যে বাৰাকা দিয়ে বাইৰে বেঠে হবে ভবন দেই বাহাজায় বদে আমাহ মেজে: জা তীবে নিয়মমাহো অপুবি কাটছেন। আৰু আমি কিছুই লাকেচ কবলুমানা। মেজে জা দিজালা ভবলেন, বলি, চলেচ কোৰায় দ

भावि कतनुष्क, देवहक्तपानः भएतः ।
वाह्य नकारमः १ (माह्यनीमाः पृत्वि १
भावि दकारमः) कवाव ना निष्कं करण दनवृष्णः ।
दस्यकः का साम वक्षानमः—

বাৰী আমাৰ - চলে যোচ চলে পঢ়ে আপ্তি ভালের মক্ত যেমন্ ক ভাব - চিটে চিনি ভান নেই :

বৈষ্টিকখনো ঘরে সিয়ে কেবি, সন্দীল দরভার দিকে লিঠ করে বিটিল গালেছেমিটে প্রদলিভ ভবির ছালিকার একখনো বই নিছে মন পিছে বেখছেন। মার্টি সহজে সন্দীল নিছেকে বিচলত বলেই ভানেন। এক দিন লামার স্বামী ইয়েক সন্দোলন থে, মার্টিসা দের যদি প্রকাশশাহের দরকার হয় ভবে তুমি কেছে গালান্ত যোগা লোকের মন্তান হবে না।

এমন করে নোড়া দিয়ে করা বলা আমার সামীর সভাব নয়, কিন্তু আক্ষমার স্থার মেরাম একটু বদলে এলোছ— স্পীণের আচাকারে তিনি আজিলায়াম ভাতেন নাচ সনীশু নদ্দেন, ভূমি কি ভাব' আইটিট্দের আন গুরুত্বন ব্যক্তার নেই ?

ৰামী কালেন, মাই ্ৰছছে মাউণ্ট দেব কাছ থেকেট মামানেছ মতে। মাছককে চিত্তকাল নতুন নতুন লাঠ নিৰে চলচ্চি চনে, কেননা এছ কোনে। একটিয়াত্ৰ বাবা লাঠ নেই।

স্পীপ স্থায়ার স্থায়ীর বিনয়কে বিদ্ধাপ করে গুব ছাস্কালন , বল্পক্ষন নিবিদ, তুমি জাব' বৈজ্ঞান্ত হাজা মুলগন, কটাকে যত বাটাকে ঐবর্ধ জ্ঞান্ত বাছলে। স্থানি বলছি, স্বভাষার বাব নেই সে ক্যোত্তর জ্ঞান্তলা, চারি বিকে ক্ষেপ্ত ক্রেমে ক্ষেমে ব্যক্ত ক্রেমে ক্

শামাৰ মনেৰ ভাব জিল অভ্যন্ত বৰুম: এক নিকে ইংশ্বটা, নুহৰ্কে আমাৰ আমীর জিল হয়, সন্দীপের অহাকারটা একটু কয়ে। অভাচ সন্দীপের অনাকোচ অহাকারটাই আমাকে টানে— সে তেন নামি হীরেছ কন বকানি, কিছুতেই ভাকে লক্ষা নেবার জোনেই, এমন কি, পুরুষ কাজেন সে হার মানতে চায় না, বরক ভাব স্পর্বা আবক বেড়ে নায়।

श्वामि गरंद इक्तृम । कामि, श्वामाद गाइड तक सकीत समास्क राहरूम किंद्र इस्त रनाइम मि जयमि काम करत दहेडे। इन्हेड्ड गानइम । श्वामाद स्वयं, भाइड श्वाइड कथा रमाइड सहम । इक्सम, श्वाइड कूटडा करत सबीत श्वामाय मान्यम एव-नव वृद्धि रम-नव कथाद श्वाह्माइमा क्वाइड काइनावारम् श्वाह्मक श्वाह्माद स्वाद्धि गत्को रहात कथाद श्वाहार रपाइड मि । कश्वा सूरक-माद करकडे श्वाह्मादक स्वाद्धि एक इस्म अब स्वर्धा स्वकृत्व किंद्रु रम्हे ।

জাই একশাৰ মৃত্যুক্তালের কল ভাবছিলুম, কিবে চলে বাই। আন-সময়ে পুৰ একটা গভীৰ বীৰ্থনিয়াস কেনে মুখ কুলে সন্দীপ আমায়ক কেনে ক্ষেত্ৰক উঠালন। কলকেন, এই-বে, আপনি এলেছেন।

ক্ষরাটার মধ্যে, ক্ষার ক্ষরে, তার ছুট ছোবে, একটা চালা ক্ষম্প্রচাল ক্ষারার এয়ন হলা বে, এই ক্ষমনাকেও ক্ষেত্র নিলুর। ক্ষারার ক্রন দৰীপেৰ ব্ৰেমাৰি কৰেছে ভাজে সামাৰ হৃ-ডিন বিনেৰ সন্থাপতিকি খন নপৰাৰ : নন্দীপেৰ এই সন্ধিনান বে সামাৰ প্ৰান্তি সপৰান লৈ সামি মানি, কিছু বাস কৰবাৰ প্ৰক্ৰিয়াই । U

কোনো ক্ষাৰ না দিছে চুপ কৰে বইপুৰ : যদিও আমি অন্ধ লিকে চেৰে দেশুৰ অৰু ক্ষেপ বুকাকে পাবছিপুৰ, সন্ধীপেৰ ছাই কাকেৰ নালিপ আবাধ নৃত্যৰ নামনে ধেন গলা নিয়ে পড়েই ছিল, দে আৰু নড়াকে চাঞ্চিল না । এ লী কাঞা সন্ধীপ কোনো-একটা কবা ফুললে দেই কথাৰ আভালে একটু দু'বাৰ বাঁচি যে ৷ নোখ হব পাচ ছিনিট কি দ্ৰু নিনিট ঘৰন এমনি কৰে দক্ষা আন্ত্যৰ এন জখন আছি বলপুৰ, আগনি কী দৰকাৰে আমাকে ১০কেছিলেন চু

নশীপ টবং চমতে উঠে বন্ধনে, কেন, নবৰাৰ কি থাকডেট কৰে গু বছুৰ কি অপৰাৰ গুপুনিবীয়ে বা পৰ চেবে বড়ো ভাব এবট অনাৰয় গ্ বন্ধেৰ পূজাকে কি পাৰেৰ কুমুবেৰ ফডো দৰজাৰ বাটাৰে খেকে কেনিয়ে নিজে কৰে, মুক্ষীবানী গু

আমাৰ বুকের মধ্যে গুরুত্ব করতে লানদ। বিশন ক্ষণট ভাচে খনিছে আনছে, আৰু আতে কেনিছে বানা বাচ না। আনার ননের মধ্যে প্রশক্ষণের কৃষ্ট্রই স্থান করে উইল। এই স্বনাপের বোরা আমি আমার নিম্নির স্থানার কী করে। আমারে সে পরের বুলোর উপর মূর প্রথক প্রভাৱ করে।

ষামাধ হাত লা কাণছিল। মানি পূব পৰু হাত বাভিতে তাঁকে কলমুছ, স্থীপনাৰ, আপনি লেলৰ কী কাজ আতে কলে আমাকে কেকেছেন, ফাই মানার করের কাজ কেনে এসেডি।

তিনি একটু মেসে কলনেন, মাধি জো সেই কথাই মানোকে বল-হিনুধ। মানি যে প্ৰায় কৰেই এনেহি জা মানেন ? মানোধ মসা মাৰি স্থায়াৰ মেনেৰ পঞ্জিকেই প্ৰয়োক লেকত গাই, সে কথা কি আপানাকে বলি নি ? কুলোলনিবলং তো একটা সভা বছ নব , জনু দেই নাপটার কথা করা করে কি কেট কীনন নিজে পাবে ? বধন আপানাকে সালনে পেবান্ত পাই তবনই তো বুৰাতে পাবি, থেপ কার ক্রমান করে কারে পাবে ? বধন আপানাকে সালনে পেবানে পাই তবনই তো বুৰাতে পাবি, থেপ কার ক্রমান ক্রমানে ক্রমানে ক্রমানে প্রতিক পরিবে পেবেন, ক্রেই হো কানব, আমি আমার পেবের আহিক। পরিবে পেবেন, ক্রেই কো কারব, আমি আমার পেবের আহিব পাবের বিশ্ব করে ক্রমান ক্রমানিবরবার মাটি নয়, সে একবানা বাঁচল। ক্রমান বাঁচল ক্রমান ক্রমানিবরবার মাটি নয়, সে একবানা বাঁচল। ক্রমান বাঁচল ক্রমান ক

सगरफ करांड मनीरणंद छहें त्यांच करने हैं हम। त्यांच तम ख्वांच चांडकि भूकांद तम चामि दुवरक भादमूत ना । चामांव तमहें निरान क्यां मतभइन त्य कित चामि द्वांच केद वक्का चानिक्य के कित हिति चितिक
मा माचन तम चामि द्वांच केद वक्का चानिक्य माध्यांच माच्यांच नरण माच्यांच
माच्यांच तम चामि द्वांच निराम काद्यांच माच्यांच माच्यांच नरण माच्यांच
स्वांच वात्रांच केदा हता, जांद चानक काद्यांचांचन चाहिए। किंद चित्रंच
त्य चान-विक् चार्यांच तम व्यांच चार्यांच, ता माच्यांच माच्यांच चार्यांच
स्वांच वर्षां (जांदां) मान वर्षांच चार्यांच, ता माच्यांच प्रतिमान चक्यांच कार्यः
स्वांचित्रंच प्रांच व्यांच्यांच स्वांच वर्षांच चार्यांच वर्षांच माच्यांच वर्षांच वर्यांच वर्षांच वर्षांच वर्षांच वर्षांच वर्षांच

এর পরে আমার কিছু বনবার পক্তি ভিগ না: আমার ভব হতে লাগন এখনই সন্ধীপ ছুটো এলে আমার হাত তেপে বক্তনে। বেননা জার হাত চক্তন আন্তরের শিখার মডোই কাপছিল, আহ তার চেম্বের মৃত্তী আম্বার উপর কে আন্তরের প্রক্রিকর মডো এলে প্রভিদ: সন্তীপ আমে বিনিন্দের, কুলেনার। স্বর জোটো জোটো বেলবো নির্বাচনত বিকাশ করে। কুলেনার) কালনারের এবন প্রাণ কাছে বার একটু আভাসেই আমরা জীবন-ক্ষাবে ভূজ্ঞ করতে পারি। সে কি কেবন ক্ষাবের পারটা-মোজা কিনিস ? কাজ আর লক্ষা করতেন না, লোকের কালাব্যার কনে কেবনে না। আরু বিনিন্দেরে ভূজি করের বৃত্তির বারবানে ভূটে

कार्ति केंद्र स्थीनसावृत कथात्र (शानत क्रायत साथ वध्य भाषात क्रम विभाग वध्य स्थानत क्रम व्याप्त क्रम विभाग स्थान क्रम स्

বাৰ ছে, আমাৰ সেই মহিমা আমাৰ চুলেৰ জিতাৰ দিয়ে এখনট ছেন্ত্ৰ একটা প্ৰায়োক বীতিত্ব মাজা কোৰাৰ না । আমাৰ খুব দিয়ে এখন কোনো একটা কৰা উঠাকে না কেন যা মহেৰ মানো এখনট সমায় কেশকে অৱিধীকায় শিক্ষি উল্লেখ্য হয়)

নমন সময় কাইমাই কৰে কাক্ষে কাৰতে আমাৰ দৰেও কেমালানী ধনে উপস্থিত। সে বলে, আমাৰ মাইনে চুকিছে লাও, আহি চলে বাই, আমি সাম্ভ কৰে এফা— হাউহাউ, হাউহাউ।

की ? बालाको की ?

কেনোমানীয়ার দানী থাকে। সকারতে গাবে পড়ে কেমার পুরু স্বরন্ধা করেছে, ভাকে হা মূখে মাতে যাত বলে নাম নিয়েছে।

শালী বত বলি 'বাজা, দে বাজি নিচাৰ কৰব' **বিশ্বকেই কে**য়াৰ কাচ বাল কাইজান শকাপ-বেলাৰ বীপক বালিনীয় বে ক্লব এবন কৰে উঠেছিল ভাব উপৰে কেন বালন-নাকাৰ কল তেলে চুলে। মেনেআছৰ যে পদ্ধন্তনৰ পথক ভাব কলাকাৰ পথ খুলিৱে উঠা। স্টোকে সন্দীপেৰ কাছে ভায়াভাতি চাপ: সেবার করে আমাকে তথনই অভাপুরে ছুইটে চল। কেবি, আমার হেছে। আ সেই বারাকাৰ বলে একখনে মাধা নিচু করে ক্পুতি কাইছেন; মূল একটু হাসি কেনো আছে, গুন্ গুন কৰে গান করছেন বাই আমাৰ চলে ক্ষেত্র কলে পছে'— ইতিমধ্যা কোখাও যে কিছু অনর্বপান্ত হছেছে ভাষ কোনো গক্ষণ তাঁৰ কোনোখানেই নেই।

স্থামি বললুম, মেজোরানী, স্তোমার খাকো ক্ষেমাকে এয়ন মিছিমিটি পাল হের কেন্দ্

তিনি ৰুক তুলে আন্তৰ হছে বললেন, শুলা, সজি। নাকি স মান্টিকে বাঁটালেটা কৰে পুৰ কৰে দেব। দেখা দেখি, এই সকালবেলাৰ ডোমাব বৈঠকখানাৰ আসৰ মাটি ক'বে দিলে। ক্ষেমাৰণ আন্ধা আছেল কেবছি, আনে ভাৰ মনিব বাঁটাৰেব বাবুৰ গাভ একটু ন্য় কৰছে— একেবাৰে কেবানে পিৰে উপৰিক্ত— ক্ষ্মাণ্ডমেৰ মাখা দেখে বাগছে। তাং ছোটোবানী, এ সৰ ব্যবক্ষাৰ ক্ষাৰ ভূমি খেকো না। তুমি বাইবে বাণ্ড, আমি ব্যয়ন কৰে পাৰি সৰ মিটিয়ে দিক্ষি।

আক্রই মায়াহের মন। এক মুছাটের মনোই তার পালে এমন উঠেই হাওয়া গালে। এই সকাল-বেলায় ঘরকরা কোলে ধাইরে সন্দীলের মান্ত বৈটক্ষানায় আলাল-আলোচনা করতে যাওবা— আমার ভিরকালের অন্তর্গুরুর অন্তান্ত আন্তর্গুরুর আন্তর্গুরুর আন্তর্গুরুর আন্তর্গুরুর আন্তর্গুরুর আন্তর্গুরুর মান্ত্রির আন্তর্গুরুর না বিশ্বে মনে হল হে আনি ক্যোন্তর্গুরুর না বিশ্বে মনে হলে হেল গেলুর।

নিশ্বৰ জানি, ট্ৰিক সময় বৃধ্বে মেজোৱানী নিজে বাকোকে **উ**পে ছিতে ক্ষেত্ৰাৰ সভে কমন্তা কৰিছেনে। কিন্তু জানি এমনি **উন্**তলে জানুবাৰ

নমনি করে কেলের দিক থেকে, পৃথার দিক থেকে, যে কথাটাকে এফ উক্ষম করে মেধি সেইটেট যথন নীচের দিক থেকে এমন করে খুলিছে ইয়তে যাকে তবন প্রথমটা হয় বাল, ভাব শবেট মনে হানি আচে।

মাজ লোবার ঘবে লিয়ে ঘবের ধরতা বছ করে জানলার কাছে বাল গণে ভাগতে লালসুন, চার লিকের লাভ প্রর মিলিয়ে জীবনটা আলাল জন্তর লবণ হার পারে। এই যে মেজেরোনী নিলিপ্রখনে ব্যরাজ্যার বাদে প্রলুবি কাইছেন, এই সহজ আলেনে বাল সরজ কাছের বারা আমার কাছে আজ মনন মুর্ঘীর হারে উঠল। বোজ বোজ নিজেকে জিল্লালা করি, তর লেখ গোন্ধানে দু আমি কি বারে বাব, লন্টাল কি হাল বাবে, এ-সম্মন্তর জি নোপীর প্রসাণের মারো জন্ম হার উঠি তাকবারে কুলে বান দ না, ঘানুয়ায় কিরে এমন স্বন্ধানের জন্তর স্থানিয়ে লাভ বেবান গোলে ইয়জীবনে আমার মার উন্ধার নেই দু জীবানের লৌভানারে স্থানভাবে প্রবণ্ধ করান্ত পারদ্য়ে নি এমন করে ছার্ভার করে লিল্ম কী করে।

व्यापांत की त्यापांत पर, ता एत बाक न रूपन बाल नकुन रहें एत गा निराहित्यून, ताहे धरमा नमात त्यापा हार ताल बाल बालाव स्तान लिएक द्वारत स्वाक स्ता सार्छ । अस अ भडीकांड केवीर्न करव सामान सार्थी कर्मकांडा एवरक कार्यक-माग्रदक एकान्-अक बीरान्य स्तरक मानि असे भड़माछाड़ि किरम अस्मिहिरमम । असे कड़ि सांध्र भाछा, किन्न स्नारक मण एक असी स्राप्त क्षम क्षम स्वाहिरमम । असे कड़ि सांध्र भाछा, किन्न स्नारक केन्न कड़ि माजांच एका अस्मिहिरम एका कर्मकांडा एका एका स्वाहिरम करव एका पाएका । देखें कृष्टेस भागांचाड़िरम सांच्या हम्मन करव सांचाड़िरम एवर्ग पार्थि । एको अस्मिहिरम सांचाड़िरम सांचाड़िरम

আছ চাৰ বছৰ বদ, আয়াব আমীব একট ছবি কাজিব কাজেব জেমে বাদিবে এই কুলুকিব মধ্যে বেখে দিখেছিলুম। গুব দিকে নৈবাম শবন আয়াব চোখ পড়ে আব চোখ ফুলাড পাবি নে। আৰু ছ কিন আমেও বোছ স্কালে ভানের পব ছুল তুকে উই ছবিব সামনে তেখে প্রবাম ক্ষেছি। কছে দিন এই নিয়ে আমীব সক্ষে আয়াব তেক হবে বেছে।

अब जित किति कारकात, कृषि त भाषात्व भाषाव त्वार करव कृत्व कृतका कथ, अरक भाषाय करका लका त्वार वय ।

चावि किकामा क्यमूब, रक्त (कामार नक्ता ?

चात्री सन्दर्भन, चनु संबंध मह, देश ।

আৰি কাল্য, পোনো একবাৰ কৰা। বোষাৰ আবাৰ কৰা কাৰে দ কামী কালেন, কই দিখো-আমিটাকে। এব খেকে ব্ৰুত কাৰি, এই সামান্ত আমাকে নিৰে ভোষাৰ সভোষ নেই, ভূবি একন অসামান্ত কাউকে যাত্ত যে ভোষাৰ বৃত্তিকে অভিকৃত কৰে কেনে, ভাই আন-একটা আমান इदि का बिता बाह रखावाद का रखालाखा

्यावि कानुव, रक्षायांत अहे क्याक्टमा क्षताल भाषाव बाम हव ।

ভিনি কৰ্মন, বাস জামাৰ উপৰে কৰে কী বছৰ, জোহাছ অনুষ্ঠিত উপৰ কৰো। কৃষি তো আবাকে অবছৰসভাত কেন্তে নান নি, বেষকটি প্ৰয়ে কেন্ত্ৰনি জোমাকে চোৰ বৃষ্ণে নিজে বংগছে , কাজেই কেন্ত্ৰ বিশ্ব ক্ষেত্ৰতে কৰাই পাৰে সাংবাদন কৰে নিজে । ক্ষেত্ৰতী অবছৰ। কংছিলেন বংলই ক্ষেত্ৰতাকৈ বাৰ কিন্তু মাঞ্চলকে নিজে পোৱছিলেন। ডোমাৰা অবছৰ। বংল পাৰ নি বংগই ছোক মাঞ্চলকে বাদ কিন্তু দেশভাৰ কৃষ্ণাছ মাঞা কিছে । 🗘

সে বিম এই ক্যাটা নিছে এফ বাপ করেছিলুম বে আমাত ছোপ কিছে মন পড়ে বিছেছিল। জাই মনে করে আছে এই গুলুজিটার কিকে ভোগ ফুলাফ লাবি নে।

পর্ব-বে আমার গ্রমার বাজের মধ্যে আরু এক ছবি আছে। সে বিমা বাহরের বৈটকবানামর কান্তর্গান্ত করবার উপাশকে। সেই ক্লেটোন্টার-বানা কুলে এনেছি, সেই বার মধ্যে আমার আমীর ছবির পালে স্ববীপের ছবি আছে। সে ছবি তো পূজা করি মে রাফে আমার প্রবাহ্ করা হলে মা, সে বইল আমার হীরে-মানিক মুক্ষোর মধ্যে চাকা। সে লুকোয়ো টেল বলেই আরু মধ্যে এক পূলক। খবে বন বরকা বন্ধ করে জনে আলে বাল দেবি। রাজে আক্রে আরু কেবোনিনের বানিটা উপাকে মুকে জার শামনে বই ছবিটা বার চুপ করে চেবে বলে বাকি। ভার পার রোজাই জনে করি এই কেবোলিনের বিধার করে পুরিষে ছাই করে চিবলিনের মধ্যে চুলিরে ক্লেমে বিই— আবার বোজাই নীর্মনিমান কেনে বীরে মীরে আমার নীরে-মানিক-মুকোর নীরে ছাকে চালা কিরে ছাবি-বন্ধ করে বানি। কিন্তু গোডারমূরী, এই বীরে মানিক দুকোর জোকে বিবেজিন কেন্তু এরে জনো করে বিনের করে আরুর করিবে আন্তর্গা ভারা আন্ত ভোগার মূর কুলেনে। বন্ধা ব্যালা ব্যালি।

मधीम अक दिन कामाएक ग्रांकिएकन, किश कराते। (करवरवर अकृति नह : जोव काहेदा ताव (तहें, जाव उपकेष बारक माहदा ! फिनि गव वाद वर्गम, त्यानम त्यादशा दवन सामत्व छवन छावा नास्यव ८५८६ ८५३ दिनि न्यांडे क'ट्रक प्रसादन 'क्यांचवा कांडे', ट्रमडे कांट्रक कांट्रक ट्रकाटन' कारमान्यक एकारमा मध्यय-च्याचायत फर्कतिकते हिंबएक शाहरव मा । कारमद (Wen die meit beimei bie i' beife bie' af eifet bim mit-मन नामि । त्मह बामिहे त्यात्मा नामनिश्चात मा करत चास्क्रम हरह पूर्ण काराय करन कैरोटक। अब यह आहर अन्दार एकनाय--- माधनाय ह कांबना करतरक तरलंडे वत्रवना बरवव एक शक तरलिएक काव रुखें काबनार कारक नीन निराक किएक अरमरक । अन्य-मानरवन तमके क्या करी 'व्याचि डाके' वाचि व्याक (बारायन बाराड वाहियाही दिल्ली काल है कीक सकत क्वारन राहे काक्षिप वकारक शेल किएए छानिएए तालगात छहा कराए, मार्ड ए with exceptions are while abandes wifele for aisce नाष्ट्रक शत्म शहा भूक्य प्रत्न कर्य क्याफ, क्षेत्र रीपरक रूप क्रियकारण uewi ment neu eller electes i murb, un mueb i neut umaif-चाव माच मधीर । चाव रम ठालन ना, चाव रम गरनन ना, जनतर वाव षदबब करमद कामा जिल्हाक कृषि करत । किन्द आण जास महेरस जा. रीप wiare : The dra freue reiter afer faifa bis' furfa bis' ete शक्त कराक कराय होता।

সন্ধীপের এই কথা সামার মনের মনো ধনে ভয়ক বাজাতে থাকে আই আমার আপনার সক্ষে ব্যন আপনার বিবাবে বাদে, বনন সক্ষা আমারে বিকৃতার নিজে বাকে, ভবন সন্ধীপের কথা আমার মনে স্থানে ওকন ব্যক্তি পারি, আমার এ কনা কেবল লোকসক্ষা, তে সামার মেকো লাবের মৃতি বরে বাইরে কনে ধনে প্রপৃতি কাইতে কাইকে কটাকাশাত করছে। ভাবে আমি বিকৃত্র আরু কবি। 'কামি ভাই' এই ক্যান

্ৰণকেই নিদেশ্ৰকাতে অবাহে অক্তৰে বাহিবে সমগ্ৰ পঞ্চি বিধে বৰুত্বে শাৰাই গৈছ আপনাৰ পূৰ্ব প্ৰকাৰ । না বন্ধতে পাৰাই হজে বাৰ্থকা। কিনেৰ এই প্ৰকাৰ আৰু প্ৰকাৰ এই উপ্টাপ্ত আহিকে বাজ কৰে, অধ্যান কৰে, এখন সংখ্য কৰেব কী আছে।

এই বলে জন্মই ইংজ্ব হল, এই সরস্থাছাটাকে জামলার বাইছে কেন্দে উই, ছবিটাকে পুনুকি থেকে নামিত্রে আমি, প্রান্ধসক্ষিত্র লক্ষাধীন ইনজতা প্রকাশ হোকে। হাত উটেছিল, কিন্তু বুকের মথে বিবিল, চোধে কল এক— হৈজেন উপর উপ্ত হতে পড়ে কাল্যত লাল্যুম। কী ববে। আহার কী হবে। আমাত্র কপ্যান কী আছে।

সন্দীপের আছকথা

আৰি নিম্মেৰ দেখা আছকাহিনী বৰন পুচুচ দেখি জনন ভাৰি, এই কি সম্বীপ! আৰি কি কথা দিৰে তৈবি! আৰি কি বক্তবাংগের জনাও বোকা একখানা বই! (

প্রিপিনী টালের মজে। মরা ক্রিনিস নত্ত, সে নিবাস কেলছে, আরু সহত্র নত্ত্বী সমূহ থেকে বাম্প উঠছে— সেই বাম্পে দে বেরা। ভার চতুলিকে বুলে উটুছে, সেই পুলোধ গছনাত্ত সে চাকা। বাইছে থেকে যে ফর্লক এই পৃথিবীকে দেখনে, এই বাম্প আরু গুলোব উপর থেকে প্রতিক্ষণিক আলোধ ক্রেকা সে দেখনে, এই বাম্প আরু গুলোব উপর থেকে প্রতিক্ষণিক আলোধ ক্রেকা সে দেখনে গাবে। সে কি এই দেশ-মহামেশ্রর ম্পাই স্কান পাবে।

এই পৃথিবীয় মড়ো যে মান্তম দজীব ভাব জন্মৰ বেকে জেফা শাইভিয়াৰ নিখান উঠছে, এই জন্ম গালে দে অলাই, বেধানে ভাগ জিজকের জলাবল, যেখানে গে পিচিত্র, দেখানে ভাকে কেবা যাহ ন)। মান চতু, দে যেন আলোভায়ার একটা মঙ্গা।

শাৰাৰ যোগ হয়ে। যেন সনীৰ গ্ৰহের মতো আমি আমার চোই আইবিয়ার সভলটাকেই আঁকিছি। কিন্তু আমি হা চাই, হা ভাবি দ নিজাত করিই, আমি বে আগালোকার কেবল ভাইই জা জো নয়। আমি বা ভালোবানি নে, বা ইছে কবি নে, আমি বে ভালা। আমার অল্পানা আগেই বে আমার করি করে হয়েছে। আমি জো নিজেকে জেছে নিজে পারি নি, হাজে বা শেহেছি ভাকে নিজেই আৰু চালাকে, হয়েছে।

ও কথা আৰি বেল জানি বে বড়ো সে নিয়ন। স্বিস্থিয়াকনের কল্পে লাত্র আৰু অসাধারণের কল্পে অভাত। মান্তির জনাটা আহালোকা সমান— আছের পর্বন্ধ ভাকে আন্তনের নিঙের ভাকের ভাজো বেলে ভবে উচু চা কঠে। সে চারি নিকের প্রতি জারবিচার করে যা, ভার বিচার নিকে शायन । मनमा व्यक्तावन्त्रका अनः व्यक्तिय निर्देशकाव एकाएके, वाक्रम वनः कारः वनः अ-नर्वक सव्यन्ति वैद्योगिक कार क्रेंग्रक । ১-८व विश्वा एकाव वृद्धक निरम र्वाव कारके २ कृष्टे वर्ष केंग्रेय भारकः, जवेरम ১-४व महत्वम नावेग्र उन्हेंग्रा वर्षा कारकः।

णानि कारे जाताराई कपकारको काश्र करि: जानि मक्तरक नित् प्रकारी द्वाप, जाताको रिकिनिया, द्वारपाने महाना करा क्रवनो काहे राह यह। प्रवास त्यादना काक ना बाहन जातार कराय क्षम रह क्षपनी र्लागीय जाता क्रवास काल मणि:

কিন্ধ কৰ এ আৰাৰ আইছিন। এ পুৰোপুৰি কামি নছ। বছট স্বভাবেৰ বছাই কৰি-না কেন, আইছিবাৰ উত্তুনিৰ বাংগ ভূটো আছে, কাৰ আছে, তাৰ কিতৰ খেলে একটা কিনিদ বেহিছে গড়ে— সে নেজাৰ^{কি}ভূ কাচা— অতি নৱম। ভাব কাছদ, আনাৰ অধিকালে আনাৰ প্ৰেই জৈমি হৰে কেছে।

सामान प्रकारण निरम सामि मारक मारन निर्देश परिकार कि ।

तक किन नामारन इकिसाबि कराफ निरमित्र । उन्हों। सामन इट्स

राहाबिका, सामि नवाहैटक करान्य, एक का पिक्टन्य उर्द्यामा गा उहें हा

पिर एक्ट सानद पारत १ मनरमहें रहन हैं हुए करिता सामि निरक

निरम एक्ट निर्द्य अमृत । सामारक हानत मारन नगरन एक्ट एव एगाव

निर्देश एम और मुख एक्ट मृद्धिक हार पर्फ एमन । सामान नगर सामिक्रिका

पूर्व एक्ट मनरमहें निर्दिकाय प्रशासन महा सामान नगर कुला किला।

सर्वाद, एम किन मनरमहें सामान सामेक्टिकाय वालामक्रमों है एक्टन। किन्द्र

रखाद्र सामि, निरक्त एमार ना सामारह सामान क्रमा, मननमान- एक्टाइन

क्रियाय क्रिकार कुल क्रमोहिका, एमगान सामान सामा एक्टाई क्राइन ।

विका-निकित्य नित्र भाषांत्र शीव्यतः उत्ते-तः उनकी काराह स्था केरह उस क्रिकटक व्यवको करा शका गक्टह । शका गक्टह रा रहि কামাৰ মধো আইজিয়াৰ কোনো বালাই না থাকত। আমাৰ আইজিয়া আমাৰ জীবনটাকে নিবে আপনাৰ মকেলংক গঢ়ভো। কিছু দেই মকেলংক বাইবেক অনেকগানি জীবন বাকি পচে থাক্ছে। কেইটেৰ ককে আমাৰ মকেলংক মনে সম্পূৰ্ণ নিক থাকে না, এই ককে কাকে চেলেচুকে ভেকেডুকে বাক্তে চাই, নইকে সমন্ত্ৰীকে শে নাট কৰে সেহ।

গ্রাণ জিনিসটা মালাই, সে যে কাত বিজ্ঞান্তার সমন্ত্রী ভারে ট্রীক নেই :
আমহা আইছিয়াওবালা মাল্লম হোকে একটা বিলেশ স্থানে ভেনে একটা
কোনো বিলেশ মালারে স্রল্পাই করে জানাতে চাই : সেই জীবনের স্থানাই
ভাই জীবনের সক্ষণাত্র : দিখিলাই সেকেন্সার বেছে শুক্ত করে আজকের
দিনের আমেরিজার কোচপতি বক্ষেনার প্রথম সকলেই নিজেকে
ভালোয়ারের বিজা টাকার বিলেশ একটা ইন্ডে ভালে ক্ষমিরে দেখতে পেরেছে
বালেই নিজেকে সক্ষণ করে জেনেছে :

अवैशासके सामाहक निवास राज सामाय एक शाव । सामित वित्र, सामाय कार्या । त्रिक तरत, सामाय कार्या । वित्र, त्र या घरत कार्या विक्र, त्र या घरत कार्या विक्र, त्र या घरत कार्या विक्र, त्र या घरत कार्या विक्र कार्या । त्र वर्षा कार्या कार्या कार्या वर्षा वर्या वर्षा वर्ष

चानि तनमूत्र, कथाठी दमहान्त बालमा हम ।

্ৰী-নিৰিণ নগলে, উপাৰ নেই । প্ৰাণটা কলেব চেবে অস্পন্ধ, জাই বাদ প্ৰাণটাকে কল বাল সোজা কৰে জানলেই বে প্ৰাণটাকে জানা হব তা নয় ডেমনি আছা কলেব চেবে অস্পন্ধ, ভাই আছাকে কলেব মধ্যে চৰম কংগ কোটা যৈ আছাকে সভা কো ভা কৰে না । প্ৰ

মাৰি কিলানা করন্ম, তবে তুৰি কোখার আল্লাকে কোছ গু কোন নাকের ভগায়, কোনু আর মাকলানে গু

त्म स्थाप, चाचा त्रशांक चामनात्र चमीत्र बानतः, त्रशांक क्यांक

ভেক্তে এবং ছাজিরে চলে সাজে।

का बरम निरमद (स्न नस्त्री की बसरक र

কৰা একটা কৰা। কেপ চেৰানে বাদে 'আছি আমাতেটা প্ৰজ্ব ক্ষরতা প্ৰথমে সে কৰা প্ৰথম পাৰে, কিছা আছাকে চাৰাহ। বেৰানে সকলেক ভাবে বাভাকে সকলেব বাছা কৰে লেখে দেখানে সকল কলাকটা সে বাভাৱাত পাৰে, কিছা আগনাকে কে পাছ।

है कियारम अब मुद्रोच त्यापाद रहरपद र

यावत अर्थ वर्षा १४ एम एराम कनाक चनका कराज नार्ड (ज्ञासी मुद्रोचरकतः भूडोच दशरहा ८मडें, नीरकत विकास करान मुद्रोच रममन ८मडें, निच्च नीरकर विकास प्रस्तव (रममा चारकः चन्, मुद्रोच कि उदक राजाई ८मडें १ वृष्ट वह नामाची नर्द (४ मानमाइ ममच काराजनसम्बद्धानिएह राजाई ८मडें १ वृष्ट वह नामाची नर्द (४ मानमाइ ममच काराजनसम्बद्धानिएह

निवित्तव कथा मापि (स उटकवाटवर्ड दुवटल लावि ८० जो नद। किये एक्टिंग क्रम माप्याद मुलकिन । कादकरात माप्याद कवा, नाविक्वाव दिव टाक्क भाषा (साक उटकवाटव प्रदान ठाव ना : माल्नाटक त्रिक कवाव गाप ठना देव लालामि, क कथा मृत्य पड़ व र्यान नोगर रहकताच वैद्यित लगाव माथा (नावें । उद्वें करवावें माथाएनट (नाल माककान मानुष्क शालाव उनाक । सामें व दुव्हा (नावं व दुव्हा (माल्व वुव्हा चित्रकें लूट्यालम्म उक्तरक ठावाकि । क्ष्मप्रकृतिका उद्या वर्णम्माकवा माथाएनव इत्रें । क्षांप इट्याव वर्णमानिक देव सामाविक वर्णमानिक वर्णमान

বৈষ্ণ কিবলৈ কুইটাপা মুল হৈ কথাৰ কথাৰ ভাৱেৰ গৰে ভিৰোলিয়া দাবান মাগলে জোটে না।

একটা প্রশ্ন ক দিন গরে যাখার ব্যুদ্রের, কেন বিষয়ের সক্রে কীবনটাকে ক্ষরিব কেলাকে দিন্দি । আনার কীবনটা তেও কেনে-যাওয়া কলার কেল। নর বে বেগানে-সেবানে ঠেকাকে ঠেকাকে চলবে।

সেই কথাই জো বলছিলুম, বে একটিয়াম আইছিবাৰ ছাতে জীবনটাকে শ্ৰিমিজ কয়তে চাই জীবন ভাবে ছালিবে বাব। থেকে খেকে মাছব ছিটকে ছিটকে পচে। এবাব আমি বেন খেলি বুবে ছিটকে পচেছি।

নিমল যে আমার কামনার বিষয় হবে উত্তেচে সে করে আমার কোনে।
মিথা লক্ষা নেই। আমি যে পাই লেগেছি ও আমারে চার। এই যো
আমার থকীয়া। গাছে ফল বোটার কুলে আছে। সেই বোটার বাজিকেই
চিরকালের ব'লে মানতে হবে নাজি। এর যন্ত হন, যন্ত মাধুর, সে ধে
আমার ভাজে সম্পূর্ণ বনে পদ্রবাচ কন্তেটা। সেইবানেই একেবারে
আপনাকে ছেচে কেন্ডাই ওর সার্থকতা। সেই ওর মন্দ্র নীজি। আনি
সেইবানেই ওবে প্রেচ্ছ আনর, করে বার্থ হবে কেন।।

কিন্তু আমার ভাবনা এই যে, আমি কচিবে পছনি। মনে হচ্ছে, আনাং জীবনে বিমল বিষয় একটা হার হয়ে উঠকে। মানি পৃথিবীতে এনেছি কর্তৃত্ব করছে। আমি লোককে চালনা করন কথার এবং কাজে। নৈই লোকের জিল্পই আমার মুখ্যের খোড়া। মাধার আনন ভার পিনের উপরে, ভার কাশ আমার হাছে। ভার লক্ষা নে জানে না, শুরু আমিট জানি। কাউণ আম পাতে রক্ষ পর্যায়, ভাগার ভার গা ভবে বাবে। ভাকে বিচার ক্ষানে ধেব না— ভাকে ছোটাব।

त्मेरे भाषात त्याका मान नरकार गाकित भवित हत पृथ विद्य गाउँ पृष्ठदकः। खाद द्वियासन्दिष्क मनक भागान भाग त्येरण वेदेन । किन्द भागि काह्य तो। विद्यत भव वित्र भाषात भी निद्य काहरकः। के विद्य भाषात ध्यत क्षत्रस्थि (व सार एक्स ।

कावाव भावन। किन्दू काचि करकत मरका कुर्छ हमारक नाति। कुन किरक काचि वाक्रिक रक्षण विते, किन्द कारक कावाव हमान भावाक करव त'। किन्द, अवाब रव काचि क्रेंटनव हाव जिस्क किरक किरव पूर्व पूर्व रवक्रांकि वस्रवित्र करका, मरकृत मरका तथा। के

साई त्या वित, निर्वय वाहे किश निर्वा निर्वा त वाह वेशि प्रव कावनाय तम वह त्या भावा हत्य वाव ना। इकार तक्वाल माई तमई मामाव गांवनीत्व । त्वात्नान्यम व्यवस्थी यित वाह्यन कीमाव निम्मावन्न ता हता निक्वहें त्यात्व व्यवस्था मामाव मान वाह नो कावा कावाल वाहत तम्मावन्ति नांवाली निर्वा पुरम महिल्या। प्रवम मान वित ह भाग कावित्य, कावित्य वाखाती निर्व पुरम महिल्या। प्रवम मान वित ह भाग कावित्य, निम्मावित्य वाखाती निर्व पुरम महिल्या। प्रवम मान वित ह भाग कावित्य, निम्मावित्य वाखाती निर्व पुरम महिल्या। प्रवम त्याव कीमाव कावित्य, निम्मावित्य वाखाती निर्व पुरम महिल्या। प्रवम त्याव कीमाव वाखा काव्या तम्माव हात्व वा भरवत हात्व वहात्व वहात्व काव्या कीमाव वित्या वाखा कर कुल्या। किष्ठ वाख मह त्याव व्याव मामाव मामाव कीमाव काव्या कीमाव काव्या कीमाव काव्या किष्ठ पुरम प्रवस्तानि कीमा जाव त्याव काव्या कीमाव हात्या। अर्थ व्याव काव्याव निष्य पुरम काव्या व्याव मामाव काव्या काव्या हात्य काव्या कीमाव काव्या विवाय वाखाती करव वाख व्याव मामाव काव्या काव्या त्याव त्याव काव्या व्याव कीमाव वाखाती करव वाख व्याव मामाव काव्या काव्याव त्याव त्याव व्याव कीमाव व्याव कीमाव वाखाती काव्या वाखाती काव्याव मामाव काव्याव क

শাৰ দেখি, মনেৰ মধ্যে বাধা লাখছে : 'আমি চাই, কাৰেৰ কামে বাসাক, ছিচ্চ নেৰ'— এ চল ব্য পাই কথা, ব্য সংক্ষেপ ৰাখ্য। এই বাখাৰ বাস্তা লোহেৰ সতে চলতে গাতে ভাষাই লিছিলাক কৰে, এই কথা আমি চিম্বনিৰ বাম আন্তৰি। কিছু ইন্তানে এই বশাসাকে সচম কান্তা নিজন বাৰু বিনি কোখা থেকে কোনাৰ অপানীকে গাটিলে নিজে সাধাৰত मृत्रिक गुण्यकारम अन्तरे कर्य (प्रम)

বেশজি, বিশ্বদা আলো-পড়া হবিত্তীর মড়ো জুইন্সই করছে। আরু শড়ে বড়ো বুই চোপে কাড হব, কাড কলা, জোর করে বাধন জিড়ানে বিশ্ব হিছে বিশ্বে ভারে কেব কুলি বছ। আমার গুলি আছে, কিছ বাসাপ আছে। সেই করে কেবলই বেরি হবে বাজে। জেমন জোনে কাল করের পারতি নে।

सामि सानि, छवाव- िकनाव असन अस अस्या मृह्छ अस्यक प्रमा सामि हुदि निवा निम्नाव वाक एठएन शत छाएक सामाव तुद्धक विनव हिटन सामाम एक असी क्या वनाक एठएन शत छाएक सामाव तुद्धक विनव हिटन सामाम एक असी क्या वनाक साव भव एथएक समयमागावत ममाव छाएमह अदक नाव भवन वात । एमहे भवम सानिक्ताक छहाव मामाम है हिद्द साव मुख्य सामामाम, छाव छहे ठएक छव सम्प्र है भी मामाव में स्थि। अहे महहदू हुद मामा अस्या मामामाम, छाव छहे ठएक छव सम्प्र है भी मामाव में स्थि। अहे महहदू हुद मामा अस्या प्रमा समयम मामाम नाव हिता है महद्व स्था सामाम नाव हिता है स्था करवा प्रमा समयम मामामाम निमान द्वाप करवा प्रमा समयम मामाम नाव है स्था सामाम नाव है स्था सामाम स

বে বাবনকে সামি বামাখনের প্রদান নায়ক বলে প্রথা করি কেন্দ্র প্রমনি করেই মরেছিল। দীজাকে সাপনার অভ্যাপুরে না এনে সে অংশাকননি রেপেছিল। স্মাক বড়ো বীবের স্বাধারর মধ্যে এই এক ভারদার একটু । কান্তা সংকোচ ছিল ভারেই জন্ম সমস্য লভাকাওটা একেবায়ে বার্ব হয়ে গোল। এই সাকোচটুকু না খাকলে দীলা স্মাপন সভী নাম মৃতিরে বাবনকৈ পুরো করতা। এই রবনেরই একটু সাকোচ ছিল কলেই বে বিভীক্তাকে ভার মান্তা উচিত ছিল ভাকে বাবন চিবলিন হয়। এবং স্বব্রা করতে, আর ्राक्त विस्त्र ।

কীবানৰ ট্রাকেন্ডি কটবানেট : সে ছেনটো বাব ছলাছৰ এক কলাছ নৃতিৰে ব্যক্তি, ভাষ পাটে বাটানে এক মৃথাৰ কান্ত কৰে কেন্দ্ৰ। মান্তব বালনাকে বা বাল মান্তব বা নাম, দেই কান্তেই বাত অথ্যান বাই :

निवस दि आक्रम स्वष्टुक, जात्म म्हर्क दक्ष वर्गात, सन् विज्ञात तक विद्वार स्वित कर्म कर्म स्वरूक स्वीकाद स्वरूक स्वर्गित हिए एम एम स्वरूक स्वर

विविद्य दिएक गारक ना करों, किंद्र तकी। तरन क तार्क कुमरक हास ।

क्षित्र, रक्षातात लच क्ष करक राज्य भाषाराक श्वारताको । विवासारक त्र क्षांकरक भावन अक्रम भक्तिक निरमक करना तम्बक्ति हम। कार्ड यहन निरमत मध्डीत साथि हाप्रता भारत ना । सावाद मध स्तारवद किरहरू भव । अहे अबान्द्रस्य विक्रिक स्वकार भव तर । आहि, आयात अस्मार शाकरक भावन ता. विस्तवक चाकरकर किरत : रिकासक चाका चावि आशाब बरम्पन गर्म विनिद्ध त्यव । ८६ निक्रावद करके आवाद बेरियन लचीव क्रवह केलव त्यत्व स्वाव-मकाह्यह त्यावका केटक त्याक त्यां सरकरे विकास मृत्य वपूर त्यावडी पुगरव , ताडे व्यमानवर्ग छात्र व्यत्मोदन वाकरर मा। समम्बद्धान ट्राव्डेटनर केमर स्मारन करी, केवरन काएक 'सामनाकनः क्ष्मकाका हाति निरम नर्कत चार रकता— (नर्के त्योरकार्के अक्सार ब्याबारक्य मक्किन द्रमाना बाक द्वारक्य (माना । विमना द्रमचादन मक्किन जनन क्यांत विकार मन तम्बद्ध त्य जाव किएक तप्रद साथ मक्स क्या किए क्षाकाषु अन्य मध्यत्र निरक्षत्र न्यरमाध्यत् नरम मार्थः अहे व्यक्रवत् करण यथ see fase see diges see us uprebe men eines an i le fairmit अक्रकित महत्र नाक लोडे लाडे नवबातकारी विश्ववाद वृद्धि चात्रि विकार **बा**श्चा (कारबंकि । कारबंदा रति शृक्यरथ कविय वक्त (कारक मुक्कि रशक व इटल भविदीएक कामीएक काळाच राचराउ रणक्य । ताहे ताही विशंक, ा विकेश । काकि ताई कालीश केमानक । विक्लातक ताई आमस्तर मासवात त्राह्म क्रिय बाहि उक किन कालीर केमानना करवा अवार बार्क बेर्ब्याकन # (i

विविद्यालय बाह्यका

গাঁটের বস্থার চারি দিওঁ টল্মল্ করাছ। কচি খানের আছে যেন বচি হেলের ক্রিচা হেবের কারন। আমাদের বাড়ির বাগানের নীচে প্রথ কর্ম এক্টেম। ব্যক্তির বৌশ্রী এই পৃথিবীর উপরে এবেরারে অপথান্ত বার প্রচিত্ত, নীল আকালের ভালোনালার মনে।

মানি কেন গান গাইছে পাতি নেং বালের জল বিল্মিণ্ করছে,

মাতব পাজা বিক্ষিক করছে, ধানের বেড কান কান লিউবে লিউবে

চৈকচিকিকে উঠাছ — এই লবচের রাজাদদাবীতে আমিই কেবল বোরা।

মামার মধ্যে জ্ব অবক্ষা, আমার মাতা বিবের সমায় উজ্জলায়া আমিকা

শাল বাব, কিবে যোভ পাছ নাং আমার এই রাজালহীন সীরিবীন

মাদানক ঘদন কোতে পাই ভবন ব্রহত পাতি, পৃথিবীতে কেন আহি

বিল্ডা: আমার স্কু নিনার্থত কেই স্কুচ্ছ পাব্রে কেন।

বিমাণ যে প্রাণেত যোগে একেবারে জনা। (সাই জন্তে এই নুনুদ্ধারত্ত্ব মান্য এক মৃত্যুক্তর জন্তে শোষার কাছে প্রেলানে হব নি । কিন্তু জালার মান্য কবি কিন্তু আনে লৈ কেবল বোকা পানীবার), লৈ তেও কককানিত্ত যোগ আমি কেবল প্রথম কবারেই পাবি, কিন্তু মান্ত। লিন্তু পারি নে ও আমি কেবল প্রথম কবারেই পাবি কেবল হাছে। বিমাল এক কিন যে জী ইনিকেবলিয়েই ভিন তা আনক্ষেত্র করে লেখে ব্রুগতে পাবি বিশেষ লেখ করে।

F# (3 --

ভবা ৰাদৰ, মাত ভাদৰ। পুঞ্চ মন্দিৰ মোৱ।

भागात मिन्ति एवं मुख बाजनात करकते देशति, कर एवं शतका सकत

আনাৰ বে দেবতা ছিল দে মন্দিৰে বাইৰেই বদে ছিল, এত কাল জা বৃক্তে গাবি নি। বদে কৰেছিলুৰ কথা দে নিবেছে, বৰও দে চিবেছে। কিছ দুজ মন্দিৰ যোৰ, গুজ মন্দিৰ যোৱ!

क्षकि क्ष्मद जाउँबाहर पृथिवीय को जना सोबान बादवा इकर **बहुनारक कार्याध्यय भाषत-वहत्र विदेश (नाट्डे करत रवड़ाएक रवड़्य । कृष**ः नक्ष्मीएक वचन महारायमाकाव (क्यारका कविट्र निर्देश कवार कवार करा ঠেকত তথ্য খাবরা বাড়ি ভিতে খাসভুম। মামি বিম্নতে কাভুম शांनरक नारव बारव कालन बुरवाब किटन कामरक वन । बीचरन विवद-मध्येरकत श्रवादे बरक क्षेत्राहम, क्षेत्र त्वामा श्रक्तकित प्रत्या । श्रे इम्हन-क्या करनव केनरव रकारम 'नावू नरक नुनरेनरी', रब्बारम क्रावन পৃথিৱী মাধাৰ ভাষাৰ বোমটা টেনে নিজৰ জোগলাৰ কলে কলে কল লেতে নাবা বাত আড়ি পাততে -- নেইখানেই তীপুন্নৰে প্ৰথম চাব চলেং fenn erefen, contine uret ne telle aufen minet anne mit त्में मानिपूर्ण श्राम-विशरमंड प्रशाद मरना क्रिट मानि, *ए*व क्रिया कटक क्षणार्वकीय विकास देकमारम मासम्मरकाकारक लक्षमानः चामार विवादकत भव छ वस्तत कलकाप्ताव भरीकाल बाकाट्य (काउंट्य : प्राप्त भार भाश की माछ वहत शक्ति काल्यारमद देख सावारमद त्वी स्टम्ड वामक्यार विक्रानिक कुमूब्यस्मव भारत छाव मीवनू कुळनच्य वाक्तिक उद्धमस्य । श्रीवास সেই এক সন্তৰ এমনি কৰে কাউন। আৰু খিতীয় সন্তৰ আয়ন্ত হতেছে

ভাষেত্ৰ দেই শুক্তশন্ধ এনেছে দে কথা আৰি খ্যো কিছুবেকী জুলাই শাৰ্ছি নে। প্ৰথম জিন দিন খ্যো কেন্টে গেল , বিজ্ঞাৰ অনে পতাংক কি মা কানি নে, কিছু মনে কবিকে দিল না। সৰ একেবাৰে চুপ কৰে পেত গান থেকে লেছে :—

> কৰা বাদয়, মাহ কাদৰ। শৃক্ত মন্দিৰ মোৰ।

ेरिकार ता योगिय गृष्ट केंद्र ता योगितवर्थ गृष्टकांच प्रत्याच वीगि आरख । विक विकारण ता योगिय गृष्ट कर्ष ता योगिय चाका मिकक, तानात्म कांब्राव नकन त्यक्तवा त्यामाव ।

আৰু আৰাৰ কাৰা বৈজ্বৈ লাগছে। এ কাৰা আহাৰ আহাছেই হবে: আৰাৰ এই কাৰা কিছে বিষদকে আৰি ৰক্ষী কৰে বাৰত, এক্স কাত্ৰক কোন আমি না হই। ভালোবানা বেবানে একেবাৰে হিলা। হছে গোড় কেবানে কাৰা কোন কোট বিবাহক বাৰতে না চাৰ। ১৯ কন আহাৰ বেনা প্ৰকাশ পাৰে জাভ কৰ বিষদ একেবাৰে মুক্তি পাৰে না।

িক জাকে আমি সম্পূৰ্ব মুক্তি থেব, নটলে বিধাৰে ভাত থেকে আমিও সুক্তি পাৰ না। আৰু ভাকে আমাৰ সামে এবং বাদা নিজেকেই নাজাৰ জালে অভিনে বাদা মাত্ৰ। ভাতে ভাবন কিছুট সকল নেট, ক্বা গোনেটট ছিটি ভাক, ছুটি নাজ। ভাব ব্ৰেড মানিক হবে ঘটি মিলা। একে পালাস পেতে পাৰ।

কালিবাসের করুসাহার কাবোর উপর বরাবর আলার একটা স্থান । স্থানি স্থানিবার সময় স্থানের সাধি, সময় মধ্যের ভালি কেলনামায় ক্রেমনীয় পাষের কাছে পজে প্রকারের পূজার উপচার যোগাছে, জনচেং। আনন্দনীগালে এবন করে প্র করতে মান্তম পারে কী করে। এ কোন মন্তের নেপার করির স্তোধ সুলে প্রচেচ্ছ। আনি যে মদ এত খিন পান ক্যুছিলুম জার বর এত গাল নর, কিন্তু তার নেশা তো এমনিই 'হীর ই এই নেশার বৌকেট আল সকাল গেকে তান গুন করে মবছি—

किया नामन, मार्क क्षामन ।

नक मन्दिर (मादः

मृक्ष मिन्दा र नगरक शक्का करत मा । यात तरका मिन्दा किरत राज्यार मृक्ष करा । यक्की मिन्दारक मिना तरत रकर≥िक, काहे पारत कीतरमध तमा नगरा स्वाक मिना करता रजना ।

ल्यानाव परवर रलल्क रप्तक उक्टा नहें सामरह सास महार निर्माक प्रति प्रकार प्राप्त राजार प्राप्त कर साम महार निर्माक कर साम कर प्राप्त राजार प्राप्त राजार प्राप्त कर साम इक्टा निर्माक कर साम कर

बन्धाद भूरता कर- वामि स्वाधाव भारतव बुरमा निवादन करत बाक बाधाव दक्के काञ्चल दश्याकाव नहींका कवाल बदलकि । विमन बनात, मांक ! विध करण करते (ब्राह्मा नहें, का करण कक्करण से क्राह्म संबद ना --- नहें कार्यात क्षित-महिक्तिक त्यासार यह . यह यक्षी मुक्क कारक रा भाषात १८७ सम्ब काटन, कार द्वाप वह दक्के का नहरू मा। हो स्थल ककि biffi (कार्टि) किस्टिमर बाधा चावार सम्मिनात कार एउट का हर गाव লাভ লিকড় হোলে প্ৰায়েছে জা আৰু প্ৰয়ত্ত কৰে অভ্যন্ত কৰণ্ড কেবল্ড ব্ৰহ্ম আৰু ्वाप्ता किस कदि सि (चेत्रेक्सम यस निकाति कांद्री कांद्री फररहर्ड (९ फान कृति পার কো শ্রেষ্টা নতা, করা প্রতিকোভাটা পর্যন্ত কোকে দেশের বহুলে চংগ্রা সেই अन्तर्व एका मच्छी फार्म करामक केंग्ट किय मासूब मार्मादकामांव अवि file un nun wie wie wie tenie bewein innin ente gefühlte উপর চেরার পাছদে ৷ জেবি আমেবর সেই ছবি ভামনিত্র রায়াছ, ভারে দামনে पान शिक्ष क्रमान करता करता कर साह पार्छ। उपनाराह स्वाव ेन्द्रात्वस श्रुविक सूर्य ८कारमा विकास १मह । १ एव १४१क ४१ स्थानिक र्गानवा करेराका समाहि ब्यांक काबांक महा देनहर्गत । इस एवं १९८मी १,वार्ट्स 李門區 建丁嗪 排除物料 法代别者 人物代明 (中央宣传中) [中京中代 《山東门 中下衛 《東京鄉。 रशास्त्र आहेकि प्राप्त उन्ने औरहम् कार्याः प्रीकृतन्ते। उत्तम कहम्प्र--- कर्त रस्त्री रमाभित विश्वप्रकारक अविधारतह अगुका चिनिकार अगुक लाउर र

মেন সময় হঠাৎ পিছন খোৰ বিমল গতে মধ্য চুকে শভল ।

গাঁহি ভাছাজান্তি ভোগ ভিতিতে নিয়ে লেগালং পিৰে গোৰ গোৰ কালুহ,

গাহিলেন্দ্ ভাইলে বইবানা নিতে আপতি । টে বৈলিয়ভটাও জেগাৰ কী
া গৱাৰাছ ছিল ছা ছো জানি নে ৷ কিছু এখানে মাহি মেন মুপানাই।

নান মন্দ্ৰিয়াকী, কেন এজন ভিছুব মধ্যে ভোগ নিবে গগৈতি গা পুলানাই।

গ প্ৰিয়ে বাজবাৰক যোগা । বিমানের মুখের লিকে মাহি ভাজাতে পাবনুষ

নি সাজাজান্তি বেবিয়ে জেনুষ।

নাইবে আমান কৰে কলে বৰন কট পঢ়া অনন্তৰ হতে উঠাল, বন্ধ জীতনেৰ বা-কিছু সমান্ত কন অসান্য কৰে কাছালো— কিছু দেবতে বা অনতে, কাতে বা অনতে নেলমাত আৰু প্ৰবৃদ্ধি বটল না— বৰন আমাণ সমান কবিছাতের দিন সেই একটা মুহাঠের মধ্যে কমাট হতে আচল বাং আমার ব্যক্তর উপর পাথাবের মতে। তেপে বসল— ঠিক সেই সমাতে পদ্ধকটা স্থাভিতে গোটাকান্তক কুনো নাবকেল নিত্তে আমার সামনে গোপ করে প্রায় করে।

व्यापि किसामा करम्य, अभि, पकु १ अ स्थ्य १

পঞ্ আমাৰ থেজিবেশী অমিগাৰ ছবিল কুকুৰ প্ৰজা, মান্টাৰ-মন্তাহ ৰোগে ভাৰ সভে আমাৰ পৰিচয়। একে আমি ভাৰ ভমিলাৰ নই, কং উপৰে সে পৰিবেৰ একদেশ, এব কাছ খোলে কোনো উপচাৰ প্ৰধ কৰাৰ অধিকাৰ আমাৰ নেই। মনে ভাৰছিলুম, বেচাৰা বোধ হব আন নিজপাৰ হয়ে বক্লিশেৰ ছবে অস্তুগা হাছেব এই পথা কৰেছে।

প্ৰক্ষেত্ৰ টাকার থপি খেকে ছুটো টাকা বের করে বন্ধন ক্রকে দিও বাজি অখন ৬ জোড-কান্ড করে বন্ধনে, না গছৰ, নিজে পাবৰ না।

CH की. मकु १

না, জবে খুলে বলি। গড়ো টানাটানির সময় একবার জন্মবন্ধ সমদাণি বাগান থেকে আমি নাবকেল চুবি করেছিলুম। তেলানু দিন মরছ, ভাই লে'ণ করে দিকে এনেছি।

আমিহেন্দ্ জনাল পচে আল আমাত কোনো কৰা হস্ত না। বিষ পাছত এই এক কৰাত আমাত মন খোলনা বাত লেল। একজন প্ৰীলোলন সালে বিলন-বিজ্ঞানের স্বান্ধন ভাতিতে এ পৃথিৱী আনেক বৃত্ত বিস্তৃত। বিশ্ব মাজবের জীবন, ভাবই মাজবানে কাছিতে ভাবেই আন নিকেক তাসিকাশন প্ৰিয়াণ কৰি।

भक् बाबाद बालीक-क्लारहर अक्कन कका। रक्कन बरह अह मः भार

শামি এক সময়ে একে বিজু লান করাত চেষেন্তিপুম। মাসীবিংশশার্থ নামানে কালেন, মোমার লানের বাবা মালনকে তুনি নই করাক পাব, জাব নই করাজে পার না। জামিনিধের বাংলালেশে পঞ্চ তো একলা নহ। প্রথম শোলর কানে আৰু ভ্রৱ প্রক্রিয়ে এলেড়ে। পেট মাতার ভ্রৱ কৃষি জো আমন করে টাজা লিডে বাইনে থেকে ছোলান্ডে পাবরে নাছ

এই সৰ কথা ভাৰতাৰ কথা। বিধ কৰেছিল্ম, এই ভাগনাকেই আন দেন। সে দিন বিষ্ণাকে এনে বলস্থ, বিষদ, আমাদের ভাগনের জীবন সেশের মধ্যে ফুল-ছেলনের কাজে লাগান।

বিষদ রেসে বললে, ভূমি দেবছি আমার রাজপুত্র দিবার্থ। সেখে। পেরে সামাতে জানিত্রে চলে করে। না।

স্থানি কল্ম নিভাবের ওপভাগ রাব হী ছিলেন না, সামার ক্সভায় বীকে ভাই।

बस्बि करव क्यांके। क्रांतित केमक किएको एनम । ज्यामाम विक्रम, प्रकारक,

बारक बरम 'बहिना' । स बिक्स महिरवह एवं त्याक अध्यक्ति, किन्द स बाबी : क सारम, माना मीरहर ट्यांनेव कारमव समझान कारमा-प्रमाय पानवापी विकारमं क्रमहे शिक्ष भारत्य। फारम्य (क्र) चामाव चाकरतहे. किम एम व्यक्ताव कारमञ्जू भएक व्यक्तावह नहा । कावी व्यापनाव हीनकाव इंतिज्ञाव बाहाडे संबक्तिक । १४६म (७९८) स्ट्रांट्स कर बालमात साहित रेपान्ड हिंदिक बादक । भाष्ट्रिक रक्षेट्रे साहा कवाक रसामहे एत्य क्रम व्यक्तिक भाव द्वित्य भट्ड । द्व भाविकारकार स्विमाद्य भव दक्षाकी द्वारकी कारण्य भाषा भाषाक्रम प्रमा (कार्ट्डा १६१८)। त्योत्तर्वय भागम त्यत्र थिए। त्यायाः percu men entere merma Bumen afina merca fuente mencumunti क्षको। त्कोनीस कार भारतकात ग्रं काम भारत विमानत राक्त त्महै सिस्मान भारत । तम अनवास प्रकृत भोर्क ही नाई । भाषात प्रकृत तार कर करन क्षा क्षणहराव बदक्षत भागाना जाता नाम गावा भामात मेहा बहार । फारम्ब भीड बरन प्यायाच रचरक अटकबाटन मटन रक्षरम उन्हांन क्रिक लानि उन काकार आकारमा (कारम काकाराकार कार कारावर प्रकार कार कार्या व्यक्ति कार्या श्वाचात जीएक (लाक यक नांगांक कांद्रजन्मी नांगांक, जाता यह मदाक WICKSTE SETS

বিষদকে আমার সাগনার মধ্যে পাই নি । আমার ভীবনে জান বিমলকে একেই প্রকাশ করে চুলেভি যে, ভাকে না পালহাতে আমার সাগন ছোটো হরে গোডে । আমার ভীবনের লক্ষাকে কোপে স্বিরে শিবেভি বিমলকে স্বায়ন্মা লিভে হবে বলে । ভাতে পরে হয়েছে এই যে, ভাকেই দিন-বাদ সামিয়েছি, পরিয়েছি, শিশিয়েছি, ভাকেই ভিবনিন প্রস্কিপ করেছি— মাচ্য বে ক্ষান্ত বছে; ভীবন যে কড় মহাই, সে কথা পাই করে মনে রাখতে পার্বি

ভৰ্ এও ভিতৰেও আমাৰে ৰক্ষা কৰেছেন আমাৰ মাণ্টাৰ-মুলাৰ— ভিনিই আমাৰে বডটা পেৰেছেন বড়োৰ দিকে বাঁডিংছ কেছেছেন, নইদে भाकात्मक किर्म व्यक्ति मर्नमार्थक मरशा व्यक्तिक राष्ट्रक । व्यक्ति केर्नमाङ्गकी । व्यक्ति केरक व्यक्ति मर्मा केरक रहे व्यक्ति रहे व्यक्ति रहे व्यक्ति व्यक्ति

भाषात्क भन्न कैनि महात्मा तन महरहरून पाव मृहदर्श निवृद्धिणान हाह भाषि मधीन दृष्टि । भाषि भहरीत भाष्ट्रक प्रस्कृत भानि भाषाद् वाष्ट्रहे भहनून, भक्ष कादनाय काळ करहरून ना

িঙনি সমসেন, মেসেং, এডামাকে আগমি বা দিড়েছি ভাব দাম। দেবৈছি। দাব ডেমে বেশি বা দিছেছি বাবে সাম মদি নিষ্টা ভা হলে আনাব কলবানকে। গাটে বিক্তি কয়া হবে।

বরণেশ্ব হার বাদ্য (মধ্যে রোলপ্রাই মাধ্যে ববে চল্ডনাগ্রাব্ আমিকৈ
প্রাকে এবেছেন, কোনোনারের আমাদের গাহি (মাছা উবে বাবহার
বরাতে পারপুর নাঃ বিনি বল্ডেন, আমার নাবা ভিরকাল ব্যাহল) থেকে
লালনিত্বি প্রথম গ্রেটে ভিয়ে আপিন করে আমাদের মাছার ব্যেছেন,
লাভাবের প্রান্তিভ্রেন্ত কর্মনা ভালেন নি, আমারা হাজ্য পুরুষায়জনীয়
প্রথমিক।

भावि करुनुष्, भारत भाषापुरत तिनदक्षणा काच उन्हों नाक सिम ।

ৰিনি কালেন, না ধাবা, আমাকে তোমাকের কাড়ামাছবির কাছে। সংক্রান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত্রামান্ত

ইার ছোলে এখন এম এ পাদ করে চাকরি খুজার জামি কলপুম, মামার এখানে হৈরে একটা কাল কমে পাবে : ডোলবন দেই ইচ্ছে পুম ছিল। প্রথমে সে ভার বাদকে এই কথা কানিবেছিল, সেখানে ছবিধে শাং নি। ভাৰন পুকিছে আনাকে আকাদ হবাঁ। তথনই আমি উৎসাহ কংগ চন্দ্রনাথবাবুকে কালুম। ভিনি কালেন, না, এখানে ভাব কাম হবে না:— ভাকে এক বড়ো ছবোল থেকে যকিত কথাতে ছেলে বাবেৰ উপৰ খুধ বাধ করেছে। সে খেলে প্রীচীন বুছো বাদকে একনা কেলে কেলুনে চাল দেল।

ভিনি আমাকে বারবার বলেছেন, খেলো নিবিল, তিনার সহতে আহি বানীন, আমার সহতে তুরি বাণীন, ভোমার সংক আমার এই সহত : প্রকাশের সহতকে অর্থের অঞ্চলত করলে প্রমার্থের অপ্নান করা হয়।

নশন জিনি এখানকাৰ ওনট্টেন্স স্থানের চাত মান্টারি করেন। এক নিজিনি আমানের বাচিত্রে পরস্থ পাকতেন না, এই কিছু দিন পেকে আনি
আহু সন্ধেকনার তার বাসায় সিতে বাহি ওপাবোটা কপুর পরস্থ নানা কথা।
কাঠিছে আসন্ধিলুম। বোধ হয় ভাবলেন, ঠার ছোটো ঘর এই ভাতমানে
অমটে আমার পাকে কেলকর, সেই কাতেই তিনি নিজে আমার এখানে
আর্ছি নিজেছেন। আশুই এই, বাচামান্তারের 'প্রেক্ত ঠার প্রিবের করে।'
সমান কয়, বড়োমান্তারের চাধ্যকের তিনি অবজ্ঞা করেন না।

শ ৰান্তব্যক বত একাক কৰে দেখি অভাই সৈ আনাকের পাৰে কলে আজাসমাত্রে সভাকে কৰন দেখি অভানই মুক্তির চাওবা লাবে নালে। বিদ্যালয় আমান্ত জীৱনে সেই বাজাবকেই এড বেলি ভীত্র করে কুলেছে তি সভা আমান্ত পক্তে আক আজার হবাব জো হয়েছে। ভাই বিশ্বস্থাণ কোখাও আমান্ত আমান্ত আই আমান্ত আমান্ত

अन्य नामकः, यात्र काम्य ।
 मृक्ष यक्तिय (यात्र)

হৰন চন্দ্ৰনাথৰবেৰ জীবনেৰ ব্যৱহানে তেকে সভাবে কেবছে পাই ছখন ৬ গানেৰ মানে একেব্যুৰেট কলে যাহ, ভখন—

> বিজ্ঞাপত্তি কাছ কৈলে বেগ্যাহৰি ছবি বিজ্ঞা বিজ্ঞানিক। ৮

বছ কুৰ, বছ কুৰ, সৰ ৰে এই সভাকে না পেছে। সেই সভাকে জীপন কৰে না নিছে দিন-ভাছে এখন কৰে কেমনে কাইবে হ আৰ (২) পাৰি নে, সভা, কৃষি এবাৰ আমাৰ কৃষ্ণ মন্দিৰ ভবে হাও।

বিষ্ণার আত্মকথা

সেই সময়ে হঠাৰ সম্প্ৰ লা লালেলেৰ চিঞ্জ ৰে কেমন হলে লেল ভা ৰলাতে পাৰি নে। বাট হাজাৰ স্থাবস্থানেৰ ভাইৰেব 'পৰে এক মৃহতে তথন ভাইৰিবীয় জল এলে পাৰ্ল কৰলে। কাত মূল্যুপাছাৰেৰ ভাই, বসাভালে পাছ ভিশ--- কোনো আগনেৰ ভাগে জলে না, কোনো বাসৰ মিলালে লানা বাদে না--- দেই ভাই হঠাৰ একোৰে কথা কৰে উঠল, কললে 'এই-বে আনি'।

নইয়ে পাচেতি, য্রীস জেলেও কোন মৃতিকর কোনতার করে আপনার মৃতির মনো প্রানশকার করেতিলেন— কিছু গেই রুলের তেজে প্রান্থর মনো একটা ক্রমণ বিকাশ, একটা সাধনার ঘোষ আছে। কিছু আমামের সেলের মনো একটা ক্রমণ বিকাশ, একটা সাধনার ঘোষ আছে। কিছু আমামের সেলের মনো আনানের কল্পরালির মধ্যে সেই ছলের ঐকা ভিল কোমায়। সে বলি পাছান্ত্রিক আছিল কোমায়। কা ভিনিল কাত তা হলেন এক বুলাকুম— অকলা পাছান্ত্রিক ডেছা এক কিন নাহ্য হয়ে উঠেছিল কিছু গ্রেমণ কাছানে, ব্রেমণ কার্য মুটোর কাক দিয়ে কেবলই গলে গলে পতে, বাতালে ইন্ত উল্লেখ্য হয়। এ যে বাল হয়ে থাকে, কিছুতে এক হয় না। অবচ সেই জিনিল হয় যান। এক কিন আমামের ঘনের আভিনার কাছে একে ব্রেমণ্ডরানে কলে উঠন অসম্বাহন ভোটা।

ভাই সামাদের দে দিন মনে হল, র সমস্তই আলৌকিক। এই বাইমান মৃত্যুক্ত কোনো অধারসোক্ষার দেশতার মৃত্যুক্তির খেকে মানিকের মড়ে। একে বাবে স্থামাদের হাজের উপর খলে পড়ল: স্থামাদের স্পর্কীতের লগে স্থামাদের এই বর্তমানের কোনো খালাবিক পারস্পর্ক নেই। এ দিনটি স্থামাদের সেই ওবুদের মজো খা খুঁকে বের করি নি, খা কিনে স্থানি নি, খা কোনো চিকিৎসকের কাছ থেকে পাওয়া নয়, বা স্থামাদের স্থাক্ষর। াই কৰে মনে কৰু, আমাদেৰ সৰ দ্বাধ মন ভাগ আপনি মুছে সোৰ গাবে : সঞ্জব-ক্ষমন্তবন্ধ কোনো সীমা কোনান এইল না : কেন্দ্ৰই হনে হাজ লাহল, এই বন্ধ বালে, হল যালে :

আমাদের দে দিন মনে হৈছিল, ইজিলাদের কোনো বাংন নেই, পুপাক ববের মহারা দে আপেনি চলে আলে , বিশ্বস্থ ভার মানালকে (কানে) নাইনে দিয়ে বছ না , ভার খোরাবির করা কোনো কানে। নেই, কেবল কান কলে কারে মাদের প্রভাগ করি করে দিয়ে হয়--- আব, ভার পারেই হরাৎ একেবারে প্রভীবে অপ্রভাগি।

খানাৰ খাষী যে খাৰিচলিত ছিলেন ছো নছ। কিছু সমান্ত উল্লেখনাৰ নামে উল্লেখনাৰ নামে উল্লেখনাৰ নামে উল্লেখনাৰ কৰাৰ (ঘট) সাখনে দেব। গান্তে উল্লেখনাৰ বিষয়ে কৰিব নিয়েশ বিষয়ে আৰু চক্তা কিছুকে দেবাকে লোকেন। মনে খাছে, সন্ধীয়ালৰ সভা কৰাই ছিনি এক দিন বলেছিলেন, স্পীয়ালা হস্তা গোল খালাকে, সন্ধীয়ালাৰ কাছে ইনক দিয়ে বাছ, কেবল কেবাবাৰ জ্বাকে বে বাৰে প্ৰহল কৰাৰে লাভি খামাকেব নেই, বাকে খাবৰ মধ্যে নিমন্তৰ কৰে বাৰাক কৰাৰ ক্ষায়ালা খামাৰা কবি নি

সন্দীপ বন্ধনে, দেখো নিখিল, সুনি দেৱবাকে মানা না, দেই কল্পেই মেন নাক্সিকের মাজে কথা কথা। আমহা প্রাকাক্ষ ক্ষেত্রি কেবী বহু নিজে অস্ক্রেন। আহি, ভুমি অবিশ্বাস কর্ম।

আমাৰ শ্বামী বললেন, আমি দেবৰাকে মানি, দেই কাজেই ক্লুখবের নাবা নিশ্তিত জানি ঠার পুঞা আমহা ফোটাতে পাৰপুন নাচ বই জুলার বিভিন্তেজার আছে, বিভাবত নেবার পাঞ্চ আমাদেব বাকা চাই।

শারার স্থানীর এট রক্ষের কণাথ খামার ভারি রাপ থক। শার্মি উক্তে ব্যৱসূত্র, তুমি মনে কর সেলের এট উদীলনা, এ কেল্ডমার একটা নেশা। কিন্তু নেশায় কি শক্তি গেয় না ?

किनि कारतन, पक्ति त्या, विक पण तर ना

আৰি কালুন, পঞ্জি কোতা দেন, সেইটেই ছুৰ্গচ। আৰ, আছু জে সামান্ত কামাৰেও নিতে পাৰে।

খাৰী হেনে করণেন, কামার তো খবনি কেয় না, ভাকে লাম কিছে হয়। সম্বীপ বৃদ্ধ ক্ষমিকে ক্যানেন, ধার দেব গো দেব।

স্বামী কললেন, যখন লেখে জখন স্থামি উৎস্বের রোপনাচীকি বাছন। পেব।

সন্দীপ বক্তেন, ভোৱাৰ বাহনায় আশাহ আহবা বনে নেই। আমানের নিক্তিয়া উৎসৰ কঢ়ি থিছে কিন্তে হবে না।

व'रम जिनि दीव काश (पाठे। नवाब मान नवानन--

আমার নিক্ডিয়া বসের বনিক কানন পুরে পুরে নিক্ডিয়া বালের বাঁপি বাজায় মোচন করে।

আমার বিকে চেরে রেনে বকরেন, মকীরানী, লান ববন প্রাণে আনে জবন প্রাণ করে বলার করেই করেই পাইলুম । প্রার কোবে পাইলে গানের জোর হালকা হয়ে যায়। আমানের লেপে হঠাৎ স্তরপুর গান এনে পড়েছে, এখন নিবিল বলে বলা করেই ক্রেছা থেকে পার্থম সাধ্যমে পার্থম, ইজিয়নো আমার ভাঙা প্রায় মাডিছে ছেল্ম ।

আমার ধর কলে, তুই কোখার বাবি, বাইবে সিবে সন বোরাবি। আমার প্রাণ কলে, ভোর যা আছে সন থাক-না উচ্চে প্রভে।

আঞ্চা, নাধৰ আয়াদের সর্বনাশই ধবে, কার ধেশি কো নয়। বাজি আছি: ভাতেই বাজি আছি।

> কলে, বাছ খদি তো বাক-না চুকে-নৰ হামাৰ হানিক্ৰে, আৰি এই চলেছি মহলছবা

निएक भवान भूरवः

भारतम क्या इराष्ट्र, निवित् भारतास्त्र यम कृत्याह, भारता स्थानानानानाव मांत्रस प्रत्या विकास गृहत्व ना, भारता भाषान्भारतात् भारत व्यक्तिस महत्व :

ভাৰে আপন বাবা কাছে টানে

এ বদ ভাৰা কেই বা জানে--আবাৰ বাঁকা পাৰে বাঁকা দে বে
কাক দিবছে বুৰে :

এবাৰ বাঁকাৰ টানে সোকাৰ বোঁকা
পত্নক ভাৱেচুৰে :

মনে হস, আমাৰ স্থামীৰ কিছু বলবাত আছে - কিছা তিনি বলবেন না, সংখ্যে আছে চলে লোকেন :

নহন্দ্ৰ দেনের উপর এই-বে একটা প্রবন আবেল করাং কোর পালন এই এই ছিনিন্টাই আমার জীবনের হাবা আৰু এক প্রথ নিবে চুকেছিল। আনার জালাদেবভার রখ আনতে, কোবা থেকে ভাব দেই চাকার পথে দিন-রামি আমার বুকের ভিত্তর গুরু কর্ করাছ। প্রতি মৃহত্তে হানে কথে লাগন, একটা কী প্রমান্তর একে পদল বান— কার করে আনি কিছুমার লাগী নই। পাপ ৮ বে কোরে পাল-পুনা, বে কেনের বিচার বিবেন, বে কোর মহা-মায়া, সে কেন্ত্র থেকে সম্পূর্ণ নার বাবার পথ হরাও আগেনিই বে বানে ব্যেছে। আমি কো একে কোনো নিন কাননা করি নি, এক কলে লাজালা করে আন থাকি নি, আমার সমন্ত্র জীবনের নিকে আকিয়ে লাগা বার পুন্ধা করে এন্ত্র, নর নেবার কোনা র বে এন আবি-এক দেবজা। নাই, মান্তর শ্রেল ব্যেন্ড কোনে উঠে সম্বাবর নিকে ভাকিরে হঠাও বানে উঠেতে 'কাল মাতবা' আমার প্রাণ তেমনি ববে ভার সম্ভ দিরা উপশিবার স্তবে বছরে আন বাজিরে তুলেছে, বলে— কোন্ অভানাতে, অপুরতে, জোন সকল-পঞ্জি-ভাটারে।

(भागत शायक माम भागाव भीगामक शाक्षक भावत दहें विका अक जन किन भागन नाटक भारत भारत भारत भाषात निकास (बाक केंद्र स्थान धारमय क्षेत्रव माहित्वकि । भाषात्रमय वालारत्यव भाक्षिम (अविदेश साथभावः Micha (Mis. Big Bece nicue un nicue bicae fame fece afte भग नावा फार्कम भवभारत स्टाब राजधा मध्यक्ष र्याम विवास सर्वित सर्वित सर्वित माना कान जरू कानी समित भागत महत्वा माकडे मानवहान समित्र बाहरक भामि मामदानद निदक ८५८६ त्यचरात ८५८६६, भाषाव त्यन वैर्गाहरू भारत স্মানাবর মতে। একটি মেয়ে। দে ভিল আপন স্মানিনার ক্যেন্ড আত फाटक कठांच अस्थानाच मिटक सांक भएकाकः। (म किञ्चत्र साचनाच मुख्य तुमान না, দে চলেছে সামানের সম্ভাবের , একটা দীপ কেলে ব্যব্ধন সম্ভাব मप्र जि । आधि शांजि, देवें एक उत्तर फार तक तक्ष्मत करव क्रिया सम्बद्ध भाषि कानि, एवं वयं एवटक येशन काकटक अब समाय मन अमनि कहव एमचारन कांद्रे रनरक त्व भव मान बरम्ब, 'रहन एनएकहि, रहन एनीएकबि, एवन छवन ८५१व नरम ५-मार्गन् एकारमा क्रम (महें हें भा, ६ एका मार्ग्ड) सम्ह महासाद श्वम भिएक करन, प्रश्वकारक नानील खानाएक करन, परवक परना बोडे किएक करते. (म बाभा तका तथ (भगारत चारत भा। क चाक चक्किमाविकाः ६ भाषात्मव देवकवानमावनीव तमन । त यव तकत्राहरू, काक अरमहक । त चारक ८क्षवन संबंदीन सहित्य । एम्डे सहित्यत एम क्ट्रक्टक प्राप्त किक मह কি কোখাৰ সে কৰা ভাৱ মনেও নেই। আমিও সেই **অভভাৱ লা**হিব व्यक्तिगारिका । व्यक्ति घरत शारित्यकि, भवत शारित्यकि । क्रेमाइ अवेद अवा करेरे मामान कारक अटकनारत कालमा हरत रमाक, रक्षक कारक कारण चार हता केटर विभावती, बाज रचन वाहा हर रमाहार करना रक्षता

পাধৰ বে ক্লিকে দেখাকৈ পাৰি নে :—কিন্তু কিবণ কেন্, মন্তৰ । এ কালে ধৰকাৰ বাঁপি বাজানো লে বনি আবাৰ সংনাপ কৰে, কিন্তুই বনি ধে আবাৰ বাঁকি না বাবে, আৰু আৰু আবাৰ কাবনা কিলেব, সংগাৰে, আন্তান কৰাৰ আবাৰ কাবনা আবাৰ সহ কাবনা একেবাৰে বিশিক্তে বাবে । আৰু পাৰে কোবাৰ কাপো কোবাৰ মঞ্জ, কোবাৰ বানি কোবাৰ কালে।

ा विस वारतारम्य समावय करम पूर्ता हेमग्रिम (४०६) करहिम । आहे र नारक बवाब सम् का रम्पाक एमपाक यो थे। करब वरह कैंक्षिम । बाला सान उ स्मारत मामका मानि जमारसम् निष्कृते चाव देशिका बाला बाल स. समीन करम करक मामक। जाक मिन मामारम्य ज निर्देश बाला लाखा माने समीन करम द्वार मामक। जाक मिन मामारम्य ज निर्देश बाला मामारम्य माने स्वारत मिन श्वरक कावक केमब (कारमा ठाम निर्देश कावन मामारम्य स्वारत मिन श्वरक कावक केमब (कारमा ठाम निर्देश कावन साथा कावन स्वारत । स्वारत केमजाव वाला कावन कावल कावन माने माने स्वारत द्वारत ।

নিক স্কীল্যাৰ বখন এবানে এনে বদলেন উচ্চ চেলারা চার বিক্ যেত আনাল্যান করছে লাগল, যাতে আন গাতে গাতাৰে বঞ্জাত যেত আকল— অতান এবানেও সেউ উইছে লাগল। এক লল জানীয় বুবক শীলের সংখ কৃটে লোগ। বহাবের মধ্যে নামন অনাতে ভিল গাতা প্রাচ্ছের লব। উপলালের শীলির বাবা আনাত ভিত্তার বাহিবে উজ্জাল হবে উঠাও।

টা কেব বোজা বেল, লেখেব ভাততার মধ্যে বখন আনক বউতে গাতে মন মার্ক্সী বিক্লিভ আলানি লেবে খাত। মাজারের শাক্ষ কর বন্ধন করন শালাভা ক্রিক বন্ধন কেবে আনক না গাতে।

াঁ সহয়ে সকলের চোৰে পদল আমাহ কামীর এলাকা কেকে বিলিডি

ছান, বিলিখি চিনি, বিলিখি কাপন্ন একনো নিবানিক হয় নি ঃ আনন কি, আমার ঘানীর আমলারা পর্বন্ধ এই নিবে চকল এবং লালিখ ক্ষে কীনকে লাগদ। অবচ, কিছু দিন পূর্বে আমার ঘানী বনন এখানে বংলী নিনিদের আমলানি করেছিলেন জগন এখানকার ছেলেন্ডের সকলেই জানিতে অন মনে এবং একাজে রামারাসি করেছিল। চিলি জিনিদের করে বগন আমারের স্পর্ণার যোগ ছিল না ওখন তাকে আমরা মনে প্রাণে পরকাকরেছি। এখনো আমার বামী তার পেই বিলি ছুবিজে বিলি পেনাগ্রিন, বালাছার কলমে লোগেন, লিচলের ঘানিতে কল বান এবং সম্বাণ সমতে লামারানে বিলি বাতি জালিয়ে গেশালার করেন। কিছু বাঁহে গৌজান্ত সামার মনের মধ্যে কোনো রস পানি। বরক্ষ জখন তার বসবার ঘরে আমারায়েনের দৈক্ষে জামি বর্ষের লাজ বাদ করে এবং কিন্তু কার্যার বর্ষের লাজ বাদ করে এবং কিন্তু কার্যার ব্যাসির করেনের স্থাস্য করে ক্ষান্ত বাদিনের স্থান মার্যার ব্যাসির করেনের স্থাস্য হয়। আমার বামী হেলে কন্যক্রন, এই সামার ব্যাস্থার নিয়ে তুরি অন্ত নিচলিত হল্প কেন গ

আমি কাতৃম, করা যে মামানের খনতা অভনুধ মনে করে বাবে।

তৈ তিনি বলগেন, তা ধখন মনে করার তাবন আছিও এই কথা যান
করব, করের সভাতা চামদার উপরকার সাধা পালিব পরস্ক, বিশ্বমান্তার
ভিতরকার লাগ বক্ষারা পরব পৌত্রহ নি।

चैत्र (करक अविधि नांवाक निकरत्तर परित्य केनि कृतवानि करव दाला । कद्य किन किन कारान नार्वा वानवाद वनत त्यान वानि तृति। त्याक निवाद विनिधि विन कार्डव कृतवानिश्य कृत नांविष्ठ स्थापंत । क्षापंत्र वान्य वान्य कर्म नांविष्ठ स्थापंत्र । क्षापंत्र वान्य वान्य

ক্ষম এ শহরে টার ক্ষমার উৎসাহবারণ ভিনেন ব্যক্তারানীণ জিনি এনেবারে বাঁলিরে এনে বলজেন, ঠাকুরণে, তনেছি, আছকাল নিশি লালন উঠেকে নাকি। ক্ষামানের বেল ভাই, লালন হাবার দিন উঠেই থেছে, করে করে বলি চাই না বাবে জা বলে লাখাক পারি। ভোষামানের বাহিতে এনে ক্ষমি এই এক ক্ষাহাল হবে গোছে। ক্ষানের দিন ছো ছোরই গৈছে, তবু সাবান না মেরে ক্ষাকত মনে হয় যেন লানটা টিকমানের বল্লা

তেটে আমাৰ আমী জাতি পুলি। বাজ বাজ দিলি সাধান আগতে লাচন। কে কি সাধান না সাধিমটোত জেলা। আমি বুলি আনি নেত্ৰানী কে বিলিভি সাধান মালাভন আজন সমানে ভাউ চলছে, এক দিনও আমাই নেই। এই দিলি সাধান দিয়ে উাৰ অপান্ধন বাচা চলছে লাকন।

আৰ-এক কিন্ন এনে কল্লেন্ ভাট ঠাকুজুলা, কিনি কল্ম নাকি উচ্চাত্ত ৮ বে ছো আমাৰ চাট। যাখা বাক, আমাকে এক ব্যক্তিল---

হাকুরশো মুখ্য উৎদাজিত। কলমের নাম ধার ঘাহ বন্ধার ইংজমের কাট্ট করন বেরিবেজিল সব মেজোবানীর খাবে বোলার হতে লাবল। পার কর ক্যোনো অস্থাবিবে জিল না, বেননা লোগাগড়ার সম্পার্ক করি জিল না বলানেই হয়। ধোরার থাজির জিলেন শক্তনের হাঁটা লিয়ে লোবাত ক্রান্ত ক্রান্ত কাও দেবেজি, লোববার বাজের করে করি প্রোক্তানা কালের হাজির ইংজর ক্রান্ত্রী আছে, বন্দন কালেকতে লোবার পর হার ক্রান্ত ক্রিক সেইটোরই ইংলার ক্রান্ত্রী আছে, বন্দন কালেকতে লোবার পর হার ক্রান্ত ক্রিক সেইটোরই

সামন কৰা, সামি বে সামান সামীৰ বেনালে বোল নিউ মে কেওঁটোৰ কিনা কৰাৰ বেবাৰ জন্মেই উচি এই বাবেটী ক্ষতেন। স্পাচ সামাৰ ইম্বাকে বিছ এই স্কানাৰ কৰা বনবাৰ কো দিল না। কাৰ্ডে স্বেটেই ডিটি মেন মুখ কৰে চুল কৰে বাক্যনেন যে, বৃষকুম যে উটেটী কল চল। এ-লব माधनात्म केमात्माव बान्ड (भारक गांडाएक (भारतके केमएड बह ।

দেশোরানী সেলাই ভাগোবাদেন, এক দিন ধখন কেলাই ক্যাড়ন ভগন আমি পাইই ঠাকে বলপুন, এ ভোষার কী কাও। এ বিকে ভোষার বিশ্ববাদের সামনে দিশি কাভিব নাম কর্তেট ভোষার জিল দিছে হব গড়ে, ও বিকে সেলাই ক্রণার বেলা বিলিভি কাভি ছাড়া যে জোমার রব ক্র চলে না।

নেক্ষেরানী বলবেন, ভাতে সেনে হবেছে কী। কত বুলি চছ বল দেখি। ছোটো বেলা থেকে এব সজে বে একসকে সেইছেছি, জোটের নার ককে আনি চানিমুগে কট লিডে পারি নে। প্রথমান্তম, এব আর তে কোনো নেলা নেই-— এক, এই দিলি সোকান নিয়ে থেলা, আরে এর এব সর্বনেশে নেশা ভূই-— এইপোনেই ও মঞ্জবে।

माबि तनमूब, याहे तन, (भाउ कर मृत्य क्रक खाला बहा।

स्मिकारामीय सामें मधानि मुनार मा, श्व अस मराज्यास जाना खूडे, ती स्मिजने संभारतः।

साम सामाद (करलडे बंदन इस, शूक्तमाम्यतः ६क्छ। दन्ता छाडे, 'वह स्म दन्ता राज प्रदेशमास्य भा कर।

আমাদের উপনায়রের চাই ও কেলার মধ্যে মধ্যে মধ্যে চাই। একন জোলার এ ধারে নিতা বাজার মনে, আন জোলার ও ধারে প্রাণ্ডি লানিবার হাউ লালে। বহার পর থেকেই এই চাই বেলি করে করে। ভবন নানি সংক জোলার যোগ হয়ে বাভায়াভের পর সহজ হয়ে যায়। ভবন বানি वाशामी नैस्पन कक नदम कान्यक्र चामकानि वृत्र (स्ट्रंड क्ये ।

সেই সময়টাতে দিকি কাণ্ডি আৰু দিনি জন-চিনিধ বিবাধ নিয়ে বাজাদেশের হাটে হাটে কুম্প প্রবাদেশ বেংছে। আমাদের স্কলেন্ট পূর একটা আৰু চত্তে বেংছে। আমাদের স্কলি এনে ব্যালান্ত, এছ বাছা হাত বাজার আমাদের হাতে আছে, এটাকে আলাল্যান্ত) পদেশী করে বুলার হবে। এট এলাকা বেংক বিলিভি অল্টাকে কুলোর হাত্যা নিয়ে বিলাধ করা চাট।

भावि (कामन तरेश कामुक् आहे देवींक .

मम्मीन सम्पन्नत् व निष्ट निर्मितन एक मामान महत्त्व करा कांग्राकाणि हार प्रमुक्त निष्ट्राक (पाटव केशनुम ना: स नान, नक्षान: प्रमुक्त करान, विक् कर्माव क्रमान ना:

মান্তি একটু মহাকার করে বলসুত, আছে। দে মাতি বেবছি ।

सामि कालि, सामाद केलव सामाद पामीद कारणदाना कर लंकीका ने कि सामाद दुक्ति दिन पानाद ना तर सामाद राज्य हुक्ति दिन पानाद ना तर सामाद राज्य राज्य निर्माण काला केलव कार्य वरात राज्य सामाद काल्याच गण कार्य राज्य कार्य कार्याच कार्याच गण कार्या राज्य कार्याच कार्याच गण कार्या राज्य कार्याच कार्याच गण कार्याच राज्य कार्याच क

্ষণন দেশ্য লাভ নি রাখ্য নাগন ব্যেক্তিন বালি। ভিশ্বন চোখে চোলে চেয়ে প্রত্য ক্রামণত দেশ ক্রামি।

জনন নান। ভানের ছলে ভান বিবহুছে বলে ভানে,

धावन मात्राव शकन केला वाशाव करन केला वानि ।

अहै-अब त्कवनहें अनास अनास बादि हरन निरविश्वम त कार्य বিষ্ণা। আমি পঞ্জিতত আমি বসতত, আমাৰ কোনো বছন নেই, बामार मरना गमकर महत, बादि शानिकूटक व्यर्त करकि छाटकरे हुन्य करत शक्की क्वाबि । नामन करत स्था करतांक कामात उन्ने कन्यांक , क्यानांत মান্ত্ৰৰ প্ৰশ্ৰহণি টোৱানাৰ আলে প্ৰতেৱ আকালে এক সোনা ছিল না चाय, प्रकार प्रवास चापि जावज करकि को नीसाक, को मायकरक, धा আমাৰ ভক্তৰে— এই জানে উন্ধান, তেখে উনীপ্ত, ভাবেৰ বসে অভিদিন धानने लाकिशारक। बाधि रम क्लेड मध्यत्रन कर्नाष्ट्र, तम महना लाफि कर আনি নৃত্যন প্রাণ চেলে দিন্তি, ও আদার নিজেরট ভারী। তে দিন অনেও অভুৱোধ করে স্থীপ তার একটি বিশেষ ভক্ত বারক অম্বাচরণকে ক্ষামান কাছে এনেছিকেন। এক লগু প্ৰেই আহি দেশতে পেলুম, ভার টেশংগ खाबाब मत्या अवठी नाउन शैशि कतन देशमा नवनम, तम आखानिकार क्ष्मराक (भारताक)। तुकारक भारतमुक, भर तरकार कामा कामावहे अक्रिस मान खादश्च क्टाइएक । मेदिकिस मामीम खामाएक उट्टम क्कालस, क की मन एकामान क शामक त्या भार तारे नामक तारे, कर भोगतक अब मुद्दाई निया ना रम्रहा । एकामात क भाकत्मक भरतत मरता मुक्तिम तांचरत एक । काम १८० स्थाते ज्यान्यतः अवस्ति अवस्ति वरत अवित्य क्रम्यतः क्रम्यतः अव निमं एव 🕫 (स्थासिय देशस्य साम्रत्य । 🍱

নিজের এই যহিষার নেশার মাজাগ করেই আমি ফনে ফনে ঠিক কংছিল্ম, জক্ষকে আমি বর্ষান করেব। আয়, এও আমার কনে ছিল্ম, মানি বাচাইৰ ভাবে কেউ ঠেকাকে পাববে না।

ा बिन मबीरमंद बाह त्यत्व किरत *धरा*हे हुन चून त्वता बाहि नी

বৰে মূল, বিষলুৰ। সাচেট্ৰ কেকে এটি চুলগুলোকে মাবাৰ উপজুৰ বিকে

ানে চুলে আমাৰ মেন আহাকে এক-ৰক্ম গোপা বিষ্ণান্ধ লিভিছেইকেন,

আমাৰ সামী আমাৰ লেই খোলা পুৰ প্ৰালোধালতেন । ভিনি বধান্ধন, বায় ভিনিদলৈ যে কক্ষ ক্ষমৰ ইয়ে পাৰে জা বিষ্ণান্ত কালিকাদেৰ কায়ে প্ৰকাশ ন কৰে আমাৰ মাজা আ-কবিৰ কাছে পুলে দেবাদেন। কিবি চক্তান্ধা গোলন পান্ধন্ধ মুগল, কিন্তু আমাৰ কাছে মান হয় যেন মুগল , যোৱ উল্লো গোলৰ কালো কোলাৰ কালো লিখা উপৰেষ দিকে অলে উচ্চেছে। এই বলে ভিনি আমাৰ দেই চুল-কোলা যাডেন্ড উপৰ--- হাছ তে, সে কৰা আৰু

ভার পরে ঠাকে কেকে পাচাপুম। আগে ১৯৯ ছোটোপাটো সভামিবা।
নানা ছুজোছা ইবর ভাকে পড়ভা। কিছু দিন খেকে চাকবার সর উপস্পাটী
কর হার সেক্টে, বানাগার শক্তিক নেই।

निविद्यालय बाख्यकथा

পদ্ধৰ শ্বী সন্ধাৰ ভূবে ভূবে ২বেছে। পঞ্চৰে প্ৰাৰন্ধিক কলতে চবে সমাজ হিসেব কৰে সমেছে, ধৰচ দালৰে সায়ে তেইৰ টাকা।

আমি বাদ কৰে কালুম, নাই বা কবলি প্রায়ন্তিত, ভোবে তম কিলেও। সে ক্লান্ত গোকর মতে। ভাব বৈষ্ণভাবপুণ চোপ তুলে বললে, নেংগী আছে, বিয়ে বিজে হবে। আৰু বউজেবন্দ ভো গতি কবা চাই।

আমি বলপুম, পাপট যদি হবে খাকে এন্ত ফিন খবে তার প্রায়ক্তিক ৩২ কম কম নি ৷

পে বললে, আজে, কম কী। সাজার ধরচার কমিকমা কিছু বিজি সাব বাজি সমগ্র বছক পড়ে গেছে। কিছু জন-ছক্ষিণে, ব্রাহ্মনজ্যেকন না হলে জো থাবাস পাই নে।

ভাক কৰে কী হৰে ৷ মনে মনে বৰানুম, যে আছাৰ ভোজন কৰে জাৰে ৷ পালেৰ প্ৰায়ন্তিত্ব কৰে হৰে ৷

अद्यक्त एका एक वजानवके क्षेत्रनारत्य भाव , भाव कार्यवाहरू, काव केतार अहे श्रीव किविश्मा अना भश्यात वेत्रनारत्य भाग अद्यक्ताद्व स्वस्था स्वक्त स्वक्त अहे भ्रमद्य एकात्म। वक्ष कदाव १ वक्ष भावमा नामाव स्वक्त एम अक महार्थे मामुद्र एकाभिदि क्षक कदान १ कार्यव इन अहे, काद एक्स्ट्रियाद्य एवं इस्ति भारत्य मा एक्सेटिके सूरम भावमाय अक्षेत्र। त्यामाय एम कृद्य वहेंन १ बूट्य नित्र भागावके। विश्वके भा, क्षण एक्सेम एक्सेम इन्यक्ति कार्यक्रिक स्वक्रमाय १ स्वक्रमाय अक निम दाद्य एक्स्ट्रियर कार्यक्रिक का्रा घटन एक्सेम एवंच एन देखांकि ११३ एक्सिय करम दास्ता

ত-সৰ কৰা আমি কিছুই কানতুম না। কামাৰ মনটাৰ মধ্যে তগন ক্ষুৰাক্তৰে বছন চলছিল। মাস্টাৰ-মশাহ বে গড়ৰ ছেলেমেডেগুলিকে নিম্পৰ লদাহ কেৰে মাছৰ কৰমেন দে কৰাও আহাকে ছাননে নিঃ ছুখন কৰে নিকের ছোল ভার বাইকে নিকে চেল্ন চলে লেছে। গরে ভিনি একলা, তার আবার সময় দিন ইম্বল।

নমনি কৰে এক মাদ বৰ্ষন কেটে প্ৰেছে ভবন এক দিন দকাল বেলাছ
পঞ্চ নাম উপস্থিত । কাৰ বৈবাংগাৰ খোৰ কেচেছে। বৰন কাৰ বাছা ছেলেমান মৃতি আৰু কোনোৰ কাছে মাতিৰ উপৰ বাদ ছোকে বিকাশা কবলে
বিশে, ফুই কোনাছ লিছেছিলি', সৰ ছোটো ছোকেটি ভাৰ কোন দলন কৰে
কানে, আৰু দোজো মোহেটি লিচেছ উপৰ পড়ে ভাৰ লগা অভিয়ে ধবলে—
কান কাছাৰ পৰ কাৰা, কিছুলে আৰু কাৰা বামকে চাম না। বলাক
লাগদ, মান্টাৰ বাৰ, এজনোগতে ছু বেলাপেট ভাৱ বানবাৰ সে প্ৰকিশ্ব নেই,
আলাৰ একেব কোনো আহি কী পাল কৰেছিল্য।

ধ লিকে যে ব্যারনাটুকু ধরে কোনোমতে তাব দিন চদছিল কার কর্মছিল হয়ে কেছে। প্রথম দিনকাতক এই বেমানীত মলাহের গলানে দে বাঁনা লোক কেইটেকেই দে টোনে চলাহে লাগল , তাব নিজেব বাহিলে নাডবার নাম কর্মছেও ভাষ নাচ লোকগলে মানাব মলায় তাকে বলালন, লক্ষ্য বুলি বাঁচিতে ব্যক্ষ নাটা ক্ষেমাৰ গ্রহণুত্তাকপুলো এই বাহ বাবে। আহি সামাকে কিছু টাকা ধ্যে চিক্তি, ক্ষমি কালাহের বাবেণ করে অন্ধ অন্ধ বাবে লোক ক্ষিত্র হাবি।

প্রথমটা পশ্ব মনে একটু থেগ চল ৷ মনে বাংলে, স্থাপনি খলে একটা কিনিস জন্মছে থেটা ৷ ভাষ পতে উপোনা নেপাৰ প্রথম নেপাৰ মনেশাৰ সকল সাধ্যমানী লিখিছে নিজেন জগন ভাবেশ পোৰ থকা বাংকে চাব--- এমন উপন্যান্ত্র মুখ্য কী ৷

মান্টাভৰদায় কাউছে বাইবের দিকে দান করে ভিতরের দিকে কী করতে নিজাত্ব নারাজ। দিনি বাদন, মনের ইব্দত চলে গেলে

बाइरक्ट क्षा वाता हत ।

জাও নোটে টাজা নেওয়ার পর পঞ্চ মান্টার-বলায়কে পুব বছে। কাল প্রদাম করতে আর পাবলে না, পাবের ধূলোটা বাদ পড়ক। মান্টার-বলার মনে মনে চাললেন, তিনি প্রদাষ্টা গাটো করতে পাবলেই বাঁচেন। তিনি কলেন, আমি প্রভা করব, আমাকে প্রভা করবে, মান্তবের কলে এই শংশুর আমার থাটি। তিনি সামার পাওনার অভিবিদ্ধ।

পক্ষু বিদ্ধু ধৃতি-লাভি কিছু কীতের কালভ কিনে আনিকে চাকিকের গংগ ময়ে বেছে বেভাতে লালল। নগদ দাম পেড না নটে, তেমনি কিছু বা গান, কিছু বা গাট, কিছু বা জন্ধ দসল যা চাতে চাতে আখার করে আনাড পেটা লামে কাটা বেড না। চু মানের মধ্যেই সে মান্টার-মলাবের এক কিছি জন এবং আসংলৱ কিছু লোধ করে দিলে এবং এই ভলগোদক আল প্রাণামেং থেকে কাটান শচল। পঞ্চ নিশ্বয় মনে করতে লাগদ, মান্টার-মলাবতে ল বে এক দিন গুরু বলে হাউবেছিল, ভুগ করেছিল, লোকটার কাকনেং প্রতি দুকী আছে।

चावि सममूद, तः चावि गावन ना । चावा समझ, त्वन, चामनाव स्थानमान इत्व ? বৃত্তমূহ, কৰাটা আনাকে একটু আগবান কৰে বনবাৰ কৰে। আহি তব্য গাজিলুহ, আবাৰ গোলদান নহ, গৰিবেৰ লোকদান।

যাস্টার-কণার ছিল্পেন , জিনি বালে উঠানেন, হা, ৬৬ লোকগান হৈছি, দে লোকগান ছো ছোলামের্ছ নত ।

पादा कारण, (मर्न्य करक-

মান্টাক মলাৰ ভাৰেৰ কৰা চালা দিবে বলনেন, দেল বলতে যায়ি ছো না, কৌন্যক মাজ্যই ছোঃ ছা, ছোমবা কোনো কিন একবার চোগেছ বোৰ একেব দিকে ভাকিছে দেকেছ দ আৰু, যাজ হসং মাজবানে লাড় বো কী ভান বাবে আৰু কী কালড় লগতে নাই নিবে অভ্যাচার করাজ গেছে । এবা বইবে জেন, আরু একেব স্কৃতিক দেব কেন্দ্ৰ

কৰিছ উপত্ৰ, আমধ্য নিজেৱাও এখা দিনি ভান, দিনি ভিনি, দিনি কংলছ প্ৰায়িত্ব

বিনি কালেন, কোমানের মনে বাল হংগছে, গেল হংগছে, নেই নেশার
নামরা বা করছ পুলি হংর করছ— সোমানের লগত লগতে, লোমরা কু
লামা বালি কিছে বিলি কিনিল কিনছ— সোমানের লেই বুলিন্তে করা ছো
বাগা লিছে না । কিছে কলের তোমরা বা করাতে চাল্ড লেটা করা কো
ইশরে ৷ করা বালিকিছি মরল-বাচনের উল্লেখ্যানিকে পাচ পালের লেব-নিগাল লক্ষ্য লয়তে কেবলমাত কোনোমনে উল্লেখ্যানিকে পাচ পালের পেব-নিগাল লক্ষ্য লয়তে কেবলমাত কোনোমনে উল্লেখ্যানিকে পাচ পার লাব না । কলের বাছে ইক্রী প্রমার লাম কান্ত লৈ বোমরা বছনাও করাত্র পাব না । কলের কান্তে ইক্রী প্রমার লাম কান্ত লৈ বোমরা বছনাও করাত্র পাব না । কলের কান্ত ক্রীয়াক্ষর কুলনা কোনার ৷ জীবনের মচনে বরাবর জোনার এক কান্ত ক্রীয়াক্ষর উল্লেখ্য চালারে ১০০০ ৷ মার, মান্ত কোনারালের কান্ত ক্রীয়াক্ষর ক্রীয়ার কান্তি লোমানের রাগের ক্রান্ত করের কিন্ত বিক্রিকে নেবেড় আনি করে। মন্ত পার্যক্র আনি ব্রয়োমান্তর, নেকা বলে ক্রোনারক নম্বন্তর করে পিছনে পিছনে চলতে রাজি আনি । কিন্তু এই পৰিবাৰের , খাধীনাতা জগন কৰে তোষৰা বৰ্ণন খাধীনাতাৰ ক্ষণতাক। আঞ্চলন কৰে ব্যেলকে জনন আনি তোমাৰ্টেৰ নিকছে গাড়াৰ, ভাষত গাঁদ মধ্যতে হয় কেন্দ্ৰ শীকাৰ।

কাৰা আৰু সকলেই মাংগাৰ-মলাবের করি, লাই কোনো কটু কথ বলাতে পারল না , কিছু বাপে তোগের বন্ধ স্বম হছে বুকের মধ্যে ছুটাও লাপন। আমার নিকে ১৮বে বলান, দেশন, সমন্ত্র দেশ আছে ছে এও গ্রহণ করেছে কোণা আগনি তোতে বাধা স্থেবন হ

আমি বনপুম, আমি বাধা দিজে পারি এমন সারা আমার কী আছে। আমি বহা প্রানশনে ভার আওকুলা করব।

্রম: এ জানের ছার্টি বাজা হাসি ছেন্সে বললে, কী আছেকুলাটা করমেন চ

আনি ব্লপুম, বিশি নিল পেকে দিশি কাশ্য দিশি ছাটো আনিত্ত আনহলেক কাঠে কাশ্যিকি : এমন-বি, অন্ত এলাকার কাঠেও আমণ্ড ছাটো শানাই—

সে ভারটি বলে উঠন, কিছ আমবা আপনার হাটে সিত্তে দেখে এসেছি: আপনার দিশি প্রযোগ কেট কিনছে নাং।

আমি বসনুম, দে আমাৰ বোদ নয়, আমাৰ ছাটের ছোৰ নয়। তাব একমান কালা, সমস্ত দেশ ভোগাদের জড় নেব নি।

মান্টোর মণায় বনানেন, তুলু নাই নহ, বাবা ব্রস্ত নিজেছ ভারা বিব্রুদ্র করবারই ব্রস্ত নিজেছে। তোমবা চান্দ্র, বাবা ব্রস্ত নেই নি ভারাই নাই ক্রডো কিনে মারা প্রস্ত নেম নি এমন কোলাকে দিবে কাশন্ত বোনাচাই আরু যাবা ব্রস্ত নেম নি ভালের দিবে এই কাশন্ত কেনাবে। কী উপারে চুক্তা ভোমানের পারের জোবে আরু ছমিলাবের শেষাকার ভালাত। অর্থাম, তব জোমানের, কিছ উপবাদ করবে বরা আরু উপবাদের পারেশ করবে ভোমবা

भारामा शास्त्रत साम्राहे सम्रात, माम्रा तकन, केमसारम् त्यान मान्डे

चल्यासाहे जिस्सक प्रति।

साम्लाह-स्वाह नवालन, केनाव र निवि मिन (वाक मिविश्वह दाई साहा निवित्यक नवालन, केनाव र निविद्यह दाई साहा निवित्यक के विस्ताह हाई, निवित्यह दाई साहा निवित्यक के वाकार के वाकार

ত্রত দিন কর কাছে আছি, মানার মলাবের সমনকরো লাজিকত কলে আমি কোনো দিন কেবি নি । আমি কেল বুর্তে লাবেল্ম, কিছু দিন আমে কর ছলমের মধ্যে তেনে। তেননা নিলেজে কমে আল্ডাভ না সে কেবল আমতে ভালোবাদেন বলে। সেই বেসনাত্রত বির বৈত্তির বাঁধ জিউটো নিজার করে করে দিয়েছে।

মেডিকাল কলেকের ভাত বলে উচন, আগনারা বছসে বছেও মাসনায়ের সাজ তিওঁ মাম্বা করব না , ভা বলৈ এক কথায় ইলুনি---মাপনায়ের বাট থেকে বিভিন্নি মাল আগনাবা চবাবেন না চ

भावि संस्कृष्, स्य, महान साः। कारतः, (क शतः भागाद सह ।

এই এ ছাদের ছাত্রটি উষং (হাস কললে, কারণ, ভাতে আপানার কোকসার আহম্ভ চ

মান্টাছ-মূলার কলেনে, ইং ভাতে এর লোকনান আছে। স্বাইরা সে ইনিই মুক্তনে।

क्षत्रम स्टब्स नक्ष्म केसक्ट 'बालनाउडा' वान डीएका क्ष्म व्यक्तिक राज । এব কিছু দিন শৰেষ্ট মাণ্টাৰ-বশাৰ শভূকে আমাৰ কাছে নিয়ে ৫৫৮ উপান্তিত। ব্যালাৰ কী ৮

গুলের ক্ষিণ্ড কথিশ কুঞু পকুকে এক-শো টাকা ছবিষানা করেছে। কেন, এর স্থাপবাধ কী ?

कामरहर की वन ?

भृतिहरू दक्तमध्य ।

रम्यास्य बाब स्य दिन १

গোকের সংখ্যা ছিল না, ভাবা চীংকার করতে লালন, বলেমাছর। নেবানে সক্ষীণ ছিলেন, তিনি এক-মুঠো ছাই কুলে নিয়ে কালুনা, ছাই সব, বিলিজি ব্যাবসার করেয়ারীসংকারে ভোমানের প্রায়ে এই প্রথম ছিদেশ আন্তন অলল। এই ছাই পবিত্র। এই ছাই গাবে থেকে ত্যাকেন্ট্যবেশ আল কেটে কেলে নাসা সন্ধানী ববে ভোমানের সাধনা করতে বেল্লোনে ববে।

আহি পড়কে কাল্য, গড়, ভোষাকে কৌৰহারি করতে হবে। গড় কালে, কেউ সান্ধি দেবে নাঃ रक्के मार्क स्वरं का ? मबीन ! मबीन !

मचीन छात यह त्यांक (परित्र अरम कमान, की, शान्तारकी की ह

এই লোকটাৰ কাপজেৰ ব্যা ওৱ মহিনাৰ ছোমাৰ পামনে প্রিয়েছে, ভূতি লাকি যেৰে না গ

সাৰীশ কোনে ৰকানে, দেব বৈ কিও কিছে, আমি যে ৩৩ কমিলাছের শাক সাকীঃ

आर्थि करानुष, माकी आशांत कथिशाद्यत महक की र माकी हका महस्तात महक र

নদ্দীশ কালে, কোঁ ঘাটছে স্টোট বৃত্তি একয়াছ দত্তা গ আহি কিয়ালা কল্পয়, করু দত্তাটা কী গ

সন্ধীশ কৰলে, যেটা ঘটা সৰকাৰ। যে সভাকে আমানেৰ লয়ে হুলতে কৰে। সেই সভোৱ কৰে আনেক মিখো চাই— বেছন মান্তা দিয়ে এই তথ্য পদ্ধা কৰে। পুৰিবীতে যাবা ক্ষমি কৰতে এলেডে ভাৱা স্বভাকে যানে না, কালা সভাকে বানার।

****** *

শক্তবৰ, জোনবা নাকে নিখো লাকি বলা আৰি দেই বিধাে লাকি কোঃ বাবা বাকা বিশাব করেছে, লাভাজা লভেছে, লনাক বৌলাছে, কনিল্লাকাৰ কালন করেছে, জানাই বোলালের বাং লাভাত কালালাক কি কৃতিৰে বিধাা লাকি লিবে ওলেছে। বাং। লানন করান স্বারা নিগোকে করার না, বাং। লানন মান বোলালের করেই লভাব লোভাও লিকল। জোনবা কি ইভিনাল লাভ নি ও ভোনবা কি কান না, পৃথিবীয় মাড়া বাংলা বালাক্তবে বেশানে বাহুল্যক পলিটাজের বিচ্চি বৈচাৰি হত্তে লেখানে কলাক্তবা নব বিধান ল

ক্ষাত্ত আন্তৰ বিচুদ্ধি পাৰালো চলেছে, এবন— না মো, জোহবা বিচুদ্ধি পাৰালে কেন, জোহানেৰ টুক্টি জেপে ধৰে নে ছবিবানাৰ চাকা কিনেৰ থেকে আবাৰ হবে ? কৰি বে আহচে হবে।

चार, धर कान्यकर नवा र

আমি আমিরে বিজি। আমার প্রস্তা হতে ও বেমন ইজে বিজি কলক, মেবি ওকে কে বাধা বেছ।

পজু কাজ জ্যোড় করে কলনে, কল্পন, বাজার বাজার লকাই— পুলিসের নারোগা থেকে উজিল থাজিন্টার পর্বন্ধ শকুনি-পুথিনীর পাল করে বাবে। স্বাই নেবে শামোর্গ করবে, কিন্তু মহবার বেলার আরিই মহব।

टक्स, एकाय की कसरन र

परत जाबाद जाकन गागिता रमार, रहरमहबाद क्षक निरंद शुक्रव ।

মান্টাৰ-মশাৰ বন্ধনে, আৰু, ভোৰ ছেনেছেরো কিছু দিন আমাং মরেই থাকৰে। ভূই জন কনিন নে। ভোর মনে মনে ভূই বেনন ইংজ ব্যাবনা কর্, কেউ ভোৰ পাৰে কান্ত হিছে পাৰ্যে না। আন্তাহের কাং ভূই হার মেনে পালাবি, এ আমি হতে দেব না। যক সইন বোকা ভতাই বাজৰে।

সেই দিনট পছুর কমি কিনে বেকেট্র করে আমি কবল স্করে কন্দুম ভার পর বেকে সুটোপুটি চনল।

भक्ष विकासभिक्ष कर माजास्त्रकः भक्ष हाका छात्र क्यारक्ष हर्ने हिल मा, आहे क्यांके सकरतत कामाः वर्धाः रकाया स्थरक अस्त वादी आर क्रिके कीक्सवरद्वत कावि करत छात्र पृष्टिनि, छात्र भगाहेता, विकासक पृथ्व अस्य अस्ति आख्यक विकास कावि निरंत भक्षत घरता क्षेत्रविकः

श्रष्ट्र भवाक इरह स्वरण, भाषात पावी (का स्वकान इन पावा स्वर्धः । काह केवह, अध्य भरकत पावी पावा स्वर्ध गाठे, विकीद शरकत भड़ार इस नि ।

विक, मामाव मृज्याव चटनक परव (र मामी मरस्य, विकीव परकम 🗇

ग्या किम सा ।

হীলোকট বীকাৰ কিবাসে বিকীৰ পক্ষি মৃত্যুত পাৰত না, মৃত্যুত পাৰত। সভীনেত যে কৰবাত ভাতে বাগের নাতি চিনা, কাহীত মৃত্যুত পাৰ প্রকার বৈবালো লে কুকাননে চলে বাত। কুকু-কমিলাণের আননাথা এ শং কথা কেই কেই ফানে, বাবে কবি প্রজাতেত্বক ভাতত সভাত আনা মাতে, আৰু কমিলাত বলি জোতে জাক পের ভাবে বিবাহের সহতে গাঙা নামত বেবাছিল ভাবার বেবিকে আনাত্র পাতে।

তে দিন ছপুৰবেশ্য পদ্ধ এই প্ৰব্যাহ নিচে বখন আদি ধুব বাজ আদি তেন সময় অক্সপুৰ খেকে বিষদা আমাতে জেকে প্ৰতিক্ৰেন।

কাৰি চামকে উঠানুৰ , জিল্পাস্য কংলুছ, কে ভাকান্ত দু কালে বালীয়া।

অভাবানীয়া গ

स. त्यादीवानीया ।

काफीबानी । सन हम, बन-एन रहत (क्'रहेरहाडी मादाहर शाहर

বৈদ্যালয়ত স্নাইকে গদিতে তেখে মানি মকাপুতে চলসুম। শোৰাত্ত বিবিদ্যালৈ বৈধি মানত মানত হপুত গলন কো গেল, সভাতে, বেলি না মানত কো আছি, সাজেত মানতাল মাতে। কিছু দিন এই সভীতে মাতাক মাতাৰ কাৰ কাৰ কো কিছু দিন এই সভীতে মাতাক মাতাৰ কাৰ কাৰ কো কিছু দিন এই সভীতে মাতাক মা

শানি কিছু না বলে বিষদান মুখেন দিকে চেনে পাছিলে বইন্য । বনগাৰ মূব একটু লাগ হয়ে উঠল , লে ভাল লাভ লিয়ে ভাৰ বা বাবেলা কা কৰু কোন যোৱাটো বোৱাটো কালে, সেখা, সময় বালোটোটোর গো কেন্দ্র আন্তানের এই গাউটার কালেই বিলিভি কালার আন্তান, এটা वि कार्यम् स्टब्स् १

चानि विकास करत्य, की करता चारता हव ? क्षे विनिमक्ता त्वर करव शिख करता-ता। विनिमक्तमा त्या चाराव नव।

ক্ষি, गाँउ তো তোষার।

ষাউ আমাৰ চেৰে ভাৰের জনেক বেশি যাবা এই ভাটে জিনিন কিনাৰ জানে।

জারা দিনি জিনিস কিছক-না।
বাদি কেনে জো আহি বুলি হব, কিছ বাদি না কেনে ?
লোকী কথা। জনেছ এক বড়ো আম্পর্যা কৰে ? কুমি হকে—
আমার সময় আয়, এ নিবে কের্ক করে কী হবে। আমি অক্ত্যাচ্যা
কিরতে পাছব না।

অভ্যাচাৰ ভো ভোৰার নিৰের ক্ষতে নহ, কেশের ক্ষতে— ক্ষেত্রের ব্যক্ত অভ্যাচার করা কেশের উপরেই অভ্যাচার করা। সে কর ভূমি বৃত্ততে পারবে না।

अहे काल व्यक्ति काल अनुत । दुर्शन व्यक्ति काल प्राप्त शायाम स्वार काल ही गायाम इता क्रिकेन । व्यक्ति गृष्टिमीय काल प्राप्त क्राव्य द्वार त्या क्राव्य द्वार त्या क्राव्य व्यक्ति क्राव्य व्यक्ति क्राव्य व्यक्ति क्राव्य क्रा

निरम्भ वास्ताव विकास करण्य, स्वीर रेकावाय अ प्रम की है,
तावरी न्या के क्षेत्र प्रांच्या राज मा, काव नंदर गविकाय कृष्ण्य, अहे
का तिम रव वसम विम्याक वासाय घटना क्षित्रत असम नैका निरम्ह वास्त्र प्रांव अस्त्री यस काम द्वारा राज । व्यादि कावि वान्त्रव हेन्द्र, वासाय प्रांव नराव स्वादा द्वारा राव किम मा। रकारोग्यास्त्रव रहरों रव वक्ष करव इति नराव वासाय कृष्टिस्व विकास मयक-विकृ राव्यति करव व्यवस्त्र करा वासि न्यादे राज्यत्व राज्यत्व, विक्रमा वासाय काम रवाय काम वासाय कथाव करवा विस्त्रय करव मान करत्वरम् । व्यवस्त्रक विद्राव भूवं नवंत्र वासि करवाने विक्रमारक अवर विक्रमाय मानरक क्रमाक करव रवित्र । व्यास्त्र कथ विनित्रि रवीगांव कृष्टारक रक्षम्याय कृरत्व कृष्णी मरमने रववस्त्र । क्ष्

নশীলের সামে আয়ার ধেশ নিরে পরে পরে বিরোধ হয়, কিছা সে সভাকায় বিরোধ। কিছা বিষলা কেশের নাম করে বে কথাপ্রলো করছে তে কেকারার নশীলের ছারা কিরে বছা, আইডিরা নিরে নয়। এই হারার বার্বি করন হয় কর কথাবের কলে হবে। এই নাম্বাই আরি বুল কর্ম্ম করে ক্ষেত্রে, লেশায়ার কুয়াশা কোবার ছিল না।

NOT STUD PROPERTY AND ASSESSED.

यायात त्यहे त्यायात करव काडा योजांक किया त्याय प्रमा त्यहे त्यह स्वाह्म त्याया वाह्मत द्यारा त्यायात अनु क्या अव क्या मानित गामात वांत्रहम वाह्मत क्यात यवचार को कात्रम क्या अप क्यायात गत्म निविधित वांत्रित्यह , वादाव्या मान्यम मुक्ति त्या क्या-त्यम शामात हो गाम मानि मानि कांत्रमात व्यवत त्यामानि कृत्रम वृद्यकात्र गामान्य व्यक्तिक करव मित्रह , व्यवत त्यांत्र गत्यव आह्य व्यवकात्र गामि वांत्रहम मुख्य कृत्य हुत वृद्यक गाम कार्य , कांत्री क्यायुक त्याका त्याव्य क्रांत्री अवकी वांत्र वांत्रह, वांत्र-अवकी त्योद्य करव गत्यक व्यवकात्र णाव पाकृ निर्देश केंगर अवकें। काक क्षेत्रस कार कार सार केंग्र केंग्रस कराह
— गावारम लाक्येस क्ष्रंप ब्रह्म अक्ष्रह । जाक जावार सत इस, जितर
और या-किङ्ग पूर मस्य जयक जावार इसर जावि जावने न्यानिक सत्यन पूर
कार्य अरम स्थावि, जावने जावार नियाम और कार्यम्हत्यस शरका मर्थ विश्व जावार स्थावि, जावने जावार नियाम और कार्यम्हत्यस शरका मर्थ विश्व जावार स्थावन केंग्रह अरम अरम । जावान स्थाव कार्यक वाक्ष्यस ? की केंग्रस, की शर्कीय, की अभिनंत्रनीय स्थावत ।

ভাষ পৰে মনে গঞ্জ, গারিত্রা এবং চাতুরীর কাষে আইজা-পরা পর্ কৌ পর্কে ধনে বেপলুক আজ রেমজের রেটতে বালোর সমস্ত উল্প নাট বাই ক্ষে এই গোলটার মধ্যে চোল বুলে পঞ্চে আছে— বিদ্ আর্থনে নহ, লাবিতে, বাাধিতে, উপবাসে। সে মেন বালোর সমস্ত গাঁরে বার্থের প্রতিষ্ঠি। বেশতে পেলুক, পরম আচার্নির কোটা-ভাটা বুলকর হবিশক্ত্, সেও ছোটো নয়, সেও বিরাট, সৈ মেন বাল্যনের কলং কম্পালের মন পচা নিমির উপর জেলা সবুজ একটা ক্ষরও সরের মধ্যে এ পার থেকে ও পার পর্বন্ধ বিশ্বত হয়ে কণে কলে বিব্রুক্ত্র্যু উল্পাদ

त्य ताका क जामित्यका तक विश्व केनवार कृत, सकारम कर स्वस्तार कीर्त, माव-तक विरंक प्रमृद्द्द वकारणावर कीर्त वर सामना स्विविधिक कर पर पर सामना स्विविधिक कर सामना स्विविधिक कर सामना सामना कार्य कार्य कर महार प्राप्त कर सामना स्वाप्त कार्य कार्य कर महार महार कर कर सामना स्वाप्त कार्य क

अाव मिनून दारक जानां तन (तरे चिकातन जरणकाना देखी जरत नित्य (तरे जानांतन अवस्थिते। जाद, वादक कारण त जानांतन प्राप्तान दूसक कार जन्म के कारण किय करत कार त्यारहक अवस्थान निरुष्ठ तम शारे, कारक जामाराज्य मिरूकार्ड कारणांच करत करत वासनी मानित्य कृत्य तमे मिरूका कारणांच्य कराक वा गांगांते। जाक भागत सम्म दर्खा, जामान कर दरम— जानि मान्यक वाचान वाकित्यकि । अवस्थान कारणांच्या मानित्यक कारणांच्या कारणांच्या वाचान वाकित्यकि । अवस्थान कारणांच्या कारणांच

साबि साबि, दारमात गुरुष्य माहिक्ता सावाय अव-अव विस हैम् हैम् लाव केंद्रवा। विश्व ताहे रहामारक कार्यि जाव डिटम निराहि। स्वास्थ्य माहि साब साब क्वाड लावप मा। साथि कार्य, ता व्यवन्यावहें सावाव, साव बाय विद्रमत् ति हान विद्यव ताहे एका सावाय नमाव ताव हात । दि मधा, वीडाल, सावारक रीडाल, विश्वत्यके सावारक किरव ताक किसा मा कन्मात क्वाचमीरमारक। सावारक अवना-गरवय लिक विक कर ता लब क्वाचारहें भव दशक, सावाय क्रशीर ठव बामा स्वायाव क्वा-रक्षी रक्षाक्षक सावा।

ननी(नव जांचक्या

সে বিন অঞ্চলদের বাব ভাতে আর-কী। আবাকে বিনদা ভাবিতে
আনসে। কিছ বানিক কন ভার মুখ বিবে কথা বের হল মা, ভার ছুই চেন্
বন্ধ কন্দ করতে লাগন। বৃত্তসূত্র, নিবিসের কাছে কোনো কল পার নি।
মেনন করে হোক কল পানে সেই অহংকার ওর মনে ছিল, কিছ নে আনআয়ার মনে ছিল না। পুর্তিরেরা বেবানে ছুবল কেরেরা সেবানে ভাবের ছুব
ভালো করেই চেনে, কিছ পুক্তরেরা বেবানে বাজি পুরুষ অরেরা নেবানকাং
রহত ঠিক ভেল করতে পারে না। আসন কবা, পুরুষ মেরের কাছে হলত,
আর বেরে প্রথমের কাছে রহত— এই ববি না হবে ভা হলে এই ছাটা
ভাতের ভোল ভিনিনটা প্রকৃতির পাকে নেহাত একটা অপবার হক।

 औ क्षम विकास के को को किएक बनिय लिएक।

भारतं प्रेयक्नानि हैना रक्का क्षेत्रमूख अस्त होरक रचन । वर्गन हा नवा बाहरक कांद्रस्य कांक्ररक बावरक बावरक, बरत इव जावरत किंदू बावर राज्य ना, दम स्त्रीर जेनकी कारणात एक दिना कादान पात काबुद्धार शिका माहित CARE अरकेमार क मान त्याम क मान प्राप्त प्राप्त रक्षा कराव दिएक रकाबाव की बारा मुक्तिय किम प्रकल्याहियी जिएक का कामक मां। जावि विकास काफ द्वार १६०६, जाताव द्वानीसाव क्षाकी परण मनव जान क्रिकटन क्रिकटन क्षरणांत क्रिक क्रिका क्रिक क्रिक मश्रावीरको त्वस त्याम त्यम । मध्या नवच त्यस त्नीक्षम शा । स्वतः नावनयः बीकास्य क्याचानास्य ग्राहीवास्य क्यातिः स्थानात्मः वृद्धिः विका रेकवि क्टन रमारक : केव्याच नवा पचन दावन करत वर प्राथन त्याँ प्राणाय visite celete el elle, wiele celete, el son des ele i क्षिक्रक अकड़े। मारकाड काबाक करत रबरड, त्मड़ा की र तम रकारमा-क्षणे विभिन्न मह ता चानककरणाटक कडाता। तमें बरक कान दक्षण न्त्रहे देवरक गावि त्य: क्षेत्र (क्या वृद्धिः (स्त्री) अवदी शावा । अते श्रीवः चारि चामल यो का चालास्ट्रक अन्या राश त्याका बाता नामा स्थित वाशान करण जा । जावि जिल्ला करण जिल्ला करण । त्याँ वारको जिल्ला केना बार बार केरे— कर बाबारवाका मुन्त किन टब्बाओं करण होत त्यान त्याम विश्व व्यवसारक प्रतीप क्षमण शास त्या ।

क्रीनिरक करून क्रमान्त-क्रमान विकास पूर्व अरम्पारत क्राकारण स्टर क्षम । महार क्ष्मा हम इस हम पूक्तम, क्षाम अपने क्षिण हम व्यावस्था महामान राम्यक हम्माना क्षिण होते करने क्षमा राम्य क्षमा व्यावस्था क्षमान करन मा, अकारे करन । की कर, बामी १

विषया अवष्ट्रे क्लाम काथ वय वयाक किन्नु गरिकाय काथ जिल्ह अर् कारण, है।

भावि कानूब, की करत कावडी भावक कराफ हरत छ।वहें आहताः अकड़े भादे करत क्रिक करत (2) क्या वाक ।

ব'লে আমি আমাৰ পৰেট বেকে পেন্দিক-কান্ত বেৰ কৰে নিং বন্দুৰ। কলকাতা থেকে আমাদের লগের কে-সব কেলে এলে পড়েছে ভালের মধ্যে কিরকম কাজের বিভাগ করে ভিত্তে হবে ভারেই আলোচনা করতে গাগপুৰ— এমন সমতে হঠাৎ মার্কবানে বিমলা বলে উঠল, এখন বাক্ত সম্পাধনার, আমি পাঁচটার সময় আসন, তখন সব কথা হবে।

ध्वे बरमहे (म फाड़ाखांडि पर एक्ट ट्विटर इटम दश्म ।

বৃষ্ণুম, এত কণ চেরা করে কিছুতে খামার কথার বিষয়া মন বিচে পাবছিল না; নিজের মনটাকে নিবে এখন কিছু কণ ওয় একলা থাক। চাই। হয়তো বিছানায় পঞ্চে ওয়ক কালতে হবে।

বিষ্ণা চলে প্ৰেক্ত, খবেৰ বিভৱকাৰ চাঙাা খেন আৰও বেলি
মাজাল কৰে উঠল। তুৰ্ব আন্ত বাওৱাৰ কিছু কৰ পৰে জৰে বেৰুৰ আলালতে বেৰ জ্যান্ত বঙে বঙিন বৰে ওঠে ডেবুলি বিষলা চলে বাওৱাৰ পৰে আনপ্ৰ মনটা বঙিৰে বঙিৰে উঠকে লালন। মনৈ ইতক লালন, ঠিক নমৰ্টাকে বাং ক্ষেত্ৰ বিৰেছি। এ কী ভাপুক্ৰভা! আনাৰ এই অনুভ বিধান বিলা বেৰু বন্ধ আনাৰ 'পৰে অবজা কৰেই চলে লোন। ক্ষুক্তেক পাৰে।

करें तिनाव जारूप करकर गरंश वस्त विवृतिष् कार्यक्र काम नक रक्षाया जरन पत्त विरूप, चम्ना जानाव नरक रूपा कार्यक इत करकारवा वक्ष केरक क्ष, चारक जनम विशाव करव विशेष किन्न कर विश्व क्षणाय गृहकीं ति चरवर गरंश जरन पुरुष भवता। चाव नव क्या-क्रिकिनांगरका नवांकेरका वरतः। स्थानं वर्षाः शास्ताः त्यान भागः। स्थाः स्थाः वर्षः वर्षः पत्रः चानगृतः। स्वात्रः स्थाः वर्षाकृतः। सात्र नरव प्रस्ता वर्षाण्याः त्या वर्षः स्थाः।

খনৰ এটা, বাটে সুখুলৈৰ খে-নৰ প্ৰজা মাল খানে মাৰা ধন খেনেছে। নিভিনেৰ পৰ্যেক আমন্ত্ৰাৰা প্ৰাৰ সকলেট পোলনে আমাধেৰ প্ৰেন: কাৰা অভয়তিপুনি কিন্তে। যাডোহাবিয়া বগৰে আমাধেৰ কাচ খেলে কিছু গঙ নিৰে নিশিক্তি আগত বেচকে চিন, নটলে কতুৰ হবে যাব। ঘূলনমানেয়া বিহাতেই বাল মানছে না।

নকটা চাৰি আৰু ফোলোহানের হলে লগ্ন লাহের জন্ম লাল জিনে নিয়ে বাজিল, আহানের বালর এবানকার প্রাথের একজন প্রেম প্রাথ প্রেম নাম কিনে কৌ লাককটা কোনে নিয়ে পুরিয়ে লিফেছে। জাই নিয়ে লোকমাল কাছে। আমার জাকে কলজি, জ্যানে নিলি লবম কালড় কিনে কিছি। কিছ লগা লামের ছিলি লবম কালড় কোনার চু বহিন কালড় কো কৌ নে। কালীবি লাল জো করে কিনে লাবি মে। লে এলে নিবিলের কাছে কেনে প্রেমের। জিনি সেই ছেলের্টার নামে নালিল কর্বার রক্তম লিকেরন। নালিবের ক্রিকম্বার জাবিব বাবে না হর আমলারা জার ক্রাম লিকেরে, এমন-কি মোজার আমারের সলে।

এবন কৰা হজে, যাব কাশক শোচাৰ ভাব কলে যদি নিনি কাশক কিনে কিন্তে হয়, তাব পৰে আবাৰ মাহলা চলে, যা হলে ভাব ঠাকা পাই কোবাৰ দু আৰু, এই পুড়তে পুড়তে বিলিভি কাশকেব নাকনা যে কৰম কৰে উন্ধে । নবাৰ যথন কেনোবাৰি কাড ভাঙাৰ শব্দ কৰে কৰে কৰে কৰ কাড় কেন্তে বৈয়াত কৰন কাড়-বোলাৰ নাকনাৰ পুৰ উন্ধি হৰেছিক।

বিজীয় প্ৰায় এই, মন্তা কৰচ দিনি প্ৰথম কালয় বাভাবে মেই। ক্ৰীয় বনে প্ৰক্ৰেছ্ক, প্ৰথম বিলিডি নাল-য়োলাৰ-মেডিনো বাগৰ কি স্বায়াৰ ? আমি কালুম, যে জোক বিলিডি কালয় কিননে কাকে নিনি কালয় नविन दहनां क्रमान मा। एक ज़ांतरे इन्ता कारे, जामातान मा। मादल गांवा जवाज वारत जारतव कमराव त्यामाव जोक्य मानिस त्यन, बारत कार मृनिस्व किंदु स्टब मा। क्रम ज्यूमा, जबस क्रमान केरिय क्रमान मा। कारिय त्यामाव जाक्य विराह त्यामानाहे क्याच ज्यामाव वन त्यहे। क्रिय ज स्थ पूर्व। क्रमान विराह पनि क्याच जा स्टम स्थूब ब्राटम जून वारता, वायाकारण त्यास स्टम 'क्रमानकेर वासित्य गुकेरक मान्य।

আর, বিনিতি সরম কাশক দু বত অক্সমিবই হোক, ও কিছুতেই চলবে না। বিনিতির সংক কোনো কাজনেই কোনোবামেই রক্ষা করতে পালব না। বিনিতি রচিন আশার ববন হিল না তবন চাবির ছেলে মাধার উপর বিরে বোলাই অন্তিরে শীক্ত কাটারে, এখনও ভাই করবে। ভাবে ভামের পথ ভিটকে না জানি, কিন্তু পর মেটারার সমর এবন নর।

ষাক্রে বাবা নৌকো আনে ভাবের মধ্যে অনেকৰে হলে বলে বাবা ভয়বার পথে কডকটা আনা গেছে। ভাবের বহাে স্ব চেবে বছাে বলে বিষয়ান। সে কিছুডেই নবম হল না। এবানকার নামের কুলহাকে কিলাস কয়া গেল, ওর এই নৌকোখানা ভূমিরে দিছে পাব কিনা। সে করস সে আর পঞ্চ কী, পারি। কিন্ত লার ছো পেবকালে আয়ার যাছে প্রসং নাঁ।

আৰি কল্ব, চাৰটাকে কাৰও যাতে পদবাৰ কৰো আলগা কাৰণৰ বাবা উচিত নহ, তবু নিভাত্তই বদি পড়ো-পড়ো হয় তো আৰিই যাচ পেতে দেব।

হাট হবে গেলে নিরভানের খালি নৌকো খাটে থান। ছিল। মানিও ছিল না। নাবের কৌবল করে একটা থানার আদরে জীলের নিরক ক্ষরিবাছিল। সেই যাতে নৌকোটাকে খুলে বোকের নাকবানে নিরে ভিত্ত ভাকে সুকৌ করে ভার করে। হাজিশের বভা চালিরে ভাকে কুবিয়ে দেবত জার विश्वमान नमाव्ये न्वेटम । ८२ अटक्सारक भारतक अगरक अर्थ कालक कालक साथ ट्याक करने नमारण, सब्दा, त्याचाणि स्टाहिल, अवस्था

मानि क्लम्ब, जनग्र तिहा तम न्यां काव नृकाम गाहाल की काव। साथ क्याप ना किहा तम क्लम् ता त्रीरकाणानार काव ६ शावाध हाकाव कम काव ना, वसूत्र। जनम चारांव व'न कावाध--- जनावकाव साधा कल्ला वहि मान कावन----

খলে দে আমাৰ পাৰে কৰিবে ধৰণ। ডাকে বলপুৰ, আৰু বিধ-বংগক পৰে আমাৰ কাছে আলজে। এই লোকটাকে ধৰি এবন ছ চাকাৰ টাকা কেবৰা বাৰ ভা বলে একে কিনে বাপতে পাৰি। এবই মজেং মাছবকৈ চলে আনকে পাৰলে কাম কাম কয়। কিছু খেলি কৰে টাকাৰ জোগাড় কন্ধকে নাপাৰলৈ কোনো কৰা হবে না।

বিক্লে-বেনার বিষয়া করে আনগা যাত্র চৌতি থেকে উঠে কাকে কানুত্র, বানী, সম করে এসেছে, আরু ধেরি নেট, বন্দন টাকা চাট।

विमना कार्य होका ? कक है।का ?

चावि कामृत्, पुर त्रनि तथ, किन्न त्रपान त्याव त्याव व्याव होने। विकास विकास कारण, कन्न हार्डे क्यून।

चावि कानुव, चानाक्षक (करन नकान शकात शका।

টাজায় সংখ্যাটা শুনে বিমলা জিততে জিবতে চমতে উন্নৰ, কিছ বাইৰে সেটা ৰোপন কৰে থেক। ব্যৱ বাব দে কী কৰে ফলবে হে, লাছৰ নাত্ৰ

আৰি কুল্মু, বানী, অনভাৱৰ সভাৰ কাতে পাৰ কৃষি। কৰেবছ। বী যে কৰেছ বৰি মেবাজে পাৰভূম তো কেবজ। কিন্তু একন আৰু ক্ষয় নতঃ এক বিনা মুখ্যতো সময় আসাৰ। একন উপো চাই।

विकास समारम, तार ।

चानि कृतन्त्र, विकास करत करत दिन करत जिल्लाक, का नवता उपक्र

त्मरण । चौदि कामृत, त्काशाय शवता अन्त्य कृत्य वाचरण करण, कथत की

विकास चात्रास पृत्यत्र वित्य प्राक्तित स्त्रेम ।

चावि समृद, त्यावाद वादीव दीना त्यत्व व देशना नित्य द्वार ।

বিজ্ঞলা আছেও শ্বন্ধিন্ত হয়ে গেল। থানিক পৰে দে কল্মল, জ্বাৰ চাক্ত আমি কেন্দ্ৰ কৰে নেব ৮

আমি বলসুম, ঠার টাকা কি ভোরার টাকা নর গ

त्म पून कविवादमक महत्वके सम्मान, मह ।

আৰি কালুৰ, ডা হলে লে টাকা কাৰণ নয়। সে টাকা কেশের; কেশে। বখন প্রয়োজন আছে ভখন এ টাকা নিধিল কেশেও কাছ থেকে চুরি কং কেখেনে।

विश्वमा बनाम, भावि त्र ग्रांका नाव की करव ?

दसम कर दाक। कृषि ति लावान। वेश निका कृषि क्रीय काड वाम त्रात। सत्कमाकतः । 'त्राकमाकतः' क्षत्रै मात्र काक लावान तिकृत्वः वश्या क्ष्रात, काक्षर-वास्त्र धाठीत क्ष्रात, कार वाहा वार्यव मात्र कार त्रहें महालक्षित्व मात्म मा कारत्व क्ष्य विशेष वरत वार्य। मकी, काल-वरक्षमाकतः।

स्टम्या उत्रः

আহবা প্রথ, আহবা বাজ, আহবা বাজনা নেব। আহবা পৃথিবীটো এনে অবধি পৃথিবীকে দুঠ কবছি। আহবা বতেই ভাব কাছে বাবি কবেনি ভাতেই নে আহাকের বল কেনেছে। আহবা পূজব আহিকাল থেকে কন পেকেছি, গাছ কেটেছি, নাট প্তৈছি, লগু কেবেছি, পাবি কেবেছি, নাক কেবেছি। সমূহের ভালা থেকে, বাটিব নীচে থেকে, মৃত্যুর মূখের থেনে আহার, আহার, আহবা কেবলই আহার করে একেছি। আহবা কেন পুৰু-ভাজ। বিৰাজাৰ স্থানাৰে সোনো মোহাৰ সিমূদকে আবস্থা বেচাক পৰি নি : আমৰা কেন্দ্ৰীয় আৰু কেন্দ্ৰেছি।

এই পুৰুষদের বাবি টেটানোই হচ্ছে ধৰ্মীয় সান্দ। জিন-বাস্ত কৌ মন্ধান থাবি বেটাছে কেটাজেই পৃথিধী উৰৱা হংৰছে, কথাী কাছছে, পথক ব্যৱহে। নইলে অঞ্চলের মধ্যে চাকা পাছে নে আপনাতে আপনি কলেছ না। নইলে ভাব হুল্যায় সক্ষ সৰকাই বন্ধ যাক্ষা, ভাব বনিষ্ লৈছে বনিজেই থেকে বেজা, ভাব শুক্তিক মুক্তো আলোছে উন্ধাহ শেক না।

আহ্বা পুৰুষ কোল আমানের লাবির জোরে মেরেলের আরু উন্নাটির বার বিশ্ববিধি উন্নেলনেই আমানের কাছে আসনাকে লিছে বিজে লাভা নাম নাম আসমানে করে। ক'বে কেনি ক'বে সোহেছে। জারা জানের লাভ প্রের হীরে এবং কারের মূলের আহাদের রাজকোতে জয়া করে নিজে বিজেই করে ভার সভান সোহেছে। এমনি করে পুরুষের পাক্ষ নেকাট করেছ করার্ব লান, আন মেরেলের পাক্ষ দেবাই কাছে স্থাব লাভ।

विस्तास कार्क पुत्र अवकी काला केत्र (केटकि। याज्य वर्गे आर्कि गामजाव अर्थ जा-कृष क्षणका कहा, जाने आपकी अवकी परेका त्याविक। माज करविक्रिण, जोते काला त्यांने कर्गित कर्म। अवकाय कारमूब, अर्थ तक्षणक गीर, आ, त्यांचाय अ-अ्थ क्षणांके निर्देश काल त्यां, त्यांचाय कीयाज त्यांच कर्में स्पाक्ति जाल (क्यं। स्प्यांचारात कर्ग्य वृत्त निर्द्धिमूध, पुत्रम-मास्व कर्में स्टाइवें (क्या स्वयंकः साथवा स्वयंक्रकाय आर्था क्षणांके वानित्य सम्याधि पर्वतः कारम्य व्यक्तिकाय साथवा स्वयंक्रकाय त्यांचा क्षणांक स्थापक स्यापक स्थापक स्थापक

frante warren sides et wife mille wie with ge wen

वादि क्षेत्र, जारक प्रसाद काक त्वतः। क्ष मा तता ता वृत्ति स्तर त्वतः । क्षम वित ता जारमा करत केश्याज भाग नि वंटनहें तका जायाव गय तहर करा विना क्षम वित ता त्वकामात्र कृत्य द्विम क्षमहें तका जायात्म तम्तर। साम जान क्षमत्व दिशतक कृत्यव त्यक्षां क्ष्यक्षात्व मीन कृत चनित्व क्षमः। जामि पवि क्षा करव जाव काम वामात्वहें काहे का वटन क्षमत्त्व जामार सम्बद्ध दिन की।

আদৰে আমাৰ মনেৰ মধ্যে বে একটুখানি গটকা কেৰেছিল ভাৰ কাৰান কাৰণ, এটা যে টাকাৰ গাবি। টাকা কিনিসটা বে পুৰুদ্ধাৰ্থকীয় গুটা চাইকে যাকাৰে মধ্যে একটু ভিক্কতা এলৈ পড়ে। ক্ৰেইক্স্ট্ৰটাকাং অভটাকে কৰে। কৰকে ভল। এক-আধ ভাজায় ভলে ক্ষেটাকে অভ্যক্ত চুবিং গুকু থাকে, কিন্তু পকাৰ ভাজাতটা হল ভাকাতি।

ভা কাকা, আমাৰ পুৰ গনী ককা উচিত ছিল। এত দিন কেকানান চাকার অভাবে আমার অনেক ইঞা পরে পরে পরে বেকে গেছে। এটা, আর বাকে বোক, আমাকে কিছুতেই লোভা পার না। আমার ভারোর পরে এটা আছার বিদি ছড ভাকে মাপ করতুম। কিন্তু এটা কচিবিকর, প্রভাগ আমার্কনীয়। খাসা ভাঙা করতে বাবে মাসে আমি বে ভার ভারার করে বাখার হাত কিরে ভাবৰ আর বেনে চাপবার সময় অনেক চিন্তা করে চালার থানি কৈবে কিয়া করে চালার থানি কৈবে কেবা আমার করে বাছবের পরে ভাবকর নর, হাজকর। আমি বেবু বেবাতে পার, নিবিকের মানে মানে বৈছু বেবানান হত মা। ভা হলে ও আনাহাসে অভিক্রমার আকরা গাড়িতে ওব চক্র-মান্টাবের জুকি হতে পারত।

चार्यि कीम्प्रत चयक अकराव ग्रकान शाकाय होका शास्त्र विद्या विद्रान चाराप्त अक्ट प्रस्पत व्यवस्थात इ क्टिंग (लो) केव्रिय विद्रक हाहे । वर्गन चानीह, चाराय अरे प्रतिस्थ स्थापनही ह स्टिंग्स व्यक्तक पृष्टिय अकरार भन्दराव जानकारण (सर्व निष्ठे, क्षेत्रे जावाव क्ष्मको नव जारह ।

কিছ, বিজ্ঞা প্ৰদাশ জ্বাহাটের নাগাল সকলে কোনাও পাৰে বলে থানাত বিবাস হব না। ক্ষাছো প্ৰেকালে সেই ছু-চাত চাজাতেই ঠেকছে। গাই সই। 'ক্ষা আক্ষতি প্ৰিকা' বালছে, কিছু আন্দান কৰন নিজেৱ ক্ষাহ না ক্ষান ক্ষজানা প্ৰিক বাবো খানা, নমন-কি, প্ৰেচে খানাও ভাতৰি।

এই শর্মন কিবেছি— ও পেল আমাৰ বানের কবা। ও-নং কবা আমার অংকার্মেই ইবছ আমাও ফুটিরে ভোলা বাবে। এবন অংকাল নেই। এবান-বাব নারের উর্মন পারিয়েন্ডে, এবনট একবার বাব কাছে বারুৱা ছাই। কর্মন, একটা সোমমাল বেবেছে।

নিবিশ কললে, যে লোকটার হারা নৌকো কোবানো চার্যনিক পুনিদ কাকে নাম্বছ করেছে। লোকটা প্রেচনা দানি, কাকে নিয়ে টানাটারি লোক। লোকটা দেয়ানা, ভার কাছ বেকে কথা আদাহ করা পাক হবে। কর কাল যার কি । বিশেষক, নিবিশ বেলে বালাহ, নাথেব পার ছো কিছু দহকে পারবে না। নামের আনোকে কালে, দেশুন, আমাকে থানি বিশাদে প্রায় হব আবি আপনাকে ভারব না।

নাৰি নিজানা কল্পুত, আন্তংক কে কল্পুত ডাড জাল কোণাৰ চ নিয়ন কালে, আগনায় দেখা একবানা আৰু অনুনানাৰত কেবা ভিত্ৰ-না ডিটি আয়াৰ জাতে আতে ।

কৰা বুৰাছি, যে চিটোৰানা লিখে নাছেৰ আমাৰ কাছ কোৰে কৰাই লিখাৰ কৰে কোৰাছিল দেটা এই কাৰনেই জনতি, খাৰ আক-কোনো নালকন ছিল না। এ-সৰ চাল নুকন পেখা যাজে। সেনা কৰে শত্ৰুৰ নীৰো বৃশ্বিৰেছি প্ৰযোজন হলেই জেমনি কৰে বৈ বিহন্তেও অনায়নে ইম্বান্তে গাঁহি, আহাত শিকে নাজেৰে এই প্ৰখাইক ভিন। অভা আৰক च्यानकोति नाक्ष्य विविधिकातात क्ष्याव निरंत मा निरंत कृत्व क्रिका (११३)

এবন কৰা হজে এই, প্লিসকে বৃহ কেঁকা চাই এবা বহি আৰক বিছু বুৰ সভাৰ ভা হলে যে লোকটাৰ নৌকো ভুকনো লোকে আগদে ভাৰত ক্ষিপ্ৰণ কৰচে হৰে। এখন বেল বুৰচে পাৰছি, এই-ৰে কেন্ত ভালা পাড়া হজে এব মুনকাৰ একটা মোটা মাল নাবেৰেৰ ভাগেও পছৰে। বিধু মনে মনে সে কথাটা চেপেই বাগতে হজে। মূৰে আমিও ব্যক্তি মন্দ মাডবা, মাব সেও ব্যক্ত গ্ৰেমান্তবা।

क्रम्य बाल्यास त्य व्यामनाय जिल्ला काळ अल्याक इस फास अन् আনেক : বেটক পদাৰ্থ টি'কে খাকে ভাবে ডেয়ে গলে পতে ভাবে বেলি 🕣 विकित अधिक लिकिएक मक्काय महत्ता हुर्नेनिहत नहत न्याएक, हुनके कहक अध्यक्त है। ब केलद अध्य प्रकार पत्र वाल करप्रक्रित, भाव- अकड़े करलके ट्रांट्य ट्रांट्य क्मिकेका मक्तक पर कहा कथा दहें कावादिएत निवास स्टम्बिन्स। विश क्षत्रनाथ पति चारकम क्षीत्र कारक कामान की कालकार्यक की बाद कराश श्रद, किनि सामात निकिश्य भविषाय करव क्रिक्टकन . निरुष्ट क्रिका किया निरम्ब नावेरत किम चल्लो पाकनात (का तनवे। यस बारको रमाना নিজ্ঞাক কথনোই ভোলাই নে। সেই কল্পে বেলি কল বাগতে পাবদ্ধ ন (पड़े। मुखा (मड़े। कारणां के नद मच्च के नद, (मड़े। मखा, अबेरड़ेबें बन विकान भाषि वक्षति कर अटब एमप रमदेक बारक रव करते। बारक रखेरहे निर्म क्यांनव जिंताक्याज्यसम्ब भीएडव स्माद बाहिएक बाह्यक्या क्या करा त्म का वाधित करत. को मारहरत करात- यात भरतक तथी शारी टमहेटडेडे इन सत्क्यां हरा क्षेत्रक क्षण्डेका जल मान निष्क गावि। किन्न े मखा, अरक मानरक १८व िक्यियोर मकन बड़ा कारकाई कनार हरी ক্ষম কৰে যেটা কেবল পাক। বহাসমূল্যের নীতেও সেটা আছে।

ভাই, আছা কাম করবার সময় এই পাঁচের লাবির হিসেবট্ট হবা চাই অন্তথ্য নাবেব কিছু নেবে এবং আমারত কিছু প্রয়োজন আচে . ই তা ৰজে প্ৰয়োজনের অক্ষর । কালে, খোডাই কেবন ধানা নয়, চাকাজেও কিছু যেন পিকে বয় ।

হোক, টাকা চাই। পকাৰ হাজানের করে সন্ত করার চলার না।

য় পাননা বার আট সাসহ করার হার। আমি কানি, এই সমায়

কটি বানা আদিক করে আবোরাক ওখন ভালিছে কিন্তে হয়। আক্রিকার
কানি বারা আদিক করে আবোরাক ওখন ভালিছে কিন্তে হয়। আক্রিকার
কানি বাহা আই নিম্নির্ভাব কলি, যারা ভাগারের বাভায় চলে ভালের লোককে

সান করাকে হয়। বিভাগ হাজারকে বাভায় চলে পাল পালে জানের লোককে

সান করাকে হয়। বিভাগ হাজারকে আনি সারা করন্য, নিম্নির্ভাব

মানার মাশার চার্যারকে কটি ভাগার করাত হয় না।

क्षेत्र रह विश्व कारक खात करना लगम होते। तथा उनके होति क्षेत्र गुरुष्ट, मान कारकार होते। दोक कानुस्तर र कामना करने, किस गान भावत्य में, दिवस कानुस्तर र कामना करने, किस गान भावत्य में, दिवस कानुस्तर कार्य कर मानि र दिवस गान कार्य मानि र दिवस गान कार्य कार्य करिया कार्य करिया विश्व कार्य करिया कार्य कार्य करिया कार्य कार्य

দৈ দিন আমি বিমলার হাত ডেপে গতেভিস্ম, ডাবর বেল পর মনের
মান বাজছে। আমার মনেও ডাব কাকারটা খামে নি। এই বেলটুকুকে
চালা হোবে বিজে হবে। এইটেকেট ধনি বাব বাব অভাত করে মোটা
নার বুলি ডা বলে এবন বেটা পানের উপর লিবে চলাচ করন দোটা ভাকে
নালার। এবন আমার ভোনো করার বিমলা কেনা কিলানা করবার
নির পার না। কেন্দ্র মান্তবের মোত ভিনিস্টাতে সর্বতার মাতে ভাকে

ষরাক বঁদ্ধ করে কী বাবে ? এবন আহার কাজের ভিন্ন । অন্তর্জন র্বিনারণ বাতো বনের শেরালার এই উপরকার আন্তেম পর্বজনী থাক্, জলানি পার্থ পেনে, পোলুমাল বাধার । স্ক্রীন ভার ট্রিক সময় আসারে ভবন ভাতে আরু করব না । শতে কামী, পোভবে ভাগে করো এবা মোরতে ওআলের হাতে। বীপারত্বের মতো সম্পূর্ণ আরত্ত করে ভাবে হিছি ভাবে হিছ লাগাতে থাকে।

এ দিকে কাঞ্ছের আসর আমানের জনে উঠেছে। আমানের দদত ভিতরে ভিতরে ছড়িছে লেছে। জাই-বেবাদর ব'লে অনেক পদা (৪) ব্যাহ্বালে এটা বুলেছি, সাবে হাত বুলিকে কিছুল্লেই মুন্সবানজনে। আমানের দলে আনতে পারব না। প্রদেষ একেবাবে নীচে চাকিছে দিনে ছবে, প্রদেষ আনা চাই, জোর আমানেরই চাতে। আন করা আমানের আক মানে না, গাত বের করে 'টাউ' করে করে, এক বিন ক্রের জাণ্ড নাচ নাচার।

निश्चिम रात, बावाजस्य परि महाकाद विनिम वह का दाम खर मान मूनलक्षम चार्छ।

আমি বলি, তা হতে পাবে, কিছু কোন্বানটাতে আছে তা জানা চা এম দেইবানটাতেই জোৱ কৰে কদেৱ বলিবে লিভে হবে , নইলে গা বিৰোধ কথবেই চ

শৈষ্টিল কলে, বিৰোধ নাছিবে লিখে বৃধি কৃথি বিৰোধ নেটাছে ৮'বই আমি বলি, জোমাৰ প্লান কী ?

निवित्त स्टब्स, किरबाव ट्यांडेवाय अवस्थित पत्र कारक ।

আমি জানি সাধুলোকেও লেখা নজেও ফডো নিখিলেও দৰ জাই া জালে একটা উপলেধে এনে ঠেককেট। আন্তৰ্গ এই, এক দিন এই উপলো নিৰে নাজাচাতা কৰছে, কিছা আন্তৰ্গ একলোকে ও নিজেও বিখান কা নাথে আমি বলি, নিখিল ক্ষেত্ৰ একেবাৰে জন্ত-কুল্বৰ। কৰেৰ, মানা ব বাটি মান। টাৰ সদাধ্যকে মানা ও অবাজ্যকে নিবছত্ব নিজেছে, বাকান সংগ্ৰহ সংশ্ৰমক ও কৰ্মেত মানকে চাৰ না। মূপকিস এটা, একে কাৰ্য্য সংগ্ৰী শেষ কাৰ্যত নাৰ। পৰা চাৰ বৃধ্ব টেক কৰে বেলেছে, ভাষ উপায়ক বিহু সংযোগ

এটা নিয়ের নিবিত্রণর সাজে কিছুকাল পূবে আমার পুৰ আন হয়ে সোচে।
নিবিত্র কল্ডেন, যে আজনক সভা বলে প্রকা কবি ভাবেক সাধন করবার আজে
্মারকে করে টানা ভলবে না।

আৰি কলনুম, মিটাছনিভবেছনা। চেবে নটাল টাৰৰ সোণেৰ চলেট না, আৰ পৃথিবীৰ বাবেচজানা ছাল টাৰে। সেট চেবেছে ব্যক্তিৰে ধাৰ বাব কল্পেট মকল কেনে কেন্দ্ৰাৰ ক্ষমী হাত্তক— মাজৰ আলনাকে চেনে।

নিবিদ্য কলনে, সোহকে স্তাগ্ৰাৰ করেই (গ্ৰাৰ): বালনাৰ করে। সংক্ষেত্ৰাঃ

যাকা বেল, অল্ডেক্ডাই সই, সেটাকে নইলে ক'ল কলেছ না। ইটাৰ বিদ্ধ, আহাদের কেলে মোহটা গাড়াই সাছে। ভাগে সমানে গাড়াক বিদ্ধি, অৱস্ক ভাগে কাছ কেলে কাজ আলাৰ কৰছি নে। এই লোগানা, প্রাক্তনতে কুলেৰ কাছি, ভাগ পাতের বুলো নিজি, বান-ক্ষিণেরক মন্ত নেই, কাছে এক ব্যাহ্য প্রকটা কৈছি বিদ্যালকে কুলা নই হতে বিশ্বিত। কাকে লাগান্তি নে। ওকের ক্ষরতার বনি পুরো কবের হাকে কেঞা বার আ করে দেই ক্ষরতা নিবে বে কারবা আজ করার রাকে সারন করার পারি। কেননা, পুলিবীতে এক-বল লীব আছে কারা প্রত্ততক, তাবের সংখ্যাই কেনি, আরা কোনো কারক করতে পারে না বলি না নিবনি পারের বুলো পার, তা লিতেই ভোক আর নাগাতেই বোক। একে বাটারার ক্ষরেই মোহ একটা মন্ত কিন্তি। শেক কেটা হানবার কিন একটা মন্ত কেটা হানবার দিন একেছে আজাবারে ক্ষরেলালার পার দিয়ে একেছি, আজ কেটা হানবার দিন একেছে আজাবারের ক্ষরেলালার পার দিয়ে একেছি।

কিছ নিৰ্দিশকে মান্তৰ কৰা বোৰানো ভাবি লক্ষা। সাজ্য কিনিদ্যালয় মনে একটা নিছক প্ৰেক্তিদেব মান্ত। গৈছিছে গোছে। খান সভাবৰে কোনো কেটা বিলেস পৰাৰ্থ আছে। আমি প্ৰকে কছবাৰ কাৰ্যনি বেপানে মিখাটো সভা দেখানে মিখাট সভা। আমাণ্ডৰ কেই কথাট বুজার বলেই অসাকোটো সভাত পেবছে, জঞ্চানীৰ পাজে মিখাটো সভা কোনা গোলে গোলে কেই ছবে। কোনা মিখাটো সভাবেছে পাৰেছিল কাৰ্যনি পাজে মিখাটো সভাবেছিল কৈটা গোলে কোনা কাৰ্যনি কাৰ্যনি মান্ত পাৰে পোলে কৈ প্ৰটিমা ভাব মনে স্বাল্য মানাই কাৰ্য কৰাৰ। আমাণ্ডের যে বছমের জানাব কিছা সাজার বেনা স্বাল্য মানাটো কাৰ্যনি সভাবেছাল আমাণ্ডাই কাৰ্যনি সভাবেছাল আমাণ্ডাই কাৰ্যনি সভাবেছাল আমাণ্ডাই কাৰ্যনি সভাবেছাল আমাণ্ডাই কাৰ্যনি কাৰ্যনি

নিখিল হয়াৎ ছাবি উত্তেজিত হয়ে উঠে বললে, স্তেটার সাধনা করণা পজি ভোমবা পূর্বতে ব'লেট ভোমবা হয়। মাকাল থেকে একটা ফা কল প্রেছে চাও। ডাই পত পত বংসর ধরে কেলের মধন সকল কার্ডা বাকি ডখন ভোমবা দেশকে দেশতা বানিবে বর পাবার ক্ষেত্র হাত শোল ক্ষেত্র হাত কর্মবা

भावि कानूब, भगारा शारन वहा ठाई. ताई कावडे तनारक त्रवका वर

নিবিদ বললে, অৰ্থাৎ, সাংঘাধ সাংনায় জোমাধের মন উঠছে। না। যা-বিদ্বাপান্তে সময়ে এমনিই বাৰতে, কেবল ভাগ ফলটা হবে আনভাবি।

व्यापि सममूत्र, निवित्त, कृषि या समक ककरमा क्रेम्सम्म । अनेको विस्तर रहार कर करकार पान्य गार्थ, किन्न याक्रस्य पर्म नेपक कर व्याप कर्म कर्मण्य ना म्लेके रक्षात्व मार्थन राव्य मार्गि, रक्षात्म निम पर्धान कृषि मार्थन विति नि रार्व कर्मण कर करन केरिक। किरान रक्षात्व मार्थक मार्थक विति नि रार्व कर्मण कर करन करने । किरान रक्षात्व मार्थक मार्थि पर्दम। अहेरिकेटको मृद्धि निव्य किरान करन राव्य राव्य प्रतास मार्थक मार्थि पर्दम। अहेरिकेटको मृद्धि निव्य किरान करने। प्राप्त रक्षण रमन राव्य करने मार्थि क्राव करने। प्राप्त रक्षण रमन राव्य करने मार्थि क्राव करने। प्राप्त करने। प्राप्त रक्षण रमने राव्य करने। प्राप्त करने करने। प्राप्त करने।

নিবিজ্ঞ নদলে, আমাৰ আছু করে দিনট বা। কৃষি বে দল লোপৰ লাজে চুনে দেৱে ভাবন্ধ প্ৰের ফল আছে, দেটা লচ্ছো এখন দেখা বাবে না।

আন্তি বলসুম, আন্তি আকাকৰ দিনেৰ ফলটা ডাই, দেই ফলটাই আমাৰ।

নিবিম কল্পে, আমি কালকেত লিনের কলটা চাই, সেই কলটাই স্থানতঃ

मानव करा, वाश्रानित हर अक्ट्री ग्राडा जैपर्व माहक, क्यानाहर्षित, हाडी रशासा जिल्लिमा दिन्न, किया गांत्रेहत हरहक अक्ट्री गर्मनुष्टित करण्यात्रि করা হরে উঠে ওটাকে নিজের পাওডার মেরে কেলনে সাল। ভারচ্ছর এই-বে হর্না প্রশানীর পূজা বাঙালি উন্তাবন করেছে এইটেডে তে নিজের আকর্ষ পরিচয় বিজেছে। পারি নিজর করেছে পারি, এ কেই পোলিটিকাল দেবী। ফুলেরানের পালনকালে বাঙালি বে কেপেনির কাচ থেকে পরাক্ষরের বর কারনা করেছিল এ বুই কেবী ভারট বুই বুরুত্বে স্তি। সাধনার এনে মাল্ডর বাজ ত্বপ ভারভয়রের আর বোন স্বশ্ব সক্ষেত্র পোলেছে ?

কৃত্বিশ হচ্ছে, কাগলে কলমে নিবলে কথা লোনায় জালে কিছ প্ৰিনৰ কথা কাগলে দেখনাৰ নহ, গোচাৰ বন্ধা দিছে কেলেব বুক চিন্তে চিন্তে কেবাৰ। পতিতে খে-বক্ষ কৃত্বিত্ত ছালায় কালীতে কেবে দে-বক্ষ নয়, লাভদেৱ কলা লিখে চাবি খে-বক্ষ আছিও ব্ৰুত আপনায় কামনা ক্ষিত্ত কয়ে নেই-বক্ষ। ১৮

विस्ताव तरक वर्गन भाषाय द्रापा वर्ग, भाषि कल्लूम, एव द्रवरण नीहरी क्रिकेश क्र

লোষাকে কথাৰাৰ কৰিছি। জানি নে ছবি আমাৰ কথা ট্ৰিক বুককে পাৰ কিনা। এ কথা বোৰাটো ভাবি শক্ত বে, চেকলোকে কেবছাৱা বাবেন কন্ত, মৰ্কলোকেই ঠাবা কোন কেন্দ্ৰ

বিষক্ষা এক বৰুৰ কৰে আমাৰ দিকে চেত্ৰে বন্ধন, ডোমাৰ কৰা খুব **পটো বৃহত্তে শোহতি**।

এট প্রথম বিহলা আয়াকে 'আপনি' না বলে 'কৃমি' বললে।

मानि सम्बद्ध मर्कत (र इक्ट्र दीर शायक शहरि क्ट्रम प्रस्त ংশাৰেন স্থায়ৰ একটি বিভাই মূল ছিল, দেও এক দিন মঞ্জুন দেবেছিলেন : ত্তৰ ভিনি প্ৰোপতা কোছেছিলেন। জীয়াৰ সম্প্ৰ গোলৰ হাবে। আছি TRIBLE CHE PERS EN CHIEFE I CHILINE NAME NOT AND AND COMPLETE লায়নলী হাৰ: ছোমাৰট কালো চোৰের কাকন মানা পরৰ কামি কেবছৈ ारहिक्त महीब मीम कारण बहुबन नारहर बमावनार प्रत्या , जार, कहि শানৰ খেৰেৰ উপৰ দিৰে ছোমাৰ ভাষা আলোৰ বহিন কৰেবাভিটি मुक्तिक मुक्तिक बाब , काब, क्षांबाव निवृत्त (मा (मार्वाक देवादिक देव বেল্ডি সম্ভা আকাশটা কেন মঞ্জনির সিংহের মতের লাল কিন দেব जरक क्रिय की-वा करन कमान्त भारक। देवती एकन केरब अक्ररक अक्रन Wind was now rows foreign with their new wife winte were ভেলে প্ৰস্তাৰ কৰে কৰে আমাৰ লেশৰ লোক কীবন পাৰে। 'ছোমাৰট न्दिक प्रक्रि प्रक्रिया प्रक्रिया प्रक्रिया । क्रिक्स तम क्रमा मनदम म्मने करव त्वारक वि । **कांडे कावाद माकड**, म्यून तम्मदक करण मिटर कामांत रमवीच मृत्रिक्डि निरम्ब कारक मरक जान करद प्राप्त गुरु। (वन ८६ (कड़े प्रार्ट्स क्षांह परियान करा नाराय जा। प्रति कामारक तार्वे वर गान, तार्वे त्यक

বিমলার টোপ বৃষ্টে এল। সে যে সাগতে বস্তাধিক ক্রেই স্থান্তরের তেল এক হয়ে লিয়ে তেল পাততের স্থাধিক মধ্যেটে ক্ষম করে বছল। আহি আৰু বানিকটা কলনেই নে অজ্ঞান হবে পাক বৈষ্ঠ । বানিক পাৰ লৈ চোল মেলে কলে উঠল, পলো প্ৰজাৱৰ পথিক, কৃষি পাৰ্য বেজিছেছ, কোমাৰ পথে বাবা দেৱ এজন সাধা কাৰক নেই ৷ আমি যে কেন্দ্ৰে গান্ধি, আৰু কোমাৰ ইজাৰ বেগ কেই সামলাতে লাকৰে না ৷ বাম-আসৰে ছোৱাৰ পাৰেৰ কাছে জাৰ বাজহও কোল কিছে, ধনী আসং ছোৱা ছাৱাৰ ছোৱাৰ কাছে উজায় কৰে কেনাৰ কছে, যান্ধেৰ আৰু বিছুই নেই ভাৱাক কেবলমান্ত মননাৰ কাছে ভোষাৰ কাছে এলে সেবে পভাৱ -ভালো-মন্দ্ৰৰ বিনি বিদান সৰ ভোসে বাবে, সৰ কেনে মাৰে ৷ বাজা আনাৰে, কোলা আমাৰ, তুনি আমাৰ মধ্যে যে কী কেবছ ছো জানি নে, কিছ আমি আমাৰ এই জ্বলছেব উল্বে ভোমাৰ বিশ্বৰূপ যে কেবলুম ৷ ভাব কাছে আমি কোখাৰ আছি ৷ স্বনাল লো স্বনাল, কী ভাব প্ৰজন্ম কৰ জন না সে আমাৰে সম্পূৰ্ণ মেৰে কেবলৰ জন্ত কৰ আমি তো আৰ বিভিন্ন আমি নো আৰ পাৰি নে, আমাৰ যে বৰ কেবলৈ কোন গ্ৰহণ কেবল ।

ৰলতে বলতে নে ভৌকিধ উপৰ খেকে মাটিয় উপৰ পতে পিৰে আমাৰ নুষ্ট পা স্বাচিয়ে ধৰলে। ভাৱে পতে ভূগে ভূগে কালা, কালা, কালা।

यहें एका हिल् निष्ठकृष्। हहें लक्षिके भूषिती कर करवाद लक्षित्र कारना खेलाइ नइ, खेलकश्य नइ, उहें मटकाहन। एक वरण, मखादन क्ष्यखा क्षा इरल स्माटका वाहानि एक क्या त्रकृषिक, खाहे वाहानि वर्टन हिल क्ष्यकृष्णद भूषा, वाहानि अरहाकिन मिरहवाहिनी पृष्ठि। एनं वाहानि स्मावाद स्माक पृष्ठि शहरत, कर कराव निष्ठ एकस्म महकाहरून बरणसाख्या

আবে মাজে চাতে দৰে বিমলাকে চৌকির উপরে উট্টের ক্যাল্ম বিই উত্তেজনার পরে অবসাদ আসবার আগেই জাকে কলন্ম, বাংলাফের মাধের পূজা প্রতিষ্ঠা করবার ভার ভিনি আমার উপরেই লিজেছন, কিছ আহি যে সহিব।

বিষ্ণাৰ মুখ জনজো লাল, চোখ জনজো নাপে চাকা, এন বাদ্যান কটে বন্ধান, চুৰি বৰিব কিলেৰ ৮ বাব মা-কিছু আছে সম তে ছোমান্তই। কিলেৰ মজে বাৰা জাৰে আমাৰ নামনা কমে বাহেছে ৮ আমান সমান সোনা-মানিক জোমাৰ প্ৰকাষ নাম-না কেচে, আমাৰ কিছুই দৰকাৰ নেই।

কর স্থাপে স্বাধ-একবার বিষদা দ্বনা দিছে চোড়াইল , স্থানার বিষ্কুত্রে বাবে না কর্তবানটার বাবল। সাকোচটা বিজেব স্থানি ভোবে সেম্বির। চির্বাদন পুরুষ্ট মেয়েকে প্রনা দিয়ে সাক্ষিয়ে এসেকে, মেয়ের হাত্ত থেকে প্রনা নিয়ের কোনে কেন্ত্রন ব্যন্ত পৌল্যে বা প্রেক

কিন্ধ এখানে নিক্ষেত্ৰ ভোলা চাই। খাখি নিজি নে । এ মাছেছ পুৰুই সময়ই সেই পুৰুষে চালৰ। এমন সমাবোহ কৰে কবাত্ৰ চাই যে জেমন পূজা এ পোল কেন্ট কোনো দিন গোল নি। চিবলিনেই মাছে। নুচন বালোৱ ইটিচালের মুমের মাজখানে এই পূজা প্রতিষ্ঠান হাছে, যাবে। এই পূজাই আমার কীন্তনের প্রেচলন হলে দেশকে লিয়ে যাব। কৈছিছার সাধনা করে পেলের মুখেরা, কেরভার কানী কহাবে দ্বালা। সৈ

এ তেটা গৈল বড়ো কথা। কিন্তু ছোটো কথান যে পাছতে হবে। আপায়ত অন্তত তিন হাজাব টাকানা হলে নো চলবেই না, পাঁচ হাজার হালই বেশ প্রচেলে ভাবে চলে। কিন্তু এত বড়ো উনীপ্রার মূলে হতাৎ এই টাকার কথাটা কি কলা চলে গ কিন্তু আর সময় নেই।

ন্যক্ষেত্ৰৰ ব্যক্ত পা দিৰে কাভিছে বান কেনলুম, বানী, ও নিক্তে জ কাঞ্চাৰ পুঞ্চ হবে এল, কাঞ্চ বন্ধ চহ ব'লে।

শ্বমনি বিষদাৰ মূদে একটা বেধনাৰ কুকন দেশা দিল। ভাষি বুকসুত্ব, বিমদা স্বাধান্ত, আমি এখনাই বৃধি দেই প্ৰদান হাজাৰ দানি কৰক্তি। এই নিবে কৰ বুলেৰ উপৰ পাধাৰ চোপে চংগাছত , বোধ হয় নাবা ব্যক্ত স্প্ৰয়েছ, কিছু কোনো কিনাৰা পাছ নি । ধ্যোমের পূজাৰ আৰু কোনো উপদ্বাধ স্থো নাকে কোই, স্বাধানে ধ্যা শাক্ত কাৰে আমাৰ পাধাৰ দেশে নিকে পাৰমে না

সেই কাল ওব মন চাজে এই মাজ একটা টাকাকে কৰ আকৰ্ম আকাৰে প্ৰক্ৰিত্ৰণ কৰে আমাৰ কালে এনে কিছে। কিছ কোনো বাজা না গৈছে এব প্ৰাণ বালিয়ে উন্ধান ওব এই কটটা আমাৰ ব্যক লাগতে। ও বে এবন সম্পূৰ্ণ আমাৰ্য়ই , উপজে ভোগনাৰ হাম এখন জো আৰু দৰকাৰ নেই, এখন কালে অনেক যাত্ৰ বাজিছে বাজাৰ চৰ।

আৰি ধনসুৰ, বানী, এখন দেই গ্ৰুপৰ হাজানেও বিশেষ হয়জান নেই , বিদেশ কৰে কেথছি, পাঙ হাজাত, এমন-কি ডিন হাজাৰ ইংলগ চলে যাবে :

হঠাৎ টানটা কমে পিতে বিমলাৰ ক্ষম একেবাৰে উক্স্কৃতিক করে জীয়া। সে দেন একটা পানের মজো বলকো, পাচ হাজার জোমাকে এনে প্রেয় :

নীমূর লালি কেশে আমি পারণ এমন দুল অনৌ ককে ডিন ভুকনে নাইকো খাহার মূল। নালির কানি হাত্যাহ ডালে,

श्रवात काटन वांक्टर मा टरू---इस्च_्रमा दडरब, रमूमा चंडे बांगिएड दर्गण कृतः।

4 द्विक (महे स्ववहे, आव (महे जानहे, आव (महे उत्वहें क्यां— भीठ हालाव (आसारक जरन (स्वरं)) 'स्तूब लाजि (क्यां) आवि शतक अमन् पूमा' तीलिय जिल्लक्षाव केवलिय मक व'रमहे, ठाव क्यां आव वारा व'रमहे जबन एक: अखिरमारक ठारण वेलिय विक उत्वह आव हालांग करा मितृम या हरन (लाना (वच— इक्सा, अस होजाद (खानांव क्यां) वेलांव, आवि (सरक्यांक व्यक्त होना लावों वा (कायां) है खानि हेंखानि वाधिकांक भारतंव माम खाव अवहें स्वकृत दिसक ना । खावें क्यांनि राविकांक मारतंव मार्थ खाव अवहें स्वकृत दिसक ना । खावें क्यांनि (साववीं हमें मुंदा) (स्वेटिंड वेलि, काव (बाह वाव क्यां) क्यांनि हस्त

वाझे रानिव विकारवाह केथा। तमें बाहाब निर्मन मुक्कार्ड (र की वाव बाहाब निर्मन काक्यांन विक्रू त्यादाह, वह मूच त्यादाई तमें)। (नावा यादा कान्यांन प्रत्येत कई शाला। विक्रू निर्माण वहारे, कांगांव प्राप्त कार्यां त्यादांव प्राप्त कार्यां त्यादांव कार्यां कार्यां

विमान मन्त्रीतक उनने केनावन वानवादिक केन्द्रिय वानवाद कन्न नाउ वानव केन्द्रिय नायकान (मार्च कान्य, उक्त कारान उनने महिन्नकानिक प्राचन महन्त्रक कार्याकार (मार्च कार्याका वाद कार्य अन्य कार्याक है निविध्यक उन्याकाद कर्ष्यानिक कार्याकार (मार्च वि वाद्यान्त्रमाधिक प्रमाणिक प्रमाणिक कार्याक्ष कार्यानिक कार्याकार कार्याक्ष कार्याक्य कार्याक्ष कार्य कार्याक्ष कार्याक्य कार्याक्य कार्याक्य कार्य कार्याक्य कार्य कार्याक्य कार्याक्य कार्याक्य कार्याक्ष कार्याक्य कार्याक्य कार

মাক । মারা কুল ব্বেভিল জারা ঠেকার ঠেকার ট্রিক করে বৃধ্ধে নিক, বা নিবে আমার বেলি চিম্বা করবার স্বকার নেই। বিমলাতে ছো এই উদীপনাম বেলে বেলুনের মাজা আনেক কন উভিনে বালা সম্বন নম, মাজনাম নাই বাজের কাজাই বন্ধ ক্ষিত্র পারা বাব সেবে নিজে বজে। বিমলা বন্ধন ট্রেকি থোকে উঠে সংলা পর্বন্ধ বেছে আনি নিজাক্ত যেন উল্লো ন্তৰম স্থাবৈ কলপুম, বানী, ফা হলে উচকাটা কৰে—
বিমলা দিবে সাছিত্ৰ কলপে, এট মানেব লেখে মান-কানাবেৰ সময়—
মানি বলপুম, না, দেবি হলে চলবে না।
ডোমাৰ কৰে চাট ?
কালট।

भाका, कामहे शत (१९)

विभिल्लात्व चाच्या

শামার নাম্ম কাল্যে পাবারাপ্ত এবা চিট্রী বোরাতে প্রক বছেছে।
প্রনত্তি, একটা ছাছা এবা ছবি বোরাবে, ভারত উপথাল বছে। বনিকভার
উৎস্থানে প্রত্তি, সেই সাজে অনুভৱ বিধ্যাক্ষণার ধারাবারে সমস্ত কেশ একে
বারে পুর্বিজ্ঞা। জানে ধ্যা, তিই পালিল বাসর কোরিবেলায় বিচ্বিবিটা
রাখেরই হাছে, আমি জন্সার বাহার এক পাল পিছে চরেছি, আমার
পায়ের আন্তর্বানা সালা রাখবার উপায় এই

লিখেছে, আমার এলেকায় আপামর লাবাবন লবলেই খনেনীর কলে ব্যক্তবারে উংক্রক হয়ে বাঘাছ, কেবল আমার করেই কিছু করাত্ব পারছে না কুই-একজন লাহদী বাবা দিলি কিনিল চালায়েই চাত্ব ক্ষিয়ের ইংলীড়ন কর্ডি। পুলিবের বাল আমার ভাল আমে বেংলার আছে, মাকিটেটির বাল আমি বেংলারে চিটি চার্ডারি কর্ডি করা বিভাগরে ব্যক্তবার কাল্য বর্ব পোলার চিটি চার্ডারি কর্ডি করা বিভাগরে ব্যক্তবার কাল্য বর্ব পোলার আছে আমার আহেজন রার্থ হবে না। বিভাগর আমার আহেজন রার্থ হবে না। বিভাগর আমার আহেজন রার্থ হবে না। বিভাগত আমার আহেজন রার্থ হবে না। বিভাগত আমার অনানা পুল্বা হল, কিছু বেংলার ক্রিকার বিনামার ক্রিকার বিলাহেত্ব সে ব্যবহণ আন্তর্গার বার্ণি।

ক্ষামাৰ নামটা শাক্ত কৰে। কয় নি, কিন্তু বাইবের ক্ষাশক্তরার ভিন্তর । খেকে স্কৌ পূব বাছা করে ভূটে উঠেছে।

ক লিকে মান্তবংশল হবিশকুকুত গুণপান করে কাল্ডে চিটির প্র চিটি বেরেয়েক। নিবেন্তে, মান্তব এমন শেবক লেলে যদি বেশি বাজত নাঃ ধন্দে এক লিনে মান্তকভাবেত করেবানা-ব্যবহ চিম্নিক্তানা প্রথ বাজ-মান্তব্যেক ক্ষরে সম্পানে বাম্পিতে ফুজিয়েক বাজত।

क क्रिक बाबाब नारव मान वामीराव (नना करवानि विधे करनाव :

নাৰ পট কৰেছে: মাধের জোলের কথৰ সরিক, ক্রিক্টিকাচনণ গুরু:
আমি আনি, এ-সমগ্রই আমার এখানকার সব ক্রিক্টেন্ড বচনা।
আমি কাদের স্থাই-একজনকৈ ভেকে সেই চিটিখানা কেবাসূর্য। বি এ
গাড়ীর ভাবে বলগ্রে, মামধার প্রনেছি, পেবে এক-কল লোক মবিবা হাত
রাধেছে, বাংশীর বাধা ব্য করতে ভারা না করতে পারে এখন কাও
নেই।

ক্ষামি নাল্য, ভালের অভার জনগজিতে খেলের একজন লোকও হতি ভার মানে ভাঙলে সেটাতে সময় খেলের প্রভেব।

है जिहारन अम अ रनरनम, दुवरक नावहि स्म i

আমি কলমুম, আমাদের দেশ দেযকাকে থেকে পেরাছাকে পর্বন্ধ এই করে করে আগস্বায় করে ব্যৱস্থা, আন্ধ জেমেরা মৃক্তিকামাম করে দেই কুক্স ক্ষরেক কেন আয়-এক নামে যদি দেশে চালাতে চাও, অন্ধ্যাচারের হারা কাপুক্সভাটার উপারে যদি ভোষাদের দেশের ক্ষরকা জোল করমে চাও, আ হলে লেশকে বারা ভালোবালে ভারা দেই ক্ষরের লাসনের ভারে এক-চুল মাধা নিচু করবে নাঃ

ইবিভাগে এম. এ. বন্ধনেন, এমন কোন্ কেশ আছে বেখানে স্বাঞ্চলামন কৰেব শাসন নব দ

কাৰি কাল্য, এই ভাৰৰ শাসনের দীয়া কোন্ পুৰুত্ব দেইটোর ছারাই কেশের যায়ৰ কজটা কাবীন জানা হায়। ভারৰ শাসন যদি চুবি জাকাতি এবং পাৰের প্রতি অভায়ের উপজেই জীয়া যায় ভা মলে বোলা যায় তে. প্রায়েক যায়ককে আন মুদ্রবৈধ আজিল কেকে স্বাধীন করবার জাকা এর শাসন। ক্রিড মার্থ নিষ্ণে কী কাশ্য প্রাত্ত কান্ লোকনি জ্যাক কিন্তে, কী বাহে, করে সঙ্গে বাহে তাহে, এক খনি ক্রের শাসনে বাধা হয় ভা হবে মার্যুক্তর ইক্ষাকে একেশারে লোড়া থেঁকে স্বাধীকার করা হয়। প্রাতি হল **সায়েশ্যে**ক ম্যান্তর খোক বক্তিক করা।

हेर्सिक्**रिय अस्ते** अ कलातन्त्र, ऋत श्रात्मक तम्बर्गासक कि हेस्सारक (लाङ्गा चार का**र्वेशस श्रो**क्षांक (कार्या शारक) (सह १

স্থামি বলসুম, কে বলনে নেই ৮ মাছদাক নিয়ে দাদ ব্যাবদা দে দেশে হ পরিমানে স্থান্তে দে পরিমানেই মান্তৰ স্থাপনাতে নই করছে।

এই এ. বল্লেন, ভো হলে এই লাল ব্যবসাটো মন্ত্ৰেষ্ট ব্য, কটাটি মন্ত্ৰাৰ চ

ति ह तल्लामा, मधीलवात् तल्लाख एम निमार्य महाच लिलामा स्मित्र चामारम्ब महाम पूर इत्रालाक नहीं हो से लाइव हरिक्तकृष्ट्र चारकम समित्रात, किया मामिक काहात क्रकारतीया, सेहनद ममास्य गानको सीके निर्ध साम्राक्ष दक्ष कुहरूक विभागित स्थास लागात । मा (महें। एकमा मा एकमा), नवायतहै सेता इत्रालाव केलाइन काहनद काहरूम माता स्थासकों मान छोड़ा मा भावादीकों हर्णक स्थापन मकानद काहरूम गांवा विभाग।

 আমি বলপুম, আমি আদেশীর ডেবে বড়ো দিনিস চালাকে চাই, সেই জন্তে অদেশী চালানো আমার পক্ষে পঞ্চ আমি ববা বুঁটি চাই নে কো, আমি আমার কাকে সেবি হবন।

নীতিহাসিক হেদে বললেন, মাপনি মবা গৃটিণ পাবেন না, জাপ পাছণ পাবেন না। কেননা, সন্ধীপনানুহ কথা আহি মানি— পাওয়া মানেই কেছে নেক্ষা। এ কথা লিখনে মামানেক সময় দেলেছে, কেননা একলো ইছলের লিক্ষার উল্টো লিক্ষা। আহি নিজের স্থোবে কেবেছি, ছয়ুদের গোমাজা ওকতবন কাছতি চাকা আলাম কলতে কেবিমেছিল—একটা মুস্পমান প্রজার বেডে-কিনে নেগার মতো কিছু কিল না। ছিল আৰু বুবতী লী। ভাছতি বললে, তেবাৰ বউকে নিকে কিছে টাকা শোদ হলা আলাম বুবতী লী। ভাছতি বললে, তেবাৰ বউকে নিকে কিছে টাকা শোদ হলা আলামানে কাছি, আমীটার সোপের কল দেশে আমার বাছে মুম্ম হল নিক্ষা বুবতী করি লোক করার উম্বেলার মুটে বুবল, চীকার পোর হল আলামানে বুবছ করা বোক, আমি এটা লিখেছি যে, বুবল টাকা আলাম কাছে করার কাছে আলামান কেবে অন্তল্প আনি পারি নে, আলাম সোপের কল আলামান, আই মুর্ম কেবেল বুবল, আনামান সেবেল কলে আনি পারি নে, আলামান সেবে এই-স্ব পোরবা, এই-স্ব মুকু, এই-স্ব চনক্ষেতীয়া।

আৰি অভিক হয়ে দেনুৰ; কানুৰ, জাই বৰি ইয় জাৰ এই-সৰ গোষায় এই-সৰ কুৰু, এই-সৰ চক্ৰান্তীলো হাজ বোৰ দেনকে বাজায়াৰ কাৰাই আৰাৰ। দেশা, ইনিয়েও বৈ বিদ মঞ্চাৰ মাধ্য আছে, দেইটোই বন্ধম হয়ে আছে, বাই কাৰাই কা

মামার এ-পর কথা শ্রোক্ত সংগ্র কথা— দংল লোককে বললে ব্রাচ্চ দার মৃত্যুট্নার কেরি হয় না। কিব প্রামানের লোল থে দর এম এ এতিয়ানিক বৃথিত পাচ কমছে সভাকে পরাজ কর্মার করেই স্থানের পাচ।

এ দিৰে পদুৰ কাল ৰামীকে নিয়ে নাগছি। ভাৰে কথামান কয়া করিন। সন্তা বটনাৰ সাকীৰ পাৰা। পৰিমিত্ত, মেন কি পাৰী না বাৰাক বালাৰ নাগৰ নাগ কিছে বা বালাৰ কাৰ্যক কয়। কিছু বে বালা বাট নি, কোপাত কাৰ্যক কয়। কাৰ্যক নাগৰ বা মানি হৈ মেহিদি বা পানুৰ বাছ গোৰে কিন্তেছি সেইটা কাছিছে ধেৰাৰ এই কৰি।

আমি নিজপার লেবে ভাবভিনুত, পর্কাক মানার নিজ এলাকার্যেই কমি বিষে ধরণাকি করিতে নিউ। কিন্তু নাগোর-মাণ্ড বন্দদেন, অভ্যাত্তর কায়েছু প্রয়েজ হার মান্যান্ত পারব না। সামি নিজে চেঠা নেম্ম।

খাপনি ভৌ দেৱকে ? ইঃখানি। শাবন ব্ৰচ্ছে পাৰপুম না। স্বাচাৰে— বাস্টাৰ-মণ্য ৰে কী কবাতে পাবেন ব্ৰচ্ছে পাৰপুম না। স্বাচাৰেলাভ বৈ সমৰে বোৰ আমাৰে সংখ জীৱ দেখা হব সে দিন দেখা হব না। বৰল নিবে জানপুম তিনি ঠাব কাপাছৰ ৰাজ আৰ বিভানা নিবে বেবিৰে পেছেন, চাকৰালৰ কেবল আইটুকু বলে পেছেন, তাৰ কিবছে ও চাব দিন দেবি হবে। আমি ভাবেশুন, সাকী সামাধ কবৰাৰ করে তিনি পাকুৰেৰ মামাৰ বাহিতেট্ বা চাব পেছেন। তা যদি ধ্য আমি জানি, সে তাৰ বুখা চেন্না ছবে। কাপাখানী প্ৰেল্ম মহবন এবা বিবাৰে কচিয়ে উৰ্বে ইব্লেণ্ড কৰ দিন কুটি ছিল, ভাই ক্ষেণ্ড তীৰ বৌল পান্যা সেল না।

दिन स्वतं विद्यालय नित्यं नित्यं साला व व वस्त (साम्यु इत्य साला व साला कर्य क्रिक्ट क्रिक्ट स्वाय साला व व स्वतं (साम्यु इत्य साला व स्वतं क्रिक्ट क्रिक्ट स्वाय साला व साला व स्वतं व साला क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्रिक

राव बाकरक नावि ता । सार्व महाराक्षे त्यक्षे कलाश्चक क्षेत्रक श्राह्मा आपाव करका कार्याव कर श्राह्म कर कर श्राह्म कर कर श्राह्म कर श्राहम कर श्राह्म कर श्राह्म कर श्राह्म कर श्राहम कर

দেনি বিকেশ বেলাটা ক্লি যথন স্থাত মোহানাটোত বাদ লৌচেছে বধন সামার কাজ ভিল না, কাজে মনান ছিল না, সাদারে মুলাইন ছিলেন না, শৃক্ত বুকটা যথন আকাশে কিছু একটা আকালে ধরতে চাজিল জ্বান আমি বুক্তি ভিতরের বালানে লেল্ম। আমার চল্মজিলা ছালেবান কাজি ভিতরের বালানে লেল্ম। আমার চল্মজিলা ছালেবান বালান বালান কাজিবিভিলুম। বানা বালেবালান কাজিবিভিলুম। বানা বালান কাজিবিভিলুম। বালা বালান কাজিবিভিলুম। বালা বালান কাজিবিভিলুম। কালি বালান কাজিবিভিলুম। আমার বালানে কাজিবিভিলুম। বালান মানে একটু ছোলে বালানুম। আমার বিব্রিলী চল্মজিকার বিব্রুছ মুক্তিছে আদি লো।

বাদানে কৰন চুকলুম কোন কক প্ৰবিদ্যানৰ উপতি ট্ৰিক আমাধের প্ৰিচিম্বৰ উপত্তিয়ে এনে মূল ব্যক্তিয়েও নালিংক অন্যান্তিক অনুষ্ঠান কৰিছ মান, আমাই উপৰ নিয়ে বাকা হয়ে ইংনের আলো বালানের পভিম নিকে এনে প্রেমান ট্রিক আমার মনে হস, ইংল বেন হাংও পিছন নিক আমে বনে অককারের ভোব কিপে নার মুচনে কাস্তেও।

পাঁচিদের যে বাবটারে গ্যালাবির হতে৷ করে থাকে বাকে চন্দ্রমন্তিকার বি সাম্বানো ক্রমের নেই দিকে নিয়ে মেরি, সেট পুলিক সোপানমেরীর ক্ষণাৰ পালের উপতে কে চুপ করে করে আছে। আমার বুকের মধ্য গড়ান করে উঠন। আমি কাছে গেকেই লেও চয়কে ভাছতোচি উঠে কল।

ভার শর কী করা বাব ; আবি ভাবদ্ধি, আবি এইখান ভোকে কিংগ বাব কি না। বিকলাও নিশুৰ ভাবদ্ধিল, দে উঠে চলে বাবে কি না। কিন্তু থাকাও বেমন শরু চলে বাওৱাও ভোমনি। আবি কিছু-এ০ই মনস্থিত করার পূর্বেই বিমণ। উঠে গাঁড়িতে মাধাত কালড় দিবে ব্যাচিত বিকে চল্লা।

সেই একটুগানি সময়ের মধ্যেই বিমলার ছবিষত ছাত্র আমার কাছে হেন মুক্তিমান হবে কেবা দিল। সেই মুহ্তে আমার নিজেও স্থীপনের নালিল কোখায় হবে কেবে গেল। আমি ভাকে ভাকশুম, বিমলা!

পে চমকে ইডেলো: কিছ ডখনো গে আনাব কিছে জিছল ন আমি ডোর সামনে এনে ইডেন্ম। তার দিকে ছারা, আলার মুখের উপন ইড়াছের আলো পড়ল। সে ডাই হাত মুঠো করে ডোখ বুজে ইডিয়ের রইল আমি বলপুথ, নিমলা, আনাব এই পিকরের মধ্যে চারি কিছ বছ, জোমানে কিলের করে এখানে দরে বাধব ৮ এমন করে তো ডুমি বাঁচবে না!

विद्यमा छात्र मृहबर्ड सहेल, अक्षेत्र क्या क रत्यम ना ।

আহি বলসুদ, ভোষাকে যদি এমন জোৱ করে বেঁবে বাদি ভা চাল আহার সমস্ত জীবন যে একটা পোচার শিকল হয়ে উঠাবে। ভাতে কি আমার কোনো প্রশাস্থাতে !

विक्रमा हुन करवर वहेगा।

আৰি ফাল্ম, এই আনি জোনাকে গভা কছি, আৰি জোনাক ছুট ভিসুম। আনি বহি জোনাৰ আব-ভিছু না হয়ে পাৰি অস্তম্ভ আনি জোনাৰ হাতেৰ হাত-কচা হব না।

এই বলে আহি বাজির দিকে চলে গেলুম। না, না, এ আছার উল¹ ময়, ও আমার উলালীয় ভো নাই। আহি বে ছায়তে না শাবলে কিছুচেট काका भाव मां। पारक श्वासाय क्रम्यत्य कात्र करव खादक विपालने श्वासाय क्रम्यत्य याद्या करव द्वारण शिरक भावत्र मा। श्वश्वासीय कारक श्वासि (शाक्रसायक स्वयंत्र कर्षे क्राप्तमाय क्ष्यक्रि, श्वासि स्वयं मा भावे अमें अमें स्पन्त कृत्य भावे अस्त श्रीकात, किन्न श्वासायक स्वरंग द्वारण श्वास श्रीकार विश्वासक महा बाल बरव बायाय (क्षेत्र) या निर्देशकों श्वास (क्ष्या व्यास श्वास श्वास स्वरंग अम्बाद अपे

বৈইজ্বানার হবে এসে দেখি মান্যার মণায় বাল আছেন। ক্ষান কিছেবে ভিছারে আলোল আনায় মন চলচে। মান্যার মলায়কে লোক আদি মন্ত কোনো কথা ভিজাল। করবার আলো বাল উঠ্লুছ, মান্যার মলায়, মৃত্যিক হচ্ছে আছবের দব চেছে বড়ো ভিনিল। ভার কাছে আর-বিস্কৃত্য নেই, বিস্কৃত্য না।

মাস্টার-বশ্য আমার এই টারেজনায় আশুর্য হবে সোলেন। কিছু না বাদ আমার নিকে চেয়ে বইলেন।

आवि कातृत्व, वह गएड किन्नडे (तावा शह ना गएड गएकिन्द्र, हजाडाई तकन, ता निर्माण देश्य, अहरक देश्य । किन्न छन् दिवन करा क्यानक कर्मा । मिला हर किन भागितक वेश्य । क्यान द्वार क्यान क्यान कर्मा । मिला एवं किन भागितक वेश्य (क्यान द्वार क्यान क्य

ियाकीय-जनाव कमानद्र भावता बात नवि, त्यी वेशक नावति क्षिणान गाउन नव भाववादै वारीतन। विश्व मानदम त्यो। वेशक नावति क्षिणाक मानव माना जान नगाउँ वारीतावा

ক্ষাৎ মনে পতে ব্যক্ত, মানাৰ মপায় ক কিন ছিলেন না, কোষাই ছিলেন ভা কানিও নে: একট পদ্দিত হয়ে নিজ্ঞাস কৰ্ন্য, আপনি ছিলেন কোষায় চু

मार्थाव-मनाव करामन, नकृत वर्^ह ३८७ ।

भक्त वाक्रिया १ अहे धात मिन एमशायांक विद्यान १

हैं। मत्न कार्यम् त्य त्यावादे मकृत मामी तमक अत्याक लाव मत्करं क्याताका करा तम्य । सामान्त त्यात लाव नामानः। तम तक्ष्णे सास्य तत्य तिमानं करात्र त्यात्र । सामान्त त्यात्र व्यात्र व्याप्त व्याव्य व्यव्य व्याव्य व्यव्य व्याव्य व्याव्य व्याव्य व्यव्य व्यव्य

গৰে। ভাই জোমাৰ কাছে জনুম। আলং যে বা সৰকার জালে।

ঠিনি লোক ব্যাহাৰ নহন পকু কৰে জানের কানী ছুলে ধ্যে নহ্ন থাবে এবল ইনিটা কৰে করে, ভাই নিছে কর নকে গ্রীনাটি চলছিল। বিজ্ঞ কর বাজে আমার কোনে আলাছি নেই জনে আমারে যারের নবান্দ্র করেছে। ভ্রমন্ত্রর রাখে আমার জানের জানের পাছর নাজ্যান হা কানুবানি ছিল কানে এবার চুকে জেল। আলো পর বারণা হিল, অলাছ আমি লোকটা সরক। কিছু এবার পর নারণা হাছেছে, আমি বে প্রিচার বালে বেলুছা কোন কোন কোনের কলিটা চাই বাটে, কিছু জাই বালে হাকেবারে বম্মা বালের কলিটা চাই বাটে, কিছু জাই বালে হাকেবারে বম্মা হালে বাট বোনা কোনাই মানির কানির জানের হালে, বুডি বিলার হালে কিছু লিন আমারে পজুর ঘর আলাল থাকারে বালে বালে বালের বা

আৰি কল্ম, ও বাচ্চত্ত পাতে, মহাত্ত পাতে, কিছ এই ব্য এই লেশৰ লোকেত কল্পে হাজাৰ বদম গাচেৰ কাম কল লৈবি কল্ডে, হাই, সমায়ে, ব্যুক্তাহে, সেটাই সাজ লড়াই কল্ডান কল্ডে যদি হাৰ্ড হয় ভা হাজ্য আহ্বা জ্বাধ হল্ডে পাবেৰ।

বিষ্ণার আত্মকথা

এক কল্পে বৈ এন্তটা ঘটতে পাৰে সে মনেও কৰা বাব না। আলাৰ তন সাত কল্প কৰে গোল। এই কৰ যাসে হাজাৰ বছৰ পাৰ কৰে পেছে। সময় এক্ত কোৰে চলছিল যে চলছে বলে ৰুখাতেই পাৰি নি। সে দিন ছটাং পাছ। থেছে বুকাকে পোৰেডি।

বাজাব থেকে বিবেশী মান বিদাহ করনার কথা কথা কথা আহীর কাছে কলতে গেপুম তপন কানতুম, এই নিবে বানিকটা কথা-কাটাকাটী চলবে কিন্তু আমার একটা বিবাস তিনা যে, ভকের ধাবা ভককে নিরম্ব কর আমার পালে অনাবছক। আমার চাব নিকের বাহ্মপ্রকাশ একটা কাছ আহে। সন্দীপের মারা আন পচো একটা পুরুষ সমূহের ভেটারের মারা। ই আমার পারের কাছে এলে ভেবঃ পছল— আমি বো জাক বিই নি. এ আমার এই বার্যার ভাল। আব সে বিন কেবলুম, সেই অমুলাকে— কাছে সে চেনেমারুম— কচি মুবলী-বাপটির মানো সরন এবা সরদ— সে আমার কাছে বসন এবা ভবন কোর বেলাকার নদীর মারা বেলাকে ভেবতে ভালাক বসন এবা ভবন কোর বেলাকার নদীর মারা বেলাক কালে কোনে ভালাক বিরম্বার বিরম্বার আমার বিরম্বার বির্মার বিরম্বার বিরম্বার বার বিরম্বার বিরম্ব

ডাই সে দিন নিষেধ 'শবে দৃষ্ট বিশাস নিয়ে বছৰানিনী বিদ্যাধনিশা মডো আমাৰ স্বামীৰ কাছে বিৰোধসুম। কিছু কল কী গু আছা ন বলাই এক বিনাও স্বামীৰ ভোগে এমন উলাস দৃষ্টি দেবি নি। সে ছৈন মঞ্জ্যিব আজালের মডো, ভার নিষের মণোও একটুবানি হসের বাশা নেই, স্বাহ শাস্ত্র বিশ্বে ভাকিবে স্বাহে ভার মধ্যেও বেন কোবাও বিভূমান বঙ্গ ধোৰা মণাক

না। একটু বৰি বাৰাও কৰা হন আহংগাও বাচত্বম। কোখাও জাকে ছুঁজেও শাংগ্ৰমনা। মনে হল, আমি বিবে।। তেন আমি বতা— ব্যটা কেই জেওে লাঙ অমনি কেবল অভবাৰ বাহি।

এক্ষেপ্ত কলের করে আমার কল্যী কা'লের উবা করে এসেছি। মনে কানকুম, বিধারা আমারক পান্ধি দেন নি, আমার আমীর ভালোবাদার আমার একমার পান্ধি। আমারে পান্ধির মদ পোচালা ভবে গোর্ছি, নেলা কাম উঠেছে। এবন বঠাং পোধালাটা ভেডে মাউর উপর পান্ধে পোন। গোন বাঁচি কী করে।

ভান্তভান্তি বোলা বাধ্যক বলেভিলুম বনকা বনকা বনকা বনকা বেজেবামীৰ ঘৰেৰ স্থান্তন লিকে বাধাৰ সময় ভিনি ধনে উমালন, কী লো ভোটো বামী, বৌলাটা বে মাধা ভিনিকে লাক মাৰাত ভাৰ, মাধানা কি আছে
ভোগ

নে দিন বালানে স্বামী আমাকে অনাথানে বলকোন, গেডামাকে স্থানী দিনুষঃ স্থানী কি এটেট নাথকে দেকতা যায় কিয়া নেবছা যায়। স্থানী কি কেটা জিনিদ। স্থানী বে কাকা। নাছের মানো আমি বে কিবদিন আনবেছ দলে নাজার নিবেছি, রহাৎ আকাশে বুলে বাবে শ্বন বলনে 'এই নোমার স্থানী কেনে হেছি, এবানে আমি চন্যায়ন্ত লাবি নে, বাচ্যায়ন্ত লাবি নে।

আৰু লোবাৰ বৰে বন্দ চুকি কথন কৰু লেখি বাসবাৰ, কৰু আলন্দ, উৰু আন্ধনা, কৰু বাট, এৰ উপাৰে দেই সংবাচনী ছচৰটি নেই । বাহাছে ছটি, কেবন ছুটি, কেটা কৰে । বাবনা ক্ষেত্ৰণতে প্ৰকাষ লোক, পাৰৰ ক্ষায় গড়িছলো বেভিয়ে প্ৰচাহত । আগত নেই, আস্বাব ।

ও কানতে সত্তা আহার পাক কোগায় কান্ট্র টিকে আকে সে সক্ষে

কানে কান এক বাছে। একটা বাংশ লাগল কান আবার লোগা হল কানিলৈও

শক্ষে প্রাধেষ সক্ষে প্রাধের সাজা লোগ দেই আক্রন কো আবার জেমনি
করেই জনজা। কোগার জিলো। ত বে জনগুর স্বা। উই-স্প-ভালিকে-শক্ষা

বাতা। এই-বে মাম্বাঞ্চলো বন পুৰে পেড়াছে, কথা কছে, হালছে— ৬ই ও বচোগানী মালা লগছেন, মেজোবানী খালো লামীকে নিয়ে চালছেন, পাঁচালিব গান পাক্ষেন— স্বায়ার ভিত্তবকার এই স্থাবিভার বে এই-সম্প্রধ্যে চালার প্রবেশ সভা।

সন্ধীশ বনলেন, পঞ্চাপ হাজাব চাই। আমাধ মাতাল মন বলে উঠত, শক্ষাপ হাজাব কিছুই নয়। এনে ধেব। কোথাব পাব, কী করে পাব, তেও কি একটা কথা। এই তো আমি নিজে এক মৃত্যুত্ত কিছু-মা খেকে একেবাং স্ব কিছুকে মেন ছাচিয়ে উঠেডি, এমনি করেই এক ইশারায় হব খান ঘটরে। পাবব, পাবব, পাবব। একটুন সাক্ষিত নেই।

करत (का प्रमुख। छात चत कात निरक (क्षांद्र स्कृति, क्षांका कहें। क्षांका कर्णां स्वयं कर्णां के वादिति स्वयं कर्णां स्वयं क्षां क्षां कर्णां कर्णां विद्यं कर्णां स्वयं कर्णां स्वयं क्षां कर्णां कर्ण

(नवकारम अक किन चमुनारक खाकन्य । कान्य, रहरन्य करख डेरकार

গ্ৰেষ্ট — ৰাজ্যকিৰ কান্ধ খেকে এ ছাকা বেয় কৰে আনতে পাৰ্ছৰ না গ সে বুক স্থানিৰ কাৰে, কেনা পাৰৰ না ৷

হ'ছ হৈ, আমিও স্থীপের কংগ্রে এমনি করে বংগতিলুম 'ক্রেন ভারত - ৷ অমুসার বুক-ফোলয়ন্য সেবে একটুক আখাস ভোনুম ন ৷

किमाना क्षमुद, की कहार वाला (व्यव)

समृतः ध्यति ततः साञ्चल्यति प्राप्तं नज्ञातः कात्रक ८६ (म प्राप्तिक कात्राक्षतः काशः नामः काका स्थानः स्थानानं स्थानः कतन्त्रतः ८६।जाः सरः।

মানি বলসুম, না অমুদা, ন দং ছেলেমায়নি রাছে।

्र नगरम, भरक्षा, द्वाका शिक्ष भन्ने साहादाद (माकाभद रम कदत। द्वाका सारवन्त्रकाचाह र

সে অস্ত্রশন্ত্র বললে, ব্যক্তরে দুর করে

कालि वससूब, करून संवकाद (अहँ, काबाद सर्वा कार्ष्क, प्राष्ट्र किर्यु

সমূল্য কালে, কিছ গাজাকিব উপর মূল চল্ডে না। ধুব একটা সংগ্র কিকিব আন্তেঃ

তি শ্বশিনার শ্রমে কাঞ্চ (নই । সে পুর সহজ। তার শ্রমি :

विद्वा (कार्टाव गाक) (भाक श्राम्य १४४) मात्र) श्रीक्षमा क्षेत्र) १४४ रात किसामत केमय वास्त्रम्, साथ मात्र १४४० (४०१६) मित्रम् १४४ करव भागास्य सम्बादम्— भाग्न निक्क सम्बद्धमा

কী দৰ্বনাৰ (আমাজের দৃষ্টো থাজাকিকে মারার কথা আন করন্তে এব বৰ মুম্কতি তেবি হল না , এত মুখলানি এমনতারা বে মান হয়, একটা বাৰ মাৰাৰ বৰ পাক্ষ পক্ত, অবচ মুখের কথা এবেবারে আর আয়েরতঃ মানে কথা, এই সংগ্রের মুক্তো ব্যক্তি যে কর্তবানি প্রচা বা ব একেবণ্ড বেশ্যত শাহ্ছে না, দেগানে দেন কাৰা আৰাণ । দেই আৰাণে প্ৰাণ নেই, বাধা নেই, কেবল গ্লোক আছে । ন হস্ততে ইস্কহানে প্ৰীতে ।

আমি বলসুম, বলো কী, অমূল্য। আমাৰের রাম-মলারের বে স্থী আছে, ক্লেনেয়ে আয়েন্দ্র তার বেন্দ্র

ষী নেই, ছেলেমেয়ে নেই, এমন মাজম এ দেশে পাব কোখাছ ? দেশুন, আমহা বাকে দহা বলি সে কেবল নিজের 'পাবেই মহা । পাছে নিজের ২০০ মনে বাধা লালে দেই করেই অক্তবে আঘাত কথাত পারি নে, এই ংগ হল কাপুক্রতার চুড়স্ক।

সন্দীলের মূপের বুলি বালকের মুখে শুনে বুক প্রেপে উঠল। ক.ব নিজাল্প কাঁচা, চালোকে জালো বলে বিখাল করবারই সে গুরু সময়। খাব, কর যে বাঁচবার ব্যাল, বাচনার বাছদ। আমার চিত্তরে মা ক্লেনে উঠল যে। নিজের দিক থেকে আমার ভালোও দ্বিল না, মন্দ্রও দ্বিল না, চিল ক্লেন্স মর্থ মধুর জল গ'রে। কিন্তু বখন এই আঠারো বছরের ছেলে এমন খনায়ালে মনে কর্মতে পারলে একজন বুছে। মান্তব্যক বিনা বোরে মের ক্লোই ব্যা, ফেগন খামার গা লিউবে উঠল। বখন দেখতে পেলুম বল মান পাল নেই, ডেগন খার এই কথার পাল বাছে। চ্যালব করে আমার লাভ ক্লো। ছিলে। যেন বাল্যায়ের অপ্রাথকৈ ক্ষিত্ত হৈলের মধ্যে দেখতে পেলুম।

विचारम-देश्मादा-वंशा बदका बदका कर पृष्ठि मक्का कार्यस विदेश का वाधाय कार्यस क्रिक क्षित्र क्षित्र कार्यस्था कार्यस्थ क्षित्र क्षित्र कार्यस्थ क्ष्यस्थ क्ष्यस्थ कर्यस्थ क्ष्यस्थ कर्यस्थ कर्यस्थ कर्यस्थ कर्यस्थ क्ष्यस्थ क्षयस्थ क्ष्यस्थ क्षयस्थ क्ष्यस्थ क्ष्यस्य क्ष्यस्थ क्षयस्थ क्षयस्थ क्ष्यस्थ क्षयस्य क्षयस्थ क्ष्यस्थ क्षयस्य क्षयस्य

शानि, वानि, गृरिरीय रहा सहा अवाम महवात्म माम वका वार

বোদ উঠেছে। কিন্তু যা হৈ আছে একলা গৈছিছে এই প্রভাবের ন্যুক্তিকে দুখ্য করবার করে। যা তো কার্যদিন্ধি চার না, দে নিন্ধি হও বড়ো নিন্ধিই বেক, যা যে বাঁচাকে রাই। আৰু আয়ার সহত্য প্রাণ চাঙ্গে এই ক্রেক্টেকে ছই বাবের টোনে থয়ে বাঁচাবার করে।

विष्के भारतने तरक काकाति कवात वालकितृत्र, उपन गए गएन केरती। कभाने विति त्रिनीटक च स्वरहवाकृत्वत प्रतेतना गरत कामर्थ । स्वरह्याकृत्वत प्रतेतना गरत कामर्थ । स्वरह्याकृत्वत

অনুবাকে বৰ্ণপুত্ৰ, যাও, ডোমাডে কিছু করতে হবে না ; উপজ্ লাগ্যছ কাৰ্যত ভাৱ আমাজক উপল । *

বৰ্ন শেলবজ্ঞা পৰিত্ব প্ৰেছে জাকে ভাক দিতে কেবালুছ, বললুছ, আছুলা, আমি জোমাৰ দিদি। আজ ভাকতেন্টাৰ পাকিব ডিবি নহ, কিছ ভাকতেন্টাৰ আনল ভিবি বছতে ভিন্ন শো প্ৰথম নিন্ন। আছি ভোজাতে আশীবাৰ কৰছি, ভাৰান সোমাণ্য তথা জন্ম।

চর্য ক্ষামার মূপ গোলে এট কথা জনে ক্ষ্মলা একটু থামানে বটল।

চাব পারেট প্রবাস করে ক্ষানার পাছের পুলো নিলে। উটে গলন কাজালো

চাব চোল ছল্ছল্ করছে। ভাট ক্ষামার, ক্ষামি চে। মর্ডেট ব্লেছি—

টামার স্ব বালাট নিছে হেন মবি— ক্ষামা হয়ে জ্যোমার ক্ষোমো

সপরাব হেন না হছ।

শব্দাকে কান্য, ভোষার নিজনট খামাকে প্রণামী দিতে হবে। কী করবে, দিদি।

वतन ज्ञाकित करत ।

की द्वा प्रावे निमि, स्मामान्य भ भगाव वात, भावतक वात । हो ब्रांस पन्ना निकाली भावास वात्व निरम ।

শন্দা ভার ভক্ত মূরের বীপ্তিরেরা আমার সীবনের রারা নৃত্তন দীবার প্রথম শক্তবদোরটির মতে। একে নিবে সেল। শিক্ষাটাকে ব্রক্ত কাপটের ভিতর নিয়ে বদলুম, এই বটপ আমার উত্থানের শেষ দংগ্র আমার ভাইকোটার প্রদামী।

নারীর ক্ষরে বেশানে মারের আদন আমার কেইখানকার কনেলাই হঠাত এই একবার পূলে বিছেছিল। তখন মনে হল, এখন খোকে বৃদ্ধি ছাব গোলাই বইল।

কিছা, প্রেয়ের পদা মাবার দক্ষ হয়ে গোল, প্রেছদী নারী একে মাধার স্বায়ায়নের যারে হোলা লাগিয়ে দিলে।

পরের দিনে সন্দীলের সক্তে আবরে কেব। একটা উন্ধন্ধ পাললানি আবরে মুখলিতের উপর পাছিছে এটা প্রকাশ্বরে দিলে। কিন্তু এ কী । এই কি আমার স্বভাব। ক্যনোই না।

নই নিশক্ষকে, এই নিভাজনকৈ এব আনে কোনো জিন কেপি নি সাপুড়ে ইটাই এগে এই সাপকে আমাৰ জ্বীচাগের ভিত্তর থেকে ধ্বর বাব দেখিয়ে বিলে। কিছা কথনোই এ আমার জ্বীচালের মধ্যে ছিল না, এ এই সাপুছেরই চাল্যের ক্লিডরকার ভিনিদ। অপ্রের্ডা কেমন করে আমার উপর এব করেছে। আফ আমি যা কিছু কর্মি দে আমার নায়, এ ভারই নীলা।

দেই মান্তব্যতা এক দিন বাংগ মৰাৰ ছাত্তে কৰে এতে মান্তাত বলকে মানিই তেলাৰ কেল, মানিই তেলাৰ দল্পান, আমাৰ ক্ষেত্ৰ বংগ শোষাৰ মাৰ বিষুষ্ট নেই। স্বামান্তব্য।

আমি বাত জোড করে বনস্ম, তুমিই আমার দম, তুমিই আমার বা আমার ঘা-কিছু আচে সব জোমার কোমে ভাসিরে দেব। অন্যমান্তবা

প্ৰীচ হাজাব চাই দ আজা, পাত ৰাজাৱই নিয়ে যাব। কানই চাই দ আজা, কানই পাবে। কলকে চ্যোহনে এই পাত হাজাৱ টাকাব লান মান মডো কেনিৰে উঠিক— ভাব পাবে দ্বাভালের উৎসক— জচনা পৃথিকী পাবের ভানার ইনমূল করতে বাক্তব, চোধের উপর আজন ছুইবে, কানেই ভিত্তৰ কাজৰ পাৰ্জন আৰ্কাৰ, সামনে কী আছে কী নেই আ বুকাৰেই পাছৰ — ভাৰ পাৰে ইকাজে টকাজে পাছৰ বিত্তি বহুপেও বাংগ । সম্বন্ধ আন্ধান এক নিজিৰে নিবে বাবে, সমস্ব ভাই হাওবাহ উচ্চতে, কিছুই আৰু বাকি পাকৰে না ্লে

টাকা কৈৰেৰে পাওৱা কোড পাতে সে কৰা এব আদে কোনো মডেট তেওঁ পাঞ্জিপুম না। সে দিন জীৱ উত্তেজনাথ আলোত্তে এই ট্যকাটা ২২৩, ১০বৰ সামনে প্ৰজাক দেখাত পেনুষ।

কি প্ৰচৰ আনাৰ কাৰী প্ৰকাৰ সময় বাবে বড়ো ভাক আৰু মেজো গাকাক ডিন হাজাৰ টাকা কৰে বলোমী লিছে আকেন। সেই টাকা গাতে বছৰে ইচাকা নামে বাবে জমা গতে কান বাকভে। এবাবেও নিছৰ-মত প্ৰবাহী কেন্দ্ৰী হাছেছে, কিছু কানি টাকাটা এবানো বাবেও পাঠানে। হানি চকোৰাৰ আছে ভান আনাত কানা। আমানেও লোবাৰ কৰেব শালন কাল্যক ভাছবাৰ ভোটো কুম্বিৰ কোনে লোৱাৰ নিজ্জ আছে, কানই মনো টাকাটা ভোলো হবেছে।

कि सकदब अहे हैं।का निष्य चांचान चायी ननकाशाब नागव बधा

शिव होते, अवादि कीव कांव साम्या वन ताः श्री कांकडे एका रेम्बरक स्थितः करें कांका एका उत्तरम नामके कांग्य कांद्र है कांका एका उत्तरम नामके कांग्य कांद्र है कांका होता है। विश्व कांद्र है कांका है कांका है। विश्व कांद्र है कांका है। वाद्र है कांका है। वाद्र है कांका कांद्र है कांका कांद्र है। वाद्र ह

এর বাবে কড বিন কড়ারানী-মেজারানীকে আমি কনে কনে সোর মাডি--- আমার বিবাসগ্রাধ্য বামীকে বুলিচে উারা কাভি বিরে কেকচ টাকা নিজেন, এই ছিল আমাৰ নালিব। তাতেৰ স্বামীতেৰ স্কুল্য পাং অনেক প্ৰকাৰি নিনিপ্তত তাবা প্ৰিকে পিছিছেছেন, এ কথা অনেকংগ আমাৰ স্বামীতে বলেছি। তিনি তাৰ কোনো কৰাৰ না কৰে চুপ কংগ পাকতেন। তখন খামাৰ বাগ হত, আমি বলতুম, লান কৰতে হৰ হাতে তুপো মান কৰো, কিছ চুবি কৰতে খোৰ কোন গুবিধান্তা লৈ মিন সামাৰ এই নালিব অনে মুচকে হোলছিলেন। আৰু আমি আমাৰ স্বামীৰ দিন্দৰ থেকে কই বাছোৱানীৰ মেজোৱানীৰ টাকা চুবি কৰতে চলেছি।

বাবে সামার স্বামী দেই থবেই ঠাব কাল্ড ভাছেন, দেই কাল্ডের পাকেটেই তাব চাবি পাকে। দেই চাবি কবে কবে নিমে লোভাব দিওব স্থাপুম। সম্মানে একটু শক্ষ হল মান হল, সমায় পৃথিবী দেন কেলে উচ্ছ হঠাব একটা শীচে স্থামার হাত পা বিম হয়ে বৃত্তের মধ্যে ১ক ১ক্ বাব কাল্ডে থাকল।

লোকাৰ পিশুকের মনে একটা টানা দেৱাক আছে। দেকটে গাল নেখপুন, নোট নেক, কাগজের মোচকে ভাগ করা লিনি সাজানো। গাণ মোচকে কত নিনি আছে, আমার কত্ত সরকার, সে তথন ভিষেত্র কর্বত সমধ নম। কচিট যোচক ভিল, সব কটা নিবেক আমার আচিলে ব্যবসুম

ক্ষ ভাবী নয়। চুবিব ভাবে আমাৰ মন মেন মাজিতে পুটছে পড়ৰ ব্যব্যা নোটেৰ আছে। হলে সেউাকে কভ বেলি চুবি বলে মনে হত না এ বে স্বাসোনা।

সেই বাজে নিজের মতে মধন চোর হার চুক্তার হল জবন ব্রেক্ত র ধর আনার আর আপন বইল না। এ ঘরে আনার কক্ত ব্যক্তা অবিকাশ— গ্রা করে সং খোলাশুম।

মনে মনে কপতে পাসপুন, বংশনাতবং গংশনাতবং । কেব, মানাব কোনা আমার সোনাব কোনা সাব সোনা সেই সেবের সোনা, এ মার। ভারত নার। কিন্ধ নামের অবকারে মন যে ছবল বাবে ও বাবী লালের করে হাম জিনেল, চোল পূর্ব তার পরের জিনের থোকে বেলিরে প্রেপুর্যালন আবার্থারে বোলা ভাগের উপর লিছে প্রের বাবের বাবের

ক টাকো পোৱাৰ দিশুকে দেৱাবাৰ লগ বছ। আবাৰ এই বাহৰ নেই যাব কিয়ে গৈছে দুবই চুৰ্ণিই দিছে দুবই দিশুক। পালবাৰ কঞ্জি আছি। নুই আৰ্থি যোৱাল স্থানীৰ স্থানৰ ভৌকাতেৰ বাছে অঞ্চল হংছ লড়ে যাব। বন্দ সামনে বাক্সান্ধান্ত বাক্ষাই দেই।

কাঁট ট্ৰীকা নিৰ্মুম কোঁট যে বলে বলে প্ৰনৰ সে আনি প্ৰজ্ঞাহ পাৱসুম নাং প্ৰক্ৰেম জ্ঞাকা আছে প্ৰদানি লকা থাক, চুবিব ছিলেব কৰব না।

আকালের চিরকালের আলো চুরিবই মতে। ; এ চুরি সমস্ত ক্রণজের কাচ গোক চুরি , বিধাস চুরি, ধর্ম চুরি ।

ছালের উপর পড়ে রাজি কোটে লেগ। স্বালে যথন সুক্ষুম ছাছে।
বামী আন কান উত্তে চলে সেডেন ভেখন স্বালে লাল কৃতি লিছে আছে
মাথে ছবের লিকে চলপুম। তথন মেডোরানী ঘটিতে করে উত্তে বারাফার
টবের পাছ-কটিতে কল নিজিলেন। জামানে নেখেই কনে উঠকেন, লাল
ছোটোরানী, পুনেছিল ধবর স

শামি চুপ কৰে ৰীচানুম, মামাৰ বুকেৰ মধ্যে কাপচন্ত লালন : ১০ন ব্যাহ্য পাপন, খাচনে বাদা বিনিপ্তলো পালেছ ভিতৰ থেকে ব্যাহ্য বেনি উচ্চ কৰে খাছে। মনে কল, এখনট মামাৰ কাপড় ছি'চে পিনিপ্তলো বাৰান্দাম্য কর্ কন্ কৰে ছতিয়ে পাচৰে। নিজেৰ উপৰ চুবি কৰে কান্তৰ হবে গেছে ১৯ন টোই আৰু গাই বাহিব হানী-চাকবাৰে কাছেও ধৰা পান্ত হাবে।

মেকোৱানী বলদেন, ভোগেব দেনীচৌদুৱানীৰ দল ঠাকুৰপোৰ ভঃগিত পুঠ করৰে শাসিয়ে ধেনামি চিঠি লিগেছে।

আমি চোৰেৰ মডোৰ চুপ কৰে ইংক্ৰিৰে বইসুম।

আমি ঠাকুবলোকে বলজিপুম তোমার পরণাপদ হতে। দেবী প্রাস্থ উপ্র লো, ভোষার দলনগ ঠেকাও। আমরা ভোমার বল্দেমান্তর্যের বি⁶ মানতি। বেশতে বেশতে অনেক কাওট ডোচল, এখন কোলাই ভোলাও মূল বিশ্বী মুটাছে বিশ্ব নী!

আৰি কিছু না কৰে ভাঙাতাচি আমাৰ লোবাৰ ঘৰে চলে সেন্দ ৯ চোৱাবালিকে লা দিবে কেনেছি, আৰ ভটবাৰ জো নেই, এখন মত ছঃ কাই কৰৰ কৰেই ভূমতে খাৰত।

এ টাকটো একনি সামার বাঁচল খেকে পদির সমীপের হারে নির ক্ষেত্র পার্কে বাঁচি। ও খোরা মামি মার বইতে পারি নে, সামার পারব মেন মেত্রে বাঙ্গে। নকাল-বেলাডেই কাৰ পেনুত, দকীল আত্মার করে আনকা করছে।
তাল আৰু আত্মার স্বাক্ষাক্ষা ছিল না— লাল বৃদ্ধি দিয়ে ছাঙ্গাছাত্তি
গাইবে চলে সেনুত্র।

গাৰাৰ মানা চুকোই দেখি, দন্দীলোৰ দক্তে অধুনা বাদ আছে । মান হল্ আনাৰ মানাসময় বা কিছু বাকি ছিল দমন্ত কন কিছু কিছ কৰে আমাৰ লা । বাব নেৰে নিছে পাছৰ কলা দিছে একেবাৰে মাটিৰ মানা চলে কেল । নাই চইম মানায়াৰ দিই বালাৰের সামান আছে আগালৈ উপনাটিও করে । পাছ কৰে । আমাৰ এই চুবিব কথা এবা আৰু দলেৰ মানা বাদ আলোচনা বাবে । এই উপাৰে অহা একট্ৰানিক আৰক্ত বাবাহে কেছু নি ।

स्वान्यक्षिण्यं सामाना द्वार मा। सरा एसमा अरहन में एक प्रान्त व का उपमान प्रस्ति का उपमान का सामान दिवार हिन्दा है। स्वान्त हिन्दा हिन्दा है। स्वान्त है। स्वान्त द्वार स्वान्त है। स्वान्त द्वार स्वान्त है। स्व

কিছ আমাৰে তথন পৰে নিবিধ পোন সম্পালের লাভ বল কী পূ কি পীয় ইবিধি টীকো প্ৰিছ আনি মানা মানা পাছ হ'লাৰ ইয়েলৰ প্ৰেষ্ট প্ৰতি কিছু ভিল না কি প্ৰভিল বৈকি । সেই বন্ধই কো সম্পালের আছে আনহিন্দ্ৰ, আৰে সেই অনেই তো আনি সালাবের সম্পাদে ছুল্ফ ক্ষরতে গোবছিন্দ্ৰ। আৰি আলো সেব, আনি কীলন সেব, আনি কজি সেব, আহি অন্ত ক্ষেত্ৰ, সেই বিবাসে, সেই আনালে ছাই কল ভালিকে আহি বাহিব বাহ শাহছিন্দ্ৰ। আলোৰ সেই আনন্দৰে বলি কেই পূৰ্ণ কৰে ফুল্ফ ছা চলে আহি মানে বিবাহত বাহছুত্ব, আমাৰ সম্প্ৰ সালাব ভালিকে নিকেক আগৰা শোষসান হস্ত না।

আৰু কি এয়া কলতে চাছ, এ-সমস্থ বিষয়ে কথা দু আমাৰ মণে যে দেবী আছে ভক্তৰে বৰাভয় দেবাৰ পঞ্জি ভাৰ নেই দু আমি যে গুল গান গনেভিপুম, যে গান জনে পৰা হচে গুলোহ নেমে ফাছিপুম, সে বি এই গুলোকে ক্ষা কৰবাৰ কলো নয় দুটে কি কাকিট মাটি কৰবাৰ কলে।

मसील भाषात म्हलन लिक छात छीत स्त्री दराच स्तरण, हेहका ६४ तिही।

শাধান আআৰ মুগের নিকে প্রের বাইল— সেই বালক— সে আজার মাধের পাকে শাধান নি বাট, কিছ সে তো ভার নারের পাঠে শাজেছিল— দেই মা, সে যে একই মাণ আহা, এই কিছি মুগ, এই জিছ স্থোল, এই জ্ঞান ব্যাস প্রাথম মাধ্যার স্থান কর মাথের লাভ, ও আজাকে ব্যাস কিনা আআৰ হাতে বিষ চুলে লাগ— আব, আমি বাং হাতে বিষ্ট ভুলে

हाका ठाई, वासी । वार्त कल्लाय भामाद ईरक्क देश, एक एकाना देशका असीएन मानाव केनव ब्रांटक एकरन निके । भामि किब्राएक भागाद केनव ब्रांटक एकरन निके । भामि किब्राएक भागाद केन्द्राण क

षापुना विकास क्वास, भाव तम्हे, वानीविति ?

कक्तार करा जार मना। भाषार महत रून, मापि नृति ही रकार कर

्केटर वैकेष । व्यासमाप ब्रम्बटर एका ८५८म शास उटसङ्घे ८क्स्पस शास आहरूम्य । अभीम धूम करव दहेस , (भाइककार) हूं एसस्या, उटकी करणस समास वा ।

চলে যাব ফাবছি, কিছ কিছুভের আহার পা চলছে না। পৃথিবী ছ-দাপ বাব আনাকে বলি টোনে নিজ দো বালর এই মাটির পিও যাটির মধ্যে আইর পেয়ে বাঁচায়।

कामांव कामान को राजाकर दाक जिल्हा राक्ता। त्म दशार पर अवद्या कामान्य काम कार राज होता, उहें कम की। आहेंहैं (हवे दाव। पूर्वि कामान्य राजितक, वामोनिक।

গলেট সৈ একটা মোড়ক বুলে কেললে, নিভিন্তলো অঞ্জন্ধ করে। উল্লেখ

देन वहार मधीरान पापन रहन रहन नारा रहा रहा पुरा रहन। ने ने ने पुरा प्रमान के ने ने ने पुरा प्रमान है कि प्रमान के ने ने ने ने प्राप्त है कि एक उपनि रहन कि प्राप्त नारा के ने प्राप्त है कि प्रमुख कि प्राप्त नारा के ने प्राप्त है कि प्रमुख कि प्राप्त नारा कि प्रमुख कि प्राप्त नारा कि प्रमुख कि प्राप्त के ने प्राप्त कि प्रमुख कि प्राप्त कि प्

শ্যানক কল পৰে সামলে ভঙে চ্যের বুলে বেলে, কেন ওচকনতে সমূহ । তথ নি এমনিভাবে সন্দীপ টেনিলের কাছে বসে সিনিভলো কমালে বাগতে মধুলা আমার পারের বাস্ত বেকে উটে বীড়ালো, হৃদ্ হৃদ্ করছে 'হ'ং চোক।

সন্দীপ অন্তেকাচে আমানের মূরের দিকে চোর ভুনে করেন, ছ হ'ব'র টাকা।

অমুণ্য বললে, এত টাকা তো আমাদের বরকার নেই, সমীদেশ । বিশেষ করে দেখেতি, সাড়ে ডিন হাজার টাকা হলেই আমাদের এবনকার কাল উদ্ধান করে।

নশীপ কালে, আহাদের কাম ডেং কেবনহাত্ত এবনকার কাম্বর্ট না আহাদের যাধ্যকার তার কি সংগা আছে ৮

আমূল্য বৰ্ণলে, তা হোক, ভবিভাতে গা স্বকার হবে তার করে সংনি লাষ্ট্রী, আপনি এই আছাই হাজার টাকা বানীবিভিতে ভিতিয়ে দিন।

সন্দীপ আমাৰ মূৰেৰ দিকে চাইলে। আৰি বলে উঠপুৰ, না, না, গ টাকা আৰি আৰ ছুঁতেও চাই নে। ও নিমে ডোমামেৰ হা-বুলি আই বংগ সন্দীপ অমূল্যৰ দিকে চোৰে বদলে, মেৰেৰা ব্যৱন কৰে দিকে পাৰ এয়ন কি পুৰুষ গাৰে ?

আমূল্য উজ্বাসিত হবে বলকে, মেৰেবা কে কেবী।
সঞ্জীপ বললে, আহবা পুৰুষধা হতে। কোৰ আমাদেৱ পঞ্জিবৰ বিক্তি
পাৰি, মেৰেবা বৈ আপনাকে হেছ। করা আপনার প্রাণের ভিস্তর খেবে
সন্ধানকে কল্প দেব, পালন করে, বাভিত থেকে নছ। এই গানই জো সমা

अहे नत्म गणीण चावाव विरम क्टरव सम्हल, वाली, खाळ कृति वा विरम्

याज्ञास्य त्यार वस काछ। तृष्कि भारकः भाषातः अवशः तृष्कि तृष्कारकः नातः त्रभीन भाषात्व दकानगास्त्रः तिकः भाषातः भाव-अवशः तृष्कि दकारमः व्रभीतम्य किस्ति भारकः। त्रभी कासः कः ति पृष्ठार्थः नान्यकः भाषातः त्रातः । त्रन्तवादः भाषावः वस्ति भारतः । त्रन्तवादः भाषावः वस्ति वस्ति । त्रन्तवादः भाषावः वस्ति वस्ति । वस्ति वस्ति वस्ति ।

সন্দীপের ক্ষালে সব গিনি ২৫ছিল না. সে বললে, রানী, ভোষার একগানি ক্ষাল স্বাধাকে দিকে পার ৮

আৰি কমাল বেষ কৰে লিচেই লেই কমালট নিছেল মাধাৰ চেকালে। বাব গৰেই বঠাৰ আমাৰ গাছেৰ কাছে বলে গাছে আমাকে প্ৰশাস কৰে কালে, কেনী, ভোমাকে এই প্ৰশাস্থী দেৱাৰ কাছেই ছুটে ব্ৰেছিল্ছ, জুনি আমাকে থাকা যেবে থেকে দিলে। তোমাক এই বাকাই আমাৰ বৰ। এই বাকা আমি হাৰাছ কৰে নিহেছি।

মান মানাত বেলানে লেগেছিল লেইবানটা আমানে বেলিগছ লিলে।
আনি কি সভিন কল ব্যেছিল্য। সলীপ কি ছট হাত লাছিছে লিয়

উপন আহাকে প্ৰশাম কৰাছেট এলেছিল গ ভাব মূলে ছোলে হয়। বে

নকনা কেনিগছ উনল লৈ কো মান বল অনুনাধ লেখান প্ৰেণ্ডিল কিছে

উপোনি স্থাপি এমন আশুই প্ৰৱ লাগিছে যানে হে ফুৰ্ক কৰাছে পাৰি
নে কলা কেনবাৰ কোন কনে কোন আলিখন নেশাৰ গুকে আলে।

শ্লীপাৰ আহি বে আঘান কাৰছি লৈ আমান কৈ আহাকে ছিলুল কৰে

শ্লিকাৰ সিন্ধে ভাব মাধান আৰু আমান ব্যৱহ ভিতৰ মানানিকাল লাসন। স্থাপের প্রশাম বন্ধন লেল্য আনান চুবি বন্ধন মানানিকা বিভিন্ন ক্রিকার উপন্তকার প্রিনিশ্বনি সম্প্র লোকনিকাকে, প্রস্কৃতির শ্লিকাক ক্রেনাকে, উপন্তকার প্রিনিশ্বনি সম্প্র লোকনিকাকে, প্রস্কৃতির শানাবর্ত্ত মাজে শানুলোর ও মন কুলে লোল। খণভালেছ আজে লানীলের প্রতি উবি বে প্রায় প্রতিক্ষা করেছিল সে আবার বাধানুক্ত হয়ে উচ্চের উবল, মানার প্রায় এবং সন্দীলের পুভার ভার ক্রবের প্রশালায়েই লাল্যর সেল। সরল বিশ্বাসের কী বিষয়প্রণা ভোর-বেকাকার প্রকারার আলোটির মাজে ভার ভোর ভোর ভোর ভোর প্রতার বিশ্বস্থা আলোটির মাজে ভার ভোর ভোর বিশ্বস্থা ক্ষারি পূজা পোলাম, আমার পাপ জেনাজিমীয় হয়ে উইল। অনুলা আমার মুখের দিকে ভারিবে হাত জোড় করে বকলে, ব্যক্তমাভরা ।

আমাৰ খানী গুলুববেদা যখন খেতে আহদন আদি বাব দামনে দদাই পাৰি নে। আছচ না-বদাটা এডট দেশি লক্ষা হৈ দেশ আমি পাৰি নে। আমি বাব এখট পিছনের দিখে এমন ভবে বদি যে বাব দক্ষে আমাত মুখোমুখি ঘটে না। দে দিন ডেমনি কবে কদে আছি, ভিনি খাজেন, এফন

দম্য বেজেরানী এনে বর্গনেন। কাগনেন, হাত্রালা, তুরি ভরীনের স্কাজায়িত্র নালানি ডিট্রী ছোপে উল্লিখ লাভ, কিছু জামার ভয় বয় । জামানের এবার-তার প্রাধানীত টাজাটা ভূমি এবনো বাংকে লাভিকে লাভ নি স

काकात काकी समामक, मा, मूबर नगर जिल

মেজোবানী বজালন, দেখো ভাই, তুনি বাচা আলাবনান, ত টাকাটা---সামী কেলে কালেন, দে বে আমার লোগতে মার্ড লালের মাত লোগতে সন্ধ আছে :

र्यक्ष (मचान (चाक रनव, तमा राष्ट्र कि म

স্থামৰে ও গ্ৰেম যদি চোৰী চোকে জা বলে কোন দিন ভোষাকেও চুবি বলে পাৰেঃ

প্ৰিয়, আৰাকে কেন্দ্ৰ নেৰে না, ভা পন্ত , জামাৰত নেৰাৰ আছে। বিনিস্ত ভোমাৰ আপনাৰ মাৰেই আছে । না নাই, সাটা না, ভুমি আৰ নাৰা বৈৰোনাত

সম্বাক্ষিত্র চালাত্র হোড় আর দিত্র পাচের আছে, সেই স্কেই জ্ নারটো আমি জনকাড়াত কাছে লাটিরে দেব

সোধা শ্বাস্ট্র, ভূমে বেশসে। না । সোমার ও বরম ভোলা মন, বিশ্বস্থ বিশাবাধ নাঃ।

ह वन (बाक पनि क्षेत्रक) दृष्टि हाथ (क) हात कापान्तहें हात्रका दृष्टि शाह्न .क्षेत्राच तकस शाहक, बक्रेसाओं ।

ই কিবলেও বোদার পর সং কথা প্রনাল কামার পারে কর আলে।

ইন্দ্রি কি আমার-ছোমার দের করে কয় ক্রিছেও ক্রেমানর ব্রিছি চুরি

বাব লৈ কি আমারে বাকরে নাও লোডা বিবাহাল করেছে নিয়ে আমার

ই কর্মার কেবলী রোমানে ভার মূলা বুরি আমি বুরি নোও আনি ছার,

রোমানের মনোনার ফলো বিনামনি কেবলা নিরে ছাল সাকরে পারি

নি বেশকা আমারে যা বিবাহনে করে আমার কেবলার চেরেও বেলি।

কী লো ফোটোবানী, তুই বে এবেনাবে লাঠেব প্রক্লের মতে। চুপ করে বইলি ? জান ভাই ঠাক্রপো গ ছোটোবানী মনে ভাবে, জারি চোখানে গোলামোন করি। তা, কেমন পারে পছনে গোলামোন করি। তা, কেমন পারে পছনে গোলামোনই করছে হার কিছু তুরি কি জায়ানের টেমনি কেন্তর বে বোলামোনের জলেজা বাব। বিধি হারে এই মাধব চ মার্লীর মারে। তা হলে জায়ানের মহোরানীর ক্রেরের জাজ ঘুঠে বেড, জাবপারনাতীর করে ক্রোমার হাতে পারে বর্গনির করেই জিন কাউত। তাও বলি, জা হলে ওর ইপজার হাত, বানিমে বানিরে ক্রেমার নিদ্দে কর্বার এত সম্মা গোল না।

ইনোইনের অস্থা নেই । আমি যেন নিতাপ্ত প্রকাশ কৌতুকে ছেলে উট পুমা; যালে উট্লুম, আমেন কথা, আমার 'পারেই লেজেরমনীর যন্ত অবিশাদ কোন কাকাজ সমস্য লাভে কথা।

মেৰোৱানী মৃচকে ভেনে বৰ্ণদেন, স্কা, ঠিক আৰম্ভিন লেই মেৰেমাচামা চুকি কছে। সংনোপ । সাং আমাৰ কামে ধৰা পছতেই হবে, আমি জে। মান পুক্ত-মান্নয় নই । আমাকে জোনাধি কী বিয়ে ১

আমি বলসুৰ, জোনার মনে একট বলি ভৱ থাকে ভবে আয়োর Σ কিছু আছে জোনার কাছে নাক্ষ আমিন রাখি, বলি কিছু লোকসান এবি ्र (क्ट्रें) निरहां ।

্মতেবারানী কেনে কললেন, লোনো ওজনার ভোটোরানীয় কবচ দানোও এমন লোকসার আছে বা ইংকাদ প্রকাশ কামিন নিয়ে উদ্ধার বহিনীও

भाषात्वय अहे स्थानातात ग्रामा भाषात कामी अवति कमान ननासम - तेत्व भाषण हार (शावते सिमि नाहेत्व हान (मानम, भाषकान विभि भार निकास करास भाषक मानव मानव नामन मा।

सामाय स्विकरान नामि स्थान किस नामाकित कियात । पत् सामाय - जित करक रा किस प्रात काम दिन नेश्विन रामात ग्रेगां क्या ग्रात । - भामि त्मके सम्मात नाम निर्द त्यावातानीय करक प्रान निन्धः । रात्म (स्वाक्षेत्रामी, सामाद अहे स्था) वृहेत (विधा क्याक्षः) असम त्याक राम निन्धि सामाय सामाय नाम।

মেজোখানী সালে বাত লিখে কালেন, গম), তুই হৈ অধাক কথালি। চুই কি সজ্জি ভাবিদ, সুই আমাত টাকা চুবি কথাৰ এই ভাচে যামে আমাত মুখ চন্দ্ৰ নাত

सिवि वेतन्त्र, कर कराउँ ता (काम को । शाशात एक कारक एक्टर राजा, स्वरूपकानी ।

মোজাবানী বসলেন, জাই আমাৰে বিশাস কৰে পিকা ছিছে এইন্টে বুলি স আমাৰ নিজেৰ লগনে কোৰাছ লাগি টিক নেই, কোনাৰ প্ৰনা শাসাকা নিজে আমি মণ্ডি আৰু কী চাগ্ৰ বিকে লাগী চাকৰ মুলছে, জোমাৰ গুপানা ভুলি নিজে বালে, ভাই।

কেলোধানীৰ কাচ থেকে চলে একে কাৰ্বতেৰ বৈচৰ বানা কৰে অফুলাক জেক স্বাধীনুম। অফুলাৰ সজে সভে কেৰি সক্ষীপ এসে উপজ্ঞি। আধাৰ ক্ষান কেৰি কৰবাৰ সময় দ্বিল না। আমি সক্ষীপ্ৰতে কল্মুম, অফুলাৰ সভে মাৰাৰ একটু বিশেষ কৰা আছে, আপুনাকে একমাণ্ড— নন্দীপ কাইচানি ছেনে কালে, অনুদাকে আমার খেকে আলাল করে কোম নাকি গ চুমি গদি আমার কাছ খেকে ওকে ভাত্তিয়ে নিজে চাও ভা হলে আমি ওকে ঠেকিছে বাগতে পাৰণ না।

मामि म क्याद (काटना देवद ना बिटर हुए बटर राहिटर दहेनुम :

স্ক্রীপ নদলে, আক্রানেল, অমুকার সক্তে তোমারে বিলের কথা লের করে নিমে জার পরে আমার সক্তেও একত্ব বিলের কথা করার অবদর বিচেত হাব কিন্তু। নাইলে আমার হার হবে। আমি দর মানতে পারি, হার মানতে পারি নে। আমার হার দর্শনের ভাগের করের বিলের এই নিবে ভিত্তীবন্ধিনাতার সক্ষেত্র হারার, স্থামি হারব না।

নীর কটাক্ষে মন্ত্রাকে অংখাত করে সন্ধীশ ঘর থেকে বেরিছে গেল অমুলাকে বলসুম, লাখী এটে আমার, তেতামাকে আমার একটি কাজ ভাগ দিয়াত হবে।

দে বললে, ভূমি বা বলবে আমি ভাব দিয়ে করব, বিচি।

শালের ভিতর খেকে গ্রহনার বাক্স ধের করে জার সামনে বেগে বলপুত্র আমার এই গ্রহনা বছক দিয়ে কোক, বিঞি করে কোক, আমাকে ভ হাজার টাকা বান্ত শীস্ত্র পার এনে লিক্টে হবে।

পামুলা ব্যথিত হ'ছে বালে উড়ল, না বিদি, না, প্রনা বিক্রি-বন্ধক ন। স্বামি ব্রোমাকে ছু হ'সার উক্তা এনে কেব।

আমি বিবাস কৰে বলসুম, পাসৰ কৰা বাবে। আমাৰ আৰু একট্ৰ সময় নেই। এই নিয়ে বাও বছনাৰ ব্যৱ। আৰু বাহেৰ টেনেই কলকাত্ৰ যাও, প্ৰস্তুৰ মুখা ছু হাছাৰ টাকা আমাকে এনে ভিডে হবে।

অমূলা বাজের ভিতর খেকে কীবের চিকটা আলোকে তুলে । ব আবার বিষয়ুম্ব (রাম দিলে। আমি বাল্ম, এই-সর কীবের স্থানা টিব বালে সহজে বিভি বাব না, দেই বাকে আমি জোবাকে যে সহলা দিকি এর সাম ত্রিশ হাজারেরও বেশি ববে। এ-স্বাই বলি যার সেও আলোক क्षि ह शकार होका चायात निकरते हाते ।

स्वकृत स्थान, द्वरावा विकि, दिश्याव काछ (चटक अहे-दि छ हासाध है। वा निर्द्धान सम्बोधनान्, अब सदस स्थान देव महत्व स्थान काछ करवाछि। वाराव गावि दिन, अ की संस्था। स्थीमनान् वाराव, ह्यामद सदस संस्था विक्रा स्थान स्

নশীলের মুখের কথা থবন এই বালাকর মূলে শুনি ওপন ভারে আমার কিনিয়ে বাকে। যারা সাপুড়ে ছারা বানি বানিয়ে সাল নিয়ে লেকুল, নগমে বনি হয় ভারা জোনেশুনে মলক। কিছা, আহা, এবা যে কাচা। নগম বিশ্বে আইবাল এটার যে নিয়ন্ত কথা করাত চায়। এরা সাপ্তার সাপ না কোনে চাসতে চাসতে ভাব সতে বেলা করছে স্বৰ্ন ইন্ড বচেত ভ্ৰমত পাই বৃহতে পাৰি, এই সাপটা বী বহাকৰ অভিনাপ। স্বীপ টিবই ব্ৰেডে— আমি নিতে ভাব কতে মহতে পাতি কিছ এই ভেলেউকে ভাব চাত খেকে ভাঙিয়ে নিয়ে আমি বিচাৰ।

साबि अक्ट्रे एटन सम्बादक वनत्म, त्कामाण्य दन्नरमस्त्रप्रधः स्तराध सद्धः । वेदस्य प्रदेशाद स्वरूपंद स्वरूपं

অমৃত্য সন্ধান মাখা তুলে বনলে, আছে বৈকি । তারাই যে আমানের বালা, পাবিয়ো তালের পকি কর হয় । আপনি কানেন তু স্কীপ্রার্থে লাগ্য ক্লান ছাছ্য অল্প লাহিছে ক্লানা চচ্চত হিই নে । বাল্যভালে বিনিক্ষণনা গেলনার সাক্ষতিত হন না । তার এই মধ্যতা তালে ভাষতে হয় তীর বিশ্বের অল্পে নয়, আমানের পর্বের ক্লেও । প্লীপ্রার্থিত বালন, সংসারে মারা ইপর ঐপবের সংখ্যান্তর ইছে আচের সন চেয়ে আছ লাবিছারত মান্য করা তালের প্লান আছে আছে আছে আছে ।

এমন সমৰ নিলেকে সন্দীল কৰাৎ দৰেৰ মনো ত্বক শছল। আন ভাছাভাটি আমাৰ গামাৰ বান্ধৰ উপৰ পাল চাপা দিনুম। স্থাপ বাকা ভবে কিজাসা কৰলে, অমুলাৰ সকে ভোষাৰ বিশেষ কৰাৰ পাল ধাৰনো দুৱোৰ নি বৃত্তি ?

আমুলা একটু দক্ষিত হ'বে বগলে, না, আনাকের কথা হয়ে প্রেছে। বিশেব কিছু না।

আমি বনস্ম, না মনুলা, একনো হয় নি ।
সন্দান কলে, তা হলে বিত্তীয়বার সন্দানের প্রস্থান চ
আমি কলমুম, হা।
তা হলে সন্দানিক্ষাবের প্রাপ্তবেশ——
সে মান্ধ নয়। ভাষার সময় হবে না।

रम्पीराप्त क्रांच्यकी मान देखा । नगान, (कर्म निरम्भ कार्यक्षेत्र मध्य भारत, चाय नक्क मेडे चरनाव रुक्त ८३३ र

केता । कातम रामार्ग्य इतम (अनार्ग्य महाम भागमाथ व्यवका मा राकित शक्ति मार्ग्य वि १ माथि छात्रे पुर शृत कात्री तसमुध् मा माधाव अक्ष (मेर्डे)

नभीन युप काली करत आग (मन : चयुना विष्टु देशनिक श्रेष्ट तमान,

কামি তেকের সাক্ষ নালুম, বিএক চবার নির কারণ চন্ট, অভিকারণ নিই চন্টি কাটা কোমাকে বালি রাখি অনুনা, আমার এই প্রনা বিজিত বাং কুমি প্রানাক্ষন সন্দালবাধ্যক দলতে লাববে না।

बद्धा बहात, सं, दलद सं :

স্না হলে আৰু দেৱি কোৰো না, আৰু বাবেৰ পাড়িবাট্ট ভূমি চলে খান

টেই বলৈ অনুনার দক্ষে সক্ষেত্র আন্ধি হত পেতে এবতিত এপুন। বাইছে বাদ দেখি বাবাজান দল্পীল ইংডিছে আছে। বুৱাপুন, বন্ধই বে অনুনাত্র বিবিধ কিছে।বিব অলে উচ্চে ভাৰতে হল, দল্পীপ্রাবৃ, কী বন্ধত বাজিলেন দ

भाषात करा (का रितन करां भी, (करत गांक करा) गार रहत उसे

भावि कामूब, भारत महत्त्व ।

सहसा हरन रमसः भरव हरकडे स्थीम उन्ततः सहसाव डाएव अस्डी की एक स्टिक्ट क्या किरमद बाक र

বাৰটা দ্ৰীপের চোৰ এড়াতে পাতে নি । আমি একটু শক্ষ করেট পদ্ম, আপনাতে বলি বনবাত হ'ল ভা বলে আপনাত সামনেট সিতৃষ ।

कृषि कि छात्रह चत्रुक्त चावगढ़ तनत्त मा र

मा, बनरव मा ।

শনীপেৰ বাগ আৰু চালা বইল না, একেবাৰে আগ্ৰন বাৰ উচা বৰ্ণনে, কুৰি মনে কৰছ চুৰি আমাৰ উপৰ প্ৰায়ুৰ কছৰে। পাৰৰে ন পাই অমূলা, প্ৰকে বলি আমাৰ পাৰের ভালাৰ নাড়িৰে দিই ভা চলে ১৫ পাৰ বাৰেব মৰণ হয়। প্ৰে ভূমি ভোমাৰ পদানত কৰ্বে দু আমি খাবাড় দেহব না।

সন্দীপ বললে, আমি লানি ভোমার ও বান্ধ প্রনার বান্ধ।

चाबि दलमूब, चानति स्वयन-दुनि चालाव करूने, चाबि दलद नाः

কৃমি অনুলাকে আমাৰ ১৮১২ বেলি বিভাগ ক্ষা স্কান দু এই পালৰ আমাৰ বু দ্বাৰাৰ ছাৰাৰ ছাৰা, আমাৰ প্ৰক্ৰিকানিব প্ৰক্ৰিকানি, আমাৰ পালেব পোল সংব পোলে ও বিদ্বুট নয়।

বেশানে ও ভোষাৰ প্ৰজিক্ষনি নৰ কেইখানে ও অক্ষ্য, কেইখানে মানি ওকে জোয়াৰ প্ৰজিক্ষনিৰ চেৰে বিশাস কৰি।

মাৰেৰ পূজা-প্ৰাভিন্নৰ কল্পে কোমাৰ সমস্ত সহলা আমাকে পিট প্ৰাভিন্নত আছু, সে কথা কুললৈ চলৰে না। সে ভোমাৰ কেওবাই হাই প্ৰস্তেহ

(स्वक्षा वृत्ति व्यायाव स्वारत) शहला वाकि वास्त्रत का वृत्ति स्वर्ते गाल

নেকাদে কোন। আৰাৰ কো গড়না চুবি বাছ দে গছনা কো কোন কৰে দ লোকা, কুমি আৰাৰ কাছ কোনে আনন কৰে দনকে নাবাৰ সেই। কোনো - এনন আৰাৰ কাৰ আছে, নেই কাৰ আলে বাছ বাৰ, জান লাভ এটা দেৱ কৰি মেটেলি ছালাকলা বিজ্ঞানের সময় হবে। ভালন চেই ক্রীলাভ কানি কোন কোন কোন।

ा पृष्टाहे साथि सावाद पायों है जिला हुदि कार सकीर सद हाएस सिहां के उन्हें कार एक स्थाप के साथ प्राथम से साथ है कि से साथ कार कि से साथ कार का से साथ कार का सिहां के साथ है का प्राथम कार का साथ कार का सिहां के साथ साथ कार का सिहां का सिह

নশীল আমার মুবের উপর আও উজ্জান চাপচুটো চুলে বলে হইন,
নাতে কোনাত ভার তেপে বেন মধ্যক আকালের কুজার আরে। জাল

কিনের নামন । ভার পা এই একবার চলনা হয়ে উন্না - বুকরে পারনুষ

স্ ক্রিই উট্টি করাছে, এইনই লে উট্টে এনে আমারে চোল বরার । আমার
বাবর ভিত্তরে জনতে লালনান্দ সমার পরীবের লির নবনর করাছে, নানের
নাতা বন্ধ বা বা করাছে। বৃত্তনুষ্ঠ মার একটু বান মারাল আহি আরু

কিনের লাহের না। প্রবেশন পান্ধানে আপনানে চেটার বেনে ভিত্তি নিয়ে

ক্রিটে লাহের না। প্রবেশন পান্ধানে আপনানে চেটার বেনে ভিত্তি নিয়ে

ক্রিটে বাহার বারান্ধ, বানী ৮

গণকৰেই লৈ নাক বিভে উটে আমাকে গৰাত এল। এমন সময় বাইছে ই বাই শ্বাৰ শ্বামা হোডেই সকলৈ ভাষাভাষি চৌৰিচত বিশ্ব এলে লো। আমি মইয়েৰ লেক্ডেৰ লিকে মুখ কৰে নইপ্ৰলোধ নাগমৰ বিক্ শালিকে মইনুষ্ শাৰাধ খানী খবে জোকৰা নামই সৃশীপ ৰূপে উঠক, প্ৰকে নিখিল কোমাৰ বেশ্যুক আউনি নেই গ খানি মুখীবানীকে আছাকেই (১ই কংগঞ্জাবের কথা বলছিপুন। মনে আছে চেচাল আউনিচের তেই কবিডাটা ভক্তমা নিয়ে আমালের চার ছনের মুদ্যে লছাই সকল কী গ্লান নেই সুকেই বে—

She should never have looked at me, If she meant I should not love her! There are plenty .. men you call such, I suppose .. she may discover All her soul to, if she pleases,

And yet leave much as she found them . But Γm not so, and she knew it

কেৰ শ্বিৰোগ্নাকিতে নেই এমন কোনো হোণাই ভাষা নই--আমাৰ ভাগো বাগাৰ না গে এই যদি তাৰ ছিল জানা,
ভাষে কি ভাব উচিত ছিল আমাৰ পানে দুলী কানা গ ডেমন-ডেমন আনক মাছৰ আছে ভো এই বৱাবামে
(যদিও ভাই, আমি ভাগের পনি নেকো মাছৰ নামে)--- বাদের কাছে সে বল্লি ভাত বুলে লিক আলের চারত্ব ভবু ভারে প্রাট বাচা যেমন ছিল তেমনি দাকা আমি তোনের ভালের মতন দেকথা স্থানত মনে ব্যমন মেটার বাদের বিভ্রার নানেরেশ্য

ন মন্ধীরানী, কুমি মিখে খুক্তি — নিখিল বিলাবের পর থেকে করিছ।
গঠা কলিবারে ছেট্টে লিখেডি, রোধ হয় পর আরু ছরকার বহু না আন্ধ্রি
ভাচে লিছেছিলুম কাজের ভাচাত, কিছা রোগ হক্তে যেন কালাক্ষণে
সংখ্যালা আমাকে ধরবে পরবে করছে

आश्राद सामी तमालय, चैर्यय तुकारतात अक्त काव किएक अर्गिक, अभीका

स्कीन रहत्न, काराक्षत्र स्थाक्षत्र

স্থানীট গান্ধীয়ে যোগা না দিয়ে সহলেন, কিছু দিন দাব তাপ। পাস্থা শৌকবি আনাপোনা ক্ষান্ত আৱস্থা ক্ষােইছ, চ আঞ্চালৰ মুসলমানিষ্টিই ইঞ্ছিট্ছ ভিত্তিৰ শ্ৰেমিয়ে গ্ৰেষ্টেশ্বত উদ্যোগ তালছে। সানাৰ উপত্ত পৰা বিক্ৰম গ্ৰেমিয়েই হয়াম সক্ষা কিছু উম্পান্ত ক্ষাণ্ড গাৰে।

मामार्ड महादर्भ प्राप्त राजि र

आर्थि संसद किएक १८०%, लदाबने किएक छाती स

মানি কৰি এবানকার ক্রিপ্রে চবুন । গাংকে ভাবনার কথা হাছ ন্দলমান্ত্রকট্ট, আমান নক । জুনি আমানেকট উপলিচ করে ন । জুলে প্রকল লিক মদি একট্ট উল্বেপ্রের চাল জাও লা হালে (লা)। ক্রিমার তবা আমান ইংগ্রেট ব্যোল্ড হয় । জান ও জোনার চুবলাভাত পালের অনিলাবনের পর্বত্ত ক্রিডিকট ক্রেপ্ত ভ্রেক্ত ।

সন্ধীপ, আমি জোমাকে পরামর্গ দিই নি, কুমিণ আমাকে পরামর্গ না শিল চলাই ৷ ওটা কুবা হজে আত-একটি কথা আমাক বলকার আছে ৷ ডোমবা কিছু দিন কোকে দল-বল নিবে আমাক প্রজাদেব পাবে জিককে ক্ষিপাৰে কৰ্মান্ত ক্ষম । আৰু চলতৰ লা, মুখল হুখাৰাকে আৰুৰ্ভ জন্মৰ টেইটি চলে ক্ষেত্ৰ ইয়েছ ।

मुत्रसादनंद करह मा भावन दकादमा कर भारक र

্থামন কৰা আছে যে ভ্ৰয় না থাকাই কাপুক্ষান্তা, আমি কেই ১২ থেকেই বলঙি ভোমাতে নেতে হতে, সন্ধীন । আৰু দিন-পাচেক পতে ভাত্ৰ কলকান্তাম বাজি, কেই সময় ভোমাবেও আমাবে সঙ্গে বাভ্ৰয় ডাই। আমাতে কলকান্তাম বাভিত্ৰ থাকতে পৰে, ভাত্ৰ ভেত্ৰো বাখা নেই।

আছে, পাচ দিন ভাববাৰ সময় পাওয়া কেল। ইভিমন্তে মঞ্চীবানী জোমাৰ মইচাক পেকে বিভাগ হবাৰ গুলীক্ষান কৰে নেওয়া থাক ্ত আধুনিক বাংলাৰ কৰি, পোলো চেচামাৰ ছাব, চেচামাৰ কাই পুন কৰে নিই--- চুবি টোমাৰই--- চুমি আমাৰেই পানকে ভোষাৰ পান কৰেছ --নাইধ নাম চেচামাৰ হক্ত কিছু পান আমাৰে।

এট বলৈ ভাব ৰেক্সবংখিনা খেণ্ড। ভাভা দলাম ভৈষ্ণীয়েও শ -মন্ত্ৰণাল

মধুজন্ত নিজা কৰে বছল তেলাবাৰ মধুৰ কেলে :
বা প্ৰয়া-আসাৰ কাঞ্চালানি কাঞ্চালা কেলা বেডাছ ক্ৰেনে :
ঘাৰ বে জনা নেই প্ৰনু বায়, দুল কোটা প্ৰচা দুৰবাৰ না ছাই,
ক্ৰিবে যে ছুল নেই কেবলই প্ৰবে পাছে কেলালেই :
বখন আমি ভিলেম কাডে জখন কন্ত দিবেডি গান ;
গামন কামাৰ ক্ৰেনাপ্যা, এব ও কি গো নাই কোনো দান :

পুশারনের ছায়ার (৪৫০ - এই মানা তাই পোনার রেই---মান্তন-তবা দান্তনকে তোর কালার মন মানার এবে।

সাহসের অস্থ নেই— সে সাহসের কোনো আববণণ্ড নেই, এবে^কা আকলের মজো নয়। জাকে বাধা কেকমান সমর পাতবা বার না; সাত নিবেশ করা মেন বছকে নিবেশ করা, বিশ্বাৎ সে নিবেশ কেনে উদ্ধিবে সেই কাৰে বাধ্যৰ বোৰাৰ জনুৰ। বাড়িত ভিক্তাহত দিকে বন্ধন চলে ছাঞ্জি হা'ং দেখি, অম্পা কোঁখা খেকে এনে আত্ৰাত সংখনে ইণ্ডালো। বলানে বালীনিনি, ছবি কিন্তু ভেবো না। আড়ি চলনুম, কিছুত্তই নিম্মল হতে বিবাহ না।

সাৰি কৰে নিয়াপুৰ্ব ভৰুত মুখেৱ দিৰে চেখে বলসুম, অমূলা, নিজেৱ দাব্য ভাৰৰ না, বেন ভোনাকের কলে ভাৰতে পাবি ;

भवता ध्रम गाक्रिम, भागि भारक (७१० क्रिकाम) करमुत्र, भागुना,

Willed !

INTA 7

্নত্তী, আমি মাধের একমাত্র (ছলেও বাবা আমার আর বছলে মারা গেছেন :

ষাক কুমি, ভোষার মায়ের কাছে কিবে বাধ, মহুলা।

্দিলি, আমি যে এখানে আমার মাকেন দেখাছি, আমার বোনকেও সংক্রি

मानि तमनुष, मधुना, माक दाइ शाराद माएन दृषि उदान (शर्क राष्ट्रकार)

्ट सम्हरू, सम्रह हरत जो निनिताली, (संपाद तालाव आधान लाह निहा, वाचि निहरू सात्र।

इमि की क्षांड कारतारात, समृता ?

मेरिके करिक्ष बाकरण एनीएक एनई कार निर्ध्य (बहुम) किएक स्टम जनमान कारकत देखकि निर्ध्य नान, किन्दिनों :

নিবিলেশের আস্ত্রকথা

বাজি তিনটের সময় জেনে ইটেই আমার হঠাৎ মনে হছ, বে কণ ।
আমি এক দিন বাস করতুম সে বেন মবে জ্বত হবে আমার এই বিছান,
এই গব, এই-সব জিনিস্পত্র স্থল করে বসে আছে। আমি বেপ ব্যব্দ পার্যস্থা, মাজন কেন পরিচিত্ত পোকের জ্বতকেও ৬র করে। চিরকালে স্থানা ব্যন এক মৃত্তে অজ্ঞানা হয়ে ওঠি তেখন সে এক বিভীপিক স্থানাবন্য সমায় ব্যবহার বে সহজ প্রোত্তে ছলছিল, আছে ভাকে হয়ন বন্দ আসে চালাতে হবে বে আন এপনো কাটা হয় নি, তেখন বিষম ঘাঁবা, লগে বাম, তথন নিজের অভাবতক বাচিছে চলা লক্ত হয়, তখন নিজের বিভি

কিছু দিন খেকে বুবাতে পাবছি, সন্দীপের দল-বল আছাদের ক্রণত উৎপাত শুল করেছে। যদি আমার শুক্তারে দ্বির থাক চুম তা তলে সন্দীপরে লোবের সালে বলচুম, এখান খেকে চলে খাল। কিছু পোলেমার অভানেবিক করে উঠেছি। আমার পদ আর সরল নেই। সন্দীপতে চল বেতে বলার মধ্যে আমার একটা লক্ষ্য আদে। ধর সালে আর-একটা বং একে পড়ে, ভাতে নিজের কাছে ভোটো বছে মাই।

নাম্পাকা আমার ভিতরের জিনিস ছিল। সে তো কেবল আনত গুৰুত্ব আশ্রম বাসাসারবাছা নয়। সে আমার জীবনের বিজ্ঞাল। সেই জাতা বাইবের দিক থেকে ওর উপরে একটুও জোর দিতে পারনুম্ব না, বিল গোলেই মনে হছ, আমার দেবতাকে অপমান করছি। এ কথা কাউনি বোরাতে পারব না। আমি চরতো অভুত্ত। সেই জাতেই হৃত্তাতা ইকসুম। বিভ আমার বাইবেকে ইকা থেকে বাঁচাতে গিছে ভিতরকে ইকাই কী করে।

य गढ़ा **मखर (चटक नाइंटस्टक कड़ी कटन ट्यारक माबि ट्राइं ग**ड़[ा]

নীক্ষা নিহেছি। তাই আৰু আহাতে বাইবের জান এমন করে ছিল্ল করছে লো, আমার দেবছা আমার্কে বাইবের লালত খেকে মুক্তি লোকন। ক্রমছের রক্তপাত করে দেই ছুক্তি আমি লাব। কিন্তু বধন লাব ছেবন অভারের বাকর আমার্ক্ত হবে।

দেই মুক্তির স্থাদ এখনই পাঞ্জি । খেকে খেকে আছকাত্রও ভিত্তর থকে আমাক অভারের চভারের পানি লান প্রায় উটছে । ব বিমলা মারার তৈরি দেই স্থাম মুটে গোলেন ক্ষতি হবে না, আমার ভিত্তের প্রকাঠ এই মার্থাদ্বাস্তি থেকে ওধাক বলে উচ্ছে।

मानाव मनावाद काक नारत (मन्द्र, नभीन दांतनकुक्त नाम (राज निवा पूर्व तुम कात महिरमनित) मुक्तात काकाव नदाक । अहे मुक्तात नवा दित्त कुत कात प्रकारत काक (प्राक मानाव कावाद (मान क्लाप । मामावाद कावाद (मान कावाद । मामावाद कावाद कावाद (मानावाद कावाद । मामावाद कावाद कावाद । मामावाद कावाद कावाद कावाद । मामावाद कावाद कावाद कावाद । मामावाद कावाद । मामावाद कावाद । मामावाद । मामावाद कावाद कावाद कावाद कावाद । मामावाद कावाद ।

কিলেকেল থেকেই দেৰে আস্তৃতি, সন্দীল হাজ আইনিয়ার আন্তৃত্ত ।
লভাকে আবিজ্ঞান কৰাৰ পৰ কোনো প্ৰচোকন নেই, সভাব ভেলকি
বানিকে ভৌলাভেই প্ৰব আনন্দ মহা আজিকাত হতি পৰ জন্মহান লা হলে
নবৰ্ণনি নিছে নৱমানে ভৌজন কৰাই যে মাছলকে মাছতে আজ্ঞান প্ৰথাৰ
আজ নেইন বালনা, এই কৰা নৃতন বুকিনে প্ৰমাণ কৰে ও পুলজিত হতে
কিল্ড ভাজোনোই যাব কাজ নিজেকেও না ভূলিতে লৈ আকতে পাৰে
না। আমান বিভান, সন্দীল কথাৰ মতে যত্ৰাৰ পুজন-নৃতন ভুকন পত্ৰী

কৰে প্ৰতোকবাৰ নিজেই মনে কৰে 'সভাৱেক পেছেছি'— **ভাৰ এক** কৰিব নাম 'বাহ্য-এক সন্তীয় বভাই বিবোধ খাড় ৷

বাই কোক, লেশের মধ্যে মারার এই তাচিবানা বানিছে তোলার আমি কিছুমার বাছার্য করাত পারব না। যে তাকর মুন্তকেরা কেশের কাছে পাগতে চাজের নোচা থেকেই তাজের নেশা অভ্যান করানোর চেয়ার আমার বনন কোনো ভাতে না থাকে। মতে ভুলিছে বারা কাজ আমার উর্বিটি চাই উর্বি উর্বিটি হাই হাই হাই হাই কাজ বাজের কাজে কিছুই নেই। প্রাক্তরের মন্ত্রেলায় কেই মনের নাম তাজের কাজে কিছুই নেই। প্রাক্তরের মন্ত্রেলায় কেই মনের নাম তাজের কাজে কিছুই নেই। প্রাক্তরের মনের কোলের কাজে বিহুই নেই। প্রাক্তরের মনের কোলের মাতে কিছুই নেই। কাজের নেইনির্বাচ্চ নেইনির বাজালের মাতে। কেশের বাজে এলে বাজের ন

বিমলার সামনেই সন্ধীপকে বলৈছি, তেঃমাকে আমার বাছি ছেকে চাল মেতে হবে। এতে হয়তো বিমলা এবা সন্ধীপ ছন্তনেই আমার মংলবংক মূল ব্যবে। কিন্তু এই মূল বোলার ভন্ন বেকে মূজি চাই। বিমলান আমাকে মূল ব্যুক।

ঢাকা খেকে মৌলনি প্রচাবকের মানালোনা চলছে। স্থামানের এলাকার মূললমানেরা লোজভাগিক প্রাট ভিন্তুর মন্তের ছুলা করাস্ত। কিছ ঘট-নক কামগার গোক-কথাই দেশা দিলঃ মানি মানার মূলনমান প্রকার কাছে ভার প্রথম পরর পাই এবা ভার প্রভিনাদক শুনি। এবারে নুন্দ্র ঠেকানো শক্ত হবে। ব্যাপারটার মূলে একটা ক্রিম কেল মাছে। বাং দিছে লোলে কন্ম ভাকে সক্রিম করে ভোলা হবে। লেউটেই ,ব মামালের বিক্তম পক্ষের চাল।

শাষাৰ প্ৰধান প্ৰধান ভিন্দু প্ৰকাৰে ভাকিতে অনেক কৰে ৰোজাগাৰ তেটা কৰপুম। বলপুম, নিজেৰ বৰ্ম আমবা বাখ্যত পাতি, প্ৰেম বৰ্মেই উপৰ আমাৰেৰ হাত নেই। আমি বোটন ব'লে পাক্ত ভো বক্তপাত কৰতে হ'ন না। উপাৰ কী ? মুলনমানকেও নিজেৰ বৰ্মমতে চলতে কিতেবৰে। ভোম্বন

(कामदान कारदा ना।

खाता सन्तरम, बहाताक, धंक भिन्न ,का उ. सर देनसन्त हिन ना ।

मानि वसमूच किन ना ज नतन हेका। भारत हेका नतक वातक निहुक हरू (महे पहड़े (हरूरा) (हर्नु) वसुरुग्द सूच तर्हा:

कारो नगान, मा महावास, एम निम्न (मही) सामन ना कहान विक्रमणके भागात ना ।

শ্বাহি বস্তৰ্য, শাসনে লোগিলো দেশ বাহাৰেই না, জাৰ উল্লেখ হাজ্যৰৰ পতি হিল্পা দেশে উন্নয়ে পাৰতৰ স

একের মধ্যে একজন ভিন্ন স্থাপেরির পচা , সে বর্মকার বুলি আক্রড়াল্ড শিবেছে : সে বরুলে, চেম্বন, এটা ,কেন্স কেবল ব্রুটা সাক্ষারের কবা নর , আমানের কেন্দ্রক্তিবর্মন, এ কোন প্রেক কেন্দ্রক

আমি বলপুম, ত লেশে মহিষেও ছব লেখা, মহিলেও ছবল কৰে, কিবা কোৰ কাটামুক্ত মাধাৰ নিবে পৰাজে বন্ধ (মধে খনন উটোন মহ নুখা কৰে বৈছুটি, কখন ধৰ্মের জোহাটী লিয়ে মুসলমানেও সংজ্বলাড়া ববলে ধর্ম মনে মনে মাদেন, জোবল কামভাভাট কাবল হয়ে কটো বেবল পোকট খনি অবধা হয় মাধি মেটি ইচি মাধ্যা তাত্ত্ব প্রায়ে বটা ধর্ম নহা, কটা মাধ্য সাধার।

के दशकि पड़ा बनान, अब लिखत तक भारत तथा कि तकारत भारत्वत में ? वृत्तवहात्मदा क्षांसाव (महिद्दाक वाहित कावि होते में) मेंहिहिहाई की करत काला कासक कामका तत्वतान तथा है

কাৰি বলপুম, এই বে দুদলমানদের মাহ করে আৰু আমাদের উলারে ইনিট্ মন্তব হয়েছ, এই অসুই যে আমার। নিজের হানুত বানিছেছি। ধর্ম ছে ক্রমনি করেই বিভাগ করেন। আমারা বা এর কাল বাব কমিনেটি আমাদের উলারেই আ বন্ধ হয়ে।

हैंदर्शक-सका समहाम, भाषा कारना, जाडे पत्र हात राम । निष्क अस रामा भाषारमान असकी क्षत्र भारक--- भाषारमस्ट अगत किक--- स्व भाडेन ওলের সকলের (চবে বাচ) প্রিক সেই আইনকে আৰু আৰব্য ব্লিগাং করেচি , এছে দিন ধরা বাজা ছিল, আৰু ওলেরও আনবা চাকারি বংগে এ কথা ইতিহালে কেট লিখনে ন', কিছু এ কথা চিবদিন আমাণের মান বাজনে।

এ দিকে কাপতে কলেকে অভাচিত্তে আমি বিভাতে হতে প্রদুষ্
ভানতি চক্রবাতীদের কলাকায় নদীর খাবে জলান যাতে কেলাসেবারের সদ
আমার কুলপুন্ধলি বানিয়ে পুর পুম করে দেটাকে লাভ করেছে, ভার সংগ
আরক আনক অপ্যানের আব্যোক্ষন চিল । এবা কালাকের কল পুলে । ৬০
কারবার করবে বলে আমাকে পুর বচ্চা লেখার কেনাতে কলেছিল। আনি
বলেছিল্ম, ঘদি কেবল আমার এই-কটি টাকা লোকদান বেতে পেল ছিল
না। কিছা লোমবা যদি কার্যানা খোল ভারে অনেক স্বিব্রের উলি। মান
যাবে, এই জাকেই আমি লেখার কিন্রু নাঃ

কেন মলাই, সেলের হিতে কি আপুনি পছক্ষ করেন না গ

कावनाव करान (मामव किन कालक भारत) किन (मामव विकि करा क्नामक एका कावनाव कर्य मा । यसम आना किन्य क्याम स्थाम करान कर्म मि । स्थाद, (साम केंद्रोकि नामक कि सामास्थित नानमा के वे नार क्नाम १

शक कथाय नम्ब-ना, ज्यामिन त्मघाद किनतन नाः।

কিনৰ মধন জোমাদেক ব্যাবদাকে ব্যাবদা বলৈ বুধব। ক্রেম গে আপ্রন ক্ষণান্ত বলেই যে ক্রেমাদের ইাভিন্স চত্রবে, দেউবে ক্রেমাদের প্রতিক্ষ শ্রমণি দেখন্তি নে।

এরা মনে করে, আমি ধুব দিনাবী, আমি কুপণ। আমার ক্ষেত্রী ন'? বাবের দিনাবের থাড়াটা এবের বুবে কেগতে টক্ষা করে। আরু, সেই বি এক দিন মাতৃত্বতিক কুদরের উন্নতি করতে বলেভিপুম, তার ইতিহ'? এবা বৃত্তি আনে না। ক' বছর ধরে আতা মরিশন থেকে আব আনিছে ১ ব ে কী ব্রং আমানের চর্চার কাছারিকে চাকার হাছ লোভ কাল ত বলব গাজনার লাচে লাভ চাজার নাবার এক কিন্তি লেখানে জয় গাট্ডিল, আজ স্ভোগে নৌকা করে আমানের লগতে রকনা হবার কলা। গাটারার প্রতিষ্ঠিতর ভাড়েবিজি করে ব্রেছিল। আহক রাহের ফাজাল্যক নিবার নিউ করে ভাড়েবিজি করে ব্রেছিল। আহক রাহের ফাজাল্যক লাবজ্জালিক্স নিয়ে মালকানা লুটেছে। বাহেম লাভ গিলালের ক্রি গাই অথম লয়েছে। আল্টেরে বিহয় বই বে, চালালের বেবল জ লাভার নিয়ে বার্তি প্রেছ হবজার ইলোর নোন মারের মধ্যে ছড়িছে লোভ চলে লোছ। আল্টানে লব উকোট নিয়ে আলাক পার্ক। গাই বেছি, াটানের ম্যালা লের রল, এইবার প্রতিষ্ঠ পালা আরম্ভ হবে। ইন্ডিঃ

ব্যক্তির ভিত্ততে বিচ্ছ দেবি দেবানে ববর বটো লেছে। ছেকোরানী াদ কলকেন, ঠাকুরবায়, এ কী দর্মনাল।

মানি উল্লিবে কেবার জন্মে বলস্থা, দর্মানের এবনো মানেক বাকি

এই সে দিন শুনপুথ, নদীব ধাবে ভোষাতে নিষে ওবা এক কান্ত বং বংগছে ! ভি ছী । আমি তো ভবে মবি । ছোটোবানী মেনেৰ কাছে পড়েছে প্ৰই টো ছাই টব নেই । আমি কেনাবাম পুকতকে চাকিছে পালিছবাছনেই বংশাৰত কৰে নিয়ে তাৰ বাভি । আমাৰ মাধা খান সংক্ৰাণ্য কুমি কল কাভায় হাও । এগানে পাকলে ওৱা কোন ছিন কী কৰে বংগু।

মেকোবানীদিবির ভব ভাবনা আছে আমার প্রাচে প্রথা বর্ষণ করাল সমস্থা, তোমারের স্থায়ের বাবে আমারের ভিক্ষা কোনো দিন খুচাং না।

ঠাকুবলো, ভোমার পোবার ঘরের পালে গুই-বে টাকাটা কেবেছ, শ্র ভালো ব্যন্ত না। স্থোন বিক খেকে গুরা ঘরর পারে আর পেরকালে--আমি টাকার কল্পে ভাবি নে, ভাই--- কী জানি---

আদি (মাজাবানীকৈ ঠান্ত) করণার জান্ত ব্যাল্য, আন্ধ্যা, পুটারাট বের করে অসনত আমানের আআজিখানাথ পাঠিছে লিভি। প্রভাতনত কলভাতার ব্যাকে জমা করে দিয়ে সাসব।

এট বলে শোরার যার চুকে চেমি, পালের যার হয়। বরজারী গার দিকেট ভিতর খেকেট বিমলা কললে, আমি কাশত ছাভতি।

(मरकांतानी तनराम, अहे मकांत-स्वतारकहे (क्वांठीसानीय मास्र हरक भवाक कवरता। भाक दक्षि अरत्य गरकमाजवरसय देवके नमस्य। स्टब्स अ स्वीठीस्थानी, गुरंहेय मान त्याकाहे हरक्ष माकि १

আন্ত:একটু গৰে এনে দৰ ঠিক কৰা যাহে, এই ব'লে বাইছে এন দেখি নেবানে পুলিশ-ইন্মোটৰ উপস্থিত। বিজ্ঞানা করনুম, বিশ্ব দৰণ यर का तब तहाडा के

(म की क्या । को एक क्या शरहात । क्या किह नव । नारदर आयहा हमेल स्कृतिक दक्ष नरहात , (म स्व जानको बोलिस

कारमाक मामि कारामाधारके राज्य कराव गांव मा का विवासी। विवासी हम वेदी मानाव वर्षित्र माहि, विवास माहि तामके हो हुनि कराइ गांद में का तमा पाद मां। उस स्मायकि मोहिम राम्य हा स्माय विवास त्या करत बरसाइ (मन इक किन्न क्षाप्तः

ত্তা যদি হয় আমি নাকে জেলে লিছে লাবন ন । আগনি দেবন কেন্দ্ৰ হাবে হাছে দেবাত ভাব দেৱ ভাৱে ।

কালেম উ ইটোর টাকা নিধে বাকি টাকাটা কেলে রাখনে ক্রেন দ ক্ষি বৌকটো মনে কল্পে দেবার করেই। আপনি নাই ববুন, লোকটা

"(4)) o minatica districte mistricts, a fina alstatis a

মঞ্চলে বাৰ চুৰি ভাৰোতি হাছছে নিশ্চত তেতে মাল ও আছে।

नाविशानका निविन्दिन बार्डन सूत्र शानांत (स्तु ६० वाहरी (क्या

কাৰ কিৰে একে মনিবেৰ কাছাভিত্ৰে হাজতি কেবাছে পাতে ইন্সেল্ট্ৰত তাৰ কনেক দুইাৰ কেবালেন।

वाबि क्रिकाम्। करमृष, कारमद्दव अस्तरस्त्र १

তিনি কললেন, না, সে খানাছ কাছে। এখনট ভেপুটিবাৰ ভ্রমণ্ড গামাত আন্তরেন।

আনি কাল্য, আনি ভাবে দেবতে চাই। কালেনের সংখ্ দেবা হবা নাত্র সে আমার পা অভিয়ে বার কেনে কালে, শোষার ক্সম, মহারাছ, মানি এ কাছ কবি নি।

স্থামি বৰ্ণপুষ, কাচেম, স্থামি ভোষাকে বন্ধেত কৰি মে। ভৱ হো তোমাব, কিনা পোৰে ভোমাব শান্তি ঘটতে কেব না।

কালেম ন্তাকাত্তির ন্তানো বর্ণনা করেত পার্বেল না। কেনে বুরা
মারাজি করতে লাগল— চার লো পাচ-লো লোক, এত বছে। বছে। বছুব
তলোয়ার ইত্যাদি। বুরলুম এ-সমন্ম বাজে করা, হয় ভ্রের মুক্তীয়ে মর্ব
বেছে উঠেছে, নম পরাভবের সজ্জা চালা দেবার করে বাচিষে চুলেছে
পর দারণা, চরিলতান্ত্র সজে মানার প্রস্তাহ, এ ভারই কাল , এনন বি
ভালের একান স্থাবের গ্লার মান্ড্রাক ম্পৃতি শুনতে প্রেছে বলে ভার

আমি বলস্ম, দেশ কাসেম, আকাজের উপর ভর করে গ্রহার পরের নাম জভাল নে। হবিশক্ত হব মধ্যে আছে কি না কে কথা বানিতি ব্যোলবার ভার টোর উপর নেই।

ৰাচি দিবে চলে মান্যবি-মাণায়কে কেকে পাঠাপুম। জিনি মাণা লোচ বললেন, সাধ কল্যান নেই। ধমকে সবিধে দিছে কেপকে তাব জায়লান বলিয়েছি, এপন কেলেব সমস্থ পাপ উদ্ধান হবে ফুটে কোবালে, জাব স্থান কোনো কক্ষা থাকাৰ না।

भागिन कि पान कारन है का के-

আমি আমি নে, কিছু পাপের চাওয়া উঠেছে। সাও লাও, জোমার এলেকা ঘোক প্রমের এখনট বিদায় করে সাও।

ष्याद अक जिस ममन जिल्लाक । भवत अवा मन महत्त ।

হেখে। আমি একটি কথা বলি, বিষকাকে তুমি কলকাতার নিবে মাণ এখান খেকে তিনি বাইবেটাকে সাকীৰ্থ কৰে কেনছেন, সৰ মাজনেব সা ভিনিসের ঠিক পরিমাণ ব্ৰাতে পাকছেন না। তকৈ তুমি একবার প্রথিতি ক্রেনিয়ে লাও— মাজনকে, মাগুবের কর্মক্ষেত্রকে, উনি একবার করে। ক্ষাব্য ्ड्स अस्य निम्।

थावित को क्यारे शर्मात्र्य

निष्कः भाष स्वर्धि देशा कालाव निष्कं निष्कं हिंदिकः स्वर्धिकः विकास निष्कं निष्कं निष्कं हिंदिकः स्वर्धिकः विकास कालाव निष्कं हिंदिकः स्वर्धिकः स्वरित्वे स्वर्धिकः स्वर्धिकः स्वर्धिकः स्वरित्वे स

সম্ভৱ দিন এই-সৰ্মানা হাজামে (কটে গেল - আজি হয়ে বাবে জিছি চন্ম। সেই টাকটো আজে বের না ধবে কাল সকলে বের কারে নেৰ গেল করেছি :

বাজে কৰম এক সময়ে মুখ ক্লেডে পেল। যব অঞ্চাৰ । একটা কিলেও পদাংঘন জনাত পৰিছে। বুলি কেট কালতে।

ৰেকে প্ৰকৃত্য ব্যৱসাহাত্ত্ব সমকা হাত্তিত মতো (১)পেই কৈন্ত্ৰ কৃত্যু বৰ-একটা লীক্তনিশ্বাস ক্ষনতে পাণ্ডত আম ব মনে হত্ত আমাৰ এই স্বান্ত কেব বিজ্ঞান্ত্ৰীৰ ক্ষাৰ্থত প্ৰতি

আহিবৈ ছবে ছাত্ত-কেট নেই। বিষয়া বিছু দিন খোৰ কোনো-কেই) শাশেৰ ছবে লোছ। ছামি বিছানা থেকে উচ্চ শচপুম। বাইবেৰ বাৰাজ্যত্ত শিতে কেৰি, বিষয়া মাটিৰ উপৰ উপত চাত গতে বাহেতে।

এ-সৰ কথা বিষয়ের পারা যায় না। এ যে কী, ডা কেবল ডিনিট স্থানেন যিনি বিজয়ে অর্থের মধ্যে বলে কল্যান্তর সমায় বেদনাকে প্রচল কর্মদেন। আৰাত মুখ, ভারাপ্তলি নীয়ৰ, বাজি নিভজ— ভারই মারবানে ৬ই ২০ট নিমাধীন স্বায়া।

আমরা এই-সর অধরণেকে সাসারের সাক লাজের সাক নিশিও জালো বল একটা-কিছু নাম লিয়ে চুকিছে কেলে দিই। কিছু, অধকারের বাক জালিছে দিয়ে এই বে নাখার উৎস উত্তাভ এর কি কোনো নাম আছে ? সেই নিজীগবারে, সেই লক্ষকাটি হোরার নিলক্ষতার মাক্ষণানি শিক্ষিক, আমি বগন ওব পিকে চেছে দেগলুম ভেগন আমার মন সভাছে গাল উঠল, আমি একে নিচার করনার কে। তে প্রাণ, তে মৃত্যা, তে অসীম বিশ্ব ক্ষরি, তোমানের মধ্যে এই রহজ রহেছে আমি কোচ কার্যে কার্যে করনার কে।

একবার ভাবপুম, কিরে বাই। কিন্তু পারপুম না। নিলেকে বিমন্ত বিষরের কাছে বনে তার মাগার উপর হাত বাধপুম। প্রথমটা ভার ১২৪ পরীর কানের মতো পার্ক হয়ে উঠক। তার পরেই সেই ক্রিন্ডা তে-কেটে ভেত্তে কালা সহল গারার বার বেতে বাগপ। মাজুবের ক্ষরের মান এত কালা যে কোগার ধরতে পারে সে ভো ভেত্রে পাগরা বার না।

আৰি আজে আজে বিষলার মাধার হাত বুলোতে লাপনুষ। তা পরে কর্মন এক সমরে হাথচে হাথচে সে আমার পা-ছুটো টেনে নিদে বুক্ষের উপরে এমনি করে তেপে গরলে বে আমার মনে হল, সেই আগ ে ভার বুক ফেটে বাবে।

বিষ্ণার আত্মধা

আজি স্কারে আমুদার কলকাত। খেকে ১৯বরণর কথা। বেরারাকে । গল জেকেছি, সে এলেট বেন খবর দের। কিন্তু দির ভাকতে ভারতি নে। গাইবে কৈনকখানার ভিত্তি বলে জেন্দুম।

শন্পাকে বৰ্ণন আমাৰ পালে তেওবাৰ আজ কলকা গ্ৰন্থ প্ৰেচ্ছু বন্ধ নিজেৰ কৰা ভাজা আৰু কোনো কথা বুলি মনেই ছিল না । এ কথা ববাৰত আমাৰ কুমিনাত কোনী না তে, দে ভোলমাৰছে, অত টাকাৰ প্ৰৱন্ত বাগাল বেওয়াই বেতে স্বাই ভাতে সংক্ৰা ববাৰ বাতে এ থাছেমান্তৰ, আমাৰঃ গে অসম্ভাৱ কোনোকে নিজেৰ বিশ্ব আলুৰ গাড় ৯০ ডালিছে আমাৰাছেমান কিন্তু কৰা কুমিনা মনি গুলিছে আৰু বিশ্ব মনি ও উপাছ নেই । আমাৰা মববাৰ সম্ভালিছ কানাক গুলিছে মানি ।

ব্যাহা আলাক্ষরে করে বলেছিলুম, আমুলাকে গাঁচার। যে নিজে জালিছে

নিজে সে নাজি আন্তাক গাঁচায়ের লাবে। হাত হাত, আমিট বুজি প্রকে

নাবলুম : জাটে আমারে, আমি সেনার এমনি লিলি, যে লিন মনে মনে জোর বলালে ভাটাক্টেড়ি) দিলুম লেট লিন্ট বুজি যম মনে মনে লাবলে। আমি খে ক্ষলাবাদের ব্যাহাটি নিজে কিবছি আক।

মামার আঞ্চ মনে হড়ে, মাজধান কে কে লম্ম তেন আম্বানের হাল ধরে : ছাইবে কোখা হাছ ভার বীজ এনে লভে, আন কর বারেই মাতুঃ নিম্ম আন্তে : সেই সমতে সকল লালার থেকে পুন কুরে কোখাক ভাকে শবিষে রাজ্য হাছ না কি ৮ কাই কোখাক শাজি, জার কোয়াক যে কান্ত। শাসান : সে বে বিপালের মলালের মাজে, নিজে পুনারে বাকে সামারে শালন নামারার জাজেই :

নটা বাজন। আহার বেমন বেখি হাক্ষ, অনুণা বিশাদে পড়েছে। শাক পুলিয়ে ধরেছে। আমার গরনার বাক্ষ নিতে গানাম গোলমাণ পড়ে গোছে , কাষ বান্ধ, ও কোণা গোকে গোলে, ভাব কৰাৰ তো লেগ বলৰ আমাৰেই দিছে হবে— সমস্ত পৃথিবীৰ লোকেব সামনে কী কৰাৰট হব নিক্ষেপ্তাৰীটা, এই দাল তোমাকে বছে। অবকাই কৰেছি। আৰু ১৯৯০ বিন এক। তুমি আৰু সমস্ত পৃথিবীৰ ৰূপ ধ্যে পোষ তুল্বে (এই ওপান এইবাৰ আমাকে বাঁচা ও— আমাব সমস্ত অহাকাৰ ভাসিছে দিছে ১৯ বানীৰ প্ৰেৰ্থ ভিনাই পঢ়ে থাকব।

স্থাৰ পাকতে পাবসুম না, তেপনই বাচি ভিতৰে মেজোৰানীৰ ৰ চ লিয়ে উপজিত হসুম। তিনি দেশন বাৰান্দাৰ বোদত্তৰে বদে পান দাকছেন পালে থাকে। ব'লে। থাকোকে কেথে মৃহতীৰ অন্তে মনটা সাক্ষিত চল জগনই দেটা কাউয়ে নিয়ে নেজোৰানীৰ পাৰেৰ কাছে পাছে তাৰ পাছে। গুলো নিলুম।

ভিনিবলে উঠলেন, দ কী লো ভোটোবানী, ভোৱে ছল কী। ছঠাছ দে ছক্ষি কেন্

কামি বলপুম, দিদি, আৰু আমাৱ ক্ষান্তিনি । অনেক অপবাধ কার্যান করো দিদি, আলীবাদ করো, আরে ধেন কোনো দিন কোমাধের কোনো । । মা দিটা। আমার ভাবি ছোটো মন।

বলেক কাকে ন্যাব্য কৰে। কৰে কাজাকাচি উচ্চ এক বিশ্ পিছন খেকে বলাত লাগলেন, বলি ও ছুটু, তোৱে জন্মডিছি, এ কর' ^{ছাটা} বলিস নি কেন গ ন্যামাৰ এখানে ওপুৰ বেলা বভাৰ নেমন্ত্ৰৰ বইল। এই বোন, কুলিস নে।

ভগৰান, এখন বিছু করে। গাড়ে আঞ্চ আমার ক্ষান্তিবি হয়। ^{এই} বাবে নতুন হতে পাবি নে কি ও স্ব দুছে দুছে আরে-একবার সোড। ^{এই} পরীক্ষা করে। প্রান্ন।

नाकेटव २०४७चाना-पटव रथन ६०८७ वाकि अपन शमर १९४८ मुखील अर्थ केलें विकास समित समित केलें

নকাদের আনোধ করে যে মূপ কেবনুষ ভাগত প্রতিভাগ কাছ একটুও ভলনাত আনি বলে উঠনুম, আপতি বলে এখনে খেকেও

সন্দীল কোস কলকে, অমূল্য (জ' এই) এখাছে বিলেম কথাৰ লাল্য ২ মামাৰ্ট্য

লেডো কপাল ৷ যে অধিকার আখিছ লৈছেছি লে অধিকার আভাচকার বাঁকারে চাবলপুত্র, আমার একলা গ্রেবার ধরকার আগ্রেছ

বানী, সাবৈ একজন লোক যাত্ৰ যাকলেও একলা থাকাত ত্যাঘাত হয় - সময়ক স্কৃষি মনে কোলে ৮ কিচেত লাক--- মানি লক্ষ্যীল লক্ষ্য লাকের মানুক্ত স্বামি একলার

चालि चार्य हक महत्र चाल्यात्र चाक्र मताल चार्य ।

मम्त्रीत काल मालका कराह्य र

শামি বিশ্বকার্থয় ঘর ছেছে বেবিছে খাবার উল্বোদ কর্মি, এমন বন্ত সন্দীশ ভারে লালের ভিত্তর খেকে খানার গ্রন্থর বন্ধ ব্যৱকৃত্তির স্থানিক বিশ্বক উপর বাধকে।

सामि अम्दर्क 🖫 अनुष्य । जनमुष्य, अ त्रान चामुना वात मि व

estere un fab

4##7'878 >

म्मीन सम्बे (हाम तनान, में ,

বীউনুষ ৷ আমাৰ ভাইটোটা গাচন আৰ্থি চোৱা বিশাৰার ধত কই শংস্কই মেডিছাক— অমূল্য বন্ধ শাক

শশীশ আমাৰ মূৰের ভাব লোপ বিদ্ধান কৰে কৰলে, এৰ বৃশি, ৰানী দ পদনাৰ ব্যক্তৰ একে ভানত কৰে কোন কালে বহু প্ৰনা তেবীৰ প্ৰকাষ বিক্তি চৌৰন্ধিলৈ দ ছিয়ে ছে: কোলছা, কেবছাৰ হাত খোক আবাৰ কি বিবিহে নিজে হবনত

महाकाद बहुद्व बदाहुन कुएक भी : है(के हम (मिश्रह मिहे, अ

সমনার 'শাবে আমার দিকি শবদার মমতা নেই। আমি বন্ধুত, এ ০৮ । আশানার মনি লোভ থাকে নিয়ে যান না। '

নন্দীপ নগলে, আৰু নাপালেখনে মেনানে মত ধন আছে সমস্তব ৮ । ।
আনাবে পোঞ্চা পোঞ্চব মতে। এট বড়ো মহা বুল্লি কি আবে । ছতু
আছে গুপ্তিনীর মাবা ইন্ত লোগ ভাষের ইরাব্ত। ভা হলে । ১০০
সমনা আনাব ০

এই ব'লে দল্দীপ ৰাশ্বাটি চুলে নিছে লালের মধ্যে ডাকা ছিচ্ছেই ত-মবের মবো চুকন। তার ভোগের ভোগেয়ে কানী প্রচেছে, মুখ প্রত -উক্ষুক্ত চুল। এক বিনেই ভারে ভোকা বছদের লাবনা কেন করে ভিছেও ফাকে বেশবা মান্ত মামার বুকের ভিত্তবিত্ত কমেছে উঠল।

শম্লা শমাৰ দিকে না ভাকিবেট একেবাৰে সন্দীপকে সিয়ে বল চ শাপনি সম্বাৰ ৰাজ শামাৰ ভোৱাজ দেকে বেৰ কৰে এনেছেন গ

भवनाव गांचा (कामावडी नाकि ॰

ना, किन्न एकादक सामाद ।

সন্দীৰ হা কাৰ্যৰ কোনে উইল । বলাল, তেত্ৰক স্থাক আমি দুলি কেলবিচাৰ জো তেত্ৰমাৰ বাছে। কৰা ২০ মন্দা । দুমিন্দ মৰবাৰ আগে ২০ বেটাৰক কমে মৰবে কেশছি ।

শ্বমূল্য চৌকিব উপৰ বসে পড়ে এই হাছে মুখ চেকে টেকিলেব উপ মাধ্য বাধলে। শামি ভাব কাছে এসে ভাব মাধ্যম হাত বেকে বলস্-শ্বমূল্য, কী হামছে।

জন্মই দে ব্যক্তিয়ে উটে বললে, দিলি, এ গ্রহনার বান্ধ আমিই নিতে ভাতে ভোমাকে এনে দেব এই আমার দাব ছিল। সন্দীপবার ভা জানা প্র ভাই উনি ভাছাভাছি—

আমি কলসুম, কী হবে আমাত এই গছনাত বান্ধ নিছে ৷ ও ৰাত -আতে কভি কী ৷ चम्का विविक वर्ष क्यान, गांद क्यान १

সন্ধীপ বলাল, এ পদ্ধনা আমার। এ আমার বানীর ক্ষেত্রা আমার। আমুল্য লাল্যের মাজে বাল উচল, না না না কবনোর না চার্লি, ম আমি জেম্বোক কিবিয়ে এনে চিয়েছি, এ বুলি আর কাউকে চিয়ার লাক্ষর

আছি বলপুত্র, ভটেই, চেয়ামার লাম চিবলিন আমার মনে বইল্য কিছু লংনার বাবে লোভ লোনিয়ে যাব না

শহলঃ দ্বৰত হি শা অশ্বর মধ্যে সন্দীপের দিবে রোকিংছ প্রমার প্রমার লোক নিজুন, স্ন্দীপবাৰ, আংশনি আন্তেন আহি কাশিকে দ্বর করি নে। ব্যায়নার বান্ধে মনি আংশনি নেনা-

দললৈ বিশ্বলৈ হাবি হাববাও (চই বাবে বলাল অম্লা, বোমাবন্ধ বন বিনে জানা ইচিক লোমাব লাগনাও আমি নহ বাবি নে মজীবানী, গহনা আছে আমি নেব বাল আদি নি, কোমাবে কো বালই নালে খন্ত বিশ্বল জানাব বিশ্বল কুমি বে আমলাব হাব গোক নেবে বেই বালই অলাহ নিবাৰে কাৰাৰ অলোই অগমে ৪ বালে আমাব লাই কাৰা নামাৰে বিশ্বল কাৰাৰ অলোই অগমে ৪ বালে আমাব লাই কিনিক বোমায়েছ আমা লান কাৰছি, এই বছনা গ্ৰাবে নাই বালাকাৰ লাজ ভূমি বোৰা কাৰ কাৰা, আমি চলকুম বিজ্ঞানিন খোল আমাবে ই কিনিক বোলায়াই বালাক কাৰা চলজে, আমি বালে মাবা নামা কান কাৰ্যানাই কোনা লোক মাবা নামায়াই বিশ্বল আমাব বালা বিশ্বল কাৰ্যানাই কোনাই কোনাই কাৰ্যানাই কাৰ্যানাই কাৰ্যানাই কাৰ্যানাই আমাবি হা-কিন্তু আমাবি মাবা বিলাম বালাবানিক কাৰ্যানাই কাৰ্যানাই মাবা বিলাম বালাবানিক কাৰ্যানাই কাৰ্যানাই মাবা বিলামাব বালাবানিক কাৰ্যানাই হা-কিন্তু আমাবি মাবা বিলামাব বিলামাব বালাবানিক কাৰ্যানাই কাৰ্যানাই আমাবি হা-কিন্তু আমাবি মাবা বিলামাব বিলামাব বিলামাব বালাবানিক কাৰ্যানাই কাৰ্যান

ध्ये व्यक्त मुखील काकाकाकि एवं (शरक ठाल एवन ।

আমি কাল্য, অমূলা, ভোমাকে আমাত প্রনা বিক্তি করাজ দিয়ে বর্গে মনে আমার পার্মি চিল না। त्यम, विवि ।

শামাৰ তাৰ বিশিল, এ গৱনাৰ বান্ধ নিছে পাছে তৃমি বিশ্বে ৮৪
পাছে চোমাকে কেট চোৱ বলে সন্দেহ কৰে ধৰে। আমাৰ সৈছ হ'ব ব টাকাম কান্ধ নেই। এখন শামাৰ একটি কথা চোমাকে শুনাত হ'ব এখনই তৃমি বাড়ি যাও। যাও ভোমাৰ কাছে।

আম্পা চালবের ভিতর থেকে একটা পুউলি বের করে নদদে কর ছালার টাকা বনেতি।

किकांश कदम्म, (कांधाव (लाल ह

ভাষে কোনো উত্তর না দিয়ে বললে, সিনির ছক্তে ছনেক (১৫) কর্তু সে হল না, ভাই নোট আনেছি।

अमृता, माचा चा न, मिछा करव वरता, এ छाका ट्रकाश (मात न

(म व्यानभारक रसर भा।

শামি চোপে যেন শক্ষার দেশতে লাগ্দুম। বলপুম, কী কাও লাংছ শ্মদা ৮ এ চাকা কি—

শমুলা বলে উইল, আমি জানি, তুমি বলবে এ টাকা আমি সভা করে এনিছি। আছো, ডাই খীকার। কিছু, যত বড়ো অকাহ ভাত বড়ো লাম সে লাম আমি দিবেছি। তপন এ টাকা আমার।

এ টাকার সমন্ত বিশ্বশ আমার আর নুনাত ইছে হল নাঃ বিশ্বন্ধনি সংস্কৃতিত হয়ে আমার সমন্ত পরীবকে যেন প্রতিষে আমাতে লাগল। ক[া]বলপুম, নিমে বাত অমূলা, ত টাকা খেলান সেকে নিমে ওক্তেড গলনি
সেখানে কিছে এলো।

त्न त्व बह्या नक्ष क्या।

না, শব্দ নয়, ভাই। কী কৃষ্ণণে তৃত্বি আমার কাছে এসেছিল স্থীপত ভোমার যত বড়ো অনিষ্ট করতে পারে নি আমি ভাই কংশ্-স্থীপের নামটা বেন ভাকে খোচা মারলে। সে ক্রমে, স্থী

্বাধাৰ কাছে অনুষ বাৰক (ভ) পৰে চিনাভ লোহছিও কান, ছিটি চ erure min cute of fea o to a rive brain field face the त्र द (**४८७ - अन भारता**ल अंदर करह कि । दसका अराक कांग्र कांग्र प्रस् मरमा तक करन कमान द्वान मधक मिन (श्रावर देवन १.८० वान करन gie un bie bie fein bifalle ebn . cele, a bien au a dene प रिकारक्षित महम्मोक । हा चामका मुद्दीत है जिस , प्रांक क्यूरत हा का बहुत প্ৰচাৰ প্ৰভাৱ পৰা হয়ে উচ্চেছে । একে প্ৰশাধ গছানেপ্ৰ ভাৱপানা চলে নত ा .य प्रकारीय क्षतवान वाच भाकनात काम्या कराक । त्यार चामूमा, (कारा ংকে সুক্ত সন্মীয়েছ কেৰিস নে চাঁত হচ্ছে কন্তীর হাক্তিকালীর কাবলচ। এচ लड्डे व्यवस्थिक आएएसप्रेशन बागुल अफ़नाव कांक्र १४ कवी वद्यांत्र । एकाचा घरता, नाष्ट्रवंदी निष्ठक थिया। क्या शालाइ - मुलिन (स्ट्रे / नीत्काइतिक करिना बंदब साथ जि. १ क. ६० अरुपार्य कि.इ. काव जिएक अन्य १ रम्स्या অমূল্য নাছেবের কছে খেকে দেই চিট্র কিন্তু আকার করতে হতে ১০০ भारित विकास भवन्य, रुक्यम कार । अभीन जनास । काव । পণিয়ে লালা আইমি বলপুম, বাজি আছি, 'কমা এই লিনিয়াল লিভিছে লিজে रात --- समील तलाल, चाच्छा (४ रात -- त्वस्म कात वस (पविदेश লামেৰের কয়েছ থেকে দেয়া ডিক্টিপুলি আগায় করে পুডিরে কেলেছি লে मानव क्या । एन्डे बगाइडे मापि अभी एन बगाइ एक गांकहि, मान वह নেই, মিনিজুলি আ্মাত্র দিন, বাল দ্বালেই আছি বিশিক্ষ ভিত্তি र^{क्त} :---- सम्बोल क्लाहरू, अ (कान (बाह (काबाहरू (लाद राम्सर अरहाद বিভিন্ন **আন্তঃন দে**ল য়াক। পদ্ধন বৃদ্ধি গ্ৰহণ বলে বলেয়াছৱা গ্ৰেছে কেই रामः - पुरि द्वा बान विक्रि अभीत को प्रश्न बान् विकास सहसे बाख বৰ্ষদ , আন্তি অন্তৰ্ভৱ বাড়ে পুৰুৱেৰ মাটেৰ ডামালেৰ উপৰে বাদ াশমান্তব্য অপুত্রে ভারত্য কলে বলন বৃদ্ধি লড়না বেচাক দিলে কলন रक्ति तमह काराव कर कार्य (अनुवा) (तन तक्ष्य खनन के कार्याव উপৰে বাংশ অন্তঃ পে বাল বাকাল কৰলে না। খনলে, লেখে, বান আমাৰ কোনো বাঞ্জ সে বিনি পাকে তো নিছে বাল — বাংল ছাত। বাংল ছাত। বাংল ছাতি জাৰে উপৰ চাৰিও লোভাটা ফেলে ছিলে। কোপাও এনই ৷ আন কিছালা কবনুম, কোনায় বাংলছন বলুন ৷ সন্ধীল বলকে, আলে কোনা কেন্ত্ৰ। কোনা কাৰে জাৰ পৰে আমি বলৰ। এখন নছা— আমি প্ৰত্যু কিছুকেই জাকে নচালে পাৰৰ না, কোনা আমাকে আৰু উপাছ নিও এইছিল। বৰ পৰেৰ পৰে বই চ হাজাৰ টাকনি বনে সিন্ধি। বলে আমাকে আৰু বিনাম বি কানাৰ আনেক ভোৱা কৰেছি ৷ বিনি বনে সিন্ধি। বলে আমাকে আমাকে নিং ক্লিয়ে বেশে পৰ পোৰাৰ মৰ পোকে আমাকে তিবাৰ কাছে কামাকে নিং নিংগ বোলামাৰ কাছে চলেছে ৷ ব বাছা ভোমাৰ কাছে আমাকে নিং আমাকে কিলে না। আবাৰ বলে কি না, ব গ্ৰাহান পৰট সামাৰ আমাকে বি কালানি বিলাভ কৰেছে লৈ আমি কাকে বলৰ পৰা আমি কান্ত্ৰ স্বাহান না। চিনি, পৰ মন্ত্ৰ চেকবাৰে ছুটে গোছে ৷ বুনিই ছুটিত লিখেছ ৷

আমি বৰুলুম, ভাই আনাব, আমাৰ দীবন দাৰ্থক হয়েছে। বিধ অম্বা, এখনো বাকি আছে। শুৰু মাথা কাটালে ধান না, যে কালী মোপতি গে দুয়ে কেলাগ্ৰে ধৰে। ধেবি কোৰো না অম্বা, এখনই বাক, এ ট ক থেখান খেকে এনেছ দেইখানেই বেখে এলে। পাৰবে না, কাছী ভাই গ

क्ताबाव आनेवादम भावत, विकि ।

এ শুৰু জোমাৰ একলাৰ পাবা নহ। এৰ মধো বে আমাজক প্রা আছে। আমি মেৰেমাছক, বাইবেৰ বাদ্যা আমাৰ বন্ধ। নইলে জোমান আমি খেছে লিচুম নং, আমিই হোচুম। আমাৰ প্রক এইটেই সব চেত্র ক্রিন পান্ধি বে, আমাৰ পাল জোমাকে সাম্বলাকে ক্রেছ।

ও কথা বোলোনা, দিদি। যে বাস্থাত চলেছিলুম দে ভোমাত বাক্ষা নত দে বাক্ষা বুলীৰ বলেই স্পামাত মনকে টেনেছিল। দিনি, এবাত ভোমাত বাজার হেনেক্স— এ জাল্পা জাত্রার জাবন বাজার প্রনে রুপন বেগজ, কিন্তু কোনার পারের বুলো বিজে জিতে জালন একগানা জয় নেরীও জাবালে এ তাকা ব্যবহান থেকে একেডি কের্মগানের গিলাবার গিতের বাব, এই ব্যবহার ব্যবহান

भाषात वक्ष वह बाहे, उमारत वर्ष

্দ ক্ষামি ক্ষানি নে ১ এবং উপারের রক্ম । রামার মূব নৈয়ে একোছ এই কামার হামার । কিন্তু বিভি. , রামার কাছে আমার ১৯মন্ত আছে আছে । স্বায়ে কাম ক্ষানার করে ভারে থাব । রামান নিজে বাব । রাম্ব পার রক্ষেত্র মানাই বাল পারি ক্ষাক্ষ (সারে ক্ষান্ত ।

वांन्यम निवंद ८५ व निवंद कर वांत्राह मध्य जनमूत्र, मान्का ।

সম্বা ঠাল থেটেট আমাত বৃদ্ধ দাম লেল কোন মাতেত ব্যক্তাৰ লেলে উলিল্লাও উলবান, আমাত লাগেত প্ৰতিপ্ৰত ১৯ন দৰ্ননে আটা ব'বে কোন ও এত লোককে নিম্মণত আমাত কোনায় কুলোল নাও এফ নাহ্যকে লিখে ফাত ভাৱ বহন কর্তাতেও আহা, নই ভেলেমায়বাক কেন নাহ্যক

কাৰে কিৰে ডাৰপুথ, অনুলা গোনাত পল এখন শ্বীল হয়ে বাজল, চে কিটো গোলে না গ্ৰহকার কাছে পিয়ে কাবের ডাকপুথ, অনুলা গায়খন চুল মাল সেন্ধে চ

देखकोका । देखकाका ।

की, बाबीमा १

व्यक्ताराष्ट्रक (२८० 🕫 ।

কী শ্বানি, বেহাবা অমূল্যৰ নাম বোধ হব কানে না কাই দে একটু "বেই সকীপাকে হোকে নিছে এক : মাৰ চুকেই সকীপ সকলে, ছবন ছাড়িছে শিল কেনাই জানভুষ কিছে ভাকাৰে। গে ইংগেৰ টানে হাঁটা সেই ইংগেৰ নিনাই জোহাৰ। একনি নিশ্চৰ ভানতুম তুমি ভাকাৰ যে, আমি মহজাৰ কাছে অংশকা করে অনে ছিলুম। থেমনি জোনার বেচারাকে শেবছি সমনি সে কিছু বলবার প্রেই ভোড়াড়াড়ি বলে উন্নুম, আঞ্জা আঞ্জা, আমি খাঞ্জ কলনল বাজি। তেলকপ্রতিঃ আতের হবে হা করে বর্গ। তাবলে লোড মছিলিছ। মন্ত্রীরানী, সাগারে স্ব চেছে বড়ো বড়াই এই আছের লড়াই সংখ্যাহনে সংখ্যাহনে কাড়াকাটি। এর বাল কল্ডেনী বাল। আবার নিগত জেনী বালভ আছে। এত দিন পরে আলড্ডাইয়ে সম্প্রীপের সমকক্ষ মিনে,

সন্ধীদেৰ মনেৰ ভিজাৰ একটা প্ৰাভাবেৰ সালছ একেছে বলেই সৈ মান্ত এমন অন্যাল বৰু পোল আমাৰ বিষাস, লা আনত আমি অনুনাৰ ট্ৰেইছি, বেছাইছি, বেছাইছি কি ট্ৰেইছিছি, বেছাইছি কি ইছিছি কি ট্ৰেছিছিছি কি উপজ্বিত কৰেছে। আমাকে বলাভে বলবাৰ সময় লিলে না প্ৰকৃত কাৰি নি, অমূলাকে ভেকেছি। কিছু আজ্বালন মিলো। বেলা ছবলকে কোনত পোনতে পোনতি। এবন আমাৰ অন্তৰ্ভ আছ্বাতিৰ প্ৰভাৱান্ত্ৰীন আছবলক পাৰব না।

আমি বললুম, সনীপ্রাব, আপনি গলু গলু করে এতে কথা বলে সন্
কলন করে স্থানে থাকতে বুলি তৈবি কথে আলেন স

এক মুদ্ধান্ত সক্ষীপের মূব বাবে লাল হয়ে উইল। আমি বললুই, উটেটি কথকাৰে বাজাৰ নানা বক্ষমের লখা লখা বৰ্ণনা লেখা খাকে, বৰ্ণনা ভি বেখানে নবকার খাউলে লো। আলনার সে-বক্ষম খাজা আজে নাকি চ সম্পীত চিবিছে চিবিছে বসচ্চ লাগল, বিধানার প্রলাকে জোহাছের জে:
গবিধবি ইসাক্ষার আছে নেই , ভাব উপরেন্দ সহিত দেখান, জাকবার
নালান লোকাদের সহায় , আর বিধানা বি আমাদেরই নমান নিবঁত বায়
গ্রিছিন বিশ্ল

साथि तममूद्ध मकीनरात्, सामा (मास साथन) त करान्त्रता क्षेत्र राखन । (१९६) वक्ताव्यक्ता क्षेत्र सामानि हैं(जीका है) त्राप्त शासने । प्राप्त पृष्ट्यूक् सर्व १४को प्रस्त (भाषाः

সন্ধীশ আৰু ধাৰতে পাবাল এ - ধাৰতাতে পাক উটল, দুন্ধি ৷ দুন্ধি
কামাকৈ অপমান ৰতাত ৷ কমিতে কী ন কাম ত কাছে ধৰা পাড়াছ বালা ক ৷ বেলামাক বেং---

নিই মুখ বিশ্বৈ আহি কথা প্রকোষ না সন্ধীল ও ছদুলারদায়ী আছু (ছ লোক থানে না লোন্ডানের নত আবে একার এবং বাবে। পাবে নাকান্তর বাখাল হয়ে হাছ । ছুবল । ছুবল । ন ও বই ব্যাহারে উট্ট কর্মনা কথা বলাছে লাপল বেলাই আন্যান্ধ আন্তর্ভ নতে নিলা আন্যান্ধ বীপালা নালালালা পর ক্রিছে লোড, আনি নৃত্তি পোড়াছ। বীণ লোড়ে বীণা লোড়। আশ্বান ইবিট্ আল্লিক্ট অনুধান্ধ করে। এইটেই নামার সভা। আন্যান্ধ অব লাবোন্ড ক্ষেত্রের নিধান

য়ের সমন্ত আয়োর স্থামী হারের মাধ্য বানন আরু বিন স্থানি মৃত্যুগরী আলনাতে বে বক্তম সামাল নেত আজ তার সালি কিল বিশা আমার সামী করে মুক্তর লিকে চোতে একটু আল্ডাই হলেন আলে বলে আমি এতে লক্ষা লেকুয়া। কিন্তু আমী বার্ট মান কলনানা, আমি আজ বুলি কলুম। আনি এক অবলাকে লেকে নিচেত চার্ট

আহবা মুক্তনেই পুত্র হারে বইলুন হোও আমার সামী এবটু ইতিকার করে। জীলিতে বন্ধানন : বন্ধানন, সন্দীল, আমি তোমোণেই গুডিভিগুম : প্রন্থান কে অবেই আছে। সন্দীপ কথাটার উপর একটু বিলেব ক্ট্রেক লিবে বললে, ইং হকী : ই স্কালেই আনাকে ভেতক পারিবেছিলৈন। আমি যে মউচাকের লাস্মতিত কাকেট কর্ম ক্রেট সন করে কোনে চলে আসতে হল।

স্থামী বনলেন, কাল কলকাভাৱ যাজি, গ্রেমাকে যেতে হবে।
স্থামি বনলে, কেন বলো প্রেবি : আনি কি কোমার মহানুৱ নাতি :
আন্ত্রো, ভূমিই কলকাভাৱ চলে, আন্তিই কোমার মহানুৱ হব।
কলকাভাৱ আন্তের কাজ নেই।

্দেইজারেট গ্রেট কলকটেটার বাধ্যা গ্রেটার স্বকার । কোনে গ্রেটার ব বছর বেশি কাছে।

कामि एक नक्षि (न ।

को बरेस /जिम्बारिक संकृतिक दाउ

(414.7

\$1, CW14 1

मास्का (तम, सञ्जतः किन्न, कत्तरणी एका कतकारण माद एकामाद कराव अक्षेत्रके कारण तिस्तक सर । मारण मादश कारण मास्कः

ভোষাৰ গতিক কথে মনে হায়ছিল, ফগতে মান্তৰ এলেকা জাড়াত। জোনো জায়পাই নেই।

সন্ধীপ তপন গাঁচিৰে উঠে বললে, মান্তানৰ এমন ক্ষরতা আলে গণসমান্ত ক্ষপন এটেটুকু কাৰণাৰ ওলে মেনে । এটামাৰ এই বৈষকপানাটিৰ মাং
আমৰে বিবাকে আমি প্ৰাচাক কাৰ লোগনি, লোই কলেই এখান খোলে নাং
না। মানীবানী, আমাৰ কথা কেই বুকাতে পাবৰে নাং বহুতো তুমিও বুলা
না। আমি ভোমাকে সন্ধান কৰি। আমি ভোমাৰই কন্দান ক্ষতে চলাই
ভোমাকে কেবাৰ পৰ খোকে আমাৰ মন্ত ক্ষপ হলে গোছে। ব্যক্ষাকৰা না
ভক্ত প্ৰিয়াং, বলে মোহিনীং। মা আমাকেৰ ক্ষা করেন, নিন
আমাকেৰ বিনাল কৰেন। বাছা ক্ষপৰ সেই বিনাল। সেই ম্বনন্তা গ

भारति अस्मार । तह विश्व भारति भाग्न तर्म समय यम निर्देश प्रति ।

कर्मिक्ष । वर्षिक क्षा ति ति । त्रार्थित्य वर्षि मान्य प्रति साल स्वार्थित्य । वर्षिक क्षा स्वार्थित्य । व्याप्त कर्मिक व्याप्त स्वार्थित्य । व्याप्त स्वार्थित्य । व्याप्त स्वार्थित्य । व्याप्त स्वार्थित्य व्याप्त स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वार्य स्वार्थित स्

করা খালো— আপনাকেও জানি নে। নাক্ত করা আন্তর্গ। জানে নিও কী প্রচণ্ড বয়প্তর্গ হৈরি রুক্ষে তা দেই কুঁচ স্বেক্তাই আনেন— মণ্ডিং পোকে দম হতে দেশুর। প্রদয়। প্রদায়ত প্রদায়েই নিব, ডিনিই আনক্ষম, ডিনি বছন (মাচন কর্ত্তেন)

কিছু দিন পেকে পাবে পাবে মনে হজে, আমার ছটো বৃদ্ধি আছে भाषात जक्का निव नवाक भारतक, मनीत्मत दहै तामक्षम क्वा कर , याः .au निव नन्दर्भ, तहे ८ श प्रभव । खादाय यथन ८ स्टाटन खडन काँच न्टिक एउट में। माद राष्ट्र रहारमद एउएम रमयान्य मधील राम रामहे सदालद महिन्स स्ट स्तताद चार्ताहे ५४ च्छत् हैंग्स हर्षि स्टब्स महत्व चारता, महत्व करान रलरक, व्याकारनय मुक्ति (धरक, निकारमय नगडाम ।धरक, डिवक्टिय मकः ধোকে, প্রতিদিনের ভারনা থেকে ডোবের পদকে একটা নিবিচ সংনাদেং प्रत्या १८कवाटव ट्यांच करव जिस्त आहे। त्यांच प्रशासीय शंक शा न এনেছে, অনিবাময় পাছতে পাছতে বাজা দিয়ে চালছে, আৰ ছুটে আলাছ रकान्य अन नामकता, अन प्रतकताः नाम्मान्यनतं अवस्थातं विति के रह আছেন ডিটন ক্ষেত্ৰ ইংমাছন-- তাৰ অমূত্ৰ ভা প্ৰথেৰ প্ৰভা ভোৱে ১০০ क्षता रमधारम प्राप्त काण मिर्छ गाममना निरुद्धक , बृताव केलव ार द्रमन्तरक काथ अन सन्ता, क्ष्यान कवाक काथ क्रिक्टिनय सन्तानाक । स्टो वृक्षम्य, विश्व (भारतक एडा (अविदय वाचरड मावि स्तः मरकाव वापन फल्लाव नदीका करवाद क्षत्म महारम्दरवह अहे काम । घारमाधि पणा मास भारत अरम जाममामय मामान नाजा कराख थाएक। यहन, टाडायर प क्रमणाय निषि क्य मा, कार गथ नीमें, कार कान मंबर . खाडे रक्षारे क्राचारक भाग्निसहस्त्र , आमि ज्यामात्रक तक्क करते , अस्मि क्या चान्नि प्रश्नका, चानार चानिकानके निरम्पतक साथा नमण निधि ।

একটুখানি চুপ কৰে খেকে সন্ধীপ আবাৰ আহাকে কালে, এবাৰ দা বাৰাধ সময় এলেছে, দেবী। ভাগোই কলেছে। ভোষাৰ কাছে মাসং नाम मामान इस स्वाक । यानु मार्क पति पानि या हाल उद्देश उद्देश माना मन मह इस पान । मुस्तिरात या मनानत तथा गर्म प्राप्त व्याप व

টেকিলের উপর আমার সহনার রায় হিল আছে (কট) ভুলে ধ্রে বলস্ম, আমার বই পহনা আমি জোমার হাত দিহে বাকে দিশুম কার চলকে ডুকি লোকে দিয়ো।

मिविति बाबी दूस करत दहेरान्य । सब्बीस लिटाइ इटन रसन ।

विकास काल निवास होति संस्ति है। वहान सामिन्न, हाज स्मार प्राणाबानी नाम समासन, को ला कृत, निवास वना निवास निवास निवास के समासन के समासन के समासन के स्थाप के

আৰি বলপুন, নিজেৰে ছাড়া আৰু কাউকে বানধানাৰ নেই নাকি গ মেজোৱানী বললেন, আৰু তে ভোও বাধ্যাবাৰ কথা নয়, আহ্বা শানবাৰ। সেই জোলাড়ও যো অবভিনুত্ব, বমন সময় বৰৰ জনে নিজে নিকে ছোড়--- আ্যানেৰ কোন্ কাছাবিতে নাকি পাড়-ছ পো ভাকাত পঞ্চে ট গালাৰ টাকা সুঠে নিজেত। লোকে বলতে, এটবার ভাবা আ্যানের এট খনৰ জনে আমাৰ মনটা হালভা হল। এ জনে আমালেখন টাত এখনট অফ্লাকে চাকিলে বলি, এট ভ হাভাৰ টাভা এটলানেট আমাত সামনে আমাৰ স্বামীৰ হাটে সে ফিৰিছে দিও, ডাৰ্ছ পত্তে আমাৰ হা বলাং গে আমি টাকে বলৰ।

মেৰোৱানী সামাৰ মুখেৰ ভাৰ গলা কৰে বলকেন, স্বৰ্ণ কৰে কোন মনে একটণ ভাৰ-চধ নেই গ

স্থামি বলপুম, আমাদের বাড়ি দুট করাত আদেরে এ আমি বিবাদ স্বয়াত পারি মে।

বিশাস করকে পার না স কাছারি দুট করবে এইটেই বা বিশাস করাত (ই পাঁইটি)

কোনো কৰাৰ না দিছে মাখা নিচু কৰে পুলিপিটোৰ মধ্যে নাৰবেল।
পূধ দিছে লাগ্লুম। আয়াৰ মুখেৰ বিকে খানিক কল জাকিছে নিন্
বললেন, ঘাই, ইাকুবলোকে ধেকে পাইছে, আমাদেৰ সেই ছ ছাছাৰ ইংকা
অখনই বেৰ কৰে নিষে কলকাভাষ পাইছেত হবে, আৰু কেবি কৰা নহ

এই বলে ত্রিনি চলে যেতেই আমি পিটের বাবকোপ সেইবানে আন্তর্গ কেলে বেলে আভাজাতি সেই লোভার সিন্দুকের অবে বিজে ১৯জালত লা নিশ্ম। আমার আমীর এমনি ছোলা মন বে ছেবি ঠার বে কাশ্চা পর্কেটে চারি থাকে লে কাশ্ডটা কবলো আলনার কুলছে। চারিত বি থেকে লোভার সিন্দুকের চারিটা পুলে আমার জ্যাকেটের কলো পুলি। কেন্দুসা

अपन गम्ब गाउँदर १९८० वरकार गांका गड़न । यसमूप, कामक ६१९ है । चनएक एनमूप स्टर्डवानानी सम्दर्गन, अहे किंदू चारम १४वि निर्फ़ है । १४वि कररक, चारांच अपनदे गांक करगार श्रूप भएड १४वि । करह शीमार्थ है १४वि । चाक तृति अरका सम्बद्धान्य रेमोक करवा । अरका, च १४वि ा ६० मध् सूध्यम् बान ६त्राकाम् वर्षे नेश्न ह

কী মান কৰে একবাৰ স্বাংশ স্বাংশ লোক দেৱত দিক্ৰটা গুলগুৰ । বেৰ ত মান কাৰ্যকিপুৰ, ধৰি দৰ্শকা প্ৰচ বছ, বলি ব্যাহ দেই (ভাটো দেৱাকটা টান গুলাইই হৈছি দেই কাগ্যেক মোড়কগুলি ট্ৰিক ্র্যনিষ্ট লাখাবো ব্যাহ : কাম বে, বিশালধা হকেব নাম বিশাদের মহলাক দৰ নৃত্য ।

নিষ্টানিষ্টি কাল্টি ছাটাটেই হল : কোনো দহৰণে নেই, তেবু নতুন কৰে এন ব্যবস্থাত মেকোবানীত সামে দেশ হলেক তিনি থখন কিলাদা কলনেন বাল, এক লাম কিলেক আনি বলমুখ, ফলাতামত :

্মাজারানী রেশে বলালন, একটা বিদ্ধু দুৰ্বতা লেগেট অম্বনি স্থায় : নং নেগেছি, জোন মতের কমন সংব্যান দেশি নি

শিষ্টিক উৰিবলৈ কৰে (বাংগাৰ খোঁজ কর্তি এইই সম্ভ শে এছে প্ৰথম প্ৰথম প্ৰথম প্ৰথম প্ৰথম প্ৰথম প্ৰথম কৰা কৰিব। কৰিব কৰিব প্ৰথম কৰিব প্ৰথম প্ৰথম কৰে কৰেব। বেংকা কৰে আন্তেশ কৰে আন্ত

মত্না কৰি হাছে ট্ৰাক) কেবাছে চলল, আৰাহ কোন জালের আন্ত নাজকে জন্তাতে বলল। আমি কাকে ভীবেচ নালা কেবল ছান্তকল পাকি, কিছু লক্ষ্যা ক্ষা হলে ছাকে আৰু কোনোমান কেবলের পাকি নে।

এই অপার্যানের মৃদে যে আমি আছি এই কথাটা গেনট বীকার করা ভাষার উভিত ছিল। কিছা, মেরেরা দানারে বিশাসের উপারই রাধ করে, গেই যে কানের অধ্যান উভিত ছিল। কিছা, মেরেরা দানারে বিশাসের উপারই রাধ করে, গেই যে কানের অধ্যান করে। এই অধ্যাইর অধ্যানের অভিত প্রে করে। করিন। বা আমারা আন্তর বিশ্ব আরু উপারই যে আমারের বাঁডাতে হাব— সেই আন্তর বিশিবর বৌতা নয়বাড-চভালে আমারের প্রতি মুন্তাইই বাজ্যাক বা বাবের। মারার করা আন্ত নর, ক্রিছ সেই অপার্যানের সামেরার করা আন্ত নর, ক্রিছ সেই অপার্যানের সামেরার করা আন্ত নর, ক্রিছ সেই অপার্যানের সামেরার করা বার্যানের সামেরার করা আন্ত নর, ক্রিছ সেই অপার্যানের সামেরার করা বার্যানের সামেরার করা বার্যানের

পক্ষে যাত কট্টিন এমন আৰু কাৰ্ড নয় :

কিছু দিন প্ৰেকে আমাৰ আমীৰ দক্ষে কেল সহকে কথাৰাই। কানাৰ বাবালীটা বন্ধ হ'বে লোছে। তাই হটাং এত ব'চো একটা কথা কোমে বংগ কাৰা কথান যে উাকে বলব ভা কিছুলেট ভোৱে প্ৰেপুম না। আৰু বিভান আনেক ধ্যবিক্তে খোত এপেছেন, তথান বেলা ছটো। অক্তমনৰ হয়ে বিভাগ বামি কোডে পাবলেন না। আমি যে উপৰে একট্ট অভ্যাবাৰ কৰে খোন বলব, ধো অবিকাৰ্যক প্ৰথমিত। মুখ কিবিয়ে আঁচলে চোগোৰ ক্ষম মুহদ্য

জকৰাৰ ভাৰেপুন সাকোচ কাউছে বলি, গৰেৰ মধ্যে একটু বিলাম কৰো'বে, টোমাকে ৰছে। ক্লান্ত দেশাজে ।— একটু কেলে কথাটা । কুলাত বাজি এমন সময় নেকাৰা একে খবৰ দিলে, কাৰোকাৰাৰ কালে। স্বাৰকে নিয়ে এসেছে। স্নামাৰ স্বামী উপবিশ্বস্থ ভাচ্যভাতি উট্ড চাল পোলন।

किनि वाक्ष्यि वाक्ष्याव अक्ट्रे भारवके स्थालकानी काम नकान-केक्क्रिया क्ष्मन स्थाल शत्कन सामास्क चनव निक्ति सन इक्स है साथ है। चावाब स्थित स्वरूप नाक्ष्मक स्वरूप--- उनके माना क्ष्मन---

(क्न, की डाइ)

শুন্তি, জোৱা কাল কলকাতার যাঞ্জিল ভা হলে আমি এগ নি থাকতে পাবন না। বছোবানী তার বানাগয়ন্ত হাকুবকে ক্ষেত্রত কেংগাল নভূষেন না। কিছু আমি এই ওাকাতির দিনে যে ভোমানের এই শুন যার আগলে বলে কথায় কথায় চম্কে চম্কে মধন লৈ আমি পাবন না কাল যাকাটে ডো টিক ল

चामि रतन्म, के. जिका

মনে মনে ভাষপুম, সেই যাওয়ার আপে এইটুকু সময়ের মহাে বত ইতিহাসই কে তৈরি হলে উঠকে ভাব নিকানা নেই। ভার পরে বত কাডাভেই যাই কি এখানেই থাকি, সব সমান। ভার পর কেকে সংসাহা ्र रकस्त, कीम्बको (१ की, रक् कार्त्स । मर रशास्त्र । सस्त

वहें देन कामांव काने नुद्दे वाद केवेल वांटल, काव कादक काने महान्र काराव काराव

মনে ক্ৰছি, বিষ্কৃষ্ট ভাবৰ না, অসাড় ৰাষ্ট্ৰণ কাৰ লাভ থাকৰ, কাৰ লাব মাধ্যৰ উপৰে যা এলে পড়ে পড়ুক লা পৰক্ষিনেৰ মধ্যেই (কা বা বৰ্গৰ ক্ষা হয়ে বাবে — কানালোনা, বালাৰালি কাৰাবাদী, কাৰ্য্য, বাবেশ্ব স্বাৰ, স্বাৰী ৷

নিশ্ব মন্তার সেই মাছোত্সারি ইপিন্নত প্রনার বাল্যের বৃপধারি ।র বিছারে ভূলাত পালতি নে । সে লো চুপ কার বাল কালোর প্রানীকার্যর নি, কে বে ছুটো পোল বিপাদের মারখানে । আমি নারীর ক্ষম ভাগ্রে বিন, কে বে ছুটো পোল বিপাদের মারখানে । আমি নারীর ক্ষম ভাগ্রে পালাম করি— সে আমার বালক । লোক। , স আমার মার নিজের মাধার বিকাশের ক্ষেণ্যাক বালামার কার্যনের রমন ভ্রান্যর মার নিজের মাধার নির ক্ষমের বালামার বালামার কার্যনের রমন ভ্রান্যর কার্যনের প্রামানে বালামার বালামার ক্ষমের ভূমি, ক্ষমের ভূমি, বীর ভূমি, নিভীক ভূমি, বোমানের প্রশামার ক্ষমের ভূমি আমার ভ্রেনে হয়ে আমার কোলে বালামার ক্ষমের ভূমি

ট্রিক সেই মুহুটেই আমাদের ঠাকুরবাড়ি কেকে আরভির কলের অন্টা সেহে। উঠন। আমি ভূমিন কমে প্রধান করনুম।

বানে লোকজনদের পিঠে খানবানে। পেল। মেজোরানী এনে বলতে নিকে নিজেই খুন বুম করে জন্মতিথি করে নিজি যা ছোক। আমানের বুজ কিছু করছে দিনি নে গু এই বলে তিনি ঠাব দেই প্রায়োজনানীয়ে চল বাজোর নীনের মিতি চড়া প্রবেধ ক্ষণ্ড ভানের ক্ষরত লোনায়ন্ত লাভানে মনে করে লাগল, যেন গন্ধনিলোকের প্রবন্ধযাল খোড়ার আম্বানন খেবে চিতি চিতি লক্ষে হোলানিন উঠাছ।

পশিষানো শেষ কবাতে অনেক বাত হয়ে জেল। ইক্ষা দ্বিন্ত পতে
বাকে আমাৰ সামীৰ পাবেৰ ধুলো নেব। পোনাৱ গবে লিছে জেলি, তিনি
অকাতেৰে সুয়োজ্বেন। মাজ সমগ্ৰ দিন তাঁৰ অনেক যোৱাগৃহি, আনক
ভাবনা পিয়েছে। গব সাববানে মশাবি একটুখানি পুলে হাঁৰ পাতে
কাছে আজে আজে মাখা বাধপুম। চুলেব স্পৰ্ন কাগতেই খুমেই ডোগে
ভিনি কাৰ পা দিছে আমাৰ মাখাটা একটু থেলে দিলেন।

শক্তিৰেৰ বাবান্দাৰ গিছে বসপুম। মূৰে একটা নিমুদ্ৰ পাছে অন্ধ্বণাই কৰালেক মতো নাজিৰে আছে, তাব সমত্ম পাতা কৰে সিংহছে, ফাৰ্টে পিছনে সপ্ৰমীৰ উচ্চ নীৰে নীৰে অত্ম পোল।

আমার হঠাৎ মনে চল, আকালের সমস্ত ভারা যেন আমাকে ছব কংচে বাজি বেলাকার এই প্রকাণ্ড কলং আমার নিকে দেন আর ভোরে চারছি কেনা, আমি বে একলা। একলা মার্যবের মতো প্রমন সমীন্তার ল'ব কিছুই নেই। বার সমস্ত আত্তীয়বছল একে একে মরে লিবছে লেও একল নয়, মৃত্যুর আভাল থেকেও লে নক পার। কিছু বার সমস্ত আপন মণ্যা পাশেই ক্ষেত্রে তারু কাছে নেই, বে মান্তর পরিপূর্ণ সংসারের সকল স্ক্র থেকেই একেবারে থকে পতে লিবছের, মনে হব, মন অক্তরারে ভার মূণ্য

শিক চাইলে সমস্ত নজাহলোকের কারে ইটো লিছে আট। আজি কেবানে গগেতি সেইলানেট নেটা: বাবা আমাতে থিবে বাবাহ আছি ভালের কাছে খাকট বৃব্ধ। আজি চলডি, কিবচি, বেচি আছি কেটা কিববালী ব্যক্তবের উপত্তে, খেন সম্বাদ্ধার উপত্যকার নিধিক্তিক্ত যা বা।

किस मास्त्र रचन कराम राष तरन आह आलाएलाई। रहास राम देव ने एकन र स्वाहर किए अरकारन स्वाह लाई पा हिला का नरहें आगा। उर्देश ने हैं के सिर्देश की साम्राज्य हिला आहें की हिला होने देव (काई गांक होता की करने हिला आहें को दुर्दाय (कहें का सहें एका देव (काई गांक होता करने महिला साम्राज्य स्वाह (के स्वाह महिला देव) आहें महान किसा हो। स्वाह एकारक साह। ये विक्र हिलाय एका को साम्राव विवह सिर्देश होने होने साम्राव साह। ये विक्र हिलाय एका का मान्य

নাবকার মানা বক্ষার আমাকে মাপ করে, তে আমার তাকু ব া বিশ্বকে কুমি আমার জীবানের দন বলে আমার রাগত বুলে লিবেছিলে লামককেই আমি আমার জীবনের বোরা বাব বুলেছি আছে বা আর বানিপ করেই পরিছি (নি, ব্যাক কর্যার্থ পার্থি কিছিছে যে বালি বর্গিছার আমার ছোর-বেলাকার রার্থ আকাশের গারে ইণ্ডিছে যে বালি বর্গিছার ভিলে সেই বালিট্র রাজান, সর সমজালবক ব্যাহ যাব। নোমার সেই বিশিব জার্টী ছাট্টা ভারণকে কেই ফুল্লে পারে না, আপ্রিয়াক কেই পুর ক্ষাত্র পারে না। সেই বালির জার আমার সালাব্যক কৃমি নার্ন বারে ক্ষাত্র পারে না। সেই বালির জার আমার সালাব্যক কৃমি নার্ন বারে ক্ষাত্র করে। মইলে অংশ্লি আর স্থানা উল্লেখ্ন ক্ষেত্র

মানিব উপৰ উপুত হয়ে পড়ে কাল্যত লাগপুথ। একটা কোনো হয়।
কোৰাও থেকে চাট--- একটা কোনো আহাত, একটা কথাত আৰাপ, একটা বন্ধ আহাত বৈ সৰ চুকে যোৱন পাতে। মনে মনে বলসুম, আনি নিন তাৰ বন্ধনা দিয়ে পড়েব বাৰুব, প্ৰাৰুণ আমি বাব না, আমি হলপদৰ্শ কৰব मा, शक्ष कर मा ट्यायाय कार्यनार अटन ट्रिकेट ।

এমন সময় পাষেত্র পাক গুনাপুর। আর্মার বৃক্তের ভিজেরটা ছুগে ইরে কে ধলে, কেবাটা দেখা কেন না। আমি মুখ চুলে চাইপুর না, পাছে আনা। দুলি ভিনি সইছে না পাবেন। তলে, তলে, তলে, তলে। ভোমার পা আনা। মাপার তলে টেকুক, আমার এই বৃক্তের কাপনের উপরে এনে বাছাও তব্ আমি এই মুহুর্জেই মরি।

শামার শিহরের কাছে একে বসলেন। কে স লামার পানী । কামার পানী । কামার পানী । কামার পানী । কামার পানীর জনমের মন্যে আমার কারা পাব করিছে পার্লেন না। মনে বল্ মুছা বাব। কার পান পানার পানার কারা পাব বাবন ছিলিছ কেলে আমার বুকের বেসনা কারা কোয়ারে জেলে বেরিয়ে পাছল। বুকের মধ্যে তার পা চেলে ধরলুম— গাঁপারের চিক্ত চির্জীবনের মহে। কর্ত্বপনে আমার হবে বাব না কি গ

এইবার তের পর কথা গুলে গলনেই হাস। কিছু এখ গারে কি আর বং আছে গুলার পো আমার কথা।— তিনি আন্তে আছে আমার মান্তা হাস্ত বৃলিছে দিয়ের লাগলেন। আলিবাদ পোছেছি। কাল বে অসমান সামাত কল্পে আসছে সেই অসমানের ভালি সকলের সামনে মাধার তুলে দিন। আমার দেবজার গারে সরল হয়ে প্রাণাম কর্জান গারেব।

কিন্তু এই মনে করে আমার বুক ক্রেড়ে হাজে, আছ ন বছর মান ধে নহবং বেছেছিল লে আর ইডছরে কোনো দিন বাছরে না। ১ ° । আমাকে বরণ করে এনেছিল যে। প্রেণা, এই জনতে কোন্ বেবতার দান মাধা কুটে মহলে দেই বউ চক্ষন-চেলি পারে দেই বরণের পিডিচে । । ইড়োতে পারে। করে দিন বাগলে আর— কর মুগ — কর মুগাছর— । । ন বছর আন্দ্রভার দিনটিতে আরু-এক্টিবার কিন্তু যেকে। মেকা নান কৃষ্টি কয়তে পারেন, কিন্তু ভারা ক্রিকে কিনে সভুকে পারেন এমন দান কি বার আন্দে

নিবিদেশের সাম্বরণ

আৰু আন্তৰ্য কৰ্মজাৰাত্ব যাব। প্ৰবাহাত কেবলত ক্ৰিমি ভূপাত থাককে । বোৰা উন্তি বজে ক্ৰেয় চকননা, বলে থাকাটো হিখেন, দকত কৰানা হৈছে। ব লানি যে এটা অন্তৰ্ক কৰে। এটা বানানো বিনিদ্য দকা এই যে আগন ক্ৰীক্ৰ-পাৰেৰ প্ৰিক্ষা আৰুত্ব কাৰ্ডানে কাৰ্ট বাবে বাবে যা লাগ্যৰ, আৰু প্ৰৱ আধান আন্তৰ্জ ক্ষুত্ৰত চাৰাত্ব সংক্ৰ আনাত যে হিল্ল স্বিক্ষিত ক্ষাৰ মুদ্ধ

पर कृष भवेष ज्रक भाग देश (शन कर वृत भवेष काला, खाब दक्टा हीन प्रास्ति प्राप्ति करात (भाग कराव दिला करात हीन प्राप्ति प्राप्ति करात (भाग कराव दिला करात हीन करात हीन करात हीन करात है। अगाव दिला करात एक करात है। अगाव दिला है। अगाव करात भाग करात करात करात करात है। अगाव दिला है। अगाव है। अगाव

মেজারানীদিদি এদে বনলেন, মার্বলো, বেশমার বর্জনো দর রাঞ্জ শবে ফোক্সস্ত সাঞ্জি বোকার্জ করে ও চনল সার মানে কী বলো ভো :

কাৰি ধনসূত্ৰ, ভাৰে মানে এই বইজ্লোর উপত (থাক এবানো মাছ) কাইয়েক পাৰি নি।

মারা কিছু কিছু বাকলেট বে গাঁচ। কিছু, লগানে আৰু কিবৰে না নাকি চ

मानक्षत्राना इन्तर, किन्नु गाउ शाक माउ इनार माउ

স্থানি নাকি গাচা হলে একবার ওলে, একবার বেবো'লে কত ভিনিদের উপরে কামার মাধা।

এই বলে আমার হাত ধরে টোনে নিছে প্রেণন . টোর ঘরে থিছে বেশি ছোটো বছে। নানা বক্ষের বাল্য আর পুট্রিত একটা বাছা গত বৈশাবেন, এই বেশো সাকুরপো, আমার পান সংকার সরক্ষমে। কেছাখাছর গতিকে সোলালের মারা পুরেছি, এই সর দেশছ এক-এক টোন মসলা তা কোছো জাল, দল-পতিপাও ভুলি নি , প্রামানের না পাই আহি খেলাত প্রেল জ্বিয়ে নেবই। এই চিকনি সোমারই আনেই ছিকনি, জার এই--

কিন্দ্র, ব্যাপার্যটা কী মেজেবানী ৮ ৫ ধন বান্ধর তুলেছ কেন ? আমি বে ভেমেধের ধকে কলকাতার যাজিঃ।

(म की कथा ?

ন্তম নেই ভাই, ভার নেই। তেয়ের সংক্ষণ ভার করতে হার ন ভোটোরানীর সংক্ষণ রুপ্ত। করন না। মরতেই তেঃ হবে, ভাই সময় গালার পঞ্চান্তীরের গেলে আহ্মে নেশ্যা গালো। মানে সোমাদের সেই নেং বউডলায় প্রেছারে এস কথা মনে হলে আমার মবতে দেছা দরে— গাঁ অক্টেই স্থাে এড দিন ধরে ড্লেমাদের ক্ষালান্তি।

ार्ड कींब कारकाव किस रम कारकार्ड गारक हिन्द कार्ड, कार्डि मानारक তিবক্ত ক্ৰ'ৰে ক'ৰে ব্যৱস্থ কৰে বেংক ক্ষাত্ত উদ্ধান্ত কৰে আন্তৰ্ভত ভাৰে পৰে मान गरफ, क्षाप्रसम्बद्ध हिंदन कर बरान करिबराक्षत काञात मानाव रिवन क्रिय . करण अवस्य कार आहेत उभावताचा आहेत अस्य (कृत : २०२१काची) आहेत्र इत महिला परकरकत से। कह जिल मुक्तिक मुक्तिक काका के कारा है उदस िहार्डिय । सम्म सम्म किस पदा लग्छ है एक कर स्थान सहरात करशह । करक भारत बराहर इन्हेंबाब मात्र मात्र क्षणहार्यक कर दिल्ला बराह हिएएक, काम वर्गाठील श्रीष्ठाक्ष , विशववाग्याव भित्र प्राप्तक प्राप्तक प्राप्तक क्षेत्रण अर्थक । स्वर ेरावानक ग्रीम मर्गस्य , कार्याक मात्र काक्षणाच गेरवम राम मर्गक कस्राध्य वयाचा हामने बेट्डाक एवं मान वाहर व रिटामन गाँव मान्य मुल्टव च । हिन्स तांत लाव धामान काषाक, चामावद भिन ताह राहे (देश का हत तकाम चाराम भरतः अविति कट्ड निष्कृतक (शटक चाफ भरतः १वडि २३) क्रम्य विद्रत भिन्न पार्तिस्थित करण (पार्टम क्रिकिस) , तक नप्राप्तत भाग लामाया वह सुकर বাহির সমস্য সংক্র আর্থনেয়ে বারাভাত ছালে তালানে কার ছাতা ছরিবছ শা সমায়ৰ অধিকাৰ কাৰ কাহিচাছাছ - লগত সপত্য, একোৱাতী স্থাৰ নমস্ব কোটোবাটো ভিনিমনত্র প্রভিত্ত বাক্স নেতি করে আমাছের কাড়ির ्रात्क प्रात्में के पूर्व के किर्माहरू अस्त अहे किर्म्यक्कित अस्य किक्क्किकि मध्य महाबाद स्वराहर प्राप्त १४म (महाद ५३म । माहिए एम तुवह सारत्या विन अरक्षांश्रामी, विनि न वहत्र दशम (१८क फाउ ४ वर्षक् कथाना ४**क वि**श्रिक् শক্তেও এ ব্যক্তি ছেতে বাইবে কান্তন নি, বিনি টাত সমগ্ৰ অভ্যান্তৰ গৈৰে কেটে কেনে আগৱিভিত্তির মধ্যে কেনে চলদেন আগত ্বর্ত আদের গালেটির করা মূর জাটে বলাডের ডান না, অস্ত্র কার বহারের ভুগ্ন স্থানা बालका ध्वे कामावर्षक रक्षित मविभूत्रहोता अती नामात्वव भाषा ^{।वद्या} अके अक्किशंक रहकात नि:वट कराइट रुपय रक्षिक समस् (स्ट "'त्रेन बर्टकाक्षन, खांब दावना दर कन्छ अभीव द्र आप और और अहे वृत्र प्रश

कहाकि नाक्षभृष्टिनिय सत्या वैद्यास यक न्या द्वस्य अस्य भार त्वारमा निम नृष्टि मि। भामि तृर्विक, ठाकाकि वव-छवास्य काल भिन्न रक्षारिमाएँग सामाख सा सार्थिक पूर्णिमाएँ मिया, निम्मित स्टब्स काल भिन्न एँ। य नाजनात कलां। वर्ष रलर्फ एं। य कार्यन देवस्थिका मय, खान कर्म एँ। ये कोत्रस्य अमें अनिधान स्थाक लें। य कार्यन देवस्थिका मय, खान कर्म प्रित्त कोत्रस्य अमें अनिधान स्थाक लें। यार्यिम अस्य मान कर्म क्रिया मिन्न निम्म स्वामी स्थाक रम्भ मान मान अस्य मान क्रिय मान कर्म क्रिया स्थानीय कार्या देवस्य मानास्य अमें कार्यन स्थान होत्य स्थान होत्य सामाय केल्य सामाय क्रिया स्थान स्थान स्थान सामाय क्रिया सामाय सा

মেজোরানী একটা সীগনিখাল কেলে সকলেন, না ভাই, মেড ^{২০} নিম্নে আরু নয়। যাল্যেডি ভা একটা জন্মের উপর দিয়েই যাক, ফেড ম ? কি সম ৮

আমি বলে উইনুম, শ্বনেধর ভিত্তর নিবে যে মৃক্তি আনে নেই মৃকি । । বিধে বড়ো।

ভিনি বললেন, তা হতে পাবে মাকুবলো, তোমবা পুৰুষমায়ন, চাই ভোমানের কছে। আমরা মেবেরা বাবতে চাই, বাধা পদতে চাই— আমানের কাছ থেকে ভোমরা সরকে ছাছা পাবে না গো। ভানা টি মেলতে চাও আমানের ক্লছু নিতে হবে, ক্লেক্ত পারবে না। দেই কড়া ভো এই-স্থ বোঝা বাজিয়ে বেবেছি। ভোমানের একেবারে হালক। টাই কিলে কি আর বক্ষা আছে ! আমি হেনে কল্মু, ভাই জো দেখি, বোকা ব'লে কে স্পট্ট ছোছা আছে: কিছ এই কোকা বহৰাৰ মন্ত্ৰি চোমতা পু'লছে লাভ ব'লেই আমতা নালিশ কৰি যে:

খেলোৰানী বললেন, আমাদের লোকা চাজে কোটো লিনিবের কোকা।

গাকেট বাব বিশ্বের থাকে চেব চলা চলাই আমাক, আমার ভার কার্ট্রেই

গাল কমনি করে বলেকা কিনিস বিচার আমারা ব্যামাণের মোট মারি

বিভালনা কমন ব্যার্থায়ে হাবে টাক্রালা স

प्राधित मार्क जमार्वाधीव । तम ४ मर्था (अर मध्य मार्थ ।

কেশে ইংকুবলে, লখীটি, খামার একটি কথা রাখনে বংক-- আৰ নকান সকলে থেছে নিষে ওপুর বেলাও একটু খুমিডে নিয়েং পানিকে বাজিবে ্কা ভালে। খুম বাবে নাঃ খোমার প্রীর এমন হায়ছে, লেখনেই মান হয়, আহ-একটু হলেই ভাতে প্রবং চলে। এখনই লোমার নাইকে গোলে হব।

ক্ষম সময় হক্ষম মধ্য একটা বোনটা (২০ন মূচকাৰ বলাল, সাবোলাবার কাকে সংক্ষ ক্ষম ক্রমেন্ডে, মহাবাধের সাক্ষ দেশা করাত চাই >

(बाक्यवानी) वाल काव कैंद्र ननामन, घरातांक ८०१४ मा कॉकांक (व नावान) कीव लाक (नात्नी वाहाक । तांन काइ ८०, घरावांक अपने नाहेंग्य गाइन इ

আছি বন্ধৰুম, একবাৰ দেৰে আদি লে, বহাৰা কোনো ককৰি কাক। আছে ।

प्यामानानी नगमन, ना ए इस्त ना उपाप्तानानी कान विशेष लिखे देविक मरहाह, मारवानाक एन्डे लिए स्वान नारीक काट समाम देखा काट वानकि ।

বালে ভিত্তি আয়াকে লাভে গাড় টোনে লানের মাজ্য মাগ্য টোলে লিছে গাউৰে থেকে করন্ত্র বহু করে দিলেন। আমি ভিত্ত খোক করন্ত্র, আমার নাক কাশক বে আমানে—

তিনি বল্লেন, সে আনি ট্রিক করে বাবেং, তাত কল জুমি স্থান করে নাও :

এট উৎপাতের পাসনকে অযাক করি এমন সারা আহাছে নের সাধারে এযে বড়ো ছাল্ড। থাক গো, লারোগাবাবু বনে বনে পিচে খার ্দ নাইছ হল আমার কালের অবচকা।

ইতিমধ্যে দেই ভাকাতি নিমে বাবোলা হ পাঁচ জনতে ধরা পান। ক্ষর্মের হেন খন। ক্ষর্মের (বাজাই একটা নালবকটা নিরীর পোককে ধরে এই হার হলে খনে গাঁৱম করে বেশেছে। আজাল বোল হয় তেমনি কোন এক অভাগতে পাকড়। করে এনেছে। কিছু পিতে কি একলা হারোলাই খাবে ৮ চে কি টিক নম। বরজায় হমাদম যা গালালুম। মেজোবানী বাইবে খেকে বলদে, জল ঢালো, জল ঢালো, মাখা গ্রম হয়ে ইচ্ছে বুজি ৮

স্থামি বর্লমুম, পিঠে ছঙ্গনের মড়ো সাজিছে পারীছো। সারোল ১০০ চোর বলে দরেছে পিঠে ভারেই প্রাণা , বেচারাতে বলে জিছো ভার ১০০ বন বেনি পড়ে।

ষধাসন্থাৰ ভাষাভাতি খিন পেৰেই গৰজা গুলে বেবিছে এলুমা। গেণ গৰজাৰ বাইবে মাটিৰ উপৰে বিমল কলে। এ কি আমাৰ সেই বিমল, তেঁ ভেডেজ অভিযানে ভবা গৰবিনী। কোন ভিজা মনেৰ মলো নিছে এ আন । গৰজাতেও গলে থাকে। আমি একটু খমকে বাভাতেই সে উঠে মুখ এব-নিচু কৰে আমাকে বললে, ভোমাৰ সঙ্গে আমাৰ একটু কথা আছে।

चामि रत्ततुम, छ। इत्त क्रता चामारत्व प्रतः

কোনো কিশেষ কাঞ্চে কি তৃষি বাইছে বাঞ্চ ?

হা, কিন্তু থাকু দে কাজ, আপে ভোষাৰ সংগ---

না, ভূষি কান্ধ সেৱে এসো— ভার পরে ভোষার বাওরা হলে কর্ব হবে।

राहेरव निरव त्वचि शासामान भाव मूक, तन वारक शत्व अध्यक्ष 🖰

प्रस्ता कर कर भित्रे गाःकः

चारि चान्द्रवं स्टब्स्ट स्तन्त्र, अ की, चहना (४)

শে এক-মূপ পিটে নিয়ে বনলে, আজে ইং : পেট কৰে গৈছে নিয়েছি, পোন কিছু যদি না মান কৰেন কা ধান যে কটা বাকি আছে কথালে বৈধে নিই :--- বালে পিটেক্সকো সৰ কথালে বিধে নিজে :

चार्चि मारबामात्र निरम १०१६ रमन्त्र, रारनावराजा की ।

ম্যারেকা হেবল কলনে, মধারাক, ডোরের (ইয়ালি কো ইইরালিই বার ক্ষেত্র, কার উল্লেখ্য ডোরাই মানের ইয়ালি নিয়ে মান্য বেশবাঞ্জি ন

এট বালে অকটা (উড়া ক্লাকচার পূড়াল খাল অক্ষাঞ্চ লেটে খে সামার লয়েনে মরলে : বললে, এট মহাবালের ভ বাছার টাকা :

(काष) एषाक (नादान र

শামি বলনুম, হবিচৰগৰাৰ, ভগ্ৰলোকের ছেলেকে নিবে মিছিছিছি টানাটানি কৰে কী হবে ?

দাবোগা কালেন, তপু ভত্তলোকের ছেলে নর, উনি নিবারণ খোলগতন কেলে। তিনি আমার প্রাস-ক্রেও ছিলেন। মহারাজ, আরি আপনগের বলে বিজি ব্যাপারখানা নী। অধুলা জানতে পেরেছেন কে চুবি বংগছে এই ব্যক্তমান্তরের রজ্জ উপলক্ষে হাতে উনি চেনেন। নিজের ঘাত লার নিবে ভাকে উনি বাঁচান্তে চান। এই-সর হজে ওঁর বীরর। গোলামানেরও ববেস এক বিন ভোমাধেরই মতে। ওই আহারো-উনিল ছিল পাছসুম রিপন কলেজে। এক বিন স্ট্যারেণ-একটা পোকর গাভিব গাট হানকে পাহারাওমানার স্থাম থেকে বাঁচালার ক্রের প্রায় কেলেখনার সমন্ত্র-কর্মার বিকে ক্লুক্তিন্স্ম, বৈশাধ ক্রেকে গোছে।— মহারাজ, ব্যবহার ধরা পত্না শক্ত কর, কিন্তু আমি বলে বার্ষি কে এর মূলে আছে।

चावि क्रिकामा करत्व, ८०।

আপনার নারেব ডিনকড়ি হস্ত আর ৩ই কালের স্থার।

স্থাবোগা তাথ এই অভ্যানের পক্ষে নানা সুক্তি দেবিরে বসন চার পোলেন আমি অমূল্যকে বলপুম, টাকাটা কে নিরেছিল আমাকে চ^{কি সর} আরক ভোলো ক্ষমি হবে নাঃ

त्म क्लरण, जानि ।

ক্ষেম কৰে ? ধৰা যে কৰে ভাকাতেৰ কৰ---খ্যাহি একলা।

ष्ण्या या स्वारम तम प्रमुख । भारत्य शास्त्र स्वारम त्वरत्य याहेरत रूप प्रौडाब्सिन, तम काश्यांते किन प्रकार । प्रमृत्यात इसे नार्यात इसे निष्या अक्टोरिक काश्या (ठीकी, प्रात-अक्टोरिक क्षणि करा । कर मृत्यत प्रारम नार्यात हिल काश्या मृत्याम । श्रीर अक्टो मृत्याहे कंद्रत्य प्रारमा नार्यात मृत्य त्वरत्म निष्यासय केश्या प्रात्यास कश्यक्षेत्र तम होक्टेसके प्रम्य करत हो লেব। ই-ভাৰমন ব্যক্তিয়া ছুট্টে আন্তেম্বর জাতের যাবাধ উপর শিক্ষান্তর আনবাধ করে বিশ্বে জাতা হৈ পেবানে পারাপ থাবর মধ্যা চুক্তে ব্যক্ত বা করে বিশ্বে জাতা দা করে। করে করে করে বালের করে। করে করি লাগের করে করে বালের করে। করে পার্লার করে করি নাথের করি নাথের করে। করে বালার টাকার নোটক্রেলা নিয়ে আন্যাপের করে।বিশ্ব বালার যাকার প্রতিধ সেই বোটাটারে এক করেপার ক্রেড়ে পিয়ে বার্লির সক্রেড়া করে করেপার ক্রেড়ে পারাক্রির সক্রেড়া করিব সক্রেড়া আর্থার এবানে এবানি করিছে।

মানি কিলাসা করপুর, মমূলা, ১ কাজ কেন করাত্ব ভোলে। সে বললে, মাহার বিশেষ সংকার ভিল । ভাষে মাহার ভিত্তিত লিলে করন ১

नेप्त केक्ट्रम किविट्स निमूच केटक आकृत, केट्स शास्त्रत कालि सम्बन्ध हिंदिन दक्ष ह

त्याक्षावानीविति ।

বিমলকে ভাৰেক পাইলেম । জিনি একবানি লাল কাল মাবাধ ইলের পার কিবিছে পা চেকে আয়ে আয়ে গরের মধ্যে কুকলেন, পারে কুরেরক ভিলানী, কোবে আমার মনে হল, বিমলকে এমন খেন আর কবানো কেবি কিল্লা প্রকাশ-বিকাশকার ইংকের মধ্যে ও যেন আপনাকে প্রভাগ্নের আলো পার চেকে কনেছে।

শক্ষা বিমানৰ পাড়ের কাড়ে ভৃত্তি হতে প্রশাম করে পাড়ের বুলা নিল । উঠে বাজিয়ে বললে, তেয়ামার আলেশ পালন করে এলেছি, নিদিও নিকা বিভিন্ন বিভাগি ।

feun unen, fifbere, wie :

শক্ষা ক্ষাল, ভোষাকে শ্বন করেই একটি বিখা। করাও বলি বি। শবাং ক্ষোভাষ্ যা এইল ভোষাৰ পাছের তলাও। কিবে এলে এই শক্তিক মুক্তই ভোষায় প্রনায়ক পেরেডি। বিষ্ণা এ কথাটা ঠিক বুৰুছে পাবলৈ না। অষ্ণা পাকট ্যাধ কথাল বৈৰ কৰে আৰু প্ৰতি খুলে সকিত পিঠেগুলি ফেবালে। বল্ল সৰ পাই নি, কিছু বেপেডি— ভূমি নিজেৱ হাতে আয়াৱ পাতে ভূলে দিং বাংবাৰে ব'লে এইগুলি কয়ানো আছে।

শামি নুজাপুম, এগানে আমার শার গরকার নেই । খর থেকে গোঁও সেপুর। মনে ভারপুর, আমি টো কেবল বকে বকেই মরি, আর ওরং আন ব কুপপুর্বির গ্রাম ওটা শুটোর মালা পরিবে নদীর বাবে লাল ৩০ কাউকে টো মরার পথ পেকে কেবাতে পারি নে— যে পারে দে ইলিকে পারে। আমাদের বাণীতে দেই অন্যায় ইন্সিট নেই। আমহা পিবা ন আমরা জ্ঞার, আমরা নিবোনো, আমরা দীপ আলাচক পার্ব না। আম: জীবনের ইতিহাসে দেই ক্যাটাই রামাণ হল, আমার স্কানেনা বাহি জন্দ না।

व्यातात व्यात्य व्यात्य व्यवस्थात त्यात्म । त्याच वय, व्यात त्यात्म व्याप्त व्यात्म व्याप्त व

মেজোরণনীর ঘরের সামনে স্থাসচেট ডিনি বেরিয়ে একে কললেন, গ্র দে ঠাকুরপো, স্থামি বলি, বুঝি তেনাের স্থাজন্ত দেবি হয়। স্থার পার নেই, তোয়ার ধারার তৈরি রয়েছে, এখনট স্থাসচে।

আমি বলসুম, ভাত কণ দেই টাকাটা বের ক'বে ঠিক করে রাধি আমার শোষার করের দিকে ভাতে কেকে মেকোরানী কিল্লাসা কর্মন বাবোলা বে এক, সেই চুবির কোনো আশ্কারা হল নাকি।

ा हो के हो का कि कि कि भागांव व्याभावते। स्टब्स्यानीर के कि स्थादास स्थादक हेरफ हम ना। सामि स्थान्त, राहे निसाहे रखा क्याप সোহার বিজ্ঞানত মতে বিচাহ প্রেট খোল চাবির পোচা থেক করে।
ক্রি, সিন্ধানের চারিটাই নেট : অনুত আমার অভ্যানযাত। এই চাবির
'গা নিয়ে আৰু সন্ধান খোল বাভাগার করে বাজ স্বান্ধি, আসমাহি
স্বান্ধি, বিশ্ব নামবারত প্রভাই করি নি যে দে চাবিয়া নেট।

(Albertal ertra, bife es e

কাৰি কাৰ কৰাৰ না কাৰে কুমা, য় প্ৰেচ্চ ও প্ৰেচ্চ নাজা কিনুদ্ধ, লগত বাবে কৰে সমায় কিনিস্পান কাটাক (আকাড় কি কল্পুমা) আআক্ষেত বোজা হ'ব বাকি বাকিয়া না হে চাবি যাহায় নি, কেন্দ্ৰ একজন বিং আৰে পুলে নিটেছ। কে নিটোৰ পাৰে গ্ৰাম

ক্ষেত্রানী কালেন, বাক ছোচে না, আগে বুমি খেবে মান । আছার বিষয়ে কৃষি অসাবধান বালই ছোচোৱানী কই চাবিয়া বিশেষ করে জার বাজ কুলে বেলেছে।

পাৰাৰ ভাবি লোকযাল হেবলে লাগন। আনাকে না ভানিতে বিজ্ঞ নি সেকে চাবি বেছ করে নোব, বাজার স্কুলব নত্ত।

भाषाय नाताय स्थार भाक विश्वत हित मा तर रूपम वाहापद (पाक काक भामिए भाषाक मिला वाल या नदाक्षित । (शाकादानी जाएक काकाव्य गाउँ। स्थितिक स्थाप वालन्य कावाय स्थाप

েশ্য ক্রিকৈ এমন সময় বিমল এল , আমাত ইক্ষা ছিল, মেকোরানীর লাশ্যন এই চাবি-ছারানোর কথাটার আলোচনা নাছয় কিছু লে আর মটল নাঃ বিমধ আসেতেই তিনি ভিজ্ঞালা করলেন, মার্থপোর লোচার শিশ্যকর চাবি কোরায় আতে জানিল গ

विकास समारम, कामान कारक ।

বিশোষানী কালেন, আৰি সোধানিকিন্দ। চাব লিকে চুৰি ছাছাছি। আছা, ছোটোৱানী বাইতে দেখাৰো এব হব নেই, কিছ ভিন্তৰে ছিতকে শাসান হয়ে ছাছে নি। বিষ্ণোর মুখ লেখে মনে কেমন একটা প্রকা লাগল : বলল্য, সাত্র; চাবি এখন ভোষার কাছেট থাক্, বিকেলে টাকাটা কের করে নেব :

মেকোরানী কলে উটনেন, জানার বিভেগে কেন টাকুজালা, এই ভল পটা বের করে নিয়ে বাজাজির সাজে পাঠিবে সাও।

বিমশ বৰ্ণনে, টাকাটা আমি বেব কবে নিক্তেছি। চমকে উঠানুম।

মেখোৱানী বিক্ষাসা করলেন, বেষ করে নিয়ে যাখলি কোখার গ বিষয় বলকে, খয়চ করে ফেলেভি।

মেকোবানী নগলেন, গুমা, পোনো একবাৰ ৷ এক ঠাকা গ্ৰহ কংলি কিনে !

বিমল তার কোনো উত্তর করলে না। আনিও তাকে জোনে কর জিজানা করমুম না, ধরজা বরে চুল করে কাঁচিরে বর্টনুষ। মেজেবেন্দ্রী বিমলকে কী একটা বলতে থাজিলেন, লেমে গেলেন, আমার মূলের দিব চেমে বললেন, বেল করেছে নিষেছে। আমার আমীর প্রেটে বাল্পে যা কিছু টাকা থাজত সব আমি চুরি করে প্রিয়ে রাগড়ুম। জানডুম সে টাকা পা কুজে পুটে বাবে। ঠারুরপা, তোমারের প্রায় সেট হলা। করে বেরালে মে টাকা বজাতে জান। তোমানের টাকা যদি আমরা চুরি করি গার্গ সে টাকা বজা পাবে। এবন চলো, একটু লোবে চলো।

तिकाशामी भागातक त्यायाध परव ४८व मिरव त्यातकत, भावि १४ पत इस्तिक भागाव परम ७ किन मा। विभि भागाव विकासाव भारत परम चरन चरन म्राय व्यापनात, खरना च क्षेत्रे, अवकी भाग तम त्या, खावे। त्याधा तम १८व वारव विभि वरव क्षेत्रेणि। भाग भावे परच १ मावव भागाव पत्र त्याची भागितक (४-मा)।

শাৰি কাপুন, মেজোৰানী, ভোষাৰ ছো এখনো থাওয়া হয় নি। ডিনি কালেন, কোন কালে। की। करमवास किया कथा। चिकि भाषाय नात्म करन सम्बद्ध नामहान्त्र, क्या बारबाद क्या नात्म कथा। मारी कहन म्याब वाहेरद स्थाक रहद मिल, विकास बाह्य है। का दृष्ट पाइकः दिवन द्वारमा माफा किया मा। स्थाबादामी स्थालम, न की, स्थारमा द्वार पावना वर्ष वि दृष्टि । स्थान ए एक्य क्या :--- की बहन स्थाद करत छारक का विका स्थानम ।

দেৱ ও হাজাৰ টাকাৰ ভাকাৰিৰ লাভ এই লোভাৰ নিশ্বকেই টাকা বেৰ কৰে লেওছাৰ যে যোল আচে জা গুৱাতে পাৰনুত্ৰ। কী বক্ষেৰ গোৰ লে কৰা জানাত্ৰত ইঞ্ছা কৰল না। জোনো দিন লে ব্যাহত কৰৰ না।

বিধায়ে আহাদের জীবন হবিত লাগ একট কালায় করেই টোনে ক্ষেত্র ।
আহার নিজের হাতে লেটাকে কিছু কিছু বলাল দৃষ্টে পুরিছে লিছে নিজের
আনত মধ্যে একটা লগাই চেতাবা জানিতে বুলব, এই বাবে অভিনামি । পানীকরণর ইলারা নিজে নিজের জীবনটাকে নিজে গানী করে ফুলব, একটা বার্যা
আইভিয়াকে আহার সমন্তর মধ্য লিছে ব্যক্ত করে কেবাব, এই জেনা ব্যাব্যর
আমার মনে আহার ।

अहें शास्त्राराख आह जिल काहिएकि । तार्शिक्षक कफ विकास कार्यकि, लिखरक क्षात कार्यकि, तार्व क्षात्रण विकास क्षात्रण कार्यक्षिते कार्यका । लक्ष क्या आहे दब, कावण कीरल जनगात किलिय लवा, स्पष्टि एवं कराव एवं लिखन काव क्षित्रक लिख परि स्पष्टि ला, कार जार जाने वाल । सालन सामा खाहें लक्षाक जनकी लाहास किया एवं निवस्तावण जहें वाल्यान सामा कार्यका कार

বান নার পার কোডে পোনুম, নিকের লাক লাক নিকের চার বিকাক গারা সমুমেই দারী করাডে পারে ভারা এক কাডের মাছব, আমি সে কাডের না। আমি মা নিবেছি, কাউকে ময় লিডে গারি নি। মানের কাডের আপনাকে সম্পূর্ণ ডেলে দিবেছি ভাষা আষ্ট্রার আফ-স্বই নিজেছ, বেজে
আমার এই অপ্তর্কম জিনিস্টি ছাড়া। আমার পরীকা কটিন হল ২৫
চেয়ে পেগানে সহায় চাই সব চেয়ে সেখানেই একলা হলুম। এই পরীকাণ্ডেও
জিতব, এই আমার পণ বইপ। জীবনের পের মৃত্তু পথস্ব আয়ার ভূপম ৬২
আমার একলাবই পথ।

আৰু সংক্ষাত কজে, আনার মধ্যে একটা অভ্যাচার ছিল। বিভান সংক্ষামার সংক্ষাদেক একটা অক্টিন ভালোর ছাতে নিশ্বত করে চালা করন, আমার ইছার ভিতরে এই একটা করণির আছে। কিছু মাছার জীবনটা তে ছাতে চালবার নয়। আর, ভালোকে জড়বছ মনে করে লাম ভুকতে সোনেই মরে নিয়ে দে তার ভ্যানক লোগ নেয়।

এই জ্লুমের জন্তেই আমর। পরক্ষাবের সজে ভিতরে ভিতরে রকাং বাবে গেছি, তা জানতেই পাবি নি। বিষণ নিজে বা হতে পাবর ব আমার চালে উপরে কটে উইতে পাবে নি ব'লেই নীচের তল খেলে কর জীবনের ঘর্ষণে বাগ ঘইছে কেলেছে। এই ছ হাজার টাকা আরু করে চারে বিজে হছছে। আমার সজে ও পারই হারবার করেছে পাবে নিজে হছছে। আমার সজে ও পারই হারবার করেছে পাবে নিজে হারবাছে, এক জারগার আমি এব থেকে প্রবাদয়লে প্রত আমারের মজে একরেছা আই ভিতার মান্তারের সজে হারা মেলে তার মেলে, বারা মেলে না ভারা আমারের ইজার। সরল মান্তারহকও জারবা কারি করে তুলি। আমরা সহধ্যিধীকে গঠতে পিতে স্থাকে বিভাক করি।

আবার কি সেই গোড়ার কেবা যার না । তা হলে একবার স্বাক্তর বাজার চলি। আমার পথের সন্ধিনীকে এবার কোনো আইজিয়ার নিকল বিয়ে বীগতে চাইব না। কেবল আমার ভালোবাসার বালি বাজিবে বলং জুবি আমাকে ভালোবাসার, সেই ভালোবাসার আলোভে ভুবি বা ভালেঁ পূর্ব বিবাশ হোক, আমার কমাল একেবাবে চাপা প্রুক্তঃ আমার মাল বিশালার বে ইক্ষা আছে ভারই বন্ধ হোক, আমার ইক্ষা অঞ্চিত গান

ক্ষিত্র, আমানের ইংগাকার যে বিজেনটা বিভাবে কিয়ারে আর্থিক ক্ষেত্রিক আরু এইনার্থক এইনার্থক ক্ষিত্র আরু এইনার্থক এইনার্থক ক্ষিত্র আরু ক্ষিত্র ক্ষার্থক ক্ষার্থক ক্ষার্থক ক্ষার্থক ক্ষার্থক ক্ষার্থক ক্ষার্থক ক্ষান্থক ক্যান্থক ক্ষান্থক ক্ষান্

একটা কি বট্ট করে উঠন। বিশ্ব সাবিতে পথি, বিমন নবজার কাছ থকে বিশ্বে বাজে। বোধ হর দবজার পাপে এনে এক জন চুপ করে কাডিছে 'চল— বাবে চুকারে কি না চুকারে কোবে পালিবল না পোল নিবে বাজিক। কামি ব্যৱসাহায়ি উঠো পিয়ে ভাকনুম, বিমন।

দে শ্বহ্ৰে স্থান্তালে, কাৰ পিচ ছিল আমাৰ লিকে আৰ্গি ভাচে চাচে বাং যাৰেছ মধ্যে নিষ্কে এলুম :

যাৰ আসেষ্ট হোমাৰ উপৰ পাঠ দূপের উপর একটা বাধিশ স্থাকটে বাই ভাব কাছঃ। আমি একটি কথা না বাল ভাব হাম ধ্যুৰ মাধার কাছে। ক্ষে বাইলুমাঃ

কালাৰ বেল থেছে লিয়ে উঠে বসকোঁ, আনি ভাকে আমাৰ বৃষ্টেৰ কাজে টোনে নেবাৰ ডেটা কবদুম। সে একটু কোব বাব আমাৰ কান্ত লাভিয়ে নিয়ে টাটু লেয়ে আমাৰ পাছেব উপৰ বাব বাব মাৰা টেলিয়ে কাৰাৰ কলান্ত কাৰ্লা। আমি পা সৰিয়ে নিবেট সে চটা বাব বিছে আমাৰ পা কচিতে ধরে গদ্পদ করে বললে, না না না, ভোষার পা সজিতে নিজ না--- আমাকে প্রো করতে নিজে চ

আৰি তথন চুপ কৰে বইস্ম। এ পূজাৰ বাধা দেবাৰ আহি কে। বে পূজা সভা সে পূজাৰ দেবতাও সভা— সে কেবভা কি আহি বে দৰ্শ্য সংকোচ করব ৮

विवतात चाक्कमा

इरला, इरला, बहैयाव राविष लाहा, नवल बालायान त्यसाख लावाव नमूटस बिरलाफ टावे नालवानाया : एवं विकल मीरातव व्यवस्था माना नमाण लावाव काव विलिए पारत : व्याव व्याव कव वर्षेत्र द्वा व्यावसायाय मा, व्याव कांकेरक लाला, व्याव व्यावहरूप कर्राय व्याव रामि, या रामाक्राय पा लाहा काव वर्षे रामाक्र या वर्षि व्यावक प्राव वर्षात वर्षेत्र । रामके वर्षेत्र वर्षेत्र मानाव वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र

আৰু বাহে কলকাভার হোক হবে। এই কণ অক্ত বাহিছের নানা গোলমানে জিনিসলত লোভাবাত কাজে হন লিভে লাতি নি । এইবার বাজকলো টোনে নিছে লোভাছে কল্যু থানিক বালে বেকি আমার্থ খানীক আমার পালে এনে কুটলেন। আহি বল্যুং, না, ক বাব না, ভুলি ত একটু পুনিষে নোকে আমাকে কথা বিষয়

भाषांत वासी क्लानस, भाषित (उस वधा निरामि) किन्न मामित गुन एका क्ला रक्त सि, जात रव रस्या रस्ते

আমি বলসুম, না, দে হবে না, তুমি প্রবে বান। বিনি বলকেন, ভূমি একলা লাব্যৰ কেন্দ্র

पंत्र महस्ता ।

আৰি না হলেও ভোষাৰ চলে, ৫ বাক বুনি কৰাৰ চাক কৰে। কিছ কৃষি না হলে আমাৰ চলে না । ভাই, একলা যাত কিছুবেই আমাৰ সুম কল নাঃ।

এই শ্বাস ভিত্তি কাৰে লেখে বেলেন। এমন লম্বৰ কোৰা এটো কান্যাল, ব্ৰথীপথাৰ একেন্তেন, ভিত্তি বৰৰ দিবে বন্ধকেন। গ্ৰৱ কাকে দিজে বজনেন দে কথা জিলানা করবাছ জোভ দ্বিল এ শামাব কাছে এক মুমুর্যে আকালের আলোটা বেন লক্ষাবাটী গভাব খাঞ সংস্কৃতিত হবে লোন।

শামার শাষী বললেন, চলো বিমল, শুনে খালি সন্দীল কী হলে। তো বিলাম নিয়ে চলে লিয়েছিল, খালার বলন কিন্তু একেছে ওপন কৰ মুহ বিলোম কোনো কথা খাছে।

বা পথার চেতে না বা গুয়াটাই গেলি কক্ষা ব'লে স্থামীর সংজ্ঞ বারাং গেলুম। বৈচকপানার ঘরে সমীল সাঁচিয়ে দেবালেন্টারানো ছবি দেবছিল স্মামরা বেডেই বলে উঠক, ডোমরা চারছ, লোকটা দেবর কেন্দ্র সংবাদ সম্পূর্ণ শেষ না হলে লোড বিলার হয় না।

টেই বলে চাদ্যের ভিতর থেকে দে একটা ক্যানের পুট্নি বের কা টেরিবের উপরে গলে প্রসে। সেই গিনিগুলে। বললে, নিবিল, গুল কোরো না। ভেরো না, চঠাং জোমানের সাল্যের পছে সাধু হয়ে উর্নেট সম্মতাশের স্বাপারন কেবতে কেবতে এই ৯ হাজার টাকার মিনি জিলি। দেবার মাচা ভিত্রিকায়নে সন্দীপ নয়। কিন্তু—

এই বলে সন্দীপ কথাই। আব লেগ কবলে না। একটু চুপ কবে পাব আমার দিকে চেয়ে বললে, মন্দীবানী, এত দিন পাব সন্দীপের নিমন্ত দীপ-একটা কিছু এসে চুকেছে। বাজি জিনটের পর কেপে উঠেই বেশ্ছ পাব সঙ্গে একবার পূটোপ্ট লচাই কবে লেগছি, সে নিতাল কাজি নয় দাব ধেনা চুকিয়ে না দিয়ে সন্দীপেরও নিচুক্তি নেই। সেই আমায় সংনাদি-কিছব হাতে পিয়ে সেল্ম আমার পূজা। আমি বালেপদ চেটা দাব কোম্ম, পৃথিবীতে কেবলমাত ভারই ধন আমি নিজে পাবে না— তেমের কাছে আমি নিজে হয়ে তবে বিদায় পাবে কেবী। এই নাও।

বলে সেই গ্রনার বান্ধটিও বের করে টেবিলের উপর রেচের দর্শীর ক্ষান্ত চলে ধাবার উপক্রম করকে। আমার বামী ভাকে ছেকে ক্ষান্ত अप्र साथ, मुखीन ।

পদীশ কৰ্ষ্যৰ কাছে কাছিলে কল্পে, আমাৰ সময় নেই, নিৰ্ভিত ।
বৰ পেছেছি, মূললম্বনেৰ দল আনাকে মহামূলা বাবৰ মালা পুঠ কাছে
নিয়ে আনেৰ লোৱস্থানে পুন্তে ৰাখবাৰ মন্তল্য কাছে। কিছু, আমাৰ
বাচ আমাৰ কৰ্মাৰ। উত্তৰে লাভি ছাড়াৰে আৰু লভিল হিন্তি মান্ত
আছে। আন্তৰ্ভ, মন্তন্তৰ মান্ত চলপুন। ভাৰ লাভ আবাৰ একটু আন
বাল পোনে জোমানেৰ সাম বাভি সমান্ত কৰা চুলিয়ে দেব। যদি আমাৰ
বামাৰ্থনাৰ, মুম্নিন বেলি দেবি কোৱো না মন্ত্ৰীবানী বাল প্ৰসম্ভান্তিন
কংলিপ্ৰয়ানিনীয়ে।

এই বলে সন্ধীপ আৰু মুটে চলে পেল আৰ্থন কৰু হবে বইপুথ : জিনি
মাত প্ৰনাজনো বে কত তুলা লৈ মাত কানে নিন নমন কৰে ভেষ্টাও
পাই নি এ আছ জিনিস সাজ নেতা কোখাত কী নবাত, এই কিছু আলে
বাই ভাৰচিপুথ : এখন মনে হল, কানে কিনেসই নেবাত সংকাৰ নেই,
কেবল বেবিয়ে চলে বানেবাটোই সভবাত

ক্ষামাৰ ক্ষমী চৌৰিক থেকে উচ্চ আৰু বাংলাক পৰা ক্ষাপ্ত ক্ষাপ্তক বিহালন, ক্ষৰে ডেচ কেলি সময় নেই, তথন কামজনে ভাৱে নেকংলাক।

स्मिन राम्य क्ष्मानावान् घर्ड हर्तको धारणव (स्ट्र अस्व एस्ट अह्म सामितिक करमा, क्सामा, प्राप्त (धार्य ३) वटर निर्द भारताव सर्पार निर्माण करमान स्वाप्त अहार प्राप्त करमान स्व क्ष्मान स्व वित्र कर्माण करा वित्र प्राप्त कर्माण करा वित्र प्राप्त क्ष्मान क्षमान क्ष्मान क्ष्

काराव वादी स्वातात, क्षांत्र पार प्रमान .

मानि केत हाथ तरव समन्य, दुनि निर्देश को कवान माहरण । धान्यावः यमाहै, मामनि केटक सक्त करून ।

विद्यानीयकानु बन्दारम्य, प्र्यादन् वष्टराष्ट्र (का रामक सक्षः

भागात वासी सम्हलन, किन्नु तकरता ना, विश्वम ।

শানশার কাছে দিয়ে দেখপুর, ভিনি খোচা ছুটারে হিছে চলে খেলের ছাতে তাঁর কোনো আছও ছিল না।

একটু প্ৰেট মেকোবানী ছুটে মবের মধ্যে ভূকেই বললেন, কর্নন ক ছুটু, কী প্রনাশ কর্মি। ঠাকুরপোকে মেকে ছিলি কেন।

বেকাশ্বাকে বৰ্গদেন, জাকু ভাকু, নিগুলিব ফেওয়ানখাৰুকে ছেখে আন বেওয়ানবাৰৰ শাখনে যেজোৱানী কোনো দিন যেখেন নি। তে কি ভীয় ক্ষমা ছিল না। বক্সদেন, মহাযাজকে ফিকিছে আনচ্ছে লিগুলিছ সক্ষাৰ পাঠাও।

পে ক্ষানবাৰ বদলেন, আমবা আনেক মানা কৰেছি, তিনি দিবতে না।

व्यक्तिकानी नगरनम्, क्रीरक रहन भाषान्, ह्यरकावामीय क्लाकेट्रा १८१८॥ क्रीय मदश्कान मानवः

শেক্ষান চলৈ গেলে মেজোৱানী আমাকে গাল জিত্তে লাগতে, আফ্লী! সৰ্বনাৰী! নিজে সভলি নে, মাজুবংশাকে মহতে লামালি।

দিনের আলো শেব চার এল। জানলার সামান পশ্চিম-বিশ্বাস্থে পোর্যত্ব পাড়ার কৃট্য পজনে-পাছটার পিছনে প্রব আছ গেল। সেই প্রবাজের প্রায়ের বেখাটি আজক আমি চোবের সামনে দেখতে পাজি। অপ্রমান গুটার ক্ষেত্র করে একটা মেয়ের ঘটা উত্তরে হজিপে ছই ভাবে ছড়িবে পচের্ছল, ক্ষেটা প্রায়াও পাথির ভানা কেলার মড়ো। ভার আন্তনের গ্রেগ পালকজনো থাকে থাকে সাজানো। মনে বতে লাসম, আনক্ষেত্র দিন্দি বেন কর করে উত্তে চলেছে রাজের সমূত্র পার ক্ষার করে।

শব্দবাৰ হবে এব। বুৰ আমে আন্তন বাসনে খেকে খেকে বেনন সং শিখা আকাশে বানিৰে উঠিকে খাকে তেননি বহু বুৰ খেকে এক-একংব १४-अक्टी कमस्टबर (क्टे क्यकारवर क्रिक त्यक एक रहेता हैरेस भाष्ट्रम ।

ইক্তিন্দৰ থেকে স্বাচাৰ্ত্তিৰ পথ দুটা বেকে উচন। আছি কান্ধি, নেকেবানী দেই বাব নিয়ে কোচবাত কৰে বান আছেন। আৰি এই বাবাৰ বাবেৰ আনপা কেন্ডে এক পা কোবাক নচ্চে পাৰণুম না। লামনেকাৰ বাবাং আম, আৰণ পূৰ্বেকাৰ প্ৰপূষ্ণ মাই এবা ভাৰত পেৰ বাবে বাবেৰ বাবাং আম, আৰণ পূৰ্বেকাৰ প্ৰপূষ্ণ মাই এবা ভাৰত পেৰ বাবে বাবেৰ বাবাং কাল্যে বাবাং বাব

বাজি বৈনামার শক্ষ যে কর ব্রাহ্র ছরাবদ নরে দার রিজানা থেটা। কাছে কোলার একটা কাদ নতে, মনে হব দ্বে যেন ্ক ছুলে পানাজে। চনাম বাজানে একটা কর্জা প্রদা মান হল ্লটা তেন সক্ষয় আনুকালের বৃত্তবহাদ করে করার পক।

মাৰে মাৰে বাদাৰ ধাৰেৰ কালো গাছেত লাৰেৰ নীচে লিছে জালো লেমাৰ লাই, ভাষ লাৰ লাৰ দেখাত লাই — খোড়াত লাছেৰ লাভ কৰি, লাই লাৰ দেখি খোড়ালোৱাত বাজখাড়িত লোট খোৰেই খেবিছে ছুটো লামাছ :

ক্ষেত্ৰই মনে কৰে লাগদ, কামি মহালেই দৰ বিপদ কোট বাবে।
কামি বন্ধ কৰা কোঁচে আছি দালাবাৰ আমাৰ পাপ নানা দিব বেকে মাবাকে
পাক্ষে । মনে পক্ষম, দেই পিজলটা বাজের মাধ্য আছে। কিন্তু এই প্ৰেক বাবেক কাম্যা কেন্দ্রে পিজল নিজে গোড়ে পা দ্বান না, কামি বে আমার ভাষোর প্রতীকা কর্মনি।

बार्स्याकित दरकेकित चन्ना प्राप्ता माद्र स्माप्ता राक्ता ।

ভাই বানিক পৰে ধেৰি বাধাৰ অনেকখনি আলে, আনক ভিছ । শক্ষমৰ মুম্বৰ ক্ষমন্তা এক হবে কুড়ে নিচে মনে বল, একটা প্ৰকাশ্য কালে।

गाव-गाविष्य ३०२२ मारामव मनुकलाक वावावाहिकवाराव वृक्षिक व ३०२० माराम अवावाह्य आवार्तमाव व्यवः आवत अगव आवा नाम मनुकलाक वृक्षिक वह भाग गाविष्ठ वहेरामध्य मनुकलाक प्रतिक वह भाग गाविष्ठ वहेरामध्य मनुकलाक राववाह्य एक्ष्राव वह भाग गाविष्ठ वहेरामध्य मनुकलाक राववाह्य मनुकलाक मार्थिक मार्थिक प्रतिक मार्थिक मनुकलाक प्रतिक मार्थिक मार्थिक पर्व गाविष्ठ आवाह्य मार्थिक महिल्ला मार्थिक व्यव्ह मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक मार्थिक प्रविक्र मार्थिक व्यव्ह मार्थिक मा

emute biem

আৰি মা লিখে থাকি ভা অনোকত কালো লাগে এ। এই কৰাই আয়াকে সাধাৰণত যে ভাষাৰ পুৰিছে কোৰ টেকা বহু এনো স্বাভাবিক কাৰণে সে ভাষাৰ আমাৰ লগত নেই। এই ফল গৰাবীতি স্বাৰ কৰাৰ লেকা স্বায়াৰ গান্ধ স্থানা।

আম অবস্থাত হঠাত একবানি চিত্ৰী গোলুম কেই চিত্ৰীকৈ অভিযোগ আছে ভিছ্ক অব্যাননা নেই। চিত্ৰীবানি কোনো মহিলাৰ কোন্ত, ভিত্ৰী আমাৰ অপৰিচিত্ৰ। এই চিত্ৰীকে হাব বীজনোচিত লগম ও লৌজভ এক মান্তক্ৰাচিত্ৰ কৰুৱা প্ৰকাশ শালে। বিনি হাবাবাৰ কান্তভেন, ভিছ্ক হাব ভিছ্ক নাম নি।

বিনি নিজের কোনো ট্রকানা কেন নি. সম্চ কাচকটি প্রস্ত করেছেন, বার ম্যোকট অধ্যান কর্মি বে, এট প্রস্ত ছিনি সাধারণের হয়ে পার্টিমেট্রেন্ এবং সাধারণের ট্রস্তানাতেই এব করার চান।

मकत्व क्षेत्र कर्मनाव केस्टर विक्रि क्या काराव ब्राप्त हा ब्राप्ति

এট সনুষ্পত্ৰ-বোদে তাঁত কাছে সনিন্দ্ৰ নিবেসন কৰি। এই উপল্ছে: সাধাৰণত আমাদেৰ কেনে বে ভাবে সাহিত্যবিচাৰ হয়ে থাকে ব্ৰহেণত স সহয়েও কিছু আলোচনা কৰে।

প্রথমত তিনি কিছু কোতের সঙ্গেই বিজ্ঞাসঃ করেছেন— ঘরে বর্গতে উপজ্ঞানখানি নেগবার উদ্দেক্ত কী।

এব সভা উব্রটি এই যে, উপন্নাদ লেখার উচ্ছেক্সই উপস্থাদ লেখা সামা কথায়, পর লিখন আমার খুলি।

কিছা একে উদ্দেশ্য বলা যায় না। কেননা দ্বিলী বলাই উদ্দেশ্যক আধীকার করা। এবা যানন কোনো-একটা উদ্দেশ্যই লোকে প্রভাগেশা করা। কেন কেটা নেই বলালেই কথাটা স্পর্বার মতে। স্থানতে হয়।

কিন্তু অনেক সময় উদ্দেশ্য বাইবে প্রেক কেবতে পান্ডয় হায়। হবিংল লায়ে ডিক্স আছে কেন হবিণ তা লানে না, কিন্তু হবিল সহছে বাব তা লোকন তারা বলেন এব উদ্দেশ্য হল্ডে এই-সমন্ত্র ডিলেব হাবা বান। আলোক্যয়ার সঙ্গে সে বেমালুম মিলিয়ে থাকতে পাববে।

এই আন্দান্ত সভাও হতে পাবে, মিখাতি হতে পাবে, কিন্তু উড়েড? যে হবিদের মনের নহ সে কথা সকলকেই মানতে হবে।

উদ্দেশ্য ধবিবের নথ, কিন্ত ধবিবের ভিতর দিয়ে বিশ্বক্ষার ত্রাই উদ্দেশ্য ছো একোশ পাছেছে। তা ধহতো পাছেছে। তেমনি বে কালে লেব ক্ষম্মগ্রহণ করেছে দেই কালটি লেগকের ভিতর দিয়ে ধহতো আপন উদ্দেশ ক্ষমিয়ে ভূলেছে। ভাকে উদ্দেশ্য নাম দিয়ের পারি বা না পারি এ কথা ক চলে হে, লেগকের কাল লেগকের চিত্রের মধ্যে পোচরের ও অলোচরে কণ্য করছে।

আমি ব্যক্তি, এ কামও শিল্পকাত; শিকালানের কাম নতঃ বাব আমানের মনের মধ্যে ভাব নানা বঙের হুতোর কাল ব্যক্তি, সেট ভা কৃষ্টি; আমি ভার খেকে বলি কিছু আবার করতে চাই ভবে সে উন্দৰ্গ minicht !

আবাদের দেশের আপুত্রিক কাল কোন্দান লেনাকের হাত্র থেনার ব্রেক্তালার করেছে হাত্র-লাইরে ভাত্তর হাত্তা কাল কাল নিয়ন্ত্রাক এই চালার কাল নিয়ন্ত্রাক এই চিত্রর খেবে বলি কোনো কলিন্দা) বা কুনিজ্যা আলার করেছে বাকে দেটা লেখাকর উল্লেখ্য আলার করে।

পৃথিবীৰ স্থা একজন হড়ো লাহাৰত লোখা সামনে হছা হাজৰ কেন্দ্ৰশীষ্টাৰে কাষ্ট্ৰাট ৰবিছে যদি বিজ্ঞান কটা যাছ কাছ ক্লাছজ কী, ডিনি মুখকিলে শহনেন , ভাব নিজে যদি ব ন্যানা উত্তৰ দেন, নিজ্ঞাই ক্ষো কৃষ্ট উত্তৰ হতে :

ক্ষাৰি যদি প্ৰাঞ্জনসনাত সভা হব ভাব কাৰি ক্ৰিক কৰব, কৰিব টিছিল বাজিক ব্যিচিয়ে চলা দৰাছ জনগত সনুসালে (দক্ষা । যদি স্বাধীপ্ৰ জনানাৰে বিশ্বস্থ সন্ধা হব । হবে বলত সংগ্ৰহণৰ মূলকৰ্মন স্থিকায় কৰাৰ বলাই ক্ৰিয় সন্ধাৰ

विका करिय तृष्कि रा अप्रकार्यत लाजि योग कामात आसाह बर्टक छ। राण रामर, उन्मायिक माजियाकात विभावन भारताम त्वीबाद विक्री श्रावीतक्ष पुरम कुरेरदायाक करताक्ष्याः विक्र हैयात्मात शाहरीरकहे तुम्य भावेश कहीं। करत कुरम सदमाहात छाति विकृत निवस्त नरवाण कराई सात क्ष्यमार

निक त्याका नवा दृश्यः, जिन्नि नाहिक जिल्लाहरू त्यां नाहिक करिक कारणा-माना प्रकानका, ज्यान कि, तिन्द त्यां वांच्या त्यांच्या नाहि विका तिने क्रक दो केंगरामा कार्य नद, निक्रकामकः व्यवंत्र म्याव नाहिक्या विविद्या तांच त्या महिना कार्य (व्यवंत्र त्यांच्या नाहिक्या क्रक्य त्यांच्या क्षणा प्रावचीत मान व्याव कार्यित, जाव रागानाहिक मधिनिक क्षर्य तिनि । क्षांच वांकि जाता कार्य वर्गिक क्षरेशव क्षांच्यांचा (क्षरेश्यव क्षित्र वांच्या वांकि जाता कार्य वर्गिक क्षरेशव क्षरेशव क्षरेशव व्याव क्षित्र वांच्या जाव त्यांचि । वर्गिक वर्गाव कार्यक्षाव क्षरेशव क्षरेशव क्षरेशव क्षरेशव क्षरेशव क्षरेशव क्षरेशव ভাট বলছিলুন, ঘরে-বাইবে পল্ল বখন লেখা বাজে জনন দাৰ দাৰ সভে লেখাৰে বাৰ্থকৈ নামনিক অভিজ্ঞতা লভিত হয়ে পড়েছে এবং দেখাৰ জালো-মন্দ-লালাটাক বোনা হয়ে বাজে, কিছ সেই বভিন লাগেকে পিলেইট উপক্ষণ। ভাকে বদি আৰু কোনো উদ্দেশ্য প্রযোগ কং পাছতবে সে উদ্দেশ্য লেখাকের নহ, পাছকের। লৌখন লোকে চম্বীৰ পুন্ধ খেকে চামর তৈরি করে; কিছু চমরী জানে ভার পুন্ধটা ভার প্রাণে আছুপ্তি— লটাকে কেটে নিয়ে চামর করা পথান্ত ভার উদ্দেশ্য নহ, যে হাং ভারক।

MCET TE .

ভার পরে কথা কল্পে, আমার ক্রমভাবের সংখ পাঠকের ক্রমভাবে বধন বিরোগ ঘটন ভগন পাঠক আমাকে গও সিভে বারা।

মাটির উপর পড়ে গোলে লিশু গেমন মাটিকে মারে তেমনি এমন হাব সাধারণ পাঠকে মণ্ড বিয়ে খাতে, এ কথা আমার বিশেশক্ষণ জ্বানা । দার্ ব'লে মণ্ড যে বিতেই হবে এমন কোনো কথা নেই । কৃতকে না গুল কথাৰ পারি, এমন-কি, কৃতের গুল অনিইকর মনে করতেও পারি, জনু কালা ভবের মন্ত্র পড়বার সমরে সে কথা মনে রাখবার সরকার নেই । এখান মন্তামতের কথা নত্ত, রসের অন্তক্তির কথা । গুন্টান বলিক বর্গন কোনে বিশ্ব আর্টিন্টের আকা দেবীমৃতির বিচার করেন জ্বন মধি জিনি নুলাই পারেন বে জিনি নিশনারি ভা হলেই ভালো, ধরি না পারেন জনে সেকরে হিশ্ব আর্টিন্টে কে লোব কেওয়া চলনে না । কারণ হিশ্ব আর্টিন্ট্ অভায়াই আপন মন্ত বিভাগ সংভার অনুসারে ছবি আক্রেই । কিন্তু কোনের গ্রেটিন্টিন্ন থাকরে, সেটি হচ্ছে রস , সে রস ধনি অহিন্তুর অন্তান্ধ হয় তবে হয় বন আক্রের, সেটি হচ্ছে রস , সে রস ধনি অহিন্তুর অন্তান্ধ হয় তবে হয় বন আর্টিন্টের হোর । কিন্তু কোন্ধান নর বন্ধের অভাবে সেটা বিশ্ব আর্টিন্টের হোর । কিন্তু কোন্ধানী মন্ত বিভাবের উপর নির্ভিত্ত করে না । প্রাম্ন केर्यासम्बद्धान्तकम् असः क्षेत्रिक स्त्रंत प्रतिक स्वात सुरत हिन्दूत अक्य-स्वय विक्य, कत् कारणा विक्रियोर कारणाते :

কেশের বিজ্ঞান্তির সক্ষে আমার গলে পাঠাকর অসংক্ষে আছা স্থান। কিছু বছাকে বার বাসে কেবলার খো করকার ভোই, নায় বাসেই ক্ষেত্রের ববর ।

नावन वालित

কিন্ত মাজ বৰ্ণনা এজন বিবাহ নিছে কোটা লোপৰ একেবাৰে মাজের কথা আনন পাঠাপের আন পোকেন আনটা বেলি নিয়ালক বলাজ্বনি বাবি করা বাই নী হ জ্বন পাঠাপের নিজের বাবা পারের বাবাকে ভারিছে করে। আন্তর্ভার সে আবলার বাসের বিচারের ভোগে বাসের বিবারনিচারটা অভাবারকী বাস্তর্ভার করে আবলার বাসের নিচারের ভোগে বাসের বিবারনিচারটা অভাবারকী বাস্ত্যে না

আছা বেল, ভাই মানসুম। ভা হলে ও ছলে লেখাৰৰ প্ৰকি উলচেলটা নী ৮ নিজে বেটাকে জালে মনে কৰি লামাৰৰ লাখিবে চেইা কৰৰ সেটাছেল মুক্ত মনে কৰাৰ ৮ লামৰ বলি লাভাৱ ঘাৰিবে লে কাক কৰাৰ না লাভাৱ ছো বংল লেখকটা বা লাগ্যকৰ লাভিবে এমন কাক কী বাবে কৰাৰন দু

যদি কলা যাত লায়ের বাহিনাবত তোতে লোলৰ বাহিবে লাড়া, জাৰে সে কথা পাইক স্বাছের যেনন বাটে লেখক স্পাছত ভোমনি। বাঁক সাম্বিদ্ধ কথা-কথা পাইক উচ্চক বাহনা লোকে ও কথা লোকাৰত ভালবাত নায়। জিনি ভাষাকন, উপৰ নামটি ট্রিকমান্তা হতবা চাই। আৰু যদি বাঁকে ভাষাক মেকান্তা না বান্ত ভাবে লোকত ভাবেল। হব এটা কবাট যেন ভিনি ভাবেন, লোক বাঁকে ভাবেল। বান্তা এ কথা নায়।

माधादिका

দেখিকাৰ বিভীয় প্ৰশ্ন এই বে, এই উপস্থানের আগ্যাহিকা কি আছে। করনাপ্রস্থাত, না বাজনে কোথাও ভাবে আন্তাস পাওলা গোছে। যদি তেন আকি ভবে সে কি আধুনিক 'পাক্তাভালিকাভিয়ানী বিলাগী-সম্প্রদান্ত ন প্রাচীন বিশ্বপরিবাবে হ'

উত্তর এই, আখ্যাধিকাট অধিকাশে প্রের আখ্যাধিকার মান। আমার কল্লনা প্রয়েড। কিন্ধ এইটুরুমান বলগেই লেখিকার প্রয়ের সম্পূর্ উত্তর প্রথম হয় না। পট প্রায়ের মধ্যে একটি কথা চাপা আছে ছে, ।মন্
ঘটনা প্রাচীন বিশ্বপরিবারে অসম্ভব।

तिक अकी। शर्माय घंडेमा (मडे शर्माय व्यक्तक व्यवहार अस्ताडे १९२२ शार्मात, व्याप्त पांचाल घंडेमा लाई भारत भारत अस्ताच घंडेमा ता अस्ताच घंडेमा ता अस्ताच घंडेमा ता अस्ताच व्यवहार व्यक्ति व्यक्त

সাভিত্যবিচাৰ

ভা হলে প্রশ্ন এই যে, প্রাচীন চিস্প্রবিবাধে সংস্কট মানবচরিত্র । মহুসারিভার রাশ মেনে চলে। কখনো লাগাম ছিভি বানার হলে। গিঃ পড়েনা ?

भावता दिविक लोबानिक काम त्यरक उक्रेडिके तरक भागकि दर हर्न

कामत माण वाचा होन्द्रामत महावेद्यत कहा (महे । तक हिएक महान्न कहा, कहा कि मिल मानारण वाकरिक केवान । काहे कवाना वाकर हमान, कवाना वाकरिक हमाने वाकरिक वाकरिक केवान । काहे कवाना वाकर हमाने वाकरिक हमाने वाकरिक हमाने वाकरिक हमाने वाकरिक हमाने वाकरिक हमाने वाकरिक हमाने कार्यां कार्यां

शादीन माध्य देवते वरिकार (व मक्त प्रश्निक वीदिका १००१) आहे. वर्षकान एकाएक आहे. वर्षकान एकाएक आहे. वर्षकान एकाएक व्यवस्थान आहे. वर्षकान कार्यकान का

কাৰলৈ বোধ বহু দেবনৈ বই-বেলম কড়েছে - মানবপ্তজ্বিত মানে নিবম লক্ষ্যন কৰবাৰ একটা বেল আছে, কিছু দেনৈ কি লাভিছেও বৰ্ণনা কৰবাৰ বিবম দ ও কৰেব উদ্ধিৰ আৰ্হমান কালেব দমক লাভিছেওই লিছে, আন্তৰ্ভৰ আমি নিজাৰৰ ধাৰ্যালক কভি তাত ন

ছাৰ লোক্ষ্য স্বামানের লোল কৰিবলাল স্বালোচনের হান্তর সারি হয় বিচাৰ প্রতিলাহানিছাবের স্কন্ধ হয় উট্টেছে। প্রিয়ের কোন নারিছিক্ত হিলুক্ষেট হিলাবে বাহ্যা উৎকর্ম প্রকাল বারেছে ভাই নিছে স্বালোচক। মহলে প্রভাৱিক কিন্তুক্ত বিভাগত চলে বাবে। নার ভাবে স্বালীক প্রতি ক্ষরিকাল কার্যানিক প্রতিলাক বাবে হিলুক্তিছে কান্ত্রা আন ধরা প্রেয়েছ, প্রকালী সারীর প্রেয়নী স্তিনিকে নিষ্কেরক প্রেয়নী কর্যান্ত্র না প্রালয়ের স্বাল

বিশ্বনদীকের কঠো নামর ব্যেছে, পর্ক্তনা কী আন্তর্গ বিশ্বনারী, 95 কী আন্তর্গ বিশ্বনারা, এই-সকল বিচার-প্রহসন আয়াদের কেলে সাতি হ বিচারের নাম ধরে নিজের গাজীয় বাঁচিয়ে চলতে পাছে— কলতে খ কোমাল এমন দেনা যায় না। লেক্সনীয়ের অনেক নাছিলার ক্সি করেছে কিন্তু ভাষের মধ্যে ইংবেছ-ব্যানীর কাট্টা প্রকট হরেছে এ নিত্তে কেট কিন্তু না, এমন-কি, ভাষের প্রভানির মায়া নিজিত্ব ওজনে পরিমাণ ক প্রদান বান্ধানারা মানা লেওয়া প্রভান পাজিছের ছারাও ঘটা সকল নত্ত্ব।

আমি বহুকো এ কথা বলে ভালো করনুম না। কেননা, জনতে কোপাও নেই সেইটেই ভারতে আছে, এই বজে আপুনিক বাহালির লাকিছ ভারত ভো বাহালির ক্ষমী নয়, আমরা সাহিত্য-স্মালোচনা প্রকার প্রেপ্ত ভারতেবই ছিল। সেই ভারতের অলাকারপাত্মে নাহিব বিচার মহাপরাপ্রের সঙ্গে মিলিয়ে করা হয় নি, মানবচরিয়ের বৈচিঃ অলাবারই ভালের শ্রেটিবিভাগের চেই। হয়েছিল। আমি এ-বছম প্রেটিভাগে ভালো বলি নে। কারণ, সাহিত্য চো বিজ্ঞান নয়, সাহিত্যে প্রেটিভাগে ভালো বলি নে। কারণ, সাহিত্য চো বিজ্ঞান নয়, সাহিত্যে প্রেটিভাগে ভালো বলি নে। কারণ, সাহিত্য কো প্রত্যাপ্ত কার্য না। তবু বলি নিভাগেই শ্রেটিবিভাগের পথ সাহিত্যাও মেটিভা ভালা হয় না। তবু বলি নিভাগেই শ্রেটিবিভাগের পথ সাহিত্যাও মেটাও জালাকার না। তবু বলি নিভাগেই শ্রেটিবিভাগের পথ সাহিত্যাও মেটাও মানবজ্ঞাবের বৈচিত্রা -মন্ত্রসাবের শ্রেটিবিভাগে করা কারব্য।

चरपन्र श्रम

শেষিকার কাছে আমার শেব নিবেচন এই বে, সন্তের ভিতর ্যা সারের চেবে বেলি কিছু যদি আদার করতেই হয় তা হলে অভ্যন্ত পাহ শেষ পর্যন্ত অংশকা করতে হবে। আর-এবটি কথা এই বে, আমিও লেন আলোবানি, তা যদি না হতে তা হলে দেশের লোকের কাছে লোকি হওয়া আমার পক্ষে ক্ষিন হতে নাঃ সভ্যা প্রেমের পথ আরামের নহ. শাৰ উপনি । নিৰিম্পান্ত স্থালেৰ শুকিলাত নেই এখা সকলেৰ জালোৰ কৰে নাই কিছ সোপাৰ কেইব বনি হাৰ দা অপ্যাত সভা কৰি আ বাল কৰে নাই সাজনা পাকৰে যে কাটা বাভিয়ে চনবাৰ কাছ সাধনাৰ জিলাছকৰ কৰি নি । হাৰ পাট আছে হাৰ নেই, কিছ আমাৰ সকলেই চোহ বেসনাৰ বিজয় এই যে, যা সাভা মনে কৰি ভাগে আকাল কলাত বিজয় লোকৰাৰ আমা আনেক সকল আছাবান বাস্পাব্যালৰ ও পৰাল কেনা বিজয়ি। সে আমাৰ জালায়, কিছু যে আমাৰ আলায়, কিছু যে আমাৰ আলায়ৰ মানুন

一种文献 明显 1 544年 職權者物學

কৰে বাৰীৰে সাধ্যাৰে প্ৰকাশিক ধাৰীবাৰ পৰ সহজ্ঞান প্ৰথম টাছাছ বিজ্ঞান স্বাহালয় কৰিছিল। ২০১৬ জালেৰ তেওঁ মানেৰ প্ৰকাশীয়ক সৈটোজ্ঞান বিভাগ প্ৰথম বাৰীজনাৰ ও স্বাহাৰ শীৰ সকলা প্ৰকাশ কৰেন। নিয়ে জাতঃ মুদ্ৰিক ধাৰীকলা

milimitatie.

মৰে নাউৰে উপজাদনানা পৰিয়া বাংপাও পাঠৰ মহলে এখনো কৰা ইলিকেছে। হুদ্যাবেল যথন আৰু আৰু প্ৰদেশ হয় অথন মাজৰ লক্ষ্য ভাজিব। পাছ কৰে নাজৰে লক্ষ্য ভাজিব। পাছ কৰে নাজৰে নাজৰে লক্ষ্য কোন ত্ৰাপ পাইবেছে। এক জালোছে কেনি লাছ, আৰু নাউৰে পাছৰে পোছ ভোজ ভোজ আকাৰে পাইনে লাউনে বজনবৰ্ণ ইন্ধা কৃতিবাছে। ইন্ধাৰে পাছলাই বিশ্ব ভিজা কৰিয়া উপাধির বইলাছ । পাইছে ইন্ধা পাইছে ইন্ধাৰ বাংলাইছে পাইছিলাই না

পদ্ধ নাইয়া মান্তবেৰ পাদে 'দক' চাল' না: ভাইবৰিও আনেক পূৰ্ব বইকেই কৰিবা এ সম্বাদ্ধ অবভাগিলোগে বাল ক'ছিবা বলিবা আন্তেন : আন্ত কালিদানক কৰিতটে লিখিবাছেন, কিছ দিছুনাগাচাৰে স্বিত বং অতিবাদ কৰেন নাই : সাধাবদাত কৰিছেব নিশা-শস্তিক বলিত বং অতিবাদ কৰেন নাই : সাধাবদাত কৰিছেব নিশা-শস্তিক বলিত বাণা শাভে, কিছ নেই শস্তিকৃতা প্ৰতা (ছই-এক্সন হাতা) উলা নিশ্বেটি ক্ষেত্ৰ আত্তৰ কৰিবাছেন, সাহিত্যকৈ ক্ষুদ্ধ কৰিবা বেশা নাই। যথন উচ্চালেৰ দেখাৰ প্ৰতি কেছ কলছ শাহেবাদ কৰিবাছে ওং দেই ক্ষুদ্ধিৰ ভাৱ তাৰ উচ্চাৰা কালেৰ হাছেই স্মূৰ্ণৰ কৰিবাছে ওং টোছালেৰ নদা গাহাৰা ভালাবান ঠাজাদেৱ লেখা সক্ষেত্ৰ ইয়াই পদ হাইছা সাম্বাদ হাছে যে, উচ্চালেৰ বঙ্নাৰ কলস আলোকাৰিক ছিল, একটা বে একগোটা পাকিতে পাৰে, কিছু তবু কৰিচ হাইডে বদ বাহিব বছিল মানিত। সাহিত্যে টো কল্ডাভক্নেৰ পালা আনেক দিন হাইডে আনেবৰ অভিনীত হাইছাছে, বাহাৰা আলোকাৰিক উল্লেখ্য প্ৰভাৱ বন্ধা গাইঘাছেন।

মধে বাইবে সহছে বসবোদ শইয়া মৰি কথা উঠিত তাবে সে কথা হ কটু হউক নীবাৰ থাকিলোম। কিছুবে কথা উঠিবছো ভাষা সাহিলোসীম ন বাহিবের জিনিস। ভাষা যুক্তির অধিকগবের মধ্যে, বাহ্বাং ভাষা গ ভাকী চলে, এবা ভাকী না চালাইলে কর্ত্রাপালন করা হয় না। বং মাহা অঞ্চাহ ভাষাকে সহা করিছা লোকে সাধারণের ক্রান্তি অঞ্চায় ব হয়।

ঘরে-বাইবে বাতির হইবার পরেই আমার বিক্তে একটা নার্নিলা পেল বে, আমি এই উপজ্ঞানে দীয়ের প্রতি অসমান কর্ম করিয়াছি। কথাটা এতই অধুত বে আমি আলা করিয়াছিলাম ছে, গি, আমাদের কেলেও ইলা গ্রাছ লইবে না। কিছু কেলিগাম লোকে নাটের সহিত ইলা গ্রহণ করিয়াছে, এক জনগণের নিজায় একলা দীবোলিত হইবাছিলেন এ গ্রহও সেইকল স্বামাজদের সহালাইবেরি -ব্যবের টেকিল লইকে নির্বাসিত হইতে থাকিল।

ক্টাকে সামাজ ব্যক্তিবাত হিসাবে কেবিলে ইংগতে বিশ্বেষ ক্টেক্টিন্ধ নাই ৷ কিছা কেবেলানো আভাবি মাধ্যের বিভাববাদ্যক বিভাগ করে কেট অভাব বলি বালেক বইবা উঠিলে লাকে, তাৰ ন্দ্যাক লাভান্তাক আক ক্তিজনক বলিয়া পথা কবিছে বইবে আভাবৰ বাল কাইছে প্রভেগ কে মাধ্যেৰ বানাইছা পুলিছা আমাৰ আভি কবলত আল্ভোলনাক চলিনাক্তম সহী মাধ্যাবিত্ব অভিযোগটোৱে বিশ্বেষ্ণ করিয়া ভ্রম্বার্থ প্রকার।

ইটাকান্যে নাটকে বা নছেলে য আখা নেবছ লাভয় যাছ আছেছে এগন্তা বিভিন্ন আছে। কিন্তু সকল গৈতিনালাক্ত এই সম্ভ আখালেন এই এই কিন্তু আখালেন হৈ বিজে লাই এই আছে। কিছু নহ, লাগাৰ ভগাল ভালেন আজে বিশ্বা কিলাকান কেবিটো লাইবা বাখালে গ্ৰু, মহ ভালাক কেবিছাইছ বিকাশা কেবিটা । কেবলই সম্ভাই নকলৈন ভালে, কোনাক আজে কানো আজাল নাই, বন্ধনাকাল কিছু হিনি লাবেন কিন্তু সাহিত্যাৰ ভালে কালোৱা কৰা আছান আলোন আজাল কানো আজাল কান্ত্ৰী কৰা কৰা আছান কানো আজাল কানো আজাল কান্ত্ৰী কৰা কৰা আছান কানো আজাল কানো আজাল কান্ত্ৰী কৰা আছান কান্ত্ৰী কৰা আজাল কানো আজাল কান্ত্ৰী কৰা কান্ত্ৰী কৰা আজাল কান্ত্ৰী কৰা কান্ত্ৰী কৰা কান্ত্ৰী কৰা আজাল কান্ত্ৰী কৰা কান্

वार गर्भ (वादी वसान है कावार का रिश्न विद्या निमास विद्या का वादी है। जिल्ला का का वादी मार्थि हो। विद्या के बलक्यों नहीं के क्रम का वादी मार्थि हो। विद्या के बलक्यों नहीं के क्रम वादी के साम का का है। वह राम के क्रम का मार्थि है के विद्या का विद्या का वादी का वादी का का वादी का निमास का वादी का निमास का वादी का वाद

নিজৰ কাছে ইয়াৰ পৰীকা কৰিব। কেনিনেই এক মুহুটেই আমাধ ১০ সপ্ৰমান ষ্টানে। কিন্তু নেই নিজই কি বড়ো। চইবা এম এ. পান কহি। মাত্ৰ, নুয়োৰ বাজসটা মৰান্ কিনন্তকিব নীচে চাপা পঢ়িবা নক কৰে পাৰি নজক আন্তক্ষাইডে বাজিবে!

হাই হউক, সকল ভাষাৰ সকল সাহিত্যেই ভালো মুক্ত হাই বহ চিহিছেই মান্তৰ আগতে ছান পায়। পুণাভূমি ভাষাভ্যকৈও পেইছ ব্যাবহ চলিয়া আগিয়াছে। এই জন্তই খবে-বাইবে নতেলে বখন স্থাপ অবভাষণা পৰিছা ছলাম তখন মৃত্যুট্থ জন্তও আগতা কৰি নাই বে, এলইছা আমানের বলের উপানিগারী এত সন্মানন লোকের কাছে আমান এমন অবাষ্টিভিব লাভে পঢ়িতে চইবে। এখন ইইটেড ভবিন্ততে ব আগতা মনে বাখিব, কিছ জন্তাৰ সালোধন কবিতে পাবিব না, বেন আমানের দেশের বর্তমান কাল ছাড়াও কাল আছে, এবা প্রামান্ত লোক আছে, তাছারা নিজ্যুট্ট বাজ্যের মূর্ব চইটেড এই মান্ত নীতিবিক্তম কথা জনিতে চায়— ইটি মান্ট বাটি যাল্যবের সভা পাইচ জন্ত্রিকৃয় ব্যাবলা প্রযোগেও ভাছারা বাংলা ভাষা সহতে উপ্রিয় ছালা।

স্থানি আমাৰে প্ৰশ্ন কৰা চইবে, দলীপ বত বড়ো মন্দ্ৰ লোকই চই আহাকে দিয়া সীতোকে অপমান কেন ? আমি কৈছিছত বছলে বাব³¹⁶ লোহাই মানিব। তিনি কেন বাবেকে দিয়া সীতাক অপমান বড়ীইবে তিনি তো অনাবাদেই বাবপকে হিয়া বলাইতে পাবিজেন হে, 'ম'লে আমি বিল হাতে তোমাব পাহেব গুলা লইয়া দল লগাটে ভিত্তক ক'টি আসিহাছি।' বেহুবালে কেন হুলালনকে দিয়া, জনম্বৰকে দিয়া প্ৰেন্দিটি অপমানিত কবিহাছেন ? বাবপ বাবলেব বোলাই কাম কবিহাছে, চলা অন্তৰ্মধ হাহা কবিহাছে তাহা ভাষানিপ্ৰকই লাকে। তেমনি আহাব মানীপ নীতা সহছে বাহা বলিয়াছে তাহা নালীপেনই বোলা; অত্যান

केवी प्रकार क्या परिवाहि काहा गांवक १वेडारक । अस तमे गांवकि माहिरका विचार विकास हर ।

यति व्यक्तिक कामन कामन कामन है जानिकारी असन क्या साक का नाक निकार वाकिएक एए गानानंद श्रक मीनावन्त वाकों। व्यक्ति व्यक

ক্ষামি কল্প নেশের কবি ও লেখাকর সাহ বইজে কোনো দুৱাল্প বিনত্ত বিবাদের না ও কেননা ব্যান কথা কাখাবের লেখে প্রচলিত যে, কল্প কেবেৰ বিক্ষা কাথাক্ষাম্বর কোনো জ্ঞালে ফিল নাই, কেই প্রতিষ্ঠানেই কাথ্যমূহে বিক্ষাইয়া পাক্য জ্ঞান্তেই জ্ঞাননাল লাহিছের লক্ষ্যান জ্ঞান ক্ষান্ত্রাল বিক্যাইয়া পাক্য জ্ঞানাকেই জ্ঞাননাল লাহিছের লক্ষ্যান জ্ঞান ক্ষান্ত্রাল বিক্যা কৃষ্যাক্ষর লাহিছ্য ।

--- metell - 1040 ftm

ব্রীথমিরমা চক্রবর্তীকে একটি চিটিছে (২২ কাছন, ১৯২২) ছবেকা সহজে ব্রীয়ানাথ লিখিয়াছিলেন—

क्षावध (क्षेत्री को नहाँकेक क्षण सन याचा करवरहन, किस (१) दह कवकी। नीनाकरणरे करत थानरतन। क्षत्र मरा (कारन) क्षण-क्षणक्त (क्ष्रो (नर्डे, क (क्षणमाको नहा। माक्षरत व्यवस्त्र गरम शहर क्षण करकत भरन व्यक्त याकश्चिमारक (व यानिकाम केंब्र्लिन) बर्द्ध कर मरा। कारहे वर्तना चारक। कार (कार द्वित समि किस् भारत च्यावत हरा चाकविक)

STATE CENTRAL LANGE AS NO. L. CALCUTTAL